



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 45]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 10, 1973 (कार्तिक 19, 1895)

No. 45]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 10, 1973 (KARTIKA 19, 1895)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

(PART III—SECTION 1)

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 अक्टूबर, 1973

सं० ए० 32013/1/73-प्रशा०-1—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I के स्थाई अधिकारी श्री बी० के० लाल को, राष्ट्रपति द्वारा 19 सितम्बर, 1973 से 18 दिसम्बर, 1973 तक (दोनों दिनों सहित) 3 मास की अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के कार्यभार ग्रहण करने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० भागवत

अवर सचिव,

प्रशासन प्रभारी

संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक/एवं प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर, 1973

सं० पी० एफ०/एस०-242/73-प्रशा०-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा पश्चिम बंगाल पुलिस के अधिकारी श्री संतोष कुमार लहरी को 27 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश मिलने तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण 1-316GI/73

(5479)

ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, आधिक अपराध स्कंध, कलकत्ता में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल

प्रशासन अधिकारी (स्था०)

कृते पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक 22 अक्टूबर, 1973

सं० पी० एफ०/के०-3/73-प्रशा०-5—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा श्री कान्ति कुमार शर्मा, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कंध बम्बई का त्यागपत्र स्वीकार करते हैं। श्री शर्मा ने केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में अपने लोक अभियोजक पद का 22 सितम्बर, 1973 (अपराह्न) से कार्यभार छोड़ दिया है।

गुलजारी लाल अग्रवाल

प्रशासन अधिकारी (स्था०)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्टूबर, 1973

सं० 2/33/73-प्रशा०—श्री रविन्द्रनाथ, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थाई सहायक, जिनको आयोग के अधिसूचना सं० 2/33/73-प्रशासन दिनांक 4-9-73 द्वारा स्थानापन्न रूप से

अनुभाग अधिकारी नियुक्त किया था, 29 सितम्बर, 1973 पूर्वाह्न से सहायक प्रत्यावर्तित कर दिया।

बी० व्ही० दिधे
अवर सचिव
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर, 1973

सं० ओ०-2-110/69-ईस्ट०—श्री टी० के० मैनन, ने भारत सरकार, गृह मंत्रालय द्वारा दिए गए समयपूर्व निवृत्ति के 3 मास के नोटिस की अवधि की समाप्ति के फलस्वरूप 18 सितम्बर, 1973 के अपराह्न में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स की 45 बटालियन में कमान्डेंट के पद का कार्य भार छोड़ा।

श्री मैनन को 18 सितम्बर, 1973 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त माना जाएगा।

दिनांक अक्टूबर, 1973

सं० एफ०-4/28/73-ईस्टैन (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति, श्री एम० एस० भोपराइ, डी० वाई० एस० पी० को तदर्थ रूप में अस्थाई रूप से अगले आदेश जारी होने तक सहायक कमान्डेंट के पद पर पदोन्नत करते हैं।

2. उन्होंने डी० वाई० एस० पी० (कम्पनी कमाण्डर/क्वार्टर मास्टर) के पद का त्याग 33वीं बटालियन से 19 सितम्बर 1973 को किया तथा सहायक कमान्डेंट का कार्यभार ग्रुप सेक्टर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल नीमच में तदर्थ रूप से 19 सितम्बर, 73 (पूर्वाह्न) संभाल लिया।

सं० एफ० 3/1/73-स्था०—राष्ट्रपति श्री एस० एस० गिल, सहायक कमान्डेंट को तदर्थ रूप में अस्थायी रूप से अगले आदेश जारी होने तक कमान्डेंट के पद पर पदोन्नत करते हैं।

2. उन्होंने सहायक कमान्डेंट के पद का त्याग 86 बटालियन से 30 अगस्त, 73 (अपराह्न) को किया तथा कमान्डेंट का कार्यभार 10 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में तदर्थ रूप से 3 सितम्बर 73 (पूर्वाह्न) संभाल लिया।

शुद्धि-पत्र

सं० सी० 6-3/73-स्था०—इस निदेशालय के सम संख्या अधिसूचना दिनांक 8 मई, 1973 में तीसरी पंक्ति में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के उपरान्त जोड़िये :—

“8 मई 1973 से”

एस० एन० माथुर
सहायक निदेशक (प्रशासन)

कार्यालय, भारत के महापंजीकार

नई दिल्ली-11, दिनांक

सं० 25/24/73-आर० जी० (ए० डी० I)—राष्ट्रपति श्री बिशन बिहारी को, जो भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक हैं, दिनांक 8 अक्टूबर, 1973 के पूर्वाह्न से एक साल की अवधि के लिए या अगले आदेश प्रेषित होने तक, जो भी पहले हो, उसी कार्यालय में तत्काल रूप से शोध अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

उनका मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 25/107/72-आर० जी० (ए० डी० I)—राष्ट्र-संघ विकास कार्यक्रम से सम्बन्धित सेवा के अन्तर्गत नियुक्ति के फल-स्वरूप कुमारी जी० सुगुना कुमारी जो भारतीय सांख्यिकी सेवा के चतुर्थ श्रेणी के अधिकारी हैं, दिनांक 6 अक्टूबर, 1973 के अपराह्न से भारत के महापंजीकार के कार्यालय में वरिष्ठ शोध अधिकारी पद के कार्यभार को सौंप देंगे।

राष्ट्रपति श्री आर० के० गुप्ता को, जो भारतीय सांख्यिकी सेवा के चतुर्थ श्रेणी के अधिकारी हैं और भारत के महापंजीकार के कार्यालय में शोध अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे हैं, दिनांक 8 अक्टूबर, 1973 के पूर्वाह्न से एक साल की अवधि के लिए या अगले आदेश प्रेषित होने तक, जो भी पहले हो, उसी कार्यालय में कुमारी जी० सुगुना कुमारी द्वारा खाली किए गए वरिष्ठ शोध अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री गुप्ता का मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में होगा।

रा० भ० चारी,
भारत के उप महापंजीकार एवं पदेन
भारत सरकार के उप सचिव

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 10 अक्टूबर, 1973

सं० ई० 38013(3)/29/73-प्रशासन-I—भिलाई से स्थानान्तरित होने पर, श्री एन० एन० डी० कौल ने दिनांक 12 सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की 13वीं बटालियन के सहायक कमान्डेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया। उनका मुख्यालय दुर्गापुर में होगा।

दिनांक अक्टूबर, 1973

सं० ई०-38013(2)/16/73-प्रशासन-1—नेवेली से स्थानान्तरित होने पर, श्री सी० पी० रामाकृष्णन ने दिनांक 23 सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की 10वीं बटालियन के कमान्डेंट पद का कार्यभार संभाल लिया। उनका मुख्यालय विशाखापटनम में होगा।

एल० एस० बिष्ट,
महानिरीक्षक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्टूबर, 1973

सं० 936-सी० ए० आई०/50-73—भारत के अतिरिक्त
उपनियंत्रक और महालेखापरीक्षक (वाणिज्य) ने महालेखाकार
हरियाना कार्यालय के श्री जी० भी० बोस्कर एक स्थायी विभागीय

अधिकारी (वाणिज्य) को अगला आदेश दिये जाने तक स्थानापन्न
लेखा परीक्षा अधिकारी (वा) के पद पर 21 जुलाई, 1973
(पूर्वाह्न) से नियुक्त किया और उसी तिथि से कार्यालय महा-
लेखाकार जम्मू-कश्मीर में तैनाती का आदेश दिया है।

सुशील देव भट्टाचार्य,
उप निदेशक (वाणिज्य)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 1 अक्टूबर 1973

सं० 40011(2)/73-प्रशा० ए०—निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर प्रत्येक के नाम के
सामने लिखी तारीख के पूर्वाह्न से पेंशन स्थापन को अन्तर्हित किया जाएगा।

क्रम सं०	रोस्टर सं० सहित नाम	ग्रेड	58 वर्ष की आयु प्राप्त करने की तारीख	संगठन
सर्व श्री				
1.	श्री ए सी० राय (पी०/193)	स्थायी लेखा अधिकारी	1-12-1973	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना।
2.	श्री नन्द लाल सहगल (पी०/254)	स्थायी लेखा अधिकारी	13-12-1973	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन), इलाहाबाद।
3.	श्री डी० बी० कुलकर्णी (पी०/468)	स्थायी लेखा अधिकारी	24-12-1973	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।
4.	श्री एम० डी० नारसकर (पी०/640)	स्थायी लेखा अधिकारी	4-12-1973	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान, पूना।
5.	श्री बी० एस० राघवन (ओ०/131)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	8-12-1973	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान, पूना।
6.	श्री एस० जी० जोशी (ओ०/310)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	22-12-1973	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर), पूना।

दिनांक 8 अक्टूबर 1973

सं० 40011(1)/73-प्रशा० ए० — रक्षा लेखा महा नियंत्रक एतद्वारा निम्नलिखित स्थायी लेखाकारों को, प्रत्येक के नाम के
सामने लिखी तारीख के पूर्वाह्न से स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में आगामी आदेश पर्यन्त नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	संगठन जिस में सेवा रत	तारीख
सर्व श्री-			
1.	आर० के० रामानाथन	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	16-8-1973
2.	एस० बी० दाते	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	16-8-1973
3.	एस० एन० दन्दोना	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	22-8-1973
4.	बाबा बीर सिंह	संयुक्त रक्षा लेखा नियंत्रक, मेरठ	16-8-1973
5.	जी० पी० चौधरी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	16-8-1973
6.	बी० श्रीनिवासन	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना), देहरादून	10-9-1973
7.	पी० बी० बी० एस० रतनाराव	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	10-9-1973

क्रम सं०	नाम	संघटन जिसमें सेवारत	तारीख
8.	आर० राजा गोपालन	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	10-9-1973
9.	हरी कृष्ण लाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेंशन), इलाहाबाद	10-9-1973
10.	के० बेंकटारामन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक), उत्तर, मेरठ	10-9-1973
11.	बी० सुब्रामणियन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	10-9-1973
12.	वाई० डब्ल्यू० मूदन	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन), इलाहाबाद	10-9-1973
13.	एन० दत्त मजूमदार	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	10-9-1973
14.	एम० एल० देब	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	10-9-1973

दिनांक 11 अक्तूबर 1973

सं० 23012(1)/73-प्रशा०-ए०—रक्षा लेखा महा नियंत्रक श्री ओम प्रकाश नारंग, स्थायी लेखाकार को 8 मई, 1973 पूर्वाह्न से मूल पद धारी के रूप में लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 अक्तूबर 1973

सं० 40011(2)/73-प्रशा० — निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत किया जायगा।

क्रम सं०	रोस्टर सं० सहित नाम	ग्रेड	58 वर्ष की आयु प्राप्त करने की तारीख	संघटन
सर्वे श्री				
1.	पूर्णानन्द गांगुली (पी०/154)	स्थायी लेखा अधिकारी	1-1-1974	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता।
2.	सुधीर च० चक्रवर्ती (पी०/191)	स्थायी लेखा अधिकारी	1-1-1974	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता।
3.	ओम प्रकाश खारी (पी०/460)	स्थायी लेखा अधिकारी	2-1-1974	दिल्ली प्रशासन में प्रतिनियुक्ति पर एवं रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ की प्रोफार्मा नफरी पर विद्यमान।
4.	अक्षय चन्द्र तरफदार (ओ०/107)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	1-1-1974	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना।
5.	मुरली धर बौराए (ओ०/141)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	5-1-1974	नेहरू पर्वतारोही संस्थान उत्तरकाशी (उ० प्र०) में प्रतिनियुक्ति पर और रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना की प्रोफार्मा नफरी पर विद्यमान।
6.	टी० के० कृष्णामूर्थी (ओ०/398)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	1-1-1974	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता

सं० 40011(2)/73-प्रशा०-ए०—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 40011(2)/73-प्रशा०-ए० दिनांक 20-7-1973 में, जो कि भारत के राजपत्र भाग-III खण्ड-1 दिनांक 11-8-1973 (पृष्ठ 2514) में प्रकाशित हुई है, निम्नलिखित संशोधन किए जाते हैं :—

(i) चौथी पंक्ति में 2-7-1973 के स्थान पर 3-7-1973 पढ़िए ।

(ii) अन्तिम पंक्ति में 3-7-1973 के स्थान पर 4-7-1973 पढ़िए ।

एस० के० सुन्दरम
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक ।

कार्यालय, महालेखाकार, मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 29 सितम्बर, 1973

सं० प्रशासन एक/3179—श्री आर० एम० पाठक, स्थायी लेखा अधिकारी कार्यालय महालेखाकार म०प्र०, ग्वालियर को अधिवाषिकी वय प्राप्त होने पर दिनांक 26-12-1973 पूर्वाह्न से शासकीय सेवाओं से सेवा निवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं ।

दिनांक 12 अक्टूबर, 1973

सं० प्रशासन एक/3598—महालेखाकार, मध्य प्रदेश, इस कार्यालय के नीचे लिखे स्थाई अनुभाग अधिकारियों को लेखा अधिकारी के पद पर उनके सामने लिखे दिनांक से आगामी आदेशों तक स्थानापन्न नियुक्त करते हैं :—

क्रमांक	नाम	दिनांक
(1)	श्री डी० जे० दुफारे, (अनुसूचित जाति के आरक्षित रिक्त पद पर)	4-10-73 (पूर्वाह्न)
(2)	श्री राम चन्द्र गुप्ता	1-10-73 (पूर्वाह्न)
(3)	श्री व्ही० एस० गंडागुले	28-9-73 (अपराह्न)
(4)	श्री पी० डी० आहूजा	1-10-73 (पूर्वाह्न)

के० सी० बुबे
वरिष्ठ उप-महालेखाकार/प्रशासन ।

केरल के महालेखाकार का कार्यालय

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 15 अक्टूबर, 1973

सं० एस्ट० ए०/IV/9-86/261—केरल के महालेखाकार ने इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों

(लेख-परीक्षा तथा लेखा) को प्रत्येक के नाम के आगे दी गयी तारीख से स्थानापन्न रूप में लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त किया है :—

1.	श्रीमान आर० श्रीधरा वारियर	24-9-73	अपराह्न
2.	„ ई० जे० मात्यू	„	„
3.	„ पी० डोरैस्वामी	„	„
4.	„ सी० एम० रामचन्द्रन	25-9-73	पूर्वाह्न
5.	„ के० जी० शंकर	24-9-73	अपराह्न

टि० सेतुमाधवन
उप-महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय महाराष्ट्र

बम्बई, दिनांक 19 अक्टूबर, 1973

सं० एडमन० आई०/आई० ए० डी०/31-Vol. II/15—महालेखाकार, महाराष्ट्र—I अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री इ० एस० रामचन्द्रन् को दिनांक 15-10-1973 पूर्वाह्न से अपने कार्यालय में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं ।

सं० एडमन० आई०/आई० ए० डी०/31-Vol. II/16—महालेखाकार, महाराष्ट्र—I, अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री पि० डि० सरस्वोत को दिनांक 15-10-1973 पूर्वाह्न से अपने कार्यालय में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं ।

आर० एस० शर्मा,
उपमहालेखाकार, (प्रशासन)

स्वास्थ्य एवं कृषि तथा पुनर्वासि मंत्रालय (पूर्ति विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 21 सितम्बर, 1973

सं० ए०-32014/73-74/प्रशासन (सम०)/3818-23—मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूर्ति विभाग खाद्य एवं कृषि मंत्रालय तथा पुनर्वासि नई दिल्ली में अपने संस्थान के श्री एन. के० शर्मा अनुभाग अधिकारी (वेतन एवं लेखा) को 10-9-1973 के पूर्वाह्न से उप मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, खाद्य एवं कृषि मंत्रालय मद्रास के कार्यालय में आगामी आदेश तक स्थानापन्न वेतन तथा लेखा अधिकारी नियुक्त किया है ।

इनकी पदोन्नति नामिका (पैनल) में उनसे वरिष्ठों के दावों और अधिकारों से पूर्वाग्रह रहित है ।

अरुणा माखन,
उप मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्म्स फैक्ट्रियां सेवा,
महानिवेशालय, आर्म्स फैक्ट्रियां

मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी का कार्यालय

कलकत्ता-16, दिनांक 27 सितम्बर, 1973

सं० 48/73/जी०—निम्नलिखित अधिकारीगण, 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर, प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से, सेवा निवृत्त हुए :—

1. श्री एम० राय हृष्णा, स्थायी प्रबन्धक 3 सितम्बर, 1973

2. श्री के० एन० बेन्कटाचारी, स्थाना- 21 जून, 1973
पत्र सहायक प्रबन्धक (स्थायी
फोरमैन)

एम० पी० आर० पिल्लाय
सहायक महानिदेशक, आर्डनेंस फैक्टरियां

बिस्स मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
बैंक नोट मुद्रणालय

देवास (म० प्र०), दिनांक 29 सितम्बर 1973

सं० बी०एन०पी०/ई०/8/एच०-4 — श्री के० सी० हिन्डोल निरीक्षक नियंत्रण को विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, बैंक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०) के कार्यालय में दिनांक 1-10-1973 (पूर्वाह्न) से प्रभावी करते हुए नियंत्रण अधिकारी के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने हेतु तदर्थ आधार पर एक वर्ष की अवधि अथवा पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले घटित हो, उस अवधि तक के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 12 अक्टूबर 1973

सं० बी०एन०पी०/ई०/स्पे०/27 — श्री आर० ए० मिश्रा, कनिष्ठ प्रशासकीय अधिकारी, बैंक नोट मुद्रणालय, देवास की स्थानापन्न नियुक्ति तदर्थ आधार पर दिनांक 1 अक्टूबर, 1973 (पूर्वाह्न) से दिनांक 31 दिसम्बर, 1973 तक जारी की जाती है।

सं० बी०एन०पी०/ई०/स्पे०/8/व्ही-I—श्री के० विजय कुमारन्, सहायक यांत्रिक (संरक्षण) बैंक नोट मुद्रणालय, देवास की स्थानापन्न नियुक्ति, तदर्थ आधार पर दिनांक 1 अक्टूबर, 1973 (पूर्वाह्न) से दिनांक 31 दिसम्बर, 1973 तक जारी की जाती है।

आर० रामास्वामी
विशेष कर्तव्य अधिकारी

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद (म० प्र०), दिनांक 15 अक्टूबर 1973

सं० 3(10)/5408 — श्री ए० के० घोषाल, लेखपाल को प्रतिभूति कागज कारखाना, होशंगाबाद में लेखा अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से वेतनमान रु० 590-30-830-35-900 दिनांक 27-9-1973 पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है। श्री ए० के० घोषाल की नियुक्ति के परीक्षण काल की अवधि दो वर्ष रहेगी।

पी० एस० शिवराम
महाप्रबंधक

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1973

सं० सी०(10)/ए०III/ए०II— भारत सरकार मुद्रणालय, सन्नागाछी, हावड़ा के सहायक प्रबंधक (तक०) निवृत्ति की आयु

प्राप्त होने पर 1-7-1973 के पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

राज कुमार घिब
उप निदेशक (प्रशासन)

श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय
(श्रम एवं रोजगार विभाग)

श्रम ब्यूरो

शिमला-171004, दिनांक नवम्बर, 1973

सं० 23/3/73-सी० पी० आई०—सितम्बर, 1973 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता भूल्य सूचकांक (आधार 1960-100) अगस्त स्तर से एक अंक बढ़ कर 248 (दो सौ अड़तालीस) रहा। सितम्बर, 1973 माह का 1949 आधार वर्ष पर अनुमानित सूचकांक 301 (तीन सौ एक) आता है।

एस० सोमसुन्दरम आयर
उप निदेशक
श्रम ब्यूरो

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन तथा दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1973

सं० 46 ए०/स्थापना-1 — विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री जे० एम० डे जो कला प्रबंधक (दृश्य) के पद से 7 जुलाई, 1973 के अपराह्न सेवा से निवृत्त हुए थे, को 12 सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक वरिष्ठ कलाकार के पद पर सहर्ष पुनः नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 अक्टूबर 1973

सं० ए०-12025/1/72-अ०-1 — निदेशक, विज्ञापन तथा दृश्य प्रचार निदेशालय, एतद्वारा श्री भारत सिंह भवौरिया को, 21 सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, स्थानापन्न हिन्दी अधिकारी (विज्ञापन) के रूप में कार्य करने के लिए नितांत तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

रोशन लाल जैन
उप निदेशक (प्रशासन)

कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 8 अक्टूबर 1973

सं० 6/38/56-सीबन्दी-I — श्री वी० वी० कृष्णन् ने अनुरक्षण अभियंता फिल्म प्रभाग बम्बई के पद का दिनांक 15-9-1973 के अपराह्न से कार्यभार छोड़ने के कारण वे उसी दिनांक से सहायक अनुरक्षण अभियंता के पद पर प्रत्यावर्तित माने जायेंगे।

के० एस० कुडवा
प्रशासकीय अधिकारी
कृते नियंत्रक तथा प्रमुख निर्माता

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1973

सं० ए०-30014/1/73-एस०-एक — महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री बलदेव मिश्र, श्रोतृगण अनुसंधान अधिकारी, कटक को उसी पद पर 5 सितम्बर, 1972 से स्थायिवत् (क्वासी-पमनिट) क्षमता में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 अक्टूबर 1973

सं० 6/110/63-एस०-एक — महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री पी० टी० मैथ्यू, प्रसारण निष्पादक, त्रिवेन्द्रम को 21 सितम्बर, 1973 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी पणजी पर तदर्थ आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 6/108/63-एस० एक — महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री के० आर० दालवी, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी अहमदाबाद, को 30 अगस्त 1973 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर, तदर्थ आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 अक्टूबर 1973

सं० 12/17(1)/72-सतर्का — महानिदेशक, आकाशवाणी, अधीक्षक कृषि अधिकारी, महाराष्ट्र सरकार, नागपुर मंडल, नागपुर के कार्यालय के कृषि पर्यवेक्षक श्री एम० एस० दलाल को आकाशवाणी के नागपुर केन्द्र में दिनांक 15 सितम्बर, 1973 से अग्रेतर आदेशों तक अस्थायी क्षमता में कृषि रेडियो अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 अक्टूबर 1973

सं० 5/88/67-एस०-एक — महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री बी० जी० एस० राव, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, अहमदाबाद को 5 सितम्बर, 1973 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर तदर्थ आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5/74/67-एस० एक — महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री ए० के० सेन, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, पोर्ट ब्लेयर को 1 सितम्बर, 1973 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर तदर्थ आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 अक्टूबर 1973

सं० 7(144)/58-एस० एक — श्री बी० एन० सहाय, कार्यक्रम निष्पादक, विदेश सेवा प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली का 20 अगस्त, 1973 को देहान्त हो गया।

सं० 6/113/63-एस०-एक — इस महानिदेशालय की अधिसूचना सं० 6/113/63-एस०-एक दिनांक 27 जून 1973 के अनुक्रम में, महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री डी० के० भिगरन, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, राजकोट को उसी केन्द्र पर 13 अगस्त 1973 तक की अग्रेतर अवधि के लिए, श्री पी० एम० वेंकटराव, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, राजकोट (जिनकी छुट्टी

में समय-वृद्धि मंजूर की गई है) के स्थान पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5/46/67-एस०-एक — महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा कुमारी मंजुला भटनागर, प्रसारण निष्पादक, विदेश प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, नई दिल्ली को 6 सितम्बर, 1973 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(39)/67-एस०-एक — महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्रीमती उर्वशी जोशी, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, लखनऊ को 26 सितम्बर, 1973 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी कटक में, तदर्थ आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 अक्टूबर 1973

सं० 5(65)/67-एस०-एक — महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्द्वारा श्री जे० के० जोशी, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, नई दिल्ली को 14 सितम्बर, 1973 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर तदर्थ आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

शान्ति लाल
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली दिनांक 4 अक्टूबर 1973

सं० 1-15/73-एडमिन-I — राष्ट्रपति जी ने श्री ए० राव, सफाई इंजीनियरी सहायक प्राध्यापक को 2 अगस्त, 1973 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन स्वास्थ्य संस्थान में पर्यावरण सफाई के सह-प्राध्यापक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

श्री राव ने पर्यावरण सफाई के सह-प्राध्यापक के पद पर नियुक्त होने के फलस्वरूप 2 अगस्त 1973 पूर्वाह्न को सफाई-इंजीनियरी सहायक प्राध्यापक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 1-15/73-एडमिन-I — राष्ट्रपति जी ने श्री एस० सुब्बा राव, पर्यावरण सफाई के सह-प्राध्यापक को पहली अगस्त 1973 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक, अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में सफाई इंजीनियरी प्राध्यापक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

श्री एस० सुब्बा राव ने सफाई इंजीनियरी-प्राध्यापक के पद पर नियुक्त होने के फलस्वरूप पहली अगस्त 1973 पूर्वाह्न को पर्यावरण सफाई के सह-प्राध्यापक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 9 अक्टूबर 1973

सं० 12-3/73-एडमिन -I — राष्ट्रपति जी ने श्री आर० एस० माथुर को, उनके स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय में नामांकन के फलस्वरूप 14 सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से और

आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सं० 12-3/73-एडमिन-I—राष्ट्रपति जी ने श्री के० सी० दोसरी को 17 सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

राष्ट्रपति जी ने श्री पी० एस० भाटिया को 17 सितम्बर 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी चतुर्थ ग्रेड अधिकारी श्री पी० एन० चावला को 20 अगस्त, 1973 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

श्री हरिकृष्ण आनन्द ने सहायक के पद पर परावर्तित होने पर 17 सितम्बर, 1973, के पूर्वाह्न को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 11-2/73-एडमिन-I—राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी श्री इन्द्र देव बहल को 1 अगस्त 1973 से 3 सितम्बर 1973 तक, (दोनों दिनों सहित) केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रथम ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

राष्ट्रपति जी श्री इन्द्रदेव बहल को उपर्युक्त अवधि के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप-निदेशक (प्रशासन) के रूप में भी नियुक्त किया है।

सं० 11-2/73-एडमिन-I—राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी के स्थायी अधिकारी श्री जी पंचाप-केशन को निम्नलिखित अवधियों के लिये अथवा नियमित अधिकारी की नियुक्ति तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रथम ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है :—

- (1) पहली अगस्त, 1973 पूर्वाह्न से 18 सितम्बर, 1973 अपराह्न तक।
- (2) 20 सितम्बर, 1973 पूर्वाह्न से 31 अक्टूबर, 1973 अपराह्न तक।

राष्ट्रपति जी ने श्री जी० पंचापकेशन को उपर्युक्त अवधि के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप-निदेशक (प्रशासन) के रूप में भी नियुक्त किया है।

दिनांक, 10 अक्टूबर 1973

सं० 11-2/73-एडमिन-I—राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री पी० आई० पद्मनाभन् को निम्नलिखित अवधियों के लिये अथवा नियमित अधिकारी की नियुक्ति तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रथम ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है :—

- (1) पहली अगस्त, 1973 पूर्वाह्न से 19 सितम्बर 1973 अपराह्न तक,।

- (2) 11 सितम्बर, 1973 पूर्वाह्न से 31 अक्टूबर, 1973 अपराह्न तक,।

राष्ट्रपति जी ने श्री पी० आई० पद्मनाभन् को उपर्युक्त अवधि के लिये स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उपनिदेशक (प्रशासन) के रूप में भी नियुक्त किया है।

संख्या 11/5/73-एडमिन-I—स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) में उप-सचिव के रूप में नियुक्त होने पर श्री शिव चन्द्र कुमार ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में पहली सितम्बर, 1973 पूर्वाह्न को उप-निदेशक प्रशासन के पद का कार्यभार त्याग दिया।

संख्या 11-2/73-एडमिन-I—राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री हरि चन्द शर्मा को निम्नलिखित अवधियों के लिए अथवा किसी नियमित अधिकारी की नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रथम ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है :—

- (1) पहली अगस्त, 1973 पूर्वाह्न से 4 अगस्त, 1973 अपराह्न तक।
- (2) 13 सितम्बर, 1973 पूर्वाह्न से 31 अक्टूबर, 1973 अपराह्न तक।

राष्ट्रपति जी ने श्री हरि चन्द शर्मा को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उपर्युक्त अवधि के लिए उप-निदेशक (प्रशासन) के रूप में भी नियुक्त किया है।

संख्या 12-3/73-एडमिन-I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी चतुर्थ ग्रेड अधिकारी श्री बाल किशन दास ने अपने परावर्तन पर 10 सितम्बर, 1973 पूर्वाह्न को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

संख्या 11-5/73-एडमिन-I—स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) में उप-सचिव के रूप में नियुक्त होने पर श्री राजेन्द्र नारायण सक्सेना ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में पहली सितम्बर, 1973 पूर्वाह्न को उप-निदेशक प्रशासन के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 16 अक्टूबर 1973

संख्या 22-4/73-एडमिन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक प्रशासन और सतर्कता ने कुमारी सी०डी० शर्मा, सिस्टर द्यूटर को लेडी रीडिंग स्वास्थ्य विद्यालय, दिल्ली में 18 सितम्बर, 1973 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक सहायक अधीक्षिका के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 17 अक्टूबर 1973

संख्या 1-11/73-एडमिन-I—राष्ट्रपति जी ने अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन-स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता के निदेशक श्री दलीप कुमार बसु को 17 सितम्बर, 1973 अपराह्न से और आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में सांख्यिकी के सहायक

प्राध्यापक (भारतीय सांख्यिकी सेवा का चतुर्थ ग्रेड) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

श्री एस० सी० आचार्य ने कोयला नियंत्रक, कलकत्ता के कार्यालय में अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप 17 सितम्बर, 1973 अपराह्न को अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन-स्वास्थ्य, संस्थान, कलकत्ता में सांख्यिकी के सहायक प्राध्यापक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

संख्या 13-8/73-एडमिन-I-डा० (श्रीमती) अविनाश तलवाड़ ने मौलाना आजाद मेडिकल कालिज, नई दिल्ली में डेंटल सर्जन (रीडर) के पद पर परावर्तित होने पर पहली अक्टूबर, 1973 पूर्वाह्न को विलिंग्डन अस्पताल, नई दिल्ली में डेंटल सर्जन के पद का कार्यभार संभाल लिया।

कृष्ण चन्द्र मिश्र
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1973

संख्या 12-40/73-एडमिन-I-राष्ट्रपति जी ने श्री रमेश चन्द्र को स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय के लिए उनके नामांकन के फलस्वरूप 10 सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल
कृते उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1973

संख्या 29-40/73-सी०एच०एस०-I-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० बी० डी० पट्टेकर को 8 मई, 1973 पूर्वाह्न से 12 जून, 1973 (अपराह्न) तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया।

शिव चन्द्र कुमार
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक अक्टूबर 1973

संख्या एफ० 31-2/72-एम०-I-राष्ट्रपति जी ने नेवल डाक-यार्ड, बम्बई के ऋय विभाग के उप-नेवल स्टोर अधिकारी श्री बी० आर० दीवान को 7 अगस्त, 1973 पूर्वाह्न से और आदेशों तक चिकित्सा सामग्री भण्डार संगठन में उप-सहायक महानिदेशक (चिकित्सा सामग्री) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त करते हैं।

विद्यासागर तलवाड़
निदेशक, प्रशासन और सतर्कता

नई दिल्ली, दिनांक 3 अक्टूबर 1973

संख्या 29-76/73-सी०एच०एस०-I-स्वास्थ्य-सेवा महानिदेशक एतद्वारा डा० (श्रीमती) ए०ए० खाडेकर को पहली सितम्बर, 1973 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार 2-316GI/73

स्वास्थ्य योजना, नागपुर में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 अक्टूबर 1973

संख्या 29/83/73-सी०एच०एस०-I-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक एतद्वारा डा० देव राज छाबड़ा को पहली सितम्बर, 1973 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

संख्या 29-46/73-सी०एच०एस०-I-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक एतद्वारा डा० (श्रीमती) किरण कोचर को 21 अगस्त, 1973 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 अक्टूबर 1973

संख्या 29-89/73-सी०एच०एस०-I-स्वास्थ्य-सेवा महानिदेशक एतद्वारा डा० (श्रीमती) विजय श्रोड़ा को 15 सितम्बर, 1973 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 अक्टूबर 1973

संख्या 29-80/73-सी०एच०एस०-I-स्वास्थ्य-सेवा महानिदेशक एतद्वारा डा० राकेश कुमार कक्कड़ को 15 सितम्बर, 1973 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

जी० पंचापकेशन
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्टूबर 1973

संख्या 41-41/73-डी०-श्री के० एस० जार्ज ने, डा० जे० एल० कौल द्वारा उनका कार्यभार ग्रहण कर लेने पर 17 अगस्त, 1973 पूर्वाह्न को केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन, उत्तरी खण्ड, गाजियाबाद में सहायक औषधि नियंत्रक (भारत) के पद कार्यभार त्याग दिया और वह उसी तारीख से केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन, उत्तरी खण्ड, गाजियाबाद में औषधि निरीक्षक के पद पर परावर्तित हो गये।

पि० एस० रामचन्द्रन
औषधि नियंत्रक (भारत)
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

नगर एवं ग्राम आयोजन संगठन

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली-1, सितम्बर 1973

नं० ए-12025(II)/1/72-डी०सी०पी०ओ०-श्री सुखदेव सिंह, योजना सहायक को अस्थायी तौर पर सहायक अभ्यन्तक

के रूप पद पर रु० 350-25-500-30-590-ई०बी०-30-800-ई०बी०-30-830 वेतनमान में तदर्थ आधार पर 7 सितम्बर, 1973 से एक साल या इस पद के स्थाई पदग्राही पदग्रहण कर लें तब तक के लिये पनोद्यत की गई है।

पि० प्रभाकर राव
अध्यक्ष

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 8 अक्टूबर 1973

ई० एस० टी०-1-2(605)—वस्त्र आयुक्त अपने बम्बई स्थित कार्यालय की अधीक्षक श्रीमती आशा श्रीकांत किल्लेकर को उसी कार्यालय में 7 सितम्बर 1973 से, अगला आदेश देने तक, सहायक निदेशक द्वितीय श्रेणी (नान-टेकनीकल) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

ई० एस० टी०-1-2(611)—वस्त्र आयुक्त, अपने बम्बई स्थित प्रादेशिक कार्यालय के अधीक्षक श्री उ० अ० चिरोडियन को उसी कार्यालय में 20 सितम्बर, 1973 से, अगला आदेश देने तक, सहायक निदेशक द्वितीय श्रेणी (नान-टेकनीकल) के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 अक्टूबर 1973

सं० ई० एस० टी०-1-2 (542)—सेवा निवृत्ति की आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर लेने पर वस्त्र आयुक्त कार्यालय बम्बई, के सहायक निदेशक, द्वितीय श्रेणी (नान-टेकनीकल), श्री रा० विजयराघवन 15-9-1973 से सेवा-निवृत्त हो गए।

सं० ई० एस० टी०-1-2 (572)—सेवा निवृत्ति की आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर लेने पर वस्त्र आयुक्त के बम्बई स्थित प्रादेशिक कार्यालय के सहायक निदेशक, द्वितीय श्रेणी (नान टेकनीकल), श्री ना० र० बायकर 5-9-1973 से सेवा-निवृत्त हो गए।

सं० ई० एस० टी०-1-2 (604)—वस्त्र आयुक्त अपने बम्बई स्थित कार्यालय की अधीक्षक श्रीमती रति मेहनती को उसी कार्यालय में 20 सितम्बर 1973 से, अगला आदेश देने तक, सहायक निदेशक, द्वितीय श्रेणी (नान टेकनीकल), के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

बि० ना० बसु,
उप निदेशक (प्रशासन)

बम्बई, दिनांक 8 अक्टूबर 1973

सं० सी० ई० आर०/6/73—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्र सरकार की पूर्वम्भीकृति से मैं एतद्द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० (4)/58 दिनांक 7 मार्च 1958 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 17 के सामने स्तंभ 2 की मद (दो) के बाद निम्नलिखित प्रविष्टी जोड़ दी जाएगी
“(तीन) निदेशक, कुटीर और लघु उद्योग”

दिनांक 19 अक्टूबर 1973

सं० सी० एल० बी०-1/1/6 जी०/73—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० एल० बी० 1/1/6 जी०/71 दिनांक 13 जनवरी 1972 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तंभ 4 में “केवल स्थानांतरण” ये शब्द जहां कहीं भी हों निकाल दिए जाएंगे।

सं० 15(2)/67 सी० एल० बी० II/बी—वस्त्र (शक्ति-चालित करधों से उत्पादन) नियंत्रण आदेश, 1956 के खंड II में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 15 (2)/67-सी० एल० बी० II/बी दिनांक 13 जनवरी 1972 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तंभ 4 में “केवल स्थानांतरण” ये शब्द जहां कहीं भी हों निकाल दिए जाएंगे।

गौरीशंकर भार्गव,
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

बम्बई-20, दिनांक 28 सितम्बर 1973

सं० सी० ई० आर०/1/73—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/1/73 दिनांक 30 अगस्त 1973 में निम्नलिखित संशोधन करता हूं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में “यह अधिसूचना दिनांक 1-10-1973 से लागू होगी।” इन शब्दों, अंकों और चिन्हों के स्थान पर “यह अधिसूचना दिनांक 1-11-1973 से लागू होगी।” ये शब्द, अंक और चिन्ह प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

हंदुविकास दत्त,
अपर वस्त्र आयुक्त

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्टूबर 1973

सं० 6/75/55-प्रशा०(राज०) 4311—सेवा निर्वर्तन आयु प्राप्त होने पर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग 1 में स्थायी

अधिकारी श्री एच० डी० गुप्त ने 14 सितम्बर, 1973 के अपराह्न से उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय सचिवालय सेवा) के पद का कार्यभार मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में त्याग दिया।

सं० 6/385/56-प्रशा० (राज०) 4305—सेवा निवर्तन आयु प्राप्त होने पर श्रीमती एम० डी०, कोस्टा, स्थायी उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) ने 18 अगस्त, 1973 के अपराह्न से उप-नियंत्रक, लोहा तथा इस्पात के पद का कार्यभार संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में त्याग दिया।

सं० 6/143/54-प्रशा० (जी०)/4326—राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में श्री एन० बनर्जी, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, वर्ग-1 (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) की उपर्युक्त कार्यालय में 18-8-73 के अपराह्न से 19-10-1973 पूर्वाह्न तक की अवधि के लिए उप नियंत्रक, लोहा तथा इस्पात के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 6/505/58-प्रशा० (जी०)/4319—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के स्थायी अधिकारी, श्री आर० के० घोष को उपर्युक्त सेवा के वर्ग -I में 16-7-73 के पूर्वाह्न से 19-8-73 के अपराह्न तक की अवधि के लिए स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री आर० के० घोष को उपर्युक्त अवधि के लिए इस कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

सं० 6/558/59-प्रशा० (राज०)/4332—सेवा निवर्तन आयु प्राप्त होने पर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग में स्थायी श्री ए० के० सरकार ने 11 सितम्बर, 1973 के अपराह्न से नियंत्रक (केन्द्रीय सचिवालय सेवा) के पद का कार्यभार मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में त्याग दिया।

दिनांक 17 अक्टूबर, 1973

सं० 6/487/58-प्रशा० (जी०)/4352—सेवा निवर्तन आयु प्राप्त करने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में स्थायी नियंत्रक, श्री जे० एन० विश्वास जो 28-7-73 से निलम्बनाधीन हैं, उनको 1-10-73 के पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी जाती है।

एस० जी० बोस मल्लिक,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

विस्तार निदेशालय

कृषि मंत्रालय

कृषि विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 3 अक्टूबर, 1973

सं० 2(11) 71-सि० (प्रथम)—श्री एस० के० एस० धारीवाल, सहायक प्रदर्शनी अधिकारी के दिनांक 25 अगस्त, 1973 से 22

दिसम्बर, 1973 तक छुट्टी चले जाने के फलस्वरूप श्री के० बी० नथर, विस्तार निदेशालय कृषि मंत्रालय, कृषि विभाग में सहायक प्रदर्शनी अधिकारी (कोटि प्रथम) श्रेणी द्वितीय (राजपत्रित) (अलिपिक वर्गीय) के पद पर 350-25-30-590-द० रो०-30-800 रूपए के वेतनमान में 25 अगस्त, 1973 के बाद से 22 दिसम्बर, 1973 तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न बने रहेंगे।

दिनांक 29 अक्टूबर, 1973

सं० 3(9)/73-सि० (प्रथम)—श्री ईश्वर चन्द्र मुख्य कलाकार के छुट्टी चले जाने के फलस्वरूप श्री पी० बी० दत्त कलाकार (वरिष्ठ कोटि) की विस्तार निदेशालय कृषि मंत्रालय, कृषि विभाग में 1 अक्टूबर, 1973 से 30 नवम्बर, 1973 तक मुख्य कलाकार श्रेणी द्वितीय (राजपत्रित) (अलिपिक वर्गीय) के पद पर 400-25-500-30-590-द० रो०-30-800 रूपए के वेतनमान में स्थानापन्न तदर्थ पदोन्नति कर दी गयी है।

निर्मल कुमार दत्त,
प्रशासन निदेशक।

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय,

प्रधान कार्यालय

फरीदाबाद, दिनांक सितम्बर, 1973

सं० फाइल 3/314/72-प्र० फरीदा०-I—संघ सेवा आयोग द्वारा चुनाव किए जाने पर, श्री बी० के० सुदामे को इस निदेशालय के अधीन पेटलाड नामक स्थान पर सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-I) के पद पर नियमित रूप से अगले आदेश होने तक तारीख 7-8-1972 से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक अक्टूबर, 1973

सं० फाइल 3/217/66-प्र० फरीदा०-I—सरकारीसे वा से त्याग-पत्र स्वीकार होने के उपरान्त इस निदेशालय के फरीदाबाद स्थित कार्यालय के विपणन अधिकारी श्री एल० एम० तनेजा को तारीख 12-9-1973 अपराह्न को उनके कार्य से मुक्त किया गया है।

एन० के० मुरलीधरराव,
कृषि विपणन सलाहकार।

दिल्ली दुग्ध योजना

नई दिल्ली-8, दिनांक 3 अक्टूबर 1973

सं० 2-563/61-स्था०-ii—दिल्ली दुग्ध योजना में श्री दिलावर सिंह को दिनांक 1-9-73 (अपराह्न) से प्रबन्धक, दुग्ध संग्रहण एवं अवसीतन केन्द्र (श्रेणी-II राजपत्रित) के पद पर कार्य करने के लिए पूर्णतया तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया है।

आनन्दमोहन लाल,
अध्यक्ष

पूति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली दिनांक 8 अक्टूबर, 1973

सं० प्र०-1(501)—श्री डी० एच० चुरमुरे, स्थायी अवर क्षेत्र अधिकारी (प्रगति) तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक पूति (ग्रेड-II) दिनांक 15 सितम्बर, 1973 के अपराह्न से निवर्तन अर्थात् 58 वर्ष की आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० प्र०-1/1(953)—महानिदेशक पूति तथा निपटान एतद्द्वारा पूति तथा निपटान निदेशालय, बम्बई के कार्यालय में अवर क्षेत्र अधिकारी श्री एन० एन० चौधुरी को दिनांक 1 अगस्त, 1973 के पूर्वानु से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूति निदेशक वस्त्र बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री एन० एन० चौधुरी की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति उच्च न्यायालय, दिल्ली में श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा दायर बीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

दिनांक 11 अक्टूबर, 1973

सं० प्र०-1/1(501) — श्री डी० एच० चुरमुरे, स्थायी अवर क्षेत्र अधिकारी (प्रगति) तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक पूति (ग्रेड-II) दिनांक 15 सितम्बर, 1973 के अपराह्न से निवर्तन अर्थात् 58 वर्ष की आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० प्र०-1/ (657)—महानिदेशक, पूति तथा निपटान एतद्द्वारा श्री एच० आर० दिवानजी, स्थायी अधीक्षक, पूति तथा निपटान निदेशालय, बम्बई को अणुशक्ति विभाग से प्रतिनियुक्ति से वापसी पर दिनांक 23 जनवरी, 1973 के पूर्वानु से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक पूति (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री एच० आर० दिवानजी की नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर उच्च न्यायालय दिल्ली में श्री एम० कुप्पुस्वामी, द्वारा दायर याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

सं० ए/17011/60/73-प्र०-6—महानिदेशक, पूति तथा निपटान एतद्द्वारा उत्तरी निरीक्षण मण्डल के अधीन कानपुर कार्यालय में भण्डार परीक्षक (वस्त्र) श्री आर० एन० कौल को दिनांक 10-9-73 के पूर्वानु से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी मण्डल में सहायक निरीक्षण अधिकारी वस्त्र के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० 1/1(950) — महानिदेशक पूति तथा निपटान एतद्द्वारा उप महानिदेशक (पूति तथा निपटान) कलकत्ता के कार्यालय में अवर क्षेत्र अधिकारी (तकनीकी) श्री एस० के० बन्दोपाध्याय को दिनांक 1 अगस्त, 1973 के पूर्वानु से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक पूति (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री बन्दोपाध्याय सहायक निदेशक पूति (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर उच्च न्यायालय

दिल्ली में श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

त० वे० अनन्तनारायणन

उप महानिदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक, पूति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक अक्टूबर, 1973

सं० ए/17011/(59)/73 प्र०-6—महानिदेशक, पूति तथा निपटान एतद्द्वारा मद्रास निरीक्षण मंडल में भण्डार परीक्षक (वस्त्र) श्री ए० आर० हुसैनीसेनी को दिनांक 28-8-1973 के पूर्वानु से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

त० वे० अनन्तनारायणन

उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर, 1973

सं० प्र०-6/247/121/58—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी I के ग्रेड III की इंजीनियरी शाखा में निरीक्षण अधिकारी श्री एम० बी० प्रभु को दिनांक 7 सितम्बर, 1973 के अपराह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक सेवा के ग्रेड II की इंजीनियरी शाखा में उपनिदेशक निरीक्षण के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री प्रभु ने निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पद भार छोड़ दिया तथा 7 सितम्बर, 1973 के अपराह्न से बम्बई निरीक्षण मण्डल बम्बई में उप निदेशक (इंजी०) का पद भार सम्भाल संभाल लिया।

के० रामन

उप निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक पूति तथा निपटान

वाणिज्य मंत्रालय

संयुक्त मुख्य नियंत्रक

आयात-निर्यात का कार्यालय

बम्बई दिनांक 14 अगस्त 1973

आदेश

विषय :—सर्वश्री बेनिगार ब्रदर्स इंजीनियरिंग वर्क्स, बम्बई-II को सामान्य मुद्रा क्षेत्र और यू०के० से हार्ड स्पीड स्टील

फ्लैट्स और एस० एस० राइस के लिये जारी किये गये आयात लाइसेंस सं० पी०/एस०/8232178/सी०/एक्स० एक्स/45/बी०/33-34 और पी०/एस०/8232179/आर/एम० एल०/45/बी०/33-34 दिनांक 19-9-1972 प्रत्येक का मूल्य 17,550/- रुपए की सीमाशुल्क निकासी प्रतियों को रद्द करना।

सं० 1078/10642/एस०एस०आई०/ए०एम०-72पी०-27 एंड 11/एल०-1 — सर्वश्री बेनिगार ब्रदर्स इंजीनियरिंग वर्क्स, बम्बई को क्रमशः सामान्य मुद्रा क्षेत्र और यू०के० से हार्ड स्पीड

स्टील प्लेट्स और एस० एम० राइस के आयात के लिए लाइसेंस-अवधि अप्रैल 71/मार्च 72 के लिये आयात लाइसेंस सं० पी०/एस/8232178/सी/एक्स० एक्स० 45/बी०/33-34 और पी०/एस०/8232179/आर०/एम० एल०/45/बी०/33-34 दिनांक 19-9-1972 प्रत्येक 17,550/- रुपए के लिये प्रदान किये गये थे। उन्होंने लाइसेंसों (केवल सीमाशुल्क निकासी प्रति) के पूर्ण मूल्य की अनुलिपि प्रतियों के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रतियाँ खो गई हैं। उन्होंने यह भी बताया है कि मूल लाइसेंस सीमाशुल्क कार्यालय में पंजीकृत नहीं कराए गए थे और उनका उपयोग बिलकुल नहीं किया गया था।

2. इस तर्क की पुष्टि में आवेदक ने ग्रेटर बम्बई के प्रेसीडेन्सी मजिस्ट्रेट द्वारा विधियांवत साक्ष्यांकित स्टाम्प कागज पर एक शपथपत्र दाखिल किया है।

मैं संतुष्ट हूँ कि मूल लाइसेंस सं० 8232178 और 8232179 दिनांक 19-9-1972 खो गए हैं और निदेश देता हूँ कि इन की अनुलिपि प्रतियाँ (सीमा शुल्क निकासी प्रति) पूर्ण मूल्य के लिए आवेदक को जारी की जानी चाहिए। उपर्युक्त आयात लाइसेंस (सीमा शुल्क निकासी प्रतियाँ) पूर्ण मूल्य के लिये रद्द कर दिए गए हैं।

एन० बनर्जी,
उप मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक , 1973

सं० 40/59(डी०पी०)/19 ए०—श्री डी० पालग को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-र० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश आने तक 21-3-1973 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

एम० के० राय चौधरी,
महानिदेशक

भारतीय खनि विभाग

नागपुर दिनांक 15 अक्तूबर, 1973

सं० ए० 19012(62)/73-सि० ए०—श्री के० सी० सेन-गुप्ता, स्थायी अधीक्षक को 7 सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खनि विभाग में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर पदोन्नती प्रदान की जाती है।

ए० के० राघवाचारी
प्रवर प्रशासन अधिकारी
कृते नियंत्रक

नागपुर दिनांक 19 अक्तूबर, 1973

सं० पं० 19011(171)/73-सि० ए०—राष्ट्रपति भारतीय खनि विभाग के प्रशासन अधिकारी श्री ए० के० राघवाचारी की

1 अक्तूबर, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक उसी विभाग में प्रवर प्रशासन अधिकारी के रूप में सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

यह समसंख्यक दिनांक 24-7-1973 की पूर्व अधिसूचना का अधिलंघन करता है।

एल० सी० रणधीर,
प्रशासन अधिकारी
कृते नियंत्रक

परमाणु ऊर्जा विभाग

बम्बई दिनांक 17 अक्तूबर 1973

सं० 5/3(58)/73-टी० ई०—राष्ट्रपति श्री बोमन फ़ामजी छापगर, को, इस विभाग के भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में, 5 सितम्बर 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक, वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड 'एस० सी० 2' के रूप में, अस्थाई रूप से, नियुक्त करते हैं।

सं० 5/4/(76) 73 टी० ई०—राष्ट्रपति, इस विभाग के भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के एक स्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड 'एस० सी० 1' एवं स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड 'एम० ई०' श्री रोशन लाल नायर का त्याग पत्र 14, जून, 1973 के अपराह्न से स्वीकार करते हैं श्री नायर को, 2 अप्रैल से 14 जून, 1973 तक 74 दिनों की अर्जित छुट्टी दी जाती है।

एस० जी० नायर,
अवर सचिव

बम्बई, दिनांक 29 सितम्बर 1973

सं० 4/8(6)/73-(पी०) :—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के एक अस्थाई वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड 'एस० सी० 2' श्री आर० संतनाम ने, उनका अंतरिक्ष अनुसंधान परियोजना थुम्बा से, स्थानान्तरण हो जाने के फलस्वरूप अंतरिक्ष अनुसंधान परियोजना में अप्रैल 24, 1973 के अपराह्न को अपने पद ग्रेड 'एस० सी० 2' का कार्यभार छोड़ दिया तथा मई 3, 1973 के पूर्वाह्न से, भारी पानी परियोजना तृती कोरीन में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड 'एस० सी० 2' के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 4 अक्तूबर 1973

सं० 1/8(5)/73-पी०—राष्ट्रपति, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, तुमों के एक स्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड 'एस० सी० 2' एवं स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड 'एस० ई०' श्री ई० एम० जार्ज, जो हाल में न्यूक्लीय ईंधन संमिश्र में अवरोक्त पद पर प्रतिनियुक्त हैं को, उसी परियोजना में, 1 अगस्त 1973 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेश जारी होने तक, वैज्ञानिक/अभियंता अधिकारी/अभियंता ग्रेड 'एस० एफ०' के रूप में, अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० 5/6(7)/73-पी०—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र तुमों, बम्बई के एक अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड 'एस० सी० 2' श्री डी० प्रधान ने उनका स्थानान्तरण हो जाने के

फलस्वरूप भारी पानी परियोजना तलवर में अगस्त 17, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक, अपने पहले ही ग्रेड का कार्यभार अस्थायी रूप से ग्रहण कर लिया।

श्री प्रधान ने भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में अगस्त 16, 1973 के अपराह्न को, अपने पद "ग्रेड एस० सी० 1" का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 2/8(3)/73-पी०—श्री ए० के० कुतकर्णी, अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड 'एस० सी० 1' ने उनका भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, तुर्भे बम्बई, में प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण हो जाने के फलस्वरूप 13 जुलाई, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक, भारी पानी परियोजना कोटा में, अपने पहले ही ग्रेड ('एस० सी० 1') का कार्यभार अस्थायी रूप से ग्रहण कर लिया।

श्री कुतकर्णी ने भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में, 12 जुलाई 1973 के अपराह्न को अपने पद ग्रेड "एस० सी० 1" का कार्यभार छोड़ दिया।

यु० कु० चौधरी
अवर सचिव

बम्बई-5 दिनांक 13 सितम्बर, 1973

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

सं० पी० पी० ई० डी० 3/(53)/73-प्रशासन 11689—विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक, क्रय तथा भण्डार निदेशालय के हैदराबाद स्थित क्षेत्रीय क्रय तथा भण्डार यूनिट, जो कि न्युकलीय ईंधन सम्मिश्र की नामावली में सम्मिलित है, के सहायक क्रय-अधिकारी श्री जे० जी० सिंह को 16 जुलाई, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग की नामावली में सम्मिलित बम्बई स्थित क्रय तथा भण्डार निदेशालय में अस्थाई रूप से सहायक क्रय-अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 सितम्बर, 1973

सं० पी० पी० ई० डी० 3/(53)/73-प्रशासन 11932—श्री एस० एस० प्रधान, जिन्हें 15 जुलाई, 1973 (अपराह्न) तक इस प्रभाग में तदर्थ रूप से सहायक क्रय-अधिकारी नियुक्त किया गया था, को 16 जुलाई 1973 के पूर्वाह्न से 25 अक्टूबर, 1973 तक सर्व श्री ई० वाई० कलीमउद्दीन एव बी० एल० ठाकुर, सहायक क्रय-अधिकारी जिन्हें उपरोक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर सहायक क्रय-अधिकारी के पद पर कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

एम० ए० राव
प्रशासन अधिकारी
कृते निदेशक

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

तमिलनाडु, दिनांक 11 अक्टूबर 1973

सं० आर० आर० सी०/पी० एफ०/262/72-13838—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी वरिष्ठ आणुलिनिक तथा

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के स्थानापन्न सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री सुचिन्द्रम रामासुब्बय्यर ने उनकी पदावर्तन होते पर अपने स्थानापन्न पद का कार्यभार 8 अक्टूबर, 1973 के पूर्वाह्न से छोड़ दिया।

सं० आर० आर० सी०/पी० एफ०/399/73-13840—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी श्री सुन्दर-सुश्रमणी रंगनाथन को एतद्वारा रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र में प्रशासनिक अधिकारी-II के पद पर 8-10-73 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक के लिये अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

एन० स्वामीनाथन
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

मद्रास परमाणु ऊर्जा विद्युत् परियोजना

चिगलपुट, दिनांक 26 सितम्बर 1973

सं० 4(12)/73—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी भडारी, श्री जे० डबल्यू० आर० लिविंगस्टोन को मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना में 15 सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से सहायक भडार अधिकारी नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय चिगलपुट होगा।

के० बालाकृष्णन
प्रशासन अधिकारी
कृते उप निदेशक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक विभाग)

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1973

सं० पी० ए०/81(46)/73-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहां के श्री मुकुंद गणेश घाटपांडे, स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक-सी, को इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से 1 फरवरी, 1973 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेश तक के लिये वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-श्रेणी-एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 सितम्बर 1973

सं० पी० ए०/61(1)/72-आर०-4—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री शशिकांत बामन लेले, एक स्थायी फायर फोरमैन, हुवाई अड्डा कार्यालय, सिविल विमानन विभाग, बंबई, को भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में अस्थाई रूप से 1 दिसम्बर, 1972 के पूर्वाह्न से, पहले दो वर्ष के लिये स्टेशन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीकृष्णन
उपप्रस्थापन अधिकारी (भ)

बम्बई, दिनांक अक्टूबर, 1973

संदर्भ: एन०/282/डी०पी० एस०/प्रस्थ III—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री पी० एन० नारायणन, स्थानापन्न सहायक

भंडार अधिकारी, क्रय एवं भंडार निदेशालय, के दिष्ट हुए सेवा में त्यागपत्र को 30-6-1973 के अपराह्न में स्वीकार करते हैं।

पी० आर० बोंद्रे
उप-प्रधान अधिकारी

स्थानापन्न वर्षीकृत वनस्पति के पद पर 22 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

पी० सरकार
उप सचिव

**परमाणु विद्युत् प्राधिकरण
(केन्द्रीय कार्यालय)**

बम्बई, दिनांक 16 अक्टूबर, 1973

सं० पवित्रा/प्रशासन/16/52/73—परमाणु विद्युत् प्राधिकरण के अध्यक्ष व प्रबन्धक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, के एक स्थानापन्न सहायक श्री के० एम० जान को, परमाणु विद्युत् प्राधिकरण में, सितम्बर 3, 1973 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेश जारी होने तक, श्री एस० कृष्णन, सहायक कार्मिक अधिकारी जिन्हें कोई दूसरा कर्त्तव्य भार दिया गया है की जगह पर, सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में, अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

रा० वीर० राघवन
प्रशासनाधिकारी

**विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण विभाग
निर्देशक का कार्यालय**

कलकत्ता-13, दिनांक सितम्बर, 1973

सं० वी० एस० आई०/66/26/65-सिव्बेदी-22 अगस्त, 1973 पूर्वाह्न) में श्री नेत्रपाल सिंह, गर्डेन किउरेटर, प० क्षेत्र, भा० व० सं० विभाग, पूना, को (वेतनमान रु० 350-800) नियुक्ति भारतीय वनस्पति विभाग के पूना स्थित पश्चिमी क्षेत्र में प्रथम श्रेणी पद (वेतनमान रु० 400-950) सिस्टेमेटिक बोटनिष्ट के रूप में होने की वजह से, श्री सि ने गर्डेन किउरेटर, भा० व० रेंस० वि०, प० क्षेत्र, पूना का कार्यभार त्याग दिया।

आर० पी० पातिल
उप-निर्देशक प्रभारी

राष्ट्रीय एटलस संस्था

कलकत्ता-19, दिनांक 22 सितम्बर 1973

सं० 29-8/72 स्थापना—श्री टी० के० राय जो नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) नई दिल्ली के स्थायी सहायक हैं, की नियुक्ति राष्ट्रीय एटलस संस्था, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग कलकत्ता में संवर्गवाह्य पदेन प्रशासनिक अधिकारी श्रेणी II) के पद पर प्रतिनियुक्ति रूप में 12 सितम्बर 1973 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक की जाती है।

एस० पी० दासगुप्ता
निर्देशक

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1973

सं० ए० 12025 (10)/71-सर्वे० 3—राष्ट्रपति भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण विभाग, पश्चिमी क्षेत्र, पूना के उद्घाटन उत्थान संग्रहालय-अध्यक्ष श्री नेत्र पाल सिंह उसी कार्यालय में

**भारतीय सर्वेक्षण विभाग
सहायक का कार्यालय**

देहरादून, दिनांक 17 अक्टूबर 1973

सं० 4741/724-एस० ओ० एस०—श्री महेंद्र सिंह को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर सामान्य केंद्रीय सेवा श्रेणी II में एक अस्थायी पद के प्रति 350 रु० प्रति माह वेतन पर 350-25-575 रु० के वेतनमान में दिनांक 21 सितम्बर 1973 पूर्वाह्न से अगले आदेश दिष्ट जाने तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

हरी नारायण
महा सर्वेक्षक भारत

भारत सरकार टकसाल

कलकत्ता-700053, दिनांक 3 सितम्बर 1973

सं० 76/73—इस कार्यालय के आंशिक संशोधित अधिसूचना संख्या 78/73 दिनांक 19 अगस्त 1973 के अनुसार, भारत सरकार के टकसाल अलीपुर, कलकत्ता के 700053 के टकसाल अधिकर्ता को श्री आर० एन० नियोगी स्थायी उपलेखाकार को इस टकसाल के बुलियन रजिस्ट्रार के पद पर, स्थानापन्न रूप में नियुक्त करके प्रसन्नता है। उनका वेतनमान रु० 590-30-830-35-900 है। इसमें 19 अगस्त, 1973 (रविवार को प्रथम अक्टूबर के स्थान पर, कार्य दिवस में सम्मिलित किया गया है।) से 20 अक्टूबर (दोनों दिवस सम्मिलित हैं) यह नियुक्ति श्री के० एस० सुब्रमनियम, स्थायी बुलियन रजिस्ट्रार जो अनुदानित छुट्टी पर हैं, के स्थान पर हुई है।

पी० के० टिक्कू,
टकसाल अधिकर्ता

औद्योगिक विकास मंत्रालय

औद्योगिक लागत और मुख्य व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1973

सं० ए० 19016(9)/73-बी० आई० सी० पी०—कम्पनी कार्य विभाग के प्रतिनियुक्ति पर, विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय के वरिष्ठ तकनीकी सहायक श्री आर० के० अरोड़ा, को 20 सितम्बर 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक औद्योगिक और मूल्य व्यूरो में समवाय विधि का वनिष्ट विशेषज्ञ नियुक्त किया जाता है।

एस० एस० मराठे
अध्यक्ष,
औद्योगिक लागत तथा मूल्य व्यूरो

**औद्योगिक विकास मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)**

विकास आयुक्त लघु उद्योग का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1973

सं० ए० 19018/74/73-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त, (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक के लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी श्री एस० रामाकृष्णन को इसी संस्थान में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में स्थानापन्न नियुक्ति करते हैं। इन्होंने 23-8-73 की पूर्वाह्न को सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

दिनांक 20 सितम्बर 1973

सं० ए० 19018/71/73-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त, (लघु उद्योग), नई दिल्ली, लघु उद्योग सेवा संस्थान, अहमदाबाद के लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी श्री एस० मोहनचन्द्रन् को लघु उद्योग सेवा संस्थान, अहमदाबाद में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में स्थानापन्न नियुक्ति करते हैं। इन्होंने 24-8-73 की पूर्वाह्न को सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

सं० ए० 19018/68/73-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त, (लघु उद्योग), नई दिल्ली, लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी श्री एस० गुरु स्वामी को, आगामी आदेश होने तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न नियुक्ति करते हैं। इन्होंने 23 अगस्त 1973 की पूर्वाह्न को सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

दिनांक 22 सितम्बर 1973

सं० ए० 19018(77)/73-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता में लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी श्री परेश चन्द्र दत्त को इसी संस्थान में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पद पर सहर्ष स्थानापन्न नियुक्ति करते हैं। इन्होंने 24 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न को सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

दिनांक 24 सितम्बर 1973

सं० ए० 19018/69/73-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त, (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास के लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी श्री पी० के० पेरुमल की, आगामी आदेश होने तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में स्थानापन्न नियुक्ति करते हैं। इन्होंने 23-8-73 की पूर्वाह्न को सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

सं० ए० ए० 19018/76/73-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त, (लघु उद्योग), नई दिल्ली, लघु उद्योग सेवा संस्थान नई दिल्ली के लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी श्री आर० एन० भटनागर को लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर में सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न नियुक्ति करते हैं। इन्होंने

5-9-73 की पूर्वाह्न को सहायक निदेशक (ग्रेड II) का कार्यभार ग्रहण किया।

सं० ए० 19018/79/73-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त लघु उद्योग, लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद में लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी श्री आर० रामानाथन् की, आगामी आदेश होने तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर में सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पद पर स्थानापन्न सहर्ष नियुक्ति करते हैं। इन्होंने 3 सितम्बर 1973 के पूर्वाह्न को सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

दिनांक 10 अक्टूबर 1973

सं० ए० 19018/82/73-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), श्री के० के० शर्मा को जो विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नयी दिल्ली में लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी हैं तदर्थ आधार पर लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में सहर्ष नियुक्ति करते हैं। श्री शर्मा ने 5-9-1973 के पूर्वाह्न में सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 11 अक्टूबर 1973

सं० ए० 19018/56/73-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त लघु उद्योग, विकास आयुक्त नई दिल्ली के कार्यालय में मूलभूत लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी श्री एन० डी० मरवाहा की इसी कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पद पर तदर्थ आधार पर सहर्ष स्थानापन्न नियुक्ति करते हैं। इन्होंने 13 नवम्बर, 1973 के पूर्वाह्न को सहायक निदेशक के (ग्रेड II) के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

के० बी० नारायणन्
उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1973

सं० 07011/1/70-नमक—भारत सरकार ने केंद्रीय तथा क्षेत्रीय सलाहकार बोर्डों जिनका पुर्नगठन इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 07011/1/70-नमक दिनांक 9 जुलाई 1971 द्वारा किया गया था, का कार्यकाल 31 दिसम्बर, 1973 अथवा बोर्डों के पुनः पुर्नगठित होने तक जो भी पहले हो तक बढ़ाने का निश्चय किया है।

2. 'अनुच्छेद 2, अ० केंद्रीय सलाहकार बोर्ड, अध्याक्ष - 1' में उल्लिखित "निदेशक, औद्योगिक विकास मंत्रालय, नमक प्रशासन से संबद्ध के स्थान पर" संयुक्त सचिव, औद्योगिक विकास मंत्रालय, नमक प्रशासन से संबद्ध पढ़ें।

आदेश

इस संकल्प की सूचना, सभी राज्य सरकारों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, योजना आयोग, मंत्रिमंडलीय सचिवालय और प्रधान मंत्री के सचिवालय को भेजने का आदेश दिया जाता है।

2. यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र के भाग-1 खण्ड I में प्रकाशित किया जाय।

सी० बालसुब्रह्मण्यम्
संयुक्त सचिव

भारतीय डाक-तार विभाग

मद्रास टेलीफोन्स

मद्रास, दिनांक 19 अक्टूबर, 1973

सं० ए० एस० टी०/ए० ओ०/IV—मद्रास टेलीफोन जिले के महाप्रबंधक द्वारा वरिष्ठ लेखपाल श्री एस० आर० शान्तकुमार को स्थानीय व्यवस्था के अन्तर्गत निम्नलिखित कालाविधियों के लिए

सं० ए० एस० टी०/ए० ई०-51—मद्रास टेलीफोन जिले के महाप्रबंधक द्वारा निम्नलिखित इंजीनियरी पर्यवेक्षकों को मद्रास टेलीफोन जिले में स्थानीय व्यवस्था के अन्तर्गत प्रत्येक के सामने सूचित कालाविधि तक के लिए, स्थानापन्न सहायक इंजीनियरी के पद पर, नियुक्त किया जाता है :-

क्रम सं०	नाम	मूल संवर्ग	कालाविधि
1. श्री के० जयरामन	.	इंजीनियरी पर्यवेक्षक	16-5-73 के पूर्वाह्न से 30-6-1973 के अपराह्न तक
2. श्री पी० के० एस० मणियन	.	"	(एस० जी०) 17-7-73 के अपराह्न से 30-6-73 अपराह्न तक
3. श्री जी० पेरुमाल	.	"	(एस० जी०) 31-7-73 के पूर्वाह्न से 30-6-73 के अपराह्न तक
4. श्री टी० एन० गणपति	.	"	(एस० जी०) 8-8-73 के पूर्वाह्न से 27-8-73 के अपराह्न तक
5. श्री टी० वी० राघव वारियर	.	"	(एस० जी०) 16-8-73 के पूर्वाह्न से 27-8-73 के अपराह्न तक
6. श्री वी० एस० वैद्यनाथन	.	"	(एस० जी०) 27-8-73 के पूर्वाह्न से 28-8-73 के अपराह्न तक
7. श्री जे० एस० साइमण	.	"	(एस० जी०) 14-9-73 के पूर्वाह्न से 28-8-73 के अपराह्न तक
8. श्री ए० रामचन्द्रन	.	"	(एस० जी०) 26-9-73 के पूर्वाह्न से 28-8-73 के अपराह्न तक

सं० ए० एस० टी०/ए० ई०-5/11 — निम्नलिखित सहायक इंजीनियर, जो स्थानीय व्यवस्था के अन्तर्गत स्थानापन्न कार्य करते थे, प्रत्येक के सामने सूचित तारीखों से अपने संवर्गों में पदानवधि किये जाते हैं ।

क्रम सं०	नाम	मूल संवर्गों में पदानवधि की तारीख
1.	श्री पी० के० एस० मणियन	29-6-73 के अपराह्न से
2.	श्री ए० सुब्रमण्यम (स्टाफ ने०)	3-9-73 के अपराह्न से
3.	श्री एस० शिवप्रकाशम	3-9-73 के पूर्वाह्न से
4.	श्री टी० एन० गणपति	31-7-73 के पूर्वाह्न से
5.	श्री एस० एस० वैक्कटामन	7-7-73 के पूर्वाह्न से
6.	श्री आर० श्रीनिवासन	7-7-73 के अपराह्न से
7.	श्री एस० राजगोपाल	7-7-73 के अपराह्न से
8.	श्री वी० गणपतिरामन	27-7-73 के पूर्वाह्न से

वी एस० नरसिंहाचारी
मण्डल इंजीनियर (प्रशासन)

स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर, नियुक्त किया जाता है :-

क्रम कालाविधि

1.	19-3-73 के पूर्वाह्न से	30-6-73 के अपराह्न तक
	1-8-73 के पूर्वाह्न से	19-9-73 के पूर्वाह्न तक

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर, 1973

सं० ए० 12025/5/72-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री बी० एस० राव को 27 अगस्त, 1973 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग में उप निदेशक (एफ० सी० एस०) के पद पर नियुक्त किया है ।

दिनांक 21 सितम्बर, 1973

सं० ए-32013/2/72-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री जी० ए० शिरूर को, जो कि मारीशस सरकार में प्रतिनियुक्ति पर थे, तारीख 18 मई, 1972 से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग में निदेशक विमान मार्ग और विमान क्षेत्र के ग्रेड में नियुक्त किया है ।

सुरजीत लाल खण्डपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर, 1973

सं० ए-12025/3/73-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले

आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में अस्थायी रूप में तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती कार्यालय/स्टेशन
1.	श्री सुशील कुमार	28-8-1973 (पूर्वाह्न)	वै० सं० स्टेशन, पालम ।
2.	श्री सुभाष कुमार कक्कड़	28-8-1973 (पूर्वाह्न)	रेडियो निर्माण एवं विकास यूनिट नई दिल्ली ।

दिनांक सितम्बर, 1973

सं० ए-32014/1/73-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थानापन्न रूप में सहायक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :—

क्र० सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती स्टेशन
1.	श्री आर० बी० इसरानी	20-6-73 (अपराह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी
2.	श्री के० एस० रत्नम	10-8-73 (अपराह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई
3.	श्री एम० एस० अडैकलम	25-5-73 (पूर्वाह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन, त्रिवेन्द्रम
4.	श्री एम० जी० सुदर्शन	2-8-73 (अपराह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन, भटिडा

दिनांक 28 सितम्बर, 1973

सं० ए-38013/7/73-ई० सी०—कार्यालय नियन्त्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास के श्री आई० पी० के० मेनन, स्थानापन्न वरिष्ठ संचार अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर 10 सितम्बर, 1973 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है ।

स्वामिनाथन एकाम्बरम,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर, 1973

सं० ए-32013/4/72-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री आर० डी० प्रधान को जोकि इस समय भारतीय अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट

प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर हैं, 14 अगस्त, 1973 से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग में उप निदेशक/नियन्त्रक विमानक्षेत्र के ग्रेड में स्थानापन्न रूप में प्रोफार्मा पदोन्नति प्रदान की है ।

दिनांक 17 अक्तूबर, 1973

सं० ए 32013/9/73ई० एच०—राष्ट्रपति ने एयर वाइस मार्शल एल० एस० ग्रेवाल और एयर कम्पोजोर ए० एफ गामा को 17-9-1973 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग में उड़ान परीक्षक के पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया है ।

सुरजीतलाल खण्डपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 16 अक्तूबर, 1973

सं० ई० (1) 06513—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद् द्वारा निदेशक, उपकरण, पूना के कार्यालय के डा० बी० एस० तिवारी, व्यावसायिक सहायक को 7 सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं ।

डा० बी० एस० तिवारी, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ निदेशक, उपकरण पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे ।

नूतन दास
मौसम विशेषज्ञ
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

सिचाई एवं विद्युत मंत्रालय

फराक्का बांध प्रायोजना

फराक्का, दिनांक सितम्बर, 1973

सं० पी० एफ० II/197—श्री अजय कुमार साहा निरीक्षक (Overseer) फराक्का बांध, परियोजना, उसी संस्था में पदोन्नति होने पर, सहायक अभियन्ता (यांत्रिक), स्थानापन्न क्षमता में, तदर्थ आधार पर दिनांक 7-12-73 या अग्रेतर आदेश होने पर जो भी आगे हो नियुक्त किये जाते हैं जो दिनांक 7 जुलाई, 1973 के पूर्वाह्न से लागू हैं ।

सं० पी० एफ०-II/195—डा० (श्रीमती) मंजूला सरकार (वासु), पश्चिम बंग सरकार, स्वास्थ्य विभाग के अपने नियुक्ति प्रतिनियुक्ति पर, फराक्का बांध प्रायोजना, सिचाई एवं विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार में चिकित्सा अधिकारी का भार दिनांक 23-7-73 के अपराह्न में संभाल लिया ।

एन० एन० मुखर्जी,
महा प्रबन्धक

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली दिनांक, 15 अक्टूबर 1973

सं० 28/9/71-ई० सी० 1—राष्ट्रपति, श्री जी० जी० घोष, सहायक इंजीनियर (सिविल) को केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी 1 में बिल्कुल तदर्थ और अनन्तिम आधार पर 30-9-73 या जब तक कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा स्थान आदेश रद्द कर दिये जाते हैं, जो भी पहले हो, तब तक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के रूप में स्थानापन्न बने रहने की अनुमति देते हैं।

सं० 28/9/71-ई० सी० I—राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक इंजीनियर (विद्युत) को केन्द्रीय इंजीनियरी विद्युत सेवा श्रेणी 1 में बिल्कुल तदर्थ और अनन्तिम आधार पर उनके आगे दी हुई तिथियों तक या जब तक पद नियमित रूप से भरन लिए जाएं, जो भी पहले हो, तब तक कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) के रूप में स्थानापन्न बने रहने की अनुमति देते हैं।

1. श्री टी० के० रामस्वामी	30-9-73
2. श्री एन० सी० दत्तगुप्त	30-9-73
3. श्री पी० सी० घोष	30-9-73
4. श्री आर० एन० गंगुली	30-9-73
5. श्री जे० एन० बनर्जी	30-9-73
6. श्री आर० एन० भट्टाचार्य	30-9-73
7. श्री डी० आर० खन्ना	30-9-73
8. श्री विष्वनाथ सिंह	30-9-73
9. श्री ए० के० दत्त	30-9-73
10. श्री डी० एन० जोशी	14-9-73

(सेवा-निवृत्त)

वेद प्रकाश सरवरिया
प्रशासन उप-निदेशक

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 27 सितम्बर 1973

सं० 3-293/73-प्र०-II—इस कार्यालय के अधिसूचना नं० 3-293/73-प्र०-II, दिनांक 4-6-73 के अधिसूचना में श्री टाडीमारी गुडी फिरोजउद्दीन को दिनांक 17-4-73 (पूर्वाह्न) से सहायक जल भू-विज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के अस्थाई पद पर केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में उनके मुख्यालय चन्डीगढ़ के साथ प्रति माह 425/- तथा भत्ते के साथ वेतनमान 350-25-500-30-590-ई० बी०-30-800-ई० बी०-30-830-35-900 के अन्तर्गत अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

सं० 3-288/73-प्र०-II—श्री बीरेन्द्र नाथ दुबे को दिनांक 17-7-1973 (पूर्वाह्न) से सहायक जल भू-विज्ञानी वर्ग-II

(राजपत्रित) के अस्थाई पद पर केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में उनके मुख्यालय नागपुर के साथ रु० 450/- मासिक तथा भत्ते के साथ वेतनमान 350-25-500-30-590-ई० बी०-30-800-ई० बी०-30-830-35-900 के अन्तर्गत अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

सं० 3-307/73-प्र०-II—श्री लूका बैंकटारतनम को दिनांक 16-7-1973 (पूर्वाह्न) से सहायक मृदा रसायनज्ञ वर्ग-II (राजपत्रित) के अस्थाई पद पर केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में प्रति माह 350/- तथा भत्ते के साथ वेतनमान 350-25-500-30-590-ई० बी०-30-800-ई० बी०-30-830-35-900 के अन्तर्गत उनके मुख्यालय जोधपुर के साथ अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

सं० 3-299/73-प्र०-II—डा० येलोजोसयोला जगदीशा पारधासारधी को दिनांक 9-8-73 (पूर्वाह्न) से सहायक जल भू-विज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के अस्थाई पद पर केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में उनके मुख्यालय कलकत्ता के साथ रु० 425/- मासिक तथा भत्ते के साथ वेतनमान 350-25-500-30-590-ई० बी०-30-800-ई० बी०-30-830-35-900 के अन्तर्गत अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 7 अक्टूबर 1973

सं० 3-290/73-ई०-II—इस कार्यालय के अधिसूचना नं० 3-290/73-ई०-II, दिनांक 10-7-73 के अधिलघन में डा० नलूरी गोपालाकृष्णवा को दिनांक 21-5-1973 (पूर्वाह्न) से सहायक जल भू-विज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के अस्थाई पद पर केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में उनके मुख्यालय तेजपुर के साथ प्रति माह 450/- तथा भत्ते के साथ वेतनमान 350-25-500-30-590-ई० बी०-30-800-ई० बी०-30-830-35-900 के अन्तर्गत अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

देवता पाण्डेय,
अधीक्षक अभियन्ता

नौबहन और परिवहन मंत्रालय

तूतीकोरिन बन्दरगाह परियोजना

तूतीकोरिन-4, दिनांक 21 सितम्बर 1973

सं० ए-22013/1/73-प्रशासन/4261—तूतीकोरिन बन्दरगाह परियोजना के मुख्य इंजीनियर तथा प्रशासक तूतीकोरिन बन्दरगाह में सर्वश्री वी० चेलाप्पन, कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल), के० एस० चिन्नाकलिया पिल्ले, कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल) तथा वी० आर० लक्ष्मीनारायणन, ड्राफ्ट्समैन ग्रेड 1 (सिविल) की पदोन्नति होने पर परियोजना में क्रमशः 10-9-73, 7-9-1973 तथा 7-9-73 के पूर्वाह्न से 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 रुपये के वेतनमान में अस्थायी तौर पर सहायक इंजीनियर (सिविल) नियुक्त करते हैं।

सं० ए-220 बी/1-73/प्रशासन/डी-4262—समिलनाडु सरकार के लोक निर्माण विभाग से इस परियोजना में प्रति-नियुक्त श्री टी० एम० राजा, सहायक इंजीनियर (सिविल) ने

12 सितम्बर, 1973 के अपराह्न से सहायक इंजीनियर (सिविल) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

डी० आई० पाल
मुख्य इंजीनियर तथा प्रशासक

नारकोटिक्स विभाग

सं० 10—अक्लरा प्रभाग से स्थानान्तरण पर, श्री ओंकार सिंह, जिला अफीम अधिकारी ने 10 अगस्त, 1973 के दोपहर पूर्व से श्री एम० एस० बंसल के स्थान पर, जिला अफीम अधिकारी, फैजाबाद का कार्यभार संभाल लिया। श्री बंसल का स्थानान्तरण हो गया है।

सं० 11—फैजाबाद प्रभाग से स्थानान्तरण पर और अजित अवकाश पर रहने के बाद, श्री एम० एस० बंसल, जिला अफीम अधिकारी ने 29 अगस्त, 1973 के दोपहर बाद को श्री ए० ई० तिमोती के स्थान पर जिला अफीम अधिकारी, चित्तौड़गढ़ II प्रभाग का कार्यभार संभाल लिया। श्री तिमोती का स्थानान्तरण हो गया है।

सं० 12—शामगढ़ प्रभाग से स्थानान्तरण पर, श्री एस० एच० गवांदे, जिला अफीम अधिकारी ने 17 सितम्बर, 1973 के दोपहरपूर्व से ग्वालियर स्थित भारत के नारकोटिक्स आयुक्त के कार्यालय में अधीक्षक (कार्यपालक) का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 13—निधुक्ति पर, श्री ए० के० दास, स्थानापन्न उप-अधीक्षक, (कार्यपालक) ने 6 सितम्बर, 1973 के दोपहर बाद से श्री एस० एच० गवान्दे के स्थान पर र० 350-25-500-30-590-द० र०-30-800-द० र०-30-830-35-900 के बैतनमान में जिला अफीम अधिकारी, शामगढ़ का कार्यभार संभाल लिया। श्री गवान्दे का स्थानान्तरण हो गया है।

शुद्धिपत्र

इस कार्यालय की तारीख 20 अगस्त, 1973 की अधि-सूचना सं० 8-फा० सं० 2(3)-संस्थापन/73-17007-18 में "27 जुलाई" अंकों और शब्दों के स्थान पर "23 जुलाई" अंक और शब्द पढ़े जायें।

वि० रा० सोनालकर
भारत का नारकोटिक्स आयुक्त

आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई, दिनांक 12 अक्टूबर 1973

सं० 6-ए० डी० (ए० टी०)/73—पूरक नियम 60 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अध्यक्ष, आयकर अपीलीय अधिकरण, उनकी विभाग प्रमुख की क्षमता में वे आयकर अपीलीय अधिकरण के उपाध्यक्षों के कर्तव्यभारों के क्षेत्रों की स्तम्भ 2 में निर्दिष्ट की हुई सीमाएं निश्चित करते हैं और उनको निम्न अनुसूची के स्तम्भ 3 में निर्दिष्ट की गई शक्तियां प्रदान करते हैं :—

अनुसूची

उपाध्यक्षों (1)	कर्तव्यभारों के क्षेत्रों की सीमाएं (2)	प्रदान की हुई शक्तियां (3)
उपाध्यक्ष, आयकर अपीलीय अधिकरण, उत्तरी विभाग, नई दिल्ली	1. उत्तर प्रदेश 2. दिल्ली 3. मध्य प्रदेश (रायपुर विभाग छोड़कर) 4. पंजाब 5. हरियाणा 6. हिमाचल प्रदेश 7. केन्द्रीय शासित चंडीगढ़ 8. राजस्थान 9. जम्मू एवं काश्मीर	1. उन्हें अपने अधिकार क्षेत्रों में आने वाले सदस्य, अधिकारियों और न्यायपीठों को दौरो पर जाने के लिए अधिकृत करना 2. अपने विभागों में दौरा पर जाना
उपाध्यक्ष आयकर अपीलीय अधिकरण पश्चिमी एवं दक्षिण विभाग, बम्बई	1. महाराष्ट्र 2. तामिलनाडु 3. केन्द्रीय शासित पांडिचेरी 4. आंध्र प्रदेश 5. केरल 6. केन्द्रीय शासित लक्षद्वीप 7. गुजरात 8. केन्द्रीय शासित दादरा एवं नगरहवेली 9. केन्द्रीय शासित गोवा, दमण एवं दीव 10. मंसूर	
उपाध्यक्ष आयकर अपीलीय अधिकरण पूर्वी क्षेत्र कलकत्ता	1. मध्य प्रदेश का रायपुर विभाग 2. पश्चिमी बंगाल 3. केन्द्रीय शासित अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह	

(1)

(2)

(3)

3. बिहार
4. उड़ीसा
5. आसाम
6. नागालैंड
7. मेघालय
8. त्रिपुरा
9. मणिपुर
10. केन्द्रीयशासित अरुणाचल प्रदेश एवं मिजोराम

हरनाम शंकर, अध्यक्ष

आयकर अपीलीय अधिकरण बम्बई

**केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्ता
का कार्यालय, पश्चिम बंग**

कलकत्ता, दिनांक 25 सितम्बर, 1973

सं० 47—चंदन नगर केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रमण्डल से स्थानान्तरित होकर श्री एम० एरा० चौधरी, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क द्वितीय वर्ग ने दिनांक 13-8-1973 के पूर्वार्द्ध से सभाहरणालय के मुख्यालय में श्री बी० आर० सेनगुप्ता, अधीक्षक द्वितीय वर्ग जिनका स्थानान्तरण कलकत्ता IV प्रमण्डल में हुआ, के स्थान पर प्रोवे० और इन्ट० का कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 48 — सभाहरणालय के मुख्यालय के प्रोवे० और इन्ट० से स्थानान्तरित होकर श्री बी० आर० सेनगुप्ता अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, द्वितीय वर्ग ने कलकत्ता IV प्रमण्डल में श्री त्रे० भट्टचार्जी अधीक्षक, द्वितीय वर्ग को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए दिनांक 13-8-1973 को पूर्वार्द्ध में अधीक्षक (तक०) का कार्यभार ग्रहण किया।

एन० एन० राय चौधरी

समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क
पश्चिम बंग, कलकत्ता

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 सितम्बर, 1973

सं० 83/73—श्री बी० के० मिश्र, सहायक समाहर्ता, सीमा शुल्क मोतीहारी ने कानपुर स्थानान्तरित होने पर सहायक समाहर्ता, सीमा शुल्क मोतीहारी का कार्यभार का त्याग दिनांक 9-8-1973 अपराह्न को कर दिया और 7 दिन के अर्जित अवकाश पर दिनांक 10-8-73 से 16-8-1973 तथा इसके बाद कार्याभिकाल दिनांक 17-8-1973 से 26-8-1973 तक (26-8-1973 को रविवार) को जोड़ने की अनुज्ञा सहति, चले गए।

2. श्री बी० के० मिश्र, सहायक समाहर्ता ने अवकाश और कार्याभिकाल का उपयोग करने के बाद समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कानपुर के कार्यालय में सहायक समाहर्ता, के० उ० शु० कानपुर का कार्यभार 27-8-1973 पूर्वार्द्ध को ग्रहण किया और सहायक समाहर्ता 'लेखा परीक्षा-1' का कार्यभार 4-9-1973 पूर्वार्द्ध से ग्रहण किया।

ज्योतिर्मय दत्त,
समाहर्ता

**केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता क्षेत्र म० प्र०
एवं बिदर**

नागपुर, दिनांक 22 अक्टूबर 1973

सं० 14/73—श्री बी० जी० दांवे, जो पिछले दिनों स्थायी अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क 'श्रेणी II' निरीक्षण समूह, इन्दौर के पद पर नियुक्त थे, दिनांक 17-9-73 से 21-12-73 तक 96 दिनों के सेवामुक्ति पूर्व अर्जित अवकाश पर चले गए। उक्त अवधि की समाप्ति पर वे सेवा मुक्त हो जाएंगे।

सं० 15/73—इस समाहर्ताक्षेत्र के श्री एच० एस० सोव्ती, स्थायी निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (प्र० श्रे०) ने अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी II के पद पर नियुक्त होने पर, मुख्यालय नागपुर में दिनांक 29 सितम्बर 1973 के पूर्वार्द्ध में, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी II, का पदभार संभाल लिया।

सं० सी० नं० II (3)/कन०/73/8093—श्री डी० पी० माथुर ने, जो पिछले दिनों कानपुर समाहर्ताक्षेत्र में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी I के पद पर नियुक्त थे, सहायक समाहर्ता नियुक्त होने पर, दिनांक 14 सितम्बर 1973 के पूर्वार्द्ध में, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एकीकृत प्रभाग रायपुर का पदभार संभाल लिया।

र० ना० शुक्ल,
समाहर्ता।

शुद्धि-पत्र

अहमदाबाद, दिनांक 8 अक्टूबर, 1973

दिनांक 27-7-73 के भारत का राजपत्र (असाधारण) के भाग-III, खण्ड-I के पृष्ठ 68 पर प्रकाशित आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना की छठी पंक्ति में छपी तिथि 23-1-1973 के बदले में तिथि 17-1-1973 पढ़िए।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, अहमदाबाद-I

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 3 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस०आर०/ए० पी०-283/73-74/1958-यतः, मुझे, आर० एस० साहनी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती 15 कनाल 2 मरले, गांव नंगली जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 137 मई 1973 को लिखा है, जो नंगली, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) दविंदर खन्ना पुत्र श्री द्वारका दास लॉरंस वासी रोड कोठी नं० 18, अमृतसर। (अन्तरक)

(2) कुशील कुमार पुत्र डा० खुशीराम, जल रोड अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती 15 कनाल 2 मरले, गांव नंगली तहसील अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 137 मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

आर० एस० साहनी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 3-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 3 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/ए० पी०-284/73-74/1959-यतः, मुझे आर०एस० साहनी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 413 मई, 1973 में लिखा है, बाजार मूल्य, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती चननवती मेहरा पत्नी श्री दुर्गा दास मेहरा अव आगरा में, द्वारा श्रीमती बिमला बती। (अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमवती पत्नी श्री मदन लाल कटड़ा मफ़ेद, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति बाजार मूल्यों में, नजदीक चौक फव्वारा, अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 413 मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में लिखा है।

आर० एस० साहनी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 3 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/ए० पी-285/73-74/1960-यतः, मुझे, आर० एस० साहनी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिसकी सं० 33 कनाल 5 मरले गांव काला धनुपुर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1254 मई 1973 में लिखा है, जो गांव काला धनुपुर, जिला अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बलकार सिंह, मुख्तार सिंह सपुत्र बन्ता सिंह वासी काला धनुपुर, तहसील अमृतसर । (अन्तरक)

(2) श्री माया लाल सपुत्र चरण दास, प्यारा लाल सपुत्र दमोदर दास वासी कनक मंडी, श्री दमोदर दास सपुत्र रेलू मल, सीता राम वासी बाजार टोकरीयां अमृतसर । (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 33 कनाल 5 मरले, गांव काला धनुपुर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1254, मई 1973 में लिखा है ।

आर० एस० साहनी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक, 3 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/ए० पी०-286/73-74/1961-यतः, मुझे आर०एस० साहनी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 915 वर्ग गज लारेंस रोड अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 523 मई 1973 में लिखा है, जो लारेंस रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—316G1/73

(1) श्रीमती बीबी लाजवंत कौर पत्नी श्री भूपिन्ध सिंह माफत वजीर हिन्द प्रेस हाल बाजार, अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्रीमती कुसुम अरोड़ा पत्नी श्री इंदर कुमार, गली देवी वाली, कूचा पहलवान, अमृतसर

(3) जैसा कि न० 2 पर है।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती 915 वर्गगज लारेंस रोड अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 523 मई 1973 में लिखा है।

आर० एम० साहनी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 3-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज

अमृतसर

अमृतसर, दिनांक, 3 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर/ए० पी-287/73-74/1962—
यतः, मुझे आर० एस० साहनी आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा 10 कनाल 1 मरला जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 538 मई 1973 में लिखा है, जो इस्लामा-
बाद, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 1973, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-

नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री किशन गोपाल और नंद गोपाल पुत्र स्ववासी राम
दयाल 156/XIII-2 कूपर रोड, अमृतसर (अन्तरक)

(2) दुर्गादास और श्री द्वारका दास पुत्र श्री मंसा राम,
कटड़ा सफेद, अमृतसर (अन्तरिती)

(2) जैसा कि नं० 2 पर है।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत तक किए जायेंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती 10 कनाल 1 मरला इस्लामाबाद, अमृतसर जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 538 मई 1973 को लिखा है।

आर० एस० साहनी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 3-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज

अमृतसर

अमृतसर, तारीख 3 नवम्बर 1973

निदेश सं० ए०एस०आर०/बी०टी०एल०/ए०पी०—288/73-74/1963—यतः मुझे, आर० एस० साहनी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3/5 भाग 5 कनाल 12 मरले, जैसे 2800 वर्गगज:—1680 वर्ग गज, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 811, मई 1973 में लिखा है। जो जी० टी० रोड, बटाला में स्थित है (और इससे उपाय अन्तर्गामी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स एटलस इंजीनियरिंग इन्डस्ट्रीज, बटाला द्वारा श्री वजीर चन्द क्वाटरा। (अन्तरक)

(2) श्रीमती कलेश रानी पत्नी श्री दर्शन लाल प्रोप्राईटर मैसर्स प्रकाश फाउन्ड्री जी० टी० रोड बटाला (2) हरिन्द्र कुमार सपुत्र ओम प्रकाश मार्फत मैसर्स गणेश फाउन्ड्री, बटाला (3) सुरिन्द्र कुमार सपुत्र तिलक राज मार्फत मैसर्स गणेश फाउन्ड्री बटाला। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अभिभाग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1680 वर्ग गज भूमि जी० टी० रोड बटाला पर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 811 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला के कार्यालय में लिखा है।

आर० एस० साहनी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख 3-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 3 नवम्बर 1973

निदेश सं० ए०एस०आर०/बी०टी०एल०/73-74/ए०पी०-
289/1964— यतः मुझे, आर० एस० साहनी, आयकर
आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 5 कनाल 12 मरले का 2/5 भाग, जैसे 2800
वर्गगज : 1120 वर्ग गज, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 812
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में लिखा है। जो जी० टी० रोड़,
बटाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय बटाला में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे
द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स एटलस इंजीनियरिंग इन्डस्ट्रीज बटाला द्वारा
श्री वजीर चन्द क्वाटरा। (अन्तरक)

(2) पुष्पा रानी पत्नी श्री ओम प्रकाश, मार्फत मैसर्स प्रकाश
फाउन्डरी, जी० टी० रोड़, बटाला। (2) श्रीमती आशा रानी
पत्नी श्री तिलक राज प्रोप्राईटर मैसर्स डी० यू० इन्डस्ट्रीज,
जी० टी० रोड़ बटाला (अन्तरिती)

जैसा कि नं० 3 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह
व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1120 वर्ग गज भूमि जी० टी० रोड़ बटाला पर, जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 812 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला
के कार्यालय में लिखा है।

आर० एस० साहनी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख 3-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, तारीख 3 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए०एस०आर०/० ए० पी०-290/73-74/
1965—यतः मुझे आर० एस० साहनी आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 422 मई
1973 को लिखा है जो आबादी किशन नगर, अमृतसर में स्थित
है (और इससे उपाधद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है);
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्री-
कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच तय पाया गया कि ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के आधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री मेला सिंह सपुत्र बूड़ सिंह 8-ई, झंडीवाला झंसी
रोड देहली, सुरजीत सिंह, प्रकाश सिंह सपुत्रान श्रीमती ज्ञान कौर
सपुत्री श्री जैमल सिंह, मजीठा रोड, अमृतसर, श्रीमती गुरचरण
कौर पत्नी लेफ्टीनेंट कर्नल करतार सिंह, चण्डीगढ़ (अन्तरक)

(2) जगदीश चन्द भाटिया सपुत्र दौलत राम, गोपाल दास
सपुत्र ईशर दास, गली खरासीयां, कटड़ा बगधीयां, अमृतसर तथा
ओ० पी० मैनी, एजेन्ट इन्डिया ओवरसीज बैंक अमृतसर (अन्तरिती)

जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधी-
हस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 422 मई 1973 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में लिखा है।

आर० सी० साहनी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख 3-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
अमृतसर

अमृतसर, तारीख 3 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर/ए० पी०-291/73-74/
1966--यतः, मुझे आर० एस० साहनी आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० 1/2 भाग 5 दुकानें तथा दो गोदाम नं० 1452/12-2
गागर मल रोड़ अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 472
सं० रु० अमृतसर में लिखा है। जो गागर मल रोड़, अमृतसर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में, और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चमन लाल सपुत्र गोवर्धन दास, श्रीमती राजवती
पत्नी श्री गोवर्धन दास, जोशी कालौनी अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाश वन्ती पत्नी श्री त्रिलोक चन्द जैन चौक
लोहगढ़, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग 5 दुकानें तथा दो गोदाम नं० 1452/12-2 गागर
मल रोड़, अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 472 मई
1973 को सब-रजिस्ट्रार अमृतसर में लिखा है।

आर० एस० साहनी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 3-11-1973
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,
अमृतसर ।

अमृतसर, दिनांक 3 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर/ए० पी०-292/73-74/1967—
यतः मुझे आर० एस० साहनी आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 1/2 भाग 5 दुकान तथा दो गोदाम नं० 1452/
12-2 आर० बी० गागर मल रोड़ अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 472 सं०र० अमृतसर में लिखा है, जो गागर मल रोड़
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री शिव कुमार सुपुत्र गोवर्धन दास, श्रीमती राजवती
पत्नी गोवर्धन दास, 5, सकबूल रोड़ अमृतसर । (अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाश बन्ती पत्नी श्री तिलोक चन्द जैन,
लोहगढ़ चौक, अमृतसर । (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो
तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर,
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/2 भाग 5 दुकानें तथा दो गोदाम नं० 1452/12-2 आर०
बी० गागर मल रोड़ अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
473 मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय
में लिखा है ।

आर० एस० साहनी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर ।

तारीख : 3-11-1973
मोहर :

प्ररूप, आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेंज नागपुर

नागपुर, दिनांक 2 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई०ए० सी०/ए० सी० क्यू/23/73-74—यतः, मुझे, एस० एस० राय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० गृह संपत्ति क्र० 527/1, जो कांग्रेस नगर, नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग, के अन्वय में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- | | |
|---------------------------|------------|
| (1) आल इंडिया रिपोर्ट लि० | (अन्तरक) |
| (2) दिनकर वामन चितले | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मंजील मकान, गृह सम्पत्ति क्र० 527/1 तथा सारी जायजाद जो प्लॉट नं० 27, सर्कल नं० 19/27 वार्ड नं० 1 कांग्रेस नगर नागपुर में स्थित है । यह मकान 2242 वर्गफुट में बना है और प्लॉट का क्षेत्रफल 9405 वर्गफुट है तथा उसकी चतुर्सीमा निम्नलिखित है :—

पूर्व में—आम सड़क

पश्चिम में—कान्भरखैसी लेन

उत्तर में—आल इंडिया रिपोर्ट लिमिटेड का गोदाम

दक्षिण में—श्री जोशी का मकान

एस० एस० राय,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर ।

तारीख : 2-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज नागपुर

नागपुर, दिनांक 2 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आ० व० ए० सी०/ए० सी०/क्यू०/24/73-74--
यतः, मुझे, एस० एस० राय आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और
जिसकी सं० गृह सम्पत्ति क्र० 512 जो कांग्रेस नगर नागपुर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 14-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-
5-316G I/73

(1) आल इंडिया रिपोर्टर लि० (अन्तरक)

(2) श्री अधोक माधव चितले (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दो मंजील मकान गृह सम्पत्ति क्र० 512 तथा सारी जायदाद
जो प्लॉट नम्बर 17, सर्कल नं० 19/27, वार्ड नंबर 1, कांग्रेस नगर
नागपुर 12 में स्थित है । यह मकान 456'X 55' अंदाजन् 2246
वर्गफुट में बना है और प्लॉट का क्षेत्रफल 9540 वर्गफुट है तथा
उसकी चतुर्सीमा निम्नलिखित है :-

पूर्व में —आम सड़क
पश्चिम में —कान्धर्वेसी लेन
उत्तर में —श्री धार का मकान
दक्षिण में —श्री दातार का मकान ।

एस० एस० राय,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख 2-11-1973

मोहर :-

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए०सी०क्यू० 23-1-12/16-6/73-74—

यतः, मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सरवे नं० 896 है, जो घेवर रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मै० पी० पंडिया एंड कं० के सहकारी

- (1) कनुभाई हरगनलाल पंडिया
- (2) परशोत्तम भवान भाई
- (3) लवजीभाई भवान भाई
- (4) परबतभाई भवान भाई

प्रह्लाद रोड, राजकोट।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती इन्दिरा बहन अयसुखलाल
देसाई रोड, 56, जनकल्याण सोसायटी,
राजकोट।

- (3) (1) ब्रासनवीर कारपोरेशन
(2) वीयल्स एम्पोरियम
(3) मोडेल्ला मिल्स रिटेल शाप
(4) अनूप चन्द लवजीभाई
(5) सुभदर्शन इनवेस्टमेंट
(6) शान्तिलाल कालिदास
(7) आर० पी० संघवी एंड कं०
(8) सौराष्ट्र फर्टीलाइजर्स
(9) ए०डी० अमीन एंड कं०
(10) मनुभाई ए० शेठ
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है —

अनुसूची

सं० नं० 896, क्षेत्रफल 90-6-95 वर्ग गज जमीन तथा मकान, घेवर रोड, राजकोट।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 1-11-1973

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 अक्तूबर 1973

निर्देश सं० IX/1/5/73-74—यतः, मुझे के० बी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 523 है, जो पूनमल्ली हाई रोड मद्रास-84 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार-I में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एस० प्रकासा और पी० एस० कमला बाई (अन्तरक)
- (2) श्री काकड़े कृष्णा, मैनेजिंग डायरेक्टर के द्वारा होटल स्टेलांघर प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

री० सर्वे सं० 1/4 पूनमल्ली डिवीजन डोर सं० 523, पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास-84 में 1 ग्राउन्ड 186 स्क्व० फीट (प्लॉट नं० ई०) का खाली भूमि।

के० बी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 31-10-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269 घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास दिनांक 30 अक्टूबर 1973

निदेश सं० IX/1/4/73-74—यतः, मुझे के० बी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 523 है, जो पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास-84 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार-I में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) एस० प्रकासा और श्रीमती पी०एस० कमला बाई (अन्तरिक)

(2) श्री काकड़े कृष्णा मनेजिंग डायरेक्टर के द्वारा होल्डिंग स्टेलांधर प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किय जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

री० सर्वे सं० 1/4 पूनमल्ली डिवीजन डोर सं० 523, पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास-84 में 1 ग्राउन्ड 1504 स्व० फीट का खाली भूमि (प्लॉट नं० एच०') ।

के० बी० राजन,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 31 अक्टूबर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्री एस० प्रकाश और पी० एल० कमला बाई

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(घ)(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 नवम्बर 1973

निर्देश सं० IX/1/6/73-74—यतः, मुझे के० बी० राजन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 1/4, डोर सं० 523, है, जो पूनमल्ली हाई रोड मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डिस्ट्रिक्ट रिजिस्ट्रार-I मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री काकड़े कृष्णा के द्वारा होटेल स्टेलिंगर प्राईवेट लिमिटेड
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 1/4, डोर सं० 523, पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास में 1 ग्राउंड 1504 स्क्० फीट का खाली भूमि।

के० बी० राजन,
तारीख 2-11-73 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सी० ओय० आँजेनेयलु चेट्टी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(घ)(1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० हाजा कमालदीन (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 नवम्बर 1973

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

निर्देश सं० IX/3/9/73-74—यतः, मुझे के० बी० राजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 240, 241;
242 और 243 है, जो रासप्प चेट्टी स्ट्रीट पार्क टोन, मद्रास
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-I
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 6-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डोर सं० 240, 241, 242 और 243, रासप्प चेट्टी स्ट्रीट
पार्क टोन मद्रास में खाली भूमि जिसका क्षेत्रफल 1 ग्राण्ड 644
स्केयर फीट है।

के० बी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
तारीख : 2-11-73 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर : अर्जन रेंज-I, मद्रास

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269(घ)(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1973

निदेश सं० /23/2/73-74—यतः, मुझे के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 28 है, जो पालयकोट्ट जत्तिरम में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 1 पालयकोट्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 14-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः अब, धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री एस० सी० ए० चोक (अन्तरक)

(2) श्री एम० ए० एम० मोहिदीन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने का अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सर्वे सं० 28 में पालयकोट्ट जत्तिरम में स्थित 6 एकड़ की खाली भूमि ।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,

तारीख : 2-11-73
मोहर :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(2) श्री परमनिव तेवर

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 नवम्बर, 1973

निदेश सं० /22/1/73-74—यतः, मुझे के० बी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 611/5 है, जो वड़कुरै, कीलपिडारम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेन्काशी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रंगनादन, देयवनायगी, राजलक्ष्मी और लोणनायगी (अन्तरक) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वड़कुरै, कीलपिडारम में स्थित सर्वे सं० 611/5, में 3 एकड़ 13 सेंटस का खाली भूमि।

के० बी० राजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 2-11-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 अक्तूबर 1973

निर्देश सं० ए० सी०-58/आर-II/कैल-73-74—यतः, मुझे एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 5 है, जो 8/1/ए डायमंड हारबर रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एम्प्लोयेमेंट कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) महाराजाधिराज उदय चंद महताब
- (2) महाराजकुमार सदन चंद महताब
- (3) महाराजकुमारी वरुणा राठी
- (4) महाराजकुमार मलय चंद महताब

- (5) महाराजकुमारी ज्योत्स्ना दत्त
- (6) महाराजकुमार प्रणय चंद महताब
- (7) महाराजकुमारी कल्याण महताब (अग्रज)
- (2) श्री रमेश कुमार मानपरिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 8/1/ए डायमंड हारबर रोड अलीपुर कलकत्ता जिला
24 परगना के प्लॉट नं० 5 में 4 कट्टा 4 छटाक 34 वर्ग फीट
जमीन।

एम० एन० तिवारी,
सक्षम प्राधिकारी
तारीख : 31-10-73 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर : अर्जन रेंज-II
पी०-13, चौरंगी स्वबायर, कलकत्ता

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

कलकत्ता, दिनांक 31 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० ए० सी०-59/आर०-II/कैल०/73-74—यतः, मुझे, एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 6 है, जो 8/1/ए० डायमंड हारवर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ ऐस्कोरेन्सेज, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14 मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) महाराजाधिराज उदय चन्द महताब,
(ii) महाराजकुमार सद्य चन्द महताब
(iii) महाराजकुमारी वरुणा राठीइ,
(iv) महाराजकुमार मलय चन्द महताब,
(v) महाराजकुमारी ज्योत्सना दत्त,
(vi) महाराजकुमार प्रणय चन्द महताब
(vii) महाराजकुमारी कशना महताब (अन्तरक)
2. श्री घासी राम अग्रवाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8/1/ए० डायमंड हारवर रोड, अलीपुर, कलकत्ता, जिला 24 परगना के प्लॉट नं० 6 में 5 कट्ठा 11 छटांक 21 वर्ग फीट जमीन।

एम० एन० तिवारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II,

पी०-13, चौरंगी स्क्वायर कलकत्ता।

दिनांक 31 अक्टूबर 1973
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II

कलकत्ता, दिनांक 31 अक्तूबर 1973

निर्देश सं० ए०सी०-60/आर-II/कैल०/73-74—यतः, मुझे, एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक और जिसकी सं० प्लॉट नं० 10 है, जो 8/1/ए० डायमंड हारवर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ ऐस्थोरेन्सेज, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14 मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) महाराजाधिराज उदय चन्द महताब,
(ii) महाराजकुमार सदन चन्द महताब,
(iii) महाराजकुमारी वरुणा राठीड़,
(iv) महाराजकुमार मलय चन्द महताब,
(v) महाराजकुमारी ज्योत्स्ना दत्त,
(vi) महाराजकुमार प्रणय चन्द महताब,
(vii) महाराजकुमारी करुणा महताब (अन्तरक)
2. (i) श्री विजय कुमार अग्रवाल,
(ii) श्री विमल कुमार अग्रवाल, नाबालिग संरक्षक पिता हजारी मल अग्रवाल,
(iii) श्री परमानन्द गुप्त }
(iv) श्री मनोज कुमार गुप्त } नाबालिक संरक्षक-पिता राधेश्याम गुप्त (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 8/1/ए० डायमंड हारवर रोड, अलीपुर, कलकत्ता, जिला-24 परगना के प्लॉट नं० 10 की 5 कट्ठा 27 वर्ग फीट जमीन।

एम० एन० तिवारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II,

पी० 13, चौरंगी स्क्वायर, कलकत्ता

दिनांक 31 अक्तूबर 1973।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

केन्द्रीय राजस्व भवन

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० ए०सी०-61/आर०-II/कैल०/73-74—यतः, मुझे, एम० एन० तिवारी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सधम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 7 है, जो 8/1/ए० डायमंड हारवर रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ ऐस्पोरेनसेज कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14 मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (i) महाराजाधिराज उदय चन्द महताब,
(ii) महाराजकुमार सदन चन्द महताब,
(iii) महाराजकुमारी वरुणा राठीड़,
(iv) महाराजकुमार मलय चन्द महताब,
(v) महाराजकुमारी ज्योत्स्ना दत्त,
(vi) महाराजकुमार प्रणय चन्द महताब,
(vii) महाराजकुमारी करुणा महताब (अन्तरक)

2. (i) श्रीमती चमेली देवी खंडेलवाल,
(ii) श्री महेश कुमार खंडेलवाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 8/1/ए० डायमंड हारवर रोड, श्रीपुर, कलकत्ता, जिला 24-परगना के प्लॉट नं० 7 में 7 कट्टा 13 वर्ग फीट जमीन।

एम० एन० तिवारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II,

पो० 13, चौरंगी स्क्वायर, कलकत्ता।

दिनांक 31 अक्टूबर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० ए०सी०-62/आर०-11/कैल०/73-74—यतः,
मुझे, एम० एन० तिवारी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि अस्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 9 है, जो 8/1/ए० डायमंड, हारवर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-मूची में और पूरा रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ ऐस्योरेन्सेज कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14 मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और अब आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269 ग के अनुसरण में मेरे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. (i) महाराजजधिराज उदय चन्द महताब,
(ii) महाराजकुमार सदन चन्द महताब,
(iii) महाराजकुमारी वरुणा राठौड़,
(iv) महाराजकुमार मलय चन्द महताब,
(v) महाराजकुमारी ज्योत्सना दत्त,
(vi) महाराजकुमार प्रणय चन्द महताब, और
(vii) महाराजकुमारी कहरणा महताब (अन्तरक)
2. (i) श्री बाबू लाल दिवान,
(ii) श्री आनन्दे कुमार दिवान, नाबालिक संरक्षक-पिता ताराचन्द दिवान,
(iii) श्री सुरेश कुमार अगरवाल,
(vi) श्री विनोद कुमार अगरवाल, संरक्षक माता श्रीमती रुक्मिणी देवी अगरवाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:- इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 8/1/ए० डायमंड हारवर रोड, अलीपुर, कलकत्ता जिला 24-परगना के प्लॉट नं० 9 में 5 कट्ठा 1 छटांक जमीन।

एम० एन० तिवारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2

पी०-13, श्रीरंगी रक्वायर,

दिनांक 1 अक्टूबर 1973

कलकत्ता।

मोहर :

प्ररुष आर्ई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अक्तूबर 1973

निर्देश सं० ए०सी०-63/आर०-II/कैल०/73-74—यतः,
मुझे, एम० एन० तिवारी, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269ख अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० प्लॉट नं० 8 है, जो 8/1/ए० डायमंड,
हारबर रोड, कलकत्ता में स्थित है और (इससे उपायुक्त अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ ऐस्योरेन्सेज कलकत्ता
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 14 मई 1973 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-
मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना, ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1 (i) महाराजधिराज उदय चन्द महताब,
(ii) महाराजकुमार सदन चन्द महताब,
(iii) महाराजकुमारी वरुणा राठौड़,
(iv) महाराजकुमार मलय चन्द महताब,
(v) महाराजकुमारी ज्योत्स्ना दत्त,
(vi) महाराजकुमार प्रणय चन्द महताब और
(vii) महाराजकुमारी करुणा महताब (अन्तरक)
- 2 (i) श्रीमती विमला देवी खन्डेलवाल
(ii) श्री सुरेश कुमार खन्डेलवाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई
हो, की सुनवाई के लिए तारीख औरस्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।
स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

नं० 8/1/ए० डायमंड हारबर रोड, अलीपुर, कलकत्ता,
जिला 24-परगना के प्लॉट नं० 8 में 7 कट्ठा 40 वर्ग
फीट जमीन।

एम० एन० तिवारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II,

पी० 13, चौरंगी स्वधायक, कलकत्ता,
दिनांक : 1 अक्तूबर 1973
मोहर;

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती वरुणा राठी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री महीवर कपूर (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हैं।

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

कलकत्ता, दिनांक 1 नवम्बर 1973

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

निर्देश सं० ए०सी०-64/आर०-II/कैन०/73-74—यतः मुझे,
एम० एन० तिवारी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 14/4/ए० है, जो बर्दवान रोड, अलीपुर,
कलकत्ता में स्थित है और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
रजिस्ट्रार आफ ऐस्योरेन्सेज कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14 मई
1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961, (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
इस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

नं० 14/4-ए० बर्दवान रोड, अलीपुर, कलकत्ता, जिला
24-परगना में 5 कट्ठा 1 छटांक 8 वर्ग फीट जमीन।

एम० एन० तिवारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II,

पी० 13, चौरंगी स्वामीय, कलकत्ता

दिनांक 1 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, कलकत्ता
का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 1 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए० सी०-65/आर०-II/कैल०/73-74—यतः,
मुझे, एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० 14/4 ए है, जो बर्दवान रोड, अलीपुर,
कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
रजिस्ट्रार आफ ऐसोरेस्मेज, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14 मई 1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपाति-

1. श्रीमती वरुणा राठौड़ (अन्तरक)
2. श्री गिरधारी लाल गलहोता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाही करता हूँ।

यक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सं० 14/4ए बर्दवान रोड, अलीपुर, कलकत्ता, जिला
24-परगना में 4 कट्टा 4 छटांक 3 वर्ग फीट जमीन।

एम० एन० तिवारी,
सक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II,

पी० 13, चौगुली स्क्वायर, कलकत्ता

दिनांक 1 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

दिनांक 3 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/II/73-74/4910-
यतः, मुझे, डी० वी० लाल आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 1758, 1759 वार्ड नं० 11 है, जो भागीरथ
प्लेस, चान्दनी चौक, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 14-5-1973 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गैन्दी बाई पत्नी स्व० श्री विष्णुम्बर नाथ,
1797 विन्सुमल कालौनी निकट भागीरथ प्लेस, चान्दनी चौक,
दिल्ली (अन्तरक)

7-316 GI/73

(2) श्रीमती कैलाश बती पत्नी श्री लामू राम निवासी
यूसुफ बिल्डिंग, हौज काजी, दिल्ली (अन्तरिती)

(3) (1) श्री रणवीर सिंह पा० मं० रणवीर इलेक्ट्रिक
मार्ट (2) श्री गुरचरण सिंह भागीदार मं० युनाईटेड इलेक्ट्रिकलज
(3) मं० मित्तल ब्रादरज (4) श्री वेद प्रकाश सुपुत्र श्री दिल्ली
राम (5) मं० सुरजीत मदान (6) श्री श्याम सुन्दर सुपुत्र
श्री दिल्ली राम (7) मं० धर्मोजा इलेक्ट्रिक कम्पनी एवं (8) श्रीमती
राम रती देवी सभी 1758-59 भागीरथ प्लेस, चान्दनी चौक,
दिल्ली के निवासी (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक पक्का बना हुआ एक मंजिल भवन जो प्लॉट संख्या 1758/
59 वार्ड नं० 11, 134 वर्गगज भूमि पर बना हुआ है और जो
भागीरथ प्लेस चान्दनी चौक में स्थित है तथा जिसकी सीमाएं
निम्नलिखित हैं :—

पूर्व —लेन मार्ग 20 फुट चौड़ा
पश्चिम —लेन 2 फुट चौड़ी
उत्तर —लेन 2. 1/2 फुट चौड़ी
दक्षिण —लेन 2. 1/2 फुट चौड़ी

डी० वी० लाल,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 3 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एम० —
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(घ)(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्वभवन, नई दिल्ली।

दिनांक, नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/73-74/4970—यतः,
मुझे, डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3508 से 3511 व 3526 से 3530 है, जो चौक लल्लू मिश्र, सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) जगजीत सिंह पुत्र श्री चेत सिंह, 1/8 जयदेव पार्क, नई दिल्ली (2) श्रीमती राजरानी पत्नी श्री रघुनाथ राय, आर-495 न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. चमल लाल बत्ता पुत्र श्री भगवान दास बत्ता द्वारा मै० भगवान दास चमल लाल, मंडी पान, सदर बाजार, दिल्ली (अन्तरिती)

3. (1) श्री गुरुमुख सिंह पुत्र श्री गोविन्द सिंह (2) श्री सरदारी लाल जैन श्री रोगन लाल जैन (3) श्री हरि राम पुत्र श्री बृज लाल (4) श्री मदन लाल पुत्र श्री निहाल चन्द (5) श्री ओम प्रकाश (6) श्री ज्योति प्रसाद गुप्ता टाईपवाला (7) श्री ईशर दाम पुत्र श्री हरि चन्द (8) श्री रघुनाथ राय पुत्र श्री हरिराम (9) श्री केजदेव (10) श्री वेद प्रकाश चहूडा (11) श्री श्रीजमीन राय (12) श्री सतपाल रमेश कुमार (13) श्री राम आसरा व (14) श्री भगत-रामजी जायदाद नं० 3508 से 3511 तथा 3526 से 3530 के उपभोक्ता (यह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मजिलो जायदाद नं० 3508 से 3511 तथा 3526 से 3530 जो कि 186 वसे गज भूमि पर बनी हुई हैं तथा चौक लल्लू मिश्र, सदर बाजार दिल्ली में स्थित हैं व जिसकी सीमाएं इस प्रकार हैं :—

पूर्व —मैन कुतुब रोड

पश्चिम —रोड

उत्तर —जायदाद नं० 3531

दक्षिण —जायदाद नं० 3525

डी० बी० लाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 5 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1)

के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक, 31 अक्टूबर 1973

निर्देश सं०-III-56/अर्जन/73-74/996—यतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण, अर्जन रेंज, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० तौजी नं० 438, काना प्रा० 4, खाता नं० 120 आदि है (और जिसकी सं० है, जो कदमकुआं, पटना में स्थित है और इसमें उपलब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या;*

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एम० रामलाल, जी जे-बुलकी मियां (महूम)
(2) बीबी अरामा, जीजे-एम० याबुव महूम, मोहल्ला-लंगरटोली, अमरुद्धी गली, थाना कदमकुआं, जिला-पटना । (अन्तरक)

(2) श्री बंजनाथ प्रसाद सिंह, बल्द-स्व० कपिलदेव सिंह, मा०-बिचेदी, थाना-नीवतपुर, जिला-पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सोलह आना मकान खपड़पास जो मोहल्ला लंगरटोली, अमरुद्धी गली, थाना-कदमकुआं, पटना में स्थित है ; जिनका तौजी नं० 438, थाना नं० 4, खाता नं० 120, प्लॉट नं० 552, ले० नं० 251, वाई नं० 11 और सक्किल नं० 28 तथा मुसरसैटी प्लॉट नं० 267 इत्यादि है।

ज्योतीन्द्र नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 31 अक्टूबर 1973

नोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बिहार, पटना

दिनांक 31 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० III—55/अर्जन/73-74/995-अतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और और जिसकी सं० हो० न० -16 प्लॉट नं०-28 इत्यादि है (और जिसकी संख्या है, जो लंगरटोली, पटना में स्थित है, और इससे उपलब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16/5/73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) घोसी राम और पत्नी —श्रीमती पारवती देवी, बीसी मस्जिद छोटी ओरा, जिला भोजपुर (अन्तरक)

(2) (1) श्री जगदीप प्रसाद (2) श्री जगदीश प्रसाद (3) श्री सूर्य देव प्र० (4) श्री रामजी प्रसाद, पुत्र श्री जवाहर लाल महतो, सा० कालेश्वर थाना बिहार, जिला पटना (अन्तरित)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

16 हॉलिडय मकान, महल्ला —लंगर टोली, पटना, हो० न० 716, सीट नं० 165, प्लॉट नं० 29, बार्ड नं० 17 इत्यादि है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख 31-10-1974

महूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक 31 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० III—54/अर्जन/73-74/994—यतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० होल्डिंग-130 सैकिल नं० 170 इत्यादि है (और जिसकी संख्या है, जो हाजीगंज, पटना में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूचि में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाखिल में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती उमा देवी, जौजे—विष्णु नारायण अरोड़ा, हाजीगंज पटना सिटी (चौक) एवं श्री लक्ष्मण नारायण अरोड़ा, पुत्र विष्णु नारायण अरोड़ा (अन्तरक)

(2) श्रीमता सुरिन्द्र कौर, जौजे सरदार प्रीतम सिंह, हाजीगंज, थाना चौक, पटना सिटी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, रकबा 13 1/4 कट्ठा, हाजीगंज, पटना, हॉ० नं०-130, सैकिल नं० 170 प्लॉट 566, 1567, 1571, 1572 इत्यादि।

ज्योतीन्द्र नाथ

सक्षम पदाधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख 31-10-73

मुहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक 31 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० III-53/अर्जन/73-74/993-यतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बार्ड नं०-26, सीट नं०-243, 244, 259 इत्यादि है (और जिसकी संख्या है, जो हाजीगंज, पटना सिटी में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूचि में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रेम देवी, जौजे—श्री नारायण साह, हाजीगंज, थाना चौक, पटना सिटी (अन्तरक)

(2) श्री अवतार सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह, तन्त्रीगंज, थाना चौक, पटना सिटी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, 13 कट्ठा 5 धूर, बार्ड नं० 26, सीट नं० 243, 244, 259 इत्यादि प्लॉट नं० 1566, 1567, 1571, 1572, 1738 इत्यादि, महल्ता हाजी गंज, थाना चौक, पटना सिटी।

ज्योतीन्द्र नाथ

सक्षम पदाधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख 31-10-1973

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 31 अक्टूबर 1973

निर्देश सं०-III/52/अर्जन/73-74/992—यतः, मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यत्र विश्राम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मर्यादा होल्डिंग नं० 230 सर्किल नं०-960 इत्यादि हैं (और जिसकी मर्यादा... है, जो हाजीगंज, पटना में स्थित है और उसमें उपलब्ध अनुगृहीत में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4 मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्राम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दागित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती परमादेवी, जौजे—श्री लक्ष्मण नारायण अमोघ मोहल्ला—हाजीगंज थाना—चौक, पटना, सीटी । (अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्र जीत कौर, जौजे—श्री सरदार पञ्चर मिह माहल्ला—हाजीगंज, थाना चौक, पटना । (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन, रकबा 13½ कट्ठा, हाजीगंज, थाना चौक जिला पटना हो० नं०-230, सर्किल नं० 170, सीट नं० 243, 244, 259, बाई० नं० 26, मर्गे नं० 1566, 1567 इत्यादि ।

ज्योतीन्द्र नाथ
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 31 अक्टूबर, 1973
मोहर .

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 31 अक्टूबर, 1973

निर्देश सं०-III/51/अर्जन/73-74/991:—यतः, मुझे ज्योतीन्द्रनाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या तीजी नं० 9/12 थाता नं० 16 है (और जिसकी संख्या खाता नं० 168 है, जो रसिदाचक, पटना में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूचि में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3 मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री भोलाप्रसाद, पुत्र राम कृष्ण लाल, श्री रामनाथ प्रसाद, राजीव प्रसाद, (नाबालिग) पुत्र श्री भोला प्रसाद, नवल बहादुर रोड, थाना खचकलां, पटना (अन्तरक)

(2) श्रीमती बीणा कुमारी जौड़े श्री श्याम मुन्दर प्रसाद महल्ला-मीरानपुर, प्रो० चन्दा जिला-मैजाबाद (उत्तर प्रदेश) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन, रकबा-14 कट्ठा, स्थान रसिदाचक, थाना, आलम-गंज, पटना तीजी नं० 9/12, थाता नं० 16 खाता नं० 68, 112, प्लॉट नं० 650, 651,

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना ।

तारीख : 31 अक्टूबर, 1973
मुहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बिहार, पटना

पटना, दिनांक 31 अक्टूबर 1973

निर्देश सं०-III-50/अर्जन/73-74/990:— अतः, मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है और जिसकी संख्या थाना नं०-6 तौ० नं० 862 खाता नं० 922 इत्यादि है (और जिसकी संख्या है, जो बहादुर पुर, पटना में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूचि में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2 मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था। छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—
8—316GI/73

(1) श्री अम्बिका सिंह, पुत्र राजू सिंह, बाबू लाल सिंह, राम नन्दन सिंह, बहादुरपुर थाना, सुलतान गंज, जिला पटना (अन्तरक)

(2) श्री केशव प्रसाद गुप्ता, श्री बाबू लाल गुप्ता पुत्र-द्वारिका साहू, महल्ला, लोहानीपुर थाना-सुलतान गंज, जिला पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिससे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, रकबा 77.5 डिसमल, स्थान बहादुर पुर, थाना, सुलतान गंज जिला-पटना, थाना नं० 7, तौजी० नं० 472 खाता नं० 122, 130 प्लोट नं० 267, 266, इत्यादि।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 31 अक्टूबर, 1973

मुहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 60/61, एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004
पूना-411004, दिनांक 5 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० सी० ओ०/5/मे०/73/कोल्हापूर/79/73-74—
यतः, मुझे, जी० कृष्णन आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० आर० एस० क्र० 570/1, 573/1, है, जो करबीर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, करबीर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मई, 1973
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था ठिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गोविंदराव दौलत मंडलीक 932-सी० वार्ड कोल्हा-
पूर (अन्तरक)

2. श्री अविनाश बलवन्त अडके चेयरमेन, अरुणोदय सहकारी
गृह निर्माण संस्था कोल्हापूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करबीर म्युनिसिपल हद्दे में आर० एस० क्र० 570/1, क्षेत्र
1 हेक्टर, 25 आर०, एस० क्र० 573/1, क्षेत्र, 1 हेक्टर, 99
आर०/फी-होल्ड।

जी० कृष्णन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना।

तारीख : 5 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 3 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 88/73-74—यतः, मुझे एस० बाल सुब्रमण्यम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे० नं० 427 पेड्डा कोण्डला मोजा है जो पुलि वेण्डला तालुका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुलि वेण्डला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22 मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री पेददा मल्लू सुब्बा रेड्डी सुपुत्र वेंकट रामि रेड्डी वेल्लुरु मोजा (2) रंगा रेड्डी (3) नारायणा रेड्डी सुपुत्र रामी रेड्डी पेददा कुन्ना मोजा, पुलि वेण्डला तालूका, कडप्पा जिला। (अन्तरक)

2. (1) श्री सिगाम रेड्डी वेंकट रामी रेड्डी (2) वेंकट कोण्डा रेड्डी सुपुत्र वेंकट रेड्डी (3) सिगमा वेंकटा हरीकिशोर रेड्डी सुपुत्र वेंकट रामी रेड्डी, पेददा कुन्ना मोजा, पुलि वेण्डला तालूका, कडप्पा जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेपों किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति—सर्वे सं० नं० 427, 6.88 एकड़ जमीन, जो पेददा कोण्डला मोजे में है व तालूका पुलि वेण्डला, जिला कडप्पा में है।

एस० बाल सुब्रमण्यम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एयू०/5015—यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस० 172 है, जो ग्रेटर कैलाश 11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० ए० ए० युनाइटेड लि० (अन्तरिक) 40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली ।

2. श्रीमती भिरवान बाई पत्नी श्री सेवा राम रेलन निवासी 6, धौला कुआं, सर्विस आफिसर इन्क्लेव नई दिल्ली । (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज तथा नं० एस-172 है, जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11, के ग्रांथ बहारपुर दिल्ली में है।

सी० वि० गुप्ते,

तारीख : 5 नवम्बर, 1973

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर :

अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-1

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय सहायक आयुक्त आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1, दिल्ली-1

भारत सरकार

कन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 3 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एफ०/5015 —यतः,
मुझे, सी० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० ई०-529 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
8-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है,

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के वायिख में कमी करने या उससे बचने
के लिये सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिये सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :-

1. मै० डी० एल०एफ० युनाइटेड लि० (अन्तरक)
40 एफ० कनाट नैलेस, नई दिल्ली ।

2. श्री सुरेन्द्र नारायण बिशर्यापुत्र श्री एम० गोकुल नारा-
यण, निवासी सैक्टर 22-ए मकान नं० 777 सी० वि० गुप्ते,
पंजाब । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट क्षेत्रफल 400 वर्गगज नं० ई०-529
जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11 नई दिल्ली के गांव
बहारपुर दिल्ली में है ।

सी० वि० गुप्ते,
सहायक प्राधिकारी,
सहायक आयुक्त आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1
मोहर ।
तारीख : 3 नवम्बर, 1973

अध्यक्ष आई० टी० एन० एस०.....
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ-(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 3 नवम्बर, 1973

निवेदन सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/—यतः, मूसे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम०-197 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का (1908 का 16) के अधीन 8-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सी० बी० गुप्ते, एफ०एफ०यूनाइटेड लि० 40 एफ० (अन्तरक) कलाट रैजेंस, नई दिल्ली।

2. श्री जे० सी० भसीन, पुत्र श्री मेला रान भसीन 16, लंडन स्कोर, गोल माकिट, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट क्षेत्रफल 400 वर्ग गज नं० एम०-197 जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली के गांव बहारपुर दिल्ली में है।

सी० बी० गुप्ते,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 3 नवम्बर, 1973
 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ —यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डब्ल्यू०-97 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मै० डी०एल०एफ०युनाइटेड लि० 40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. सर्वश्री (1)कुलदीप सिंह)2) उज्जल सिंह और (3) हरजीत सिंह सभी पुत्रगण श्री करतार सिंह निवासी, डब्ल्यू०-96 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान निम्नलिखित हैं और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना की गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का टुकाड़ा जिसका नं० डब्ल्यू०/97 को फल 1000 वर्गगज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली :—

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सर्विस लैन

उत्तर : प्लॉट नं० डब्ल्यू०/95

दक्षिण :—प्लॉट नं० डब्ल्यू०/99

सी० वी० गुप्ते,

तारीख : 5 नवम्बर, 1973

सक्षम प्राधिकारी,

मोहर :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज - 2 दिल्ली, नई दिल्ली-1

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 11/73-74—
यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० डब्ल्यू०-117 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
28-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
आ रत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यह व्यक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर
(क) अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे
अधिक के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. म० डी० एल० एफ० युन, इटैड लि० 40 एफ० कनाट
प्लेस, नई दिल्ली।

2. श्री मनहर लाल पुत्र भानुचन्द शाह, निवासी डी-9/9
माडल टाउन, दिल्ली-110009।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका नं० डब्ल्यू०-117 क्षेत्रफल 1000
वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव
सहारनपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—सड़क

पश्चिम—सर्विस लैन

उत्तर—प्लॉट नं० डब्ल्यू०/115

दक्षिण—प्लॉट नं० डब्ल्यू०/119

सी० बी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली,

नई दिल्ली-1

दिनांक 5 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण कार्यालय
अर्जन रेंज—2, दिल्ली-1

दिनांक 3 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/73-74—
यतः, मुझे सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० एस नं० 24 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-3-73
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः यद, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

9—316 GI/73

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40-एफ कनाट
प्लेस, नई दिल्ली।

2. श्रीमती ताजिन्दर खुराना पत्नी श्री गुरबचन सिंह निवासी
1192 बारादरी (नावली सनीमा के पीछे) दिल्ली-6।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो,
तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका नं० एस०-34 क्षेत्रफल 300 वर्ग
गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II दिल्ली के गांव
बहारपुर में निम्न प्रकार से बना है :—

पूर्व—सर्विस लैन

पश्चिम—सड़क

उत्तर—प्लॉट नं० एस०/32

दक्षिण—प्लॉट नं० एस/36

चं० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—2, नई दिल्ली-1

दिनांक 3 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/73-74—यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ई-535 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एस० एफ० गुनाशेट्ट लि० 40 एफ कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

2. श्री गिरधारी लाल खन्ना पुत्र श्री गैडा मल निवासी एन/25 ग्रेटर कैलाश—, नई दिल्ली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका प्लॉट नं० ई-535 क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, के गांव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से किरा हुआ है :—

पूर्व—सड़क

पश्चिम—सर्विस लैन

उत्तर—प्लॉट नं० ई/537

दक्षिण—प्लॉट नं० ई/533

सी० वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज—2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 5 नवम्बर, 1973

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय: सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/— यतः,
मुख्य, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० डब्ल्यू०-5 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-5-
1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-
मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुख्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40 एफ०, कनाट
प्लेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती स्नेही सेठ पत्नी श्री जीवन लाल सेठ निवासी
को०-10 कोल्हापुर मार्ग, सब्जीमंडी, दिल्ली-110009।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दो जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसका प्लॉट नं० एम-109 क्षेत्रफल
300 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के
गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—सड़क

पश्चिम—सड़क

उत्तर—प्लॉट नं० एम/107

दक्षिण—प्लॉट नं० एम०/111

सी० बी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 3 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/—यतः, मुझे सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० डब्ल्यू०-5 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40 एफ०, कन्सैट प्लेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मै० हिन्दुस्तान सैनेटरी वेयर और इन्डस्ट्रीज लि० बहादुर गढ़ (रोहतक) हरयाणा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1140 वर्ग गज जिसका नं० डब्ल्यू है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली में है।

च० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 3 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1973

निर्देश सी० आई० ए० सी०/एक्यू०-11/73-74--
यतः मुझे सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000- रुपये से अधिक है। और जिसकी सं० डब्ल्यू०-124 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-5-1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40 एफ कनाट प्लेस नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती कुको देवी पत्नी श्री एन० के० मेहरा निवासी 166 सामुअेल स्ट्रीट, 2 मंजिल, बोम्बे-9। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्तिम हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका प्लॉट नं० डब्ल्यू०-124 क्षेत्रफल 1435 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, के गांव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :-

पूर्व--सर्विस लैन

पश्चिम--सड़क

उत्तर--प्लॉट नं० डब्ल्यू०/122

दक्षिण--प्लॉट नं० डब्ल्यू०/126

सी० बी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख : 5 नवम्बर 1973

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज- दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० 5015—यतः, मुझे सी० वी० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट
सं० एस०-402 है, जो ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-5-1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया कि ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० युनाइटेड लि०
40-एफ०, कनाट पैलेस, नई दिल्ली।

2. श्री सुमन कुमार पुत्र श्री हरी मोहन निवासी
11-ए/48, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका नं० एस० - 402 क्षत्रफल 298
वर्ग गज है जो कि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश - II के गांव बहारपुर
दिल्ली में है।

सी० वी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 3-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०—यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस०-281 है जो ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-4-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०
40-एफ०, कनाट पैलेस, नई दिल्ली ।

2. मदन लाल मलहोत्रा
21, बैनटीनेक स्ट्रीट, कलकत्ता 1

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका नं० एस० 281 क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली में है ।

सी० बी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 4-11-73
मोहर :

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली-1

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5015—यतः, मुझे
सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० डब्ल्यू-79 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 26-5-1973 पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति वे लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर
बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति
के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा
अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०
40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली । (अन्तरक)
2. सर्वश्री (1) आर० के० चोपड़ा

(2) एस० के० चोपड़ा पुत्रगण देवराज चोपड़ा
निवासी सी०-314, डीफेन्स कालोनी, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1014 वर्ग गज तथा
नं० डब्ल्यू० 79 जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव
बहारपुर दिल्ली में है ।

श्री० वी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 3-11-73

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के धारा 269 घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 3 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5015—यतः, मुझे सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस०-569 है जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
10—316GI/73

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०
40 एफ०, कनाट पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ती देवी पत्नी श्री वेद प्रकाश गुप्ता
30, छत्तर मार्ग, दिल्ली - 7। अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज तथा नं० एम० - 569 जो कि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश II के गांव बहारपुर दिल्ली में है।

(सी० बी० गुप्ते),

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 2, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख : 3 नवम्बर, 1973

मोहर

प्रखण्ड आई० टी० एन० ए०.....

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 5 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/73-74/5015—यतः मुझे सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डब्ल्यू० - 143 है जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध सूची के और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० (अन्तरक)
40 एफ०, कनाट पैलेस, नई दिल्ली।

2. ब्रिग कमांडर ए० के० गांगुली पुत्र स्व० श्री एम० के० गांगुली निवासी नं० 71/एन० 1।

एयर कोर्स स्टेशन, कानपुर - 8।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका नं० डब्ल्यू० - 143, क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है जो कि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश II के गांव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सड़क पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : प्लॉट नं० डब्ल्यू०/137

दक्षिण : प्लॉट नं० डब्ल्यू०/145

(सी० बी० गुप्ते),

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज नई दिल्ली।

तारीख : 5 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/73-74/5015—यतः, मुझे सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है। और जिसकी सं० ई० - 42 है, जो ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन वार देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०

40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नारायण पत्नी एस० के० नारायण
निवासी 12-ए०/17, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग,
नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका नं० ई० - 42 क्षेत्रफल 250 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश II के गांव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : सड़क

दक्षिण : प्लॉट नं० ई०/10

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 3-11-73।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज — 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

तारीख 3 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/5015 यतः मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ई०-237 है, जो ग्रेटर कैलाश II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-4-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई कसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० (अन्तरक)
40 एफ० कनाट प्लेस, नई दिल्ली

2. हर प्रकाश बहल पुत्र साहिब राम बहल
क्वारा इंडियन एयरलाइन्स कारपोरेशन (अन्तरिती)
पालम केन्ट, नई दिल्ली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग गज नं० ई०-237 जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव ब्रह्मपुर दिल्ली में है।

सी० बी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 3 नवम्बर, 1973।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज /2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

तारीख 3 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5015—यतः मुझे सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डब्ल्यू० 68 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० (अन्तरक)
40 एफ० कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

2. मै० प्रसाद एण्ड क० द्वारा (अन्तरिती)
श्री डी० आर० गुप्ता हिस्सेदार
निवासी 9/5 ईस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 550 वर्ग गज जो कि डब्ल्यू०-88 निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गाँव वहारपुर दिल्ली में है।

मी० वी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 3 नवम्बर, 1973
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

तारीख 3 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/73/74/5015--
यतः, मुझे सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस०/426 है,
जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-5-1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
वचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना :--

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. मं० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० (अन्तरक)
40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली

(1) श्रीमती कान्ता गुलाटी पत्नी (अन्तरिती)

स्व० श्री किशन गुलाटी (2) अनुपम
गुलाटी पुत्र स्व० श्री किशन गुलाटी और
(3) बन्धना गुलाटी पुत्री स्व० श्री
किशन गुलाटी निवासी एफ-33
कालकाजी, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो तो:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;--

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका नं० एस०-426 क्षेत्रफल 556
वर्ग गज है जो कि निवासी कालीनी ग्रेटर कैलाश-II, के गांव
वाहरपुर में निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व : सविस् लैन पश्चिम: सड़क
उत्तर : प्लाट नं० एस०/422 दक्षिण : प्लाट
नं० एस०/428

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 3 नवम्बर, 1973 अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2 दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन

नई दिल्ली, तारीख 3 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यु/5051—
यतः मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस०-459 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शर्तों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० (अन्तरक)
40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली

2. कुलदीप सिंह, पुत्र डा० दलीप सिंह, (अन्तरिती)
निवासी 32, नेहरू नगर,
पो० आफिस एस० ए० एफ० दुर्ग,
मध्य प्रदेश।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 557 वर्ग गज जिसका नं० एस०-459 है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली में है।

सी० वी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 3 नवम्बर, 1973।

मोहर :

प्रमुख आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269
घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज - 2, दिल्ली-1,

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, तारीख 3 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5015—यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डब्ल्यू०-147 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० टी० एल० एफ० युनाइटेड लि० (अन्तरक)
40 एफ० कनाट पैलेम, नई दिल्ली

2. प्रेम गुलाटी पत्नी श्री जे० के० गुलाटी (अन्तरिती)
निवासी 18 कैलाश इनकलेव
नई दिल्ली-110048

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति, के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय गुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज जिसका नं० डब्ल्यू है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली में है।

सी० वी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-1

तारीख : 3 नवम्बर, 1973।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, तारीख 5 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई ए० सी०/एक्यू०/5015—यतः, मुझे, सी० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस०-334 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० गुनाइटिड लि० (अन्तरक)

40 एफ०, कनाट पैलेस, नई दिल्ली

11—316GI/73

2. (1) श्री चौधरी राम ढिंगरा पुत्र श्री बोध राज (अन्तरिती)
(2) श्री मती शान्ता ढिंगरा पत्नी श्री
चौधरी राम निवासी 18/46 ईस्ट पटेल नगर
नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 300 वर्गगज जो कि एस०-334 निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली में है।

सी० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-1

तारीख : 5 नवम्बर, 1973।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, तारीख 5 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक/5015—यतः, मझे सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ई०-149 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय थाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० (अन्तरक)
40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली।
2. श्रीमती सन्तोष मैनी पत्नी स्वर्ग० श्री राज (अन्तरिती)
कुमार मैनी निवासी 85 बल्लब भाई नगर,
इन्दौर (एम० पी०)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती परा के अधीन सूचना दी गई है। आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका नं० ई०-149 क्षेत्रफल 251 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सविस् लैन पश्चिम : सड़क
उत्तर : प्लॉट नं० ई०/151 दक्षिण : प्लॉट नं० ई०/147

सी० बी० गुप्ते;

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली-1

तारीख : 5 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5015—यतः मुझे सी० बी० गुप्ते. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है। और जिसकी सं० ई०-349 है जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है और (इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23 मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कमल किशोर मेहरा पुत्र श्री जुगल किशोर मेहरा निवासी 424 कूचा ब्रिज नाथ चान्दनी चौक दिल्ली-6।
(अन्तरक)

2. श्री धरम सिंह पुत्र श्री एस० बत्तन सिंह निवासी 2-ए०/140 सफदरजंग इनक्लेव, नई दिल्ली-110016।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आक्षेप, यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्वनित को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग गज जो कि ब्लाक नं० ई०-349 निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली में है।

सी० बी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 5 नवम्बर 1973।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), का कार्यालय,

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केंद्रीय राजस्व भवन नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/5015—यतः गुप्ते सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम० 151 है जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. म० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40-एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री मनु भाई पुत्र स्व० श्री सारा भाई अमीन, निवासी 1819 मुरारीलाल बिल्डिंग, बिस्सो मल कालोनी, चान्दनी चौक, दिल्ली-6 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका नं० एम०/151 क्षेत्रफल 400 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	सर्विस लैन
पश्चिम	सड़क
उत्तर	प्लॉट नं० एम०/149
दक्षिण	प्लॉट नं० एम०/153

सी० बी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 5 नवम्बर 1973 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

घ- (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 5 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5015—यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 9 एन० एच० 4 है, जो रिंग रोड, लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7 मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती ईशर देवी चोपड़ा, ए०-21, दी माल, दिल्ली केन्ट, दिल्ली। (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती राज कवर पत्नी लै० कर्नल स्वरनजीत सिंह

(2) श्री जसजीत सिंह, (3) श्री नरजीत सिंह दोनों पुत्रगण लै० कर्नल स्वरनजीत सिंह निवासी 9, रिंग रोड, एन० एच०-4, लाजपत नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समीप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक लीजहोल्ड प्लॉट जिसका नं० 9 एन० एच० 4, लाजपत नगर, नई दिल्ली क्षेत्रफल 725 वर्ग गज जो 2-1/2 मंजिला बना हुआ है।

सी० वी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 5 नवम्बर 1973।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 3 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5015—यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० खसरा नं० 194 और 195 है, जो छत्तरपुर गाँव, दिल्ली में स्थित है और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुल्क राम बुधवार पुत्र श्री बिहारी लाल निवासी एम० एम० मार्ग-1, झंडेवालान एस्टेट, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री विमल सपरू और विठल सपरू (नाबालिग) पुत्रगण श्री दयाकिशन और श्री अजय सपरू (नाबालिग) पुत्र श्री विभुवन किशन द्वारा उनके दादा श्री राधा किशन मिरजा, दुर्गनाग, श्रीनगर, कश्मीर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जो कि 6 बिघा 18 बिघा जो कि गाँव छत्तरपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

खसरा नं०	क्षेत्रफल	बिघा	बिघा	विश्वास
194	5	—	1	
195	1	—	17	
	6	—	18	

सी० बी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 3 नवम्बर 1973 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 4-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 3 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5015—यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/ रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० 21-ए० है, जो कैलाश कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23 मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री के० पी० मिश्रा पुत्र स्वर्ग० श्री सी० एल० मिश्रा,
41- हैवलाक स्केट, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती आशा सेठ पत्नी श्री के० एन० सेठ और सर्वश्री बी० एन० सेठ और आई० एन० सेठ सभी पुत्रगण श्री बी० एन० सेठ आजकल निवासी ए०-21, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(1) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वनी हुई जायदाद का प्लॉट नं० ए०-21 क्षेत्रफल 879-4/10 वर्ग गज (ज्यादा या कम) जो कि कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-110048 में निम्न प्रकार से घिरा हुआ है:—

उत्तर	प्लॉट नं० ए०-18
दक्षिण	30 फुट चौड़ी सड़क
पूर्व	50 फुट चौड़ी सड़क
पश्चिम	प्लॉट नं० ए०-22

सी० वी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 3 नवम्बर 1973।
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
घ-(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 3 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/5015— यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस०-420 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26 मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० जी० एल० एफ० युनाइटेड लि०, 40-एफ कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती राज चावला साहनी पत्नी श्री जे० एन० साहनी, 20, रतेन्डन मार्ग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 555 वर्ग गज जिसका नं० एस०-420 जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली में है।

सी० बी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 3 नवम्बर 1973।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा

घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली-1

दिनांक 3 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/5015—यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम०-44 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० यनाइटिड लि०, 40-एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

124316 GI/73

2. श्रीमती सावित्री पत्नी श्री राम सिंह निवासी, 2/31, दरियागंज, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसका नं० 44 क्षेत्रफल 277.5 वर्ग गज है जो कि ब्लाक नं० एम० निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	सर्विस लैन
पश्चिम	सड़क
उत्तर	प्लॉट नं० एम०/42
दक्षिण	प्लॉट नं० एम०/46

सी० बी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 3 नवम्बर 1973

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 3 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5015—यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस०-280 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०, 40-एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री त्रिलोक चन्द वोहरा पुत्र श्री मोहन लाल, 9, फोच स्कोयर, गोल मार्केट, नई दिल्ली (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका नं० एस०-280 क्षेत्रफल 308 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली के गांव वहारपुर में स्थित है :—

पूर्व	सर्विस लैन
पश्चिम	सड़क
उत्तर	एस०/278
दक्षिण	एस०/282

सी० बी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 3 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 ध-(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1
 केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली
 दिनांक 5 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/II/73-74/5015—यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है और जिसकी सं० एस-214 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 मई 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत खिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०, 40-एफ०, कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)
2. (1) श्री इक़्बाल सिंह (2) उज्जल सिंह (3) कुलतरन सिंह सभी पुत्रगण स्वर्ग० श्री वीर सिंह निवासी 4-53/सी० आर० डी० एस० ओ० कालोनी, मानेक नगर, लखनऊ-11 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज तथा नं० एस० 214 है, जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली में है ।

सी० वी० गुप्ते,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 5 नवम्बर 1973 ।
 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 3 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/73-74/5015—
यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस०-419 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9 मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०, 40 फ०, कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती कौशल्या पूर्वी पत्नी श्री सोहनलाल किशोर निवासी 3554, दरीबा पान, पटारगंज, नई दिल्ली, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हों तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुनने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज नं० एस० 419 है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली के गांव बहारपुर में है।

सी० वी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 3 नवम्बर 1973।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
266 घ- (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1 तारीख 5 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० II/73-74/5015—
यतः मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस-357 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-1973 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए भुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए भुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40 कफ कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री खन्ना पुत्री ए० के० खन्ना, बी-36 किर्ती नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यावहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 298.8 वर्ग गज न०, एस-357 है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली के गांव बहारपुर में है।

सी० व्ही० गुप्ते
संक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,
अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 5 नवम्बर, 1973
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० 11/73-74/5015—
यतः, मुझे सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एग-269 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एक० युनाइटेड लि०, 40 एक कनैट पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती शरन कौर पत्नी श्री प्रोतपालसिंह
(2) श्रीमती हरनाम कौर पत्नी श्री करतार सिंह निवासी डी-3/14 माडल टाउन, दिल्ली-110009। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तियों को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 300 ~~गज~~ गज नं० एस-269 है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली के गांव बहारपुर में है।

सी० वी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 3 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 11/73-74/5015—

यतः, मुझे सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ई-205 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०, 40 एक कनाट पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री राजिवर कुमार भसीन पुत्र श्री छोहरामल, निवासी 8883 नया मोहल्ला, पुल बंगस, दिल्ली-6। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरितों को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका प्लॉट नं० ई-205 क्षेत्रफल 250 वर्ग गज है जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, दिल्ली के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—प्लॉट नं० ई/203

पश्चिम—सड़क

उत्तर—सर्विस लैन

दक्षिण—सड़क

सी० वी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 3 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० 11/73-74/5015—
यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० एम-35 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 23-5-1973 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०, 40 एक कनाट
पैलेस, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. अजीत प्रसाद पुत्र श्री दीवान चन्द गांव व डाकखाना,
चिराग दिल्ली, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 195 वर्ग गज जो कि प्लॉट
नं० एम-35 निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर
दिल्ली में बना है ।

च० बी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 5 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/5015 —

यतः, मुझे सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस-248 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-5-1973 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसर्ण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटिड लि०, 40-एफ कनाट पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. शिव कुमार कोहली पुत्र श्री कुन्वन लाल कोहली द्वारा मै० बी० और के० इन्टरप्राइजिज, डाक बंगला मार्ग, पटना, बिहार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का एक प्लॉट जिसका नं० एस-248 क्षेत्रफल 300 वर्ग गज जो कि निवासी कोलोनी ग्रेटर कैलाश-II दिल्ली के गांव बहरामपुर में निम्न प्रकार से बना है:—

पूर्व—सर्विस लेन

पश्चिम—मार्ग

उत्तर—प्लॉट नं० एस/246

दक्षिण—प्लॉट नं० एस/250

च० बी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

तारीख : 5 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

तारीख 6 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 11/73-74/5015—
यतः, मुझे सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 भाग म्युनिसिपल नं० 16/2874 है, जो हरध्यान सिंह मार्ग, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपवृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. राम सरन दास टंडन पुत्र श्री रूप लाल टंडन निवासी आर-894 न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री रिखी राम टंडन पुत्र श्री रूप लाल निवासी आर-894 न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

3. मै० इलाहाबाद बैंक, करोल बाग, नई दिल्ली (यह व्यक्ति जिसके अभिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग डबल मंजिली जायदाद जिसका म्युनिसिपल नं० 2874 जो कि बार्ड नं० 16 क्षेत्रफल 167 वर्ग गज जो कि निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : —राधा पियारी का मकान

पश्चिम—जय सिंह का मकान

उत्तर—गली नं० 17 बीदनपुरा

दक्षिण—हर ध्यान सिंह मार्ग

सी० वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 6 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

तारीख 6 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० 11/73-74/5015—
यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 16/2877 है, जो हरध्यान सिंह मार्ग, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सर्वश्री सरदारी लाल टंडन, रिखी राम टंडन और राम सरन दास टंडन सभी पुत्रगण श्री रूप लाल निवासी आर 894, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री मदन लाल टंडन पुत्र श्री रूप लाल टंडन निवासी आर/884 न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3/4 भाग पहली मंजिल जिसका म्युनिसिपल नं० 2877 बाई नं० 16 क्षेत्रफल 165 वर्ग गज जिसका ब्लान पी० नं० 120 खसरा नं० 120 जमना वारदी सन् 1954-55 जो कि नाईवाला हरध्यान सिंह मार्ग पर करोल बाग में निम्न प्रकार स्थित है।

पूर्व—जय सिंह का मकान

पश्चिम—भसीन का मकान

उत्तर—गली नं० 17 बीदनपुरा

दक्षिण—हरध्यान सिंह मार्ग।

सी० बी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 6 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली 1
तारीख 6 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/5015— यतः, मुझे सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एम-9 (बुकान) है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०, 40एफ कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती सुदेश कक्कर पत्नी श्री ए० एन० कक्कर निवासी एफ-161, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा। अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों में यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 195 वर्ग गज तथा नं० एम-9 (बुकान) जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर-कैलाश-II, नई दिल्ली के गांव बहारपुर में स्थित है।

सी० वी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 6 नवम्बर, 1973
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

तारीख 6 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5015— यतः, मुझे सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डब्ल्यू-24 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, आयकर, अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अन्तर्याम लाम्बा पुत्रा स्व० श्री बधरी नाथ लाम्बा निवासी ई-118 ईस्ट और कैलाश, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री नरिन्दर जीत सिंह और 2. श्री सुरिन्दर पाल सिंह पुत्रगण स्व० श्री एस० दुर्लभ सिंह आफ यार्क होटल, कनाट सर्कस, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फील्ड जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज नं० डब्ल्यू-24 जो ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली-48 में सभी अधिकारों द्वारा बना हुआ है।

सी० बी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-I

तारीख : 6 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

तारीख 6 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 5015—यतः, मुझे सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम-279 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. म० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40 एफ. कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री जे० एस० आहलुवानिया पुत्र श्री हरबिलास राय निवासी आर. 25 ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का प्लॉट जिसका नं० एम—279 क्षेत्रफल 400 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, के गांव वहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—सड़क

पश्चिम—सड़क

उत्तर—प्लॉट नं० एम/277

दक्षिण—प्लॉट नं० एम/281

सी० वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 6 नवम्बर 1973

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वित्त मन्त्रालय कार्यालय:

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156 सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 9 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० सी० एच० डी०/690/73-74:—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या मकान नं० 2122 है जो सैक्टर 15-सी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री त्रिगेडियर सवरन सिंह चीमा पुत्र श्री ठाकुर सिंह चीमा 2122 सैक्टर 15-सी०, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

(2) श्री लाभ सिंह गिल पुत्र श्री नौरंग सिंह गिल मकान नं० 603 सैक्टर 16-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) श्री एच० एस० डिल्लेन मकान नं० 2122, सैक्टर 15-सी०, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति, अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों के यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2122, सैक्टर 15-सी०, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख: 9-11-73

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वित्त मन्त्रालय

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

156 सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 7 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० जेड० आर० ए०/987/73-74:—यतः, मुझे
जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी संख्या भूमि है जो नासीर पुर जानिया जिला फिरोजपुर
में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जीरा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
1973 मई, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बुरा दास पुत्र श्री बिन्दा वन कोट ईसे खान तह-
जीरा, जिला फिरोजपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर लाल पुत्र श्री बुरा दास

(ii) श्री ज्ञान चन्द	} पुत्र श्री चिरंजी लाल
(iii) श्री विमल किशोर	
(iv) श्री विजय कुमार	
(v) श्री रवि कुमार	

कोट ईसे दखान तहजीरा
जिला फिरोजपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये
जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 61 कनाल 3 मरले गांव नासीर पुर जानिया तह०
जीरा जिला फिरोजपुर, (जयदाब जो रजिस्ट्रार कार्य नं० 579
को मई, 1973 में तहसीलदार जीरा ने की है)।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकार;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ ।

तारीख : 7-11-73

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए) ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269 घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 वित्त मंत्रालय
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
 अर्जन रेंज, चण्डीगढ़
 156, सैक्टर 9-बी
 चण्डीगढ़, दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्देश सं० जेड० डी० एच०/813/73-74:—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोड चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या भूमि है जो गाँव बारेवाल अवाना तह० लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अमरजीत सिंह पुत्र श्री जगत सिंह रिटड़ पी० सी० एस०, 327-आर०, माडल टाऊन, लुधियाना।

(अन्तरक)

- (2) (i) मै० ओसवाल होजेरी फैक्टरी, लुधियाना
 (ii) श्री विपन कुमार पुत्र श्री राज कुमार
 (iii) श्री दिनेश कुमार पुत्र श्री बनारसी दास चौक माता
 (iv) श्री जोगेशवालिया पुत्र श्री भगत राम रानी
 लुधियाना
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45, दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा भागे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है। आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 617/1, जो गाँव बारेवाल अवाना तह० लुधियाना। (जायदाद जो रजिस्टर कार्य नं० 1791 जो मई, 1973 में तहसीलदार लुधियाना ने किया)।

जी० पी० सिंह,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 8 नवम्बर, 1973

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्देश सं० एल० डी० एच०/810/73-74:—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या भूमि गांव वारेवाल आवान है जो गांव वारेवाल आवाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, मई, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्री राजेश्वर सिंह आदि पुत्र श्री जगत सिंह आर/ओ० लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) मै० ओसवाल हौजेरी फैक्टरी लुधियाना द्वारा श्री लक्ष्मण दास, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 1 खसरा नं० 627/1 जो गांव वारेवाल आवाना तह० लुधियाना (जायदाद जो रजिस्टर कार्य नं० 1730 में दिखाई गई है मई, 1973 में तहसीलदार लुधियाना ने किया)।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 8 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ - (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्देश सं० एल० डी०एच०/766/73-74:—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या भूमि है जो गियास पूरा तह० लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 मई, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शिव राम पुत्र श्री निहाला, आर०/ओ० ढंडारी
खुर्द तह० लुधियाना

(अन्तरक)

(2) मै० सेको स्टील रोलिंग मिल्स लिमिटेड, लुधियाना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि गाँव, गियासपुरा, तह० लुधियाना (जायदाद जिस का रजिस्टर कार्य नं० 907 मई, 1973 में तहसीलदार लुधियाना ने किया) ।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 8 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्देश सं० एल० डी० एच०/972/73-74:—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है जो गियास पूरा तह० लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या किसी अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री शिवराम पुत्र प्री निहाला, आर०/ओ० दंडौरी खुर्द तह० लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) मै० सैको स्टील रोलिंग मिलज लिमिटेड, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, गाँव गियास पूरा, तह० लुधियाना (जायदाद जिसका रजिस्ट्री कार्य नं० 838 मई, 1973 में तहसीलदार लुधियाना ने किया)।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 8 नवम्बर, 1973

मोहर:

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्देश सं० सी० एच० डी०/691/73-74:—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 141 है जो सैक्टर 8-ए० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० डी० खन्ना, पुत्र श्री द्वारका दास खन्ना आर०/ओ० मकान नं० 141, सैक्टर 8-ए० चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्री तरसेम लाल तलवार मकान नं० 141, सैक्टर 8-ए०, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 141, सैक्टर 8-ए० चण्डीगढ़ ।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 8 नवम्बर, 1973 ।

मोहर :

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए ।)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार वित्त मंत्रालय

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्देश सं० सी० एच० डी०/689/73-74:—यतः मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 1/3 भाग ओफ शो रूम का नं० 39 है जो सैक्टर 7-सी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई विन्सा आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती दर्शना देवी पत्नी श्री जोगिन्द्र 98 सैक्टर 28-ए० चण्डीगढ़। (अन्तरक)

(2) (i) श्री रमेश कुमार } सी०/ओ० शो रूम नं०
(ii) श्री विनोद कुमार } 39 मध्य मार्ग सैक्टर
(iii) श्री उमेश चन्द्र } 7-सी०, चण्डीगढ़।
(iv) श्री अशोक कुमार }

(अन्तरिती)

(3) में० देज मैडीकल स्टोर, शो रूम नं० 39 मध्य मार्ग, सैक्टर 7-सी०, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शो रूम नं० 39 सैक्टर 7-सी० मध्य मार्ग, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 8 नवम्बर, 1973।

मोहर:

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए।)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार वित्त-मंत्रालय

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

1561 सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 8 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० सी० एच० डी०/684/73-74:—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या सीट नं० 28 है जो सैक्टर 7-सी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जय प्रकाश भोक्ल पुत्र श्री जनकी दास मकान नं० 85 सैक्टर 18-ए०, चण्डीगढ़।

(i) श्री रघवीर चन्द पुत्र श्री बाबू राम आर०/
(ii) श्री सिता राम ओ० 7-टीमबर
मार्किट चण्डीगढ़
(अन्तरक)

(2) डा० गोपाल सिंह पुत्र श्री आत्मा सिंह
(i) श्रीमती इन्द्रजीत गोपाल सिंह पत्नी डा० गोपाल सिंह 643, सैक्टर 16-डी०, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

(3) फेराडेज, नं० 28, सैक्टर 7-सी०, चण्डीगढ़।
(वह व्यक्ति, जिसके अधियोग में सम्पत्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० ओ०, सीट नं० 28, सैक्टर 7-सी०, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर चण्डीगढ़, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 8 नवम्बर, 1973

मोहर:

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार वित्त मंत्रालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज चण्डीगढ़
156 सैक्टर 9 बी

चण्डीगढ़, दिनांक 7 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० सी० एच० डी०/688/73-74:—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या एस० सी० एफ० नं० 86 है जो ग्रेन मार्केट, सैक्टर 26, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राजिन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री निहाल चन्द 620, सैक्टर 20-ए०, चण्डीगढ़ । (अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रीतम कौर पत्नी श्री कृपाल सिंह 1001, 1002, 1003, सैक्टर 22-बी० चण्डीगढ़ : (अन्तरिती)

(3) मै० बनारसी दास, वीरेन्द्र कुमार एस० सी० एफ० नं० 86 ग्रेन मार्केट, सैक्टर 26, चण्डीगढ़ । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 86, ग्रेन मार्केट सैक्टर 26, चण्डीगढ़ ।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ ।

तारीख : 7 नवम्बर, 1973

मोहर:

* (जो लागू न हो उसे काट दीजिए) ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 7 नवम्बर 1973

निर्देश सं० सी० एच० डी०/266/73-74-यतः, मुझे, जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 30 है जो सैक्टर 21-डी० गली नं० डी० चण्डीगढ़, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

15--316GI/73

(1) श्री सोहन लाल कुकर, वूल मर्चेन्ट्स, रानी बाजार वीकानेर (राजस्थान)।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रताप सिंह निवासी गांव व डाक खाना उरापुर जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उद्देश्य में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है :—

अनुसूची

प्लॉट नं० 30, गली नं० 'डी०' सैक्टर 21-डी०, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 7 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 7 नवम्बर 1973

निर्देश सं० सी० एच० डी०/227/73-74—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एस० सी० ओ० 1004, 1005 है जो सैक्टर 22-बी० चण्डीगढ़, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः

(1) श्री बरीजिन्द्र सिंह पुत्र श्री हरचन्द सिंह गांव मीथरी बुडगड़, पो० ओ० सुरधावाला जिला फरीदकोट।
(अन्तरिती)

(2) (i) श्री गुरां दास पुत्र श्री मूलख राज, गांव ब डाक खाना सारनगरा जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(ii) श्रीमती सुदर्शन देवी पत्नी श्री जगदीश चन्द्र सेठी हर गोलान बिल्डिंग, अम्बाला कैट।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा अने यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० ओ० 1004, 1005, सैक्टर 22-बी०, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 7 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 7 नवम्बर 1973

निर्देश सं० सी० एच० डी०/225/73-74—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एस० सी० ओ० प्लॉट नं० 73-74 और 75 है जो सैक्टर 17-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सदी. 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकरण फिलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल या पन्ने प्रतिलिखित अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तब पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाखिल में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर धनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अध, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कनवर रामशेर सिंह

(अन्तरक)

(2) (i) श्री नरन्जन सिंह } एस० सी० ओ० नं०
(ii) श्री निर्मल सिंह बगैरा } 73, 74, 75 सैक्टर
17-डी०, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० ओ०—प्लॉट नं० 73, 74, और 75 सैक्टर 17-डी०, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 7 नवम्बर 1973

मोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० एस०-----

22-पाषाण मार्ग, बसन्त विहार, नई देहली।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 7 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० सी० एच० डी०/223/73-74-यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 240 है जो सैक्टर नं० 9-सी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि तथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

- (1) (i) श्रीमती कमला खोसला पत्नी श्री जे० एन० खोसला
(ii) डा० जे० एन० खोसला पुत्र श्री दुनी चन्द

- (2) (i) श्री रघवीर सिंह पुत्र श्री जगत सिंह
(ii) श्री गुरिन्द्र सिंह } पुत्र श्री रघवीर सिंह
(iii) श्री अरविन्द्र सिंह } सकना 109/सैक्टर 18-बी०, चण्डीगढ़।
(iv) श्री कमलजीत सिंह }
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 240, सैक्टर 9-सी०, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 7 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), हुबली का कार्यालय

हुबली-580021 दिनांक 8 नवम्बर 1973

सं० 39/(11/73)/73-74/एच० एम०—यतः मुझे, आर० पार्थसारथी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिसकी सि० सं० 122/80 है, जो न्यू० काटन मार्केट, हुबली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबली 14-6-73 के दिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत धिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विश्वनाथ रामचन्द्रप्पा कुष्टगी, मेडिकल, स्टोर्स, गदग । (अन्तरक)

(2) श्री गणेश नारायण शेटी, प्रो० राधाकृष्ण केके, न्यू काटन मार्केट, हुबली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

हुबली के न्यू काटन मार्केट, वार्ड नं० 3, सिटी सर्वे सं० 122/80 में एक प्लॉट और उस पर खड़ा हुआ एक छोटा अस्थायी शेड स्थित है और इस प्रकार सीमित है :—

पूरब में :—श्री ए० एच० कमानगारजी का प्लॉट नं० 106 ।

पश्चिम में :—मुनिसिपल रास्ता ।

दक्षिण में :—श्री ए० एल० व्याहट्टीजी का प्लॉट ।

उत्तर में :—मुनिसिपल रास्ता ।

आर० पार्थसारथी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हुबली ।

तारीख : 8 नवम्बर, 1973 ।

मोहर :

प्राकृप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 नवम्बर, 1973

सं० आर० ए० सी० 91/73-74--यतः मुझे एन० बाल सुब्रामण्यम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन प्रथम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक और जिसकी सं० 3-6-757 हिमायत नगर है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण बिलिय के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में बामी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों शर्मात :-

1. डाक्टर ए० एस० पुननाम्बेकर पुत्र स्वर्गीय एस० बी० पुननाम्बेकर, 26/ए, सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

2. डाक्टर पी० टगगारसे पुत्र श्री पी० एम० टगगारसे, 3-6-767, हिमायतनगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति--सकान नं० 3-6-757, 13वीं रोड, हिमायत नगर, हैदराबाद ।

एस. बालसुब्रमन्यम्

सहायक प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद ।

तारीख : 6-11-73

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज- हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 नवम्बर, 1973

सं० आर० ए० सी० 89/73-74—यतः मुझे ए० बाल
सुब्रमण्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति निम्नलिखित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 16-7-767 चादर घाट के नजदीक है, जो
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आजम
पुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 30-4-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में काफी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जागा चाहिए,
का, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती अश्वफुत्तिसा बेगम, 3-6-69, बशीर बाग,
हैदराबाद। (अन्तरक)

1. मोहम्मद महबूब अली,

(2) श्रीमती मोसियाबी पत्नी मोहम्मद महबूब अली,

(3) मोहम्मद महमूद अली अवयस्क जिसका पालक पिता
श्री मोहम्मद महमूद अली, चालक, सागर कोल डिपो, जो चादर
घाट पुल के नजदीक, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने का अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति—प्लॉट नं० 16-7-767, चादर घाट पुल के नजदीक
हैदराबाद, जो क्षेत्रफल 594 वर्ग गज है।

ए० बालसुब्रमण्यम्

राक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 6-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 नवम्बर 1973

सं० आर० ए० सी० 96/73-74—यतः मुझे एस० बाल सुब्रमण्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सर्वे नं० 798, 797, 815/123 गोनेगुण्डला मोजे है, जो कोडमूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडमूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं अर्थात्:—

1. श्री गण्डला नागप्पा पुत्र श्री सिंहप्पा कोडमूर कर्नूल जिला। (अन्तरक)

2. श्री गण्डला शंकराबाब अवयस्क पालनकर्ता माता श्रीमती नागमल्लम्मा, पत्नी गण्डला परमेश्वप्पा, गोने गुण्डला मोजे, कोडमूर तालूका, कर्नूल जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:—15.05 सेन्ट्स जमीन जो गोने गुण्डला गांव में है, बाटीनिया बाग, कोडमूर तालूका, कर्नूल जिला।

एस० बालसुब्रमण्यम्

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 6-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 नवम्बर, 1973

सं० आर० ए० सी० 90/73-74---यनः मुझे एस० वाल सुब्रमण्यम् आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है। और जिसकी सं० 137/बी०/2 पेडरघास्ट रोड है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विनिर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण सेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—316 GI/73

1. श्री मिनू खुरशीद सुगुब कामरोज एफ० हिरजी खुरशीद जिसके मुख्तार नामाधार श्रीमती सूना एन्० चेनाय, 143, मासिन-टायर रोड, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती आशा देवी, पत्नी भगवान दान 2-3-73, राम गोपाल पेट, सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकाश होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें उपर्युक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति—137/बी०/2, पेडर घास्ट रोड, सिकन्दराबाद।

एम० वालसुब्रमण्यम्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 6-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 नवम्बर, 1973

सं० आर० ए० सी० 95/73-74—यतः मुझे, एस० बाल-मुत्रमण्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 6-2-936 खैरताबाद है, जो खैरताबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये, हैं ।

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. डाक्टर ए० भवानी शंकर, 40, बेंकट रामना कालोनी, हैदराबाद-4 । (अन्तरक)

2. कैप्टन ए० गदन मोहन, 66-आर्मेड मेजिमेंट, गार्पल 56-ए० पी० ओ० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी ।

एतद् द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति—सं० नं० 6-2-936, खैरताबाद, हैदराबाद ।

एस० बालमुत्रमण्यम्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख 6-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/73-74/5223—
यतः, मुझे सी० बी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० डब्ल्यू०-24 है, जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवासी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-5-73 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने की भावना है कि यद्यपि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के लिए दृश्यमान प्रतिफल या पद्धत प्रतिमान अधिक है और यह कि अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री अन्तरयाम लाम्बा पुत्र स्वर्गीय श्री बदरी नाथ लाम्बा निवासी ई० 118, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री नरिन्दर जीत सिंह और श्री सुरिन्दर पाल सिंह पुत्रगण स्वर्गीय श्री एम० कुलभ सिंह आफ यार्क हॉटल, कनाट सर्कस, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज सं० डब्ल्यू०-24 जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली-48 में सभी अधिकारों द्वारा बना हुआ है।

सी० बी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख : 6-11-1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/73-74/5259-
यतः मुझे, सी० बी० गुप्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खसरा नं० 1792/1-05, 1792/2-4-11 और 1789/4-16 है, जो गांव छत्तरपुर दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-5-1973 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अन्तरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बुधपाल सिंह पुत्र जी० गुरु दत्त सिंह, निवासी 20-बी/66, तिलक नगर, दिल्ली। (अन्तरक)

2. मै० डी० एल० एफ० धूलिस्टेड लि०, 10 एफ० कनाट पैलस, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के, पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि योग्य जमीन जिसका खसरा नं० 1789/4-16, 1792/2/4-11 और 1792/1/0-5, क्षेत्रफल 9 बीघा, 12 बिघवास जो कि गांव छत्तरपुर, महंगौली दिल्ली में है।

सी० बी० गुप्त

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख : 9-11-1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/73-74/5259-
यतः मुझे, सी० बी० गुप्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी खसरा नं० 1/1, 2, 3, 8/1 मीन इत्यादि है, जो गांव मुसद्दाबाद दिल्ली प्रान्त, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे

दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री योगनलाल सुपुत्र श्री विश्वनसिंह निवासी नजफगढ़, दिल्ली आम मुखर्जीयार श्री राम चन्द सुपुत्र श्री मंगल सैन, निवासी गांव और जिला अलीगढ़ (यू० पी०)। (अन्तरक)

2. श्री हरकिशन राम सुपुत्र श्री मुखनान सिंह निवासी नजफगढ़, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभापत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्याहस्ताधरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान निश्चित किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा :

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि जिसका खसरा नं० 1/1 मिन (1 बीघा), 2 (2-7), खसरा नं० 3 (4-16), खसरा नं० 8/1 मिन (2-8), खसरा नं० 23 (4-16), खसरा नं० 24 (4-16), खसरा नं० 25 (4-16), खसरा नं० 40 (3-1), खसरा नं० 42 (3-8), खसरा नं० 43 (4-16), खसरा नं० 44 (4-16), जिसमें 1/16 भाग खसरा नं० 217 (5-0), खसरा नं० 218/1 (11-0), खसरा नं० 218/2 (5-1), खसरा नं० 394 (2-14), खसरा नं० 395 (4-16), खसरा नं० 395 (4-16), खसरा नं० 401/1 (2-0), खसरा नं० 415 (4-16), खसरा नं० 420 (4-16), खसरा नं० 423 (4-16), खसरा नं० 429 (4-16), खसरा नं० 430/1 (2-0), खसरा नं० 438 (2-9), खसरा नं० 439 (4-16), खसरा नं० 440 (4-16), खसरा नं० 441 (4-16), खसरा नं० 416 (7-4), खसरा नं० 448 (4-16), खसरा नं० 449/1 (5-13), खसरा नं० 450/1 (2-0), खसरा नं० 453 (7-14), खसरा नं० 446/1 (2-16), खसरा नं० 470/1 (1-12), खसरा नं० 471 (4-16), खसरा नं० 472 (4-16), खसरा नं० 473 (4-16), खसरा नं० 476 (4-16), खसरा नं० 480 (4-16), खसरा नं० 481 (4-16), खसरा नं० 482/1 (2-0), खसरा नं० 484/1 (3-0), खसरा नं० 485 (4-16), खसरा नं० 486 (16-4), खसरा नं० 487 (4-16), खसरा नं० 488/1 (3-0), खसरा नं० 497 (16-4), खसरा नं० 501/1 (2-0), खसरा नं० 502 (4-16), खसरा नं० 503 (4-16), खसरा नं० 504 (4-16), खसरा नं० 505 (4-16), खसरा नं० 506 (4-16), खसरा नं० 507 (4-16), खसरा नं० 508 (4-16), खसरा नं० 509 (4-16), खसरा नं० 510 (4-16), खसरा नं० 511 (74-1), खसरा नं० 512 (4-16), खसरा नं० 513 (3-17), खसरा नं० 514 (2-1), खसरा नं० 516 (4-16), खसरा नं० 517 (4-16), खसरा नं० 518 (4-16), खसरा नं० 519 (4-16), खसरा नं० 520 (4-16), खसरा नं० 521 (3-0), खसरा नं० 522 (4-16), खसरा नं० 523 (4-16), खसरा नं० 524 (4-16), खसरा नं० 534 (4-16), खसरा नं० 588 (4-16), खसरा नं० 589 (4-16), खसरा नं० 590 (4-16), खसरा नं० 591 (4-16), खसरा नं० 592 (4-16) और खसरा नं० 593 (4-16), जिनका कुल क्षेत्रफल 64 बीघा और 5 बिघ्यास जा कि गांव मुसद्दाबाद, दिल्ली में है।

सी० वी० गुप्ते

मध्यम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आबुत (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

दिनांक 9 नवम्बर, 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिया)।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज दिल्ली-1

केंद्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/II/73-74/ —

यतः, मुझे डी० टी० लाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है। और जिसकी सं० 34 है, जो डी० एल० एफ० इन्डस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रवि प्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री नन्द लाल, स्वयं तथा संयुक्त परिवार के कर्ता की हैसियत से, ई०-4, पालम स्प्रिंग, पांचवीं मंजिल कफी प्रेड, कोलाबा, बम्बई। (अन्तरक)

2. (1) श्री भगवान केडिया पुत्र श्री एन० के० केडिया, (2) जय भगवान केडिया पुत्र श्री एन० के० केडिया निवासी 97 गांडोदिया मार्केट, खारी बाबली, दिल्ली, (3) श्री अनिल कुमार जैन पुत्र दरबारी लाल जैन तथा (4) श्री अशोक कुमार जैन पुत्र श्री दरबारी मल जैन, 4225/ए०-1, दरियागंज, दिल्ली। (अन्तरिती)

3. (1) श्री राम प्रकाश,
(2) श्री वादल राम
(3) श्री लोकमन राम
(4) श्री नौनन्द राम,
(5) श्री भवानी राम,
(6) श्री दयाल दास और
(7) श्री राम अवतार तुलसियन सभी 34 डी० एल० एफ० इन्डस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली के उपभोक्ता। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापारिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 34, डी० एल० एफ० इन्डस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़, नई दिल्ली, जो कि 1813 वर्ग गज भूमि पर बनी हुई है तथा निम्नलिखित प्रकार से घिरी हुई है :—

उत्तर : नजफगढ़ रोड।

दक्षिण : प्लॉट नं० 36

पूर्व : प्लॉट नं० 33

पश्चिम : प्लॉट नं० 35।

डी० वी० लाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख : 8 नवम्बर, 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)।

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/73-74/5225—

यतः, मुह०, सी० वी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या खसरा नं० 1811 और 1812 है, जो छत्तरपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री (1) पृथपाल सिंह पुत्र गुरदीत सिंह, निवासी 20-बी०/66, तिलक नगर, नई दिल्ली।

(2) फलातून पुत्र श्री हरनारायन,

(3) तुले राम पुत्र श्री भूपन आफ जूनापुर, दिल्ली।

(4) कैप्टन छोटू राम पुत्र श्री गोधू राम और

(5) दया राम पुत्र श्री मुनी राम आफ आया नगर, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती मिशरी देवी पत्नी श्री मुन्शी राम मित्तल आफ चन्डीगढ़ और श्रीमती सत्य बती पत्नी श्री प्रहलाद किशन 7477 नेल मिल, राम नगर, दिल्ली-55। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो कि 9 बीघा और 12 बिघवाम है, छत्तरपुर, दिल्ली में है।

सी० वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 8 नवम्बर, 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए. सी०/एक्यू०/11/73-74/5225--
यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 29/30 है, जो पुराना राजिन्दर नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
15-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिनियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उसमें वचने के लिए सुकर बनाना और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ज्ञान चन्द तनेजा पुत्र स्वर्गीय श्री बेली राम निवासी
51/19 पुराना राजिन्दर नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री मदन लाल चावला पुत्र श्री विलोक चन्द निवासी
29/30 पुराना राजिन्दर नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान,
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने
ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिणी को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाई मंजिली लोड होल्ड जायदाद जिसका क्षेत्रफल 85 वर्ग
गज जो कि 29/30 पुराना राजिन्दर नगर, नई दिल्ली में है।

सी० वी० गुप्ते

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 नवम्बर, 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/73-74/5225—
यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 37 है, जो साउथ एक्सटेंशन, पाट-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-5-1973 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मै० एस० एन० सुन्दरसन एण्ड कं० रजि० ऑफिस 1 देशबन्धु गुप्ता मार्ग, नई दिल्ली-55 द्वारा उसके हिस्सेदार श्री अनिल कुमार जौहर पुत्र श्री सुरेन्द्र नाथ जौहर, निवासी 28, बाबर लेन, नई दिल्ली-110001। (अन्तरक)

2. कुमारी तातरा जौहर पुत्री सुरेन्द्र नाथ जौहर, श्री अरविन्दो आश्रम, पांडिचेरी-2। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेमी बिल्ट जायदाद प्लॉट नं० 57 हार्जिसिंग सोसायटी, नई दिल्ली साउथ एक्सटेंशन पाट-1, जिसका क्षेत्रफल 18,800.75 वर्ग फीट जो कि निम्न प्रकार से घिरी हुई है :—

उत्तर : प्लॉट नं० 38

दक्षिण : प्लॉट नं० 36

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : सड़क।

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख : 8 नवम्बर, 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)।

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/5225—
यतः, मुझे सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 36 है, जो साउथ एक्सटेंशन, पार्ट-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० एस० एन० सुन्दरसन एंड कं०, 1, देशबन्धु गुप्ता मार्ग, नई दिल्ली-55 द्वारा उसके पार्टनर श्री अनिल कुमार जोहर पुत्र श्री सुरेन्द्र नाथ जोहर निवासी 28, बाबर लेन, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

1. कुमारी चित्रा जोहर पुत्री श्री सुरेन्द्र नाथ जोहर, श्री अश्विन्दो आश्रम, पांडिचेरी -2 ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सेमी बिल्ट प्लॉट नं० 36 हाउसिंग सोसायटी, नई दिल्ली साउथ एक्सटेंशन, पार्ट-1, नई दिल्ली, क्षेत्रफल 2,800.75 वर्ग फीट, जो कि निम्न प्रकार से स्थित है :—

उत्तर : प्लॉट नं० 37

दक्षिण : सर्विस लेन ।

पूर्व : सर्विस लेन ।

पश्चिम : सड़क ।

सी० बी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8 नवम्बर, 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए) ।

प्ररूप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का, 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/73-74/5225—
यतः, मुझे सी० वी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० एम०-16
ए० है, जो मालवीय नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-1973
को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पूरन लाल खेरा पुत्र श्री डी० डी० आर० खेरा निवासी
एम०/16 ए० मालवीय नगर, नई दिल्ली जर्नल अटारनी श्रीमती
सुशीला देवी पत्नी श्री हरद्वारी लाल । (अन्तरक)

2. श्रीमती दयावन्ती पत्नी श्री पूरनलाल खेरा निवासी
एम०-16 ए० मालवीय नगर, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सरकारी जायदाद नं० एम०-16 ए० मालवीय नगर, नई दिल्ली
क्षेत्रफल 100 वर्ग गज जो कि सभी अधिकारों से सुरक्षित है ।

सी० वी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1 ।

तारीख : 8 नवम्बर, 1973 ।

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए) ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
अर्जन रेंज-2 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/5225—
यतः, मुझे सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 7 ए/48 है, जो डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग,
नई दिल्ली में स्थित है, और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 8-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती चन्दी बाई पुत्री श्री मूल चन्द पत्नी श्री भाना राम
निवासी मकान न० 11218 वार्ड म० 16 ब्लाक न० 7 ए डब्ल्यू
ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती श्रीला वती पत्नी श्री भगवान लाल निवासी
प्लॉट न० 48 ब्लाक न० 7 डब्ल्यू ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

3. श्रीमती चन्दो बाई पत्नी श्री भाना राम मकान न० 11218
वार्ड न० 16 ब्लाक न० 7 ए डब्ल्यू ई० ए०, करोल बाग, नई
दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दोमजिली जायदाद जिसका म्युनिसिपल न० 11218 वार्ड
न० 16 जो कि प्लॉट न० 48 ब्लाक 7 ए क्षेत्रफल 161.74 वर्ग
गज वेस्टर्न एक्सटेंशन एरिया, करोल बाग, नई दिल्ली में निम्न
प्रकार से बनी हुई है :—

पूर्व :—सड़क

पश्चिम :—सड़क (सर्विस लेन)

उत्तर—मकान प्लॉट न० 48 पर

दक्षिण :—सड़क

सी० वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 8 नवम्बर, 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 11/73-74/5225—
यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
खसरा न० 421, 422, 226, 12, 13, 18/1, 19,
है, जो गांव जूनापुर, दिल्ली 22/1, 27/1/2 में स्थित है (और
इससे उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति
के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा
अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भगत पुत्र श्री अभीर निवासी जूनापुर गांव दिल्ली
स्टेट, दिल्ली (अन्तरक)

2. सर्व श्री प्रकाश चन्द (2) प्रताप सिंह (3) मुखबीर
पुत्र गण श्री हरचन्द गांव जूनापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 20 बिघा 12 बिघावास जिनका मुसटेदिल
न० 13 जो कि निम्न प्रकार से खसरा न० की है जो जूनापुर, दिल्ली
स्टेट दिल्ली में है:—

खसरा न०	क्षेत्रफल		
	बिघा	बिघावास	
421 . . .	0	18	कुल 20 बिघा और 12 बिघावास
222 . . .	0	6	
226 . . .	0	8	
12 . . .	6	12	
13 . . .	4	16	
18/1 . . .	1	1	
19 . . .	4	16	
22/1 . . .	1	12	
27/2 . . .	0	3	

सी० बी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली,
नई दिल्ली-1

तारीख : 8 नवम्बर 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/5225—
यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 भाग म्युनिसिपल न० 16/2874 है, जो हरधियान सिंह, मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मदन शाल टंडन पुत्र श्री रूप लाल टंडन निवासी आर०-894, न्यू राजिन्दर नगर नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री सरदारी लाल टंडन पुत्र श्री रूप लाल टंडन निवासी आर० 669 न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

3. मै० ईलाहाबाद बैंक, करोल बाग, नई दिल्ली ब्रांच (वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग दो मंजिली जायदाद जिसका म्युनिसिपल न० 2874 वार्ड न० 16 क्षेत्रफल 167 वर्ग गज जो कि निम्न प्रकार से है:—

ईस्ट—मकान राधा पियारी का

पश्चिम—जय सिंह का मकान

उत्तर—गली न० 17, बीदनपुरा

दक्षिण—हरधियान सिंह मार्ग

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 8 नवम्बर 1973।

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/5225—
यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खसरा नं० 175 से 177 तक 184/1, 184/2, 185, 186, 187/1, 187/2, 189/1 और 229/2 है, जो गाँव शहूरपुर, महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरनिहाल सिंह मजिठिया पुत्र श्री सरदार सिंह मजिठिया निवासी 112 मालवा मार्ग, नई दिल्ली द्वारा हरदयाल सिंह बालपुत्र श्री एस० प्रताप सिंह अटारनी एस० गुरनिहाल सिंह मजिठिया (अन्तरक)

2. आल इंडिया प्रेयर फैलोशिप क्यू-3, ग्रीन पार्क एक्सटेन्शन, द्वारा उसके प्रधान श्री पी० एन० कुरियान (अन्तरिती)

4. श्री हरदयाल सिंह बालपुत्र श्री एस० प्रताप सिंह अटारनी आफ गुरनिहाल सिंह मजिठिया (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि योग्य जमीन क्षेत्रफल 43 विघा 4 विश्वास खसरा नं० 175, 176, 177, 184/1, 184/2, 185, 186, 187/1, 187/2, 189, 229/1, 229/2 रखती है । और जो गाँव शहूरपुर, मेहरोली नई दिल्ली में स्थित है ।

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8 नवम्बर 1973 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० 11/73-74/5225—
यतः, मुझे सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० 112 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और उससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० थुनाइटिड लि० 40 एफ० कनाट लेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री प्रधान सिंह निवासी डी०-320 डीफेंस कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका न० 112 क्षेत्रफल 300 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, के गाँव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—सर्विस लैन

पश्चिम—सड़क

उत्तर—प्लॉट न० एस०/110

दक्षिण—प्लॉट न० एस०/114

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन,

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० 11/73-74/5225—
यतः मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस०-38 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द्र आहूजा पुत्र श्री डी० डी० आहूजा सी० 13, शिवाजी पार्क, दिल्ली-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आशेष, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 300 वर्गगज है जो कि न० एस० 38 निवासी कोलोनी ग्रेटर कैलाश-11 दिल्ली के गाँव बहारपुर में है।

सी० वी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 नवम्बर 1973।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्देश सं०आई०ए०सी०/एक्यू०/II/73-74/5225—यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस-327 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राधीन 3-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०, 40-एफ, कनाट पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री चरन सिंह कलसी पुत्र श्री ईशरसिंह कलसी, निवासी 3/4 देव नगर, करोल बाग, नई दिल्ली-110005। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट नं० 327 क्षेत्रफल 296 वर्ग गज ब्लॉक नं० एस जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर, दिल्ली में निम्न प्रकार बना है :—

पूर्व—सड़क

पश्चिम—सर्विस लेन

उत्तर—सड़क

दक्षिण—प्लॉट नं० एस/329

सी० टी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 8 नवम्बर 1973 अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1 मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण का कार्यालय,

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 8 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० II/73-74/5225—
यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एम-79 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 10-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. म० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०, 40-एफ, कनाट
पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती निर्मल ओहरी पत्नी मेजर के०के० ओहरी द्वारा
श्री एस०डी० बर्मा, सेक्रेटरी और ट्रेजरर, स्टेट बैंक आफ
इंडिया, लोकल हेड आफिस, दि माल, कानपुर-1।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग गज
नं० एम-79 जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव
बहारपुर, दिल्ली में है।

सी० वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 8 नवम्बर 1973 अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

कैन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/73-74/5225—
यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम-162 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. म० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०, 40-एफ, कनॉट पैलेस, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री रविन्दर मोहन बसल, निवासी 519 सेक्टर 18-बी, चंडीगढ़ पंजाब।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्थताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्री होल्ड जमीन का प्लॉट जिसकी क्षेत्रफल 415 वर्ग गज नं० एम०-162 जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, दिल्ली के गांव बहारपुर में है?

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 7 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एष्यु० II/73-74/5225—यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम-70 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाय गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ते अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०, 40-एफ, कनाट पैलेस, नई दिल्ली । (सन्तरक)
2. कर्नल के०एल० खोसला पुत्र स्व० श्री रघुवीर दीस खोसला, डायरेक्टर, सर्वे ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आफ इंडिया, पो० आफिस, उप्पल, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए, अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 247 वर्ग गज तथा नं० एम-70 है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, के गांव बहारपुर दिल्ली में स्थित है ।

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 7 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1
केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 6 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/73-74/5225—
यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम-81 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०, 40-एफ, कनाट पैलेस, नई दिल्ली । (अन्तरक)
2. श्रीमती प्रकाश वर्मा पत्नी श्री एस० एल० वर्मा, सेक्रेटरी और ट्रेजरर, स्टेट बैंक आफ इंडिया, दी माल, कानपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग गज है जिसका नं० एम-81 जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर, दिल्ली में स्थित है ।

सी० बी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 6 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 6 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए० सी०/एक्यू०/II/73-74/5225—
यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डब्ल्यू०-48 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. म० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०, 40-एफ, कनाट पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री वी० एस० भगत पुत्र स्व० श्री खान चन्द भगत, निवासी एस-323-ए, पंच शिल पार्क, नई दिल्ली-110017। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 1006 वर्ग गज नं० डब्ल्यू०-48 जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली के गांव बहारपुर, दिल्ली में है।

सी० वी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 6 नवम्बर, 1973

मोहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० II/73-74/5225
यतः, मुझे सी० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस-469 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

* 1. मै० डी० एल० एफ० युनार्डिङ लि० 40 एफ कनाट पलेस, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. श्री मदन लाल मेहरा, डी-41, एन० डी० एस० स्ट्रीट पार्ट-II, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 555 वर्ग गज नं० एस-469 जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली में स्थित है ।

च० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 6 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 6 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०II/73-74/5225—यतः, मुझे सी० बी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी-51 है, जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में मी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

19—316 GI/73

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40 एक० कनाट पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. राजा प्रेम सिंह आफ चाम्बा पुत्र स्व० राजा लक्ष्मण सिंह आफ चाम्बा दि पैलेस चाम्बा (हिमाचल प्रदेश) आजकल सी-51 ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है जिसका नं० सी-51 जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली में स्थित है।

दिनांक 6 नवम्बर, 1973

मोहर :

सी० बी० गुप्ते,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

दिनांक 6 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एयू० 11/73-74/5225-यतः, मुझे सी०वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डब्ल्यू०-120 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपान्वद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40 एफ कनाट पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती हरजीत कौर पत्नी श्री एस० चरनजीत सिंह निवासी 9 फ्रैंड्स कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका न० एस०-248 क्षेत्रफल 300 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II दिल्ली के गाँव बहारपुर में निम्नलिखित प्रकार से बना है :—

पूर्व : सविस लेन पश्चिम : मार्ग

उत्तर : प्लॉट न० एस/246 दक्षिण : प्लॉट न० एस/250

दिनांक 6 नवम्बर, 1973

सी० वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1,

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 6 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एयू० 11/73-74/5225—
यतः, एम्मे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ई-408 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों; को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० यूनाइटेड लि० 40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती स्वर्ण कान्ता पत्नी श्री गुरबचन सिंह निवासी ई-14, एन० डी० एस० ई० पाठ-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 247 वर्गगज नं० ई-408 है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11 के गांव बहारपुर दिल्ली में स्थित है।

दिनांक 6 नवम्बर, 1973

मोहर :

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 7 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/5225—
यत, मुझे सी० वि० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० डब्ल्यू०-3 है जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अतः, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०, 40 एफ कनाट पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. डा० राकेश कुमार चोपड़ा पुत्र श्री नरिन्दर नाथ चोपड़ा निवासी नवन शहर दोआबा, डिस्ट्रिक्ट जलन्धर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका नं० 3 ब्लॉक नं० डब्ल्यू क्षेत्रफल 1140 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II गांव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—प्लॉट नं० डब्ल्यू/1

पश्चिम—प्लॉट नं० डब्ल्यू/5

उत्तर—सड़क

दक्षिण—कालोनी की बाउन्डरी

सी० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 7 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1973

निर्देश सं०आई०ए० सी०/एक्यु० 11/73-74/5225-यतः,
मुख्य सी० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० एस-245 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यसे कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40 एफ कनाट
पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती मलिका ठाकुर पत्नी श्री ठाकुर धारा चन्द
निवासी 46, कोर्ट मार्ग, ठाकुर हाउस, अमृतसर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज तथा नं०
एस-245 है जो कि निवासी कालोजी ग्रेटर कैलाश-II, के गांव
बहारपुर दिल्ली में स्थित है।

सी० बी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 7 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एस० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 7 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/5225—
वतः, सु०, सी० वी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० डब्ल्यू०-126 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उत्पन्न अधिसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और सु० यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से व्यक्त नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किशानना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और वतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०, 40-एफ, कनाट
पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री गुरवचन सिंह पुत्र श्री जसवन्त सिंह, 22/13, इन्ड-
स्ट्रियल, एरिथा फरीदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका नं० 1553 क्षेत्रफल डब्ल्यू-126
वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, के गांव
बहारपुर, दिल्ली में स्थित है।

सी० वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 7 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० अमृ०/ए० पी०-296/73-74/1989—यतः मुझे, आर० एस० साहनी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपया से अधिक है और जिनकी सं० प्लॉट 1962-1/2 वर्ग गज का 1/3 भाग जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 690/1, मई 1973 को सं० र० अमृतसर में लिखा है, जो बाहर चाटीविड गेट तरनतारन रोड़, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जसवन्त कौर पत्नी श्री स्वर्ण सिंह वासी मजीठा जिला अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री मनजीत सिंह सपुत्र श्री कल्याण सिंह बाजार बाबा भोई वाला, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 1 पृष्ठ है। (वह व्यक्ति जिनके अधिकारों में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा ~~उक्त~~ के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 1962-1/2 वर्ग गज का 1/3 भाग तथा तीन शैड जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 690/1 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

आर० एस० साहनी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 9 नवम्बर 1973।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०
 भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269 घ(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-2, दिल्ली,
 केन्द्रीय राजस्व भवन नई दिल्ली
 नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/5225—यतः,
 मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को (यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० म्यूनिसिपल नं० 7097 बार्ड
 नं० 16 है, जो डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित
 है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम 1908 (1908 का 16), अधीन 18-5-1973
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
 दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार
 अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
 कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
 प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
 और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
 के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तर लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं
 किया गया है:—

- (क) अन्तरण से किसी आय की बाबत आयकर अधि-
 नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
 के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
 के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति में
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
 प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
 छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
 नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-
 धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. (1) सर्वश्री अमर नाथ मेहरा पुत्र दीना नाथ तिवारी
 निवासी 4/33, डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली (2)
 (2) वांशी राम खन्ना पुत्र देवकी नन्दन खन्ना, निवासी
 39, बंगला मार्ग, कमला नगर, दिल्ली (अन्तरक)
 2. श्री अमर सिंह खरबन्दा पुत्र स्व० श्री गुरबख्त सिंह

निवासी 4/65 डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली-5, जर्नल
 गटारती और श्री हरभजन सिंह चावला और श्री मनमोहन सिंह
 चावला श्राजकल बैककाक (थाइलंड)।

3. सर्वश्री (1) डी० पी० गुप्ता एंड कं० ब्लाक नं० 4
 ब्लाक नं० 16-बी डब्ल्यू० ई० ए० देशबन्धु गुप्ता मार्ग, नई दिल्ली
 (2) एस के० बत्ता, प्रो० सोवनीर इंडस्ट्रीज-जैसा कि ऊपर है।
 (3) पंजाब नेशनल बैंक बाकी ऊपर जैसा है।
 (4) डी० दास गुप्ता बाकी ऊपर जैसा है।
 (5) ग्रेडरे, बाकी ऊपर जैसा है।
 (6) आई० आर० सी० स्टीक लि० 1, हनुमान मार्ग,
 नई दिल्ली।

(7) कलाश चन्दर प्लाट नं० 4 ब्लाक नं० 16-बी, डब्ल्यू०
 ई० ए०, देशबन्धु गुप्ता मार्ग, करोल बाग, नई दिल्ली।
 को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
 तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, आधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
 सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
 यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
 जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
 किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
 व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
 की सुनवाई के समय सुने जाने की लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
 अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
 अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आई मंजिल जायबाद जिसका म्यूनिसिपल नं० 7097 बार्ड
 नं० 16 जो कि ब्लाक नं० 4 ब्लाक नं० 16 बी० डब्ल्यू० ई० ए०,
 खसरा नं० 1531/152 पर जिसका क्षेत्रफल 311.11 वर्ग गज
 है देशबन्धु गुप्ता मार्ग करोल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से
 बनी हुई है—

पूर्व—सड़क का प्लाट नं० 5 पश्चिम—प्लाट नं० 3
 उत्तर—सड़क दक्षिण—सर्विस लेन

चं० वि० गुप्ते
 सक्षम प्राधिकारी

दिनांक 8 नवम्बर, 1973 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 मोहर : अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-I, मद्रास-600008

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1973

निदेश सं० 675/73-74—यतः, मुझे ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मद्रास-18, एलडाम्स रोड, आर० एस० सं० 1554 (भाग) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर, बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
20—316GI/73

(1) श्री आर० सम्बन्धम, आर० दनबाल, आर० रामलिंगम और आर० गुरुस्वामी (गन्तरक)

(2) श्री बी० बी० बालगुरुवैया के द्वारा बी० सुरेश बाबु, 1, बालमुन्डमनियम कालनी, मद्रास-4। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-18, एलडाम्स रोड में 4200 स्क्वियर फीट का खाली भूमि, जिसका मैलापुर आर० एस० सं० 1554।

ए० रागवेन्द्र राव
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 5-11-73

मोहर :

अर्जन रेंज, मद्रास

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज-2

123, मोडन्ट रोड मद्रास-600006,

दिनांक 5 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० 675/73-74—यतः मुझे ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसका सं० 14/31 एलडाम्स रोड, मद्रास-18 है, जो—में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) सर्वश्री आर० सम्बन्धम, आर० दनपाल,
आर० रामलिंगम और आर० गुरुस्वामी,
14/31, एलडाम्स रोड, मद्रास - 18। (अन्तरक)

(2) श्री के० बालगुरुव चेन्नियार सन,
130, बी० आर० विल्ले स्ट्रीट, मद्रास - 5। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास - 18, एलडाम्स रोड, डोर सं० 14/31 में भूमि और मकान (4 गज्जडस और 1680 स्क्वियर फीट) ।

ए० रागवेन्द्र राव

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज - 2, मद्रास

तारीख : 5 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 3 नवम्बर 1973।

निदेश सं० 2014/73-74—यतः, मुझे ए० रागवेन्द्र राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 4/8, डामुनगर, पुलियकुलम, कोयम्बटूर है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जी० आर० दामोदरन और डी० बडबनाबन, 8/5, कामराज रोड, कोयम्बटूर।

(2) श्री एस० चन्द्रन, डोर सं० 4/8, डामुनगर, पुलियकुलम, कोयम्बटूर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बटूर जिला, कोयम्बटूर तालुका, कृद्वनरायपरम और पुलियकुलम गांवों में सर्वे वार्ड सं० 10 (असम्पत्ति सं० 4898/1), नया वार्ड सं० 4, प्राचिन वार्ड सं० 3, टी० एस० सं० 10/1518/2 दामुनगर डोर सं० 4/8 में भूमि और मकान।

ए० रागवेन्द्र राव

समक्ष प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 3-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास-600008, दिनांक 3 नवम्बर 1973

निवेश सं० 2030/73-74—यतः, मुझे ए० रागवेन्द्र राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है और जिसकी सं० कुरुमल्लामपट्टी गाँव
में टी० एस० सं० 95 है, (और इससे उपाबद्ध में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सुलुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 12-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-
कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एम० सिक्कुलम्म चेट्टीयार, के० के० ब्लाक,
कोयम्बटूर टाऊन।

(2) श्री एस० वी० रामस्वामि, एस० वी० आरुमुगम
एस० बी० पलनीस्वामि और पी० बालुसामि।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो तो:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कुरुमल्लामपट्टी गाँव में 1.48 एकर भूमि (टी० एस०
सं० 95), मकान और मेशिनरि।

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-11-1973।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) का कार्यालय
अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास-600008, दिनांक 3 नवम्बर 1973

निर्देश सं० 3042/73-74—यतः, मुझे ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० विलुपुरम, महाराजपुरम गाँव में सर्वे सं० 17, 19/1 और 18/1 और पनम्पट्टु गाँव में सर्वे सं० 108/7 में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विलुपुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जूले 1973 (27-7-1973) को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० चित्रसामि रेडियार, गुन्दुपेरम्बेट्टु।

(2) श्री एस० एम० वेन्नाटाचल, चेदियार, नन्दगोपाल चेदियार और रंगनातन चेदियार, पानडि रोड, बलवनूर, विलपुरम तालुका।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शन्मुगा आयील मिल भेगिनरि, मकान और 3.17 एकर भूमि (महाराज पुरम गाँव पुन्ना भूमि सर्वे सं० 17, 18/1 और 19/1 और पनम्पट्टु गाँव पुन्ना भूमि सर्वे सं० 108/7) में आधा भाग।

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख 3-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज 1, मद्रास-600006

दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्देश सं० IX/5/9/73-74—यतः, मुझे सं० बी० राजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 3, है जो कंदप्प केंद्री स्ट्रीट,
कोनवल चावडी, पेट्टुनायकनपेट, मद्रास है, जो मे स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सोकर्पेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए, रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस
से बचने के लिए सुकर बनाना, और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

(1) श्री एम० ए० अहमद के द्वारा श्रीमती कतीजा श्री
(अन्तरक)

(2) श्री बी० गोविन्दराजु चेद्री (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

पुराना सर्वे सं० 5274-टी० एस० सं० 5804—डोर सं०
3, कन्दप्पा, चेद्री स्ट्रीट, कोनवाल चावडी पेट्टुनायकनपेट, मद्रास
में स्थित खाली भूमि और मकान जिसका क्षेत्रफल 1 ग्राउंड 90
स्क० फीट है।

के० बी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 8-11-1973।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- मद्रास 600006

दिनांक 8 नवंबर, 1973

निदेश सं० XI/(1)/1/73-74—यतः, मुझे के० वी० राजन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक और जिसकी सं० 135 है, जो रामनादपुरम रोड मदुरै में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे०एम०आर० I मदुरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के आधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री के० पलनियप्पन (अन्तरक)

(2) सर्वश्री के० सुब्रह्मण्य,
आर० गेनक
टी० अमरन
टी० कपिलन
टी० पगलोत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

टी० एस० नं० 271—डोर सं० 135, रामनादपुरम रोड, मदुरै में 34744 स्क० फीट का खाली भूमि और मकान।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-11 मद्रास

तारीख : 8-11-1973

मोहर :

प्ररूप, आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269
ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 मद्रास 600006

दिनांक 9 नवम्बर 1973

निदेश सं० IX/7/12/73-74—यतः, मुझे के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है, जो आर० एस० नं० 72/12 डोर सं० 20/14, मण्डपम् रोड, कीलपाक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैस्ट मद्रास पेरियमेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती के० चूडामणी और सी० नरसिंह राव
(अन्तरक)
(2) श्री ए० एम० अब्दुल रसीद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आर० एस० सं० 72/12 (भाग) प्लॉट नं० 8, कीलपाक, मद्रास-10 में खाली भूमि और त्रिमंजल मकान जिसके ग्राण्ड फ्लोर में चार दुकानें हैं और फर्स्ट और सेकण्ड फ्लोर में दो निवास-स्थान हैं (हर एक फ्लोर में दो निवास स्थान) ।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1 मद्रास

तारीख : 8-11-1973
मोहर :

प्राप्त आर्. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, तारीख 1 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० XII/14/1/73-74—यतः, मुझे के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ... है, जो इरुवपुरम गांव श्री वेङ्कण्डम तालुक में स्थित है और इस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुकोट्टै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 25-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्थ में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
21—316GI/33

1. श्री एम० डी० दुरैम्बामी देव अप्पुलमणी (अन्तरक)

2. श्रीमती श्रीमती पाप्पम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

टी० एस० सं० 223 में 43 सेंट्स टी० एस० सं० 224/1 में 51 सेंट्स और टी० एस० सं० 224/2 में 86 सेंट्स का खाली भूमि है जो इरुवपुरम, कुमारपुरम गांव में स्थित है ।

के० बी० राजन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख 7 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्देश सं०XIV/12/2/73-74—यस, मुझे के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रुपये से अधिक है और जिसकी म० 8/2 है, जो भगवत्सिंग रोड वार्ड-8, परमकुडी टोन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, परमकुडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तर-को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

अतः अब, धारा 269-ग क अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री के० मङ्गनारायणय्य चेट्टियार (अन्तरक)
2 श्री पी० एस० कृष्णन (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डोर सं० 8/2, भगवत्सिंग रोड, वार्ड सं० 8, परमकुडी टोन में 1120 सक्वेयर फीट का खाली भूमि और मकान

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 8 नवम्बर 1973

सांहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

(2) श्रीमती मौन्या कृष्णमती (अन्तरिती) ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
266 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास दिनांक 7 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० IX/3/14/73-74—यतः, मुझ के० वी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी और ज़िम्मेदारी स० 65, है, जो गोल्लवर अग्रहारम रोड तण्डेयापेट, मद्रास में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 15-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके मे ऐसे दृश्यमान प्रतिफल दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० गुरुबय्या चेट्टी (2) पी० जीवलिंगम (3) पी० सवय्या (4) पी० महारुद्रप्पा, (5) एम० कलाप्पा ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

डोर स० 65, गोल्लवर अग्रहारम, तण्डेयापेट, मद्रास में 11 ग्रीण्ड 1177 मक्येयर फीट का खाली भूमि और मकान ।

के० वी० राजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख 7 नवम्बर 1973

मोहर :

प्रत्येक अर्द्ध ० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 6 नवम्बर 1973

निर्देश सं० III-62/अर्जन/ 73-74/9006—यतः, मुझे ज्योतीन्द्र नाथ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या लाट नं० 662, खाता नं० 996 है, (और जिसकी संख्या है, जो मथिया सिवान में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से गेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन

1. विनोद कुमार कनोडिया 23, पुरानी बालीगंगे रोड
कलकत्ता । (अन्तरक)

2. श्री विद्याधर पाण्डेय, ग्राम मथिया, थाना मौरवा, जिला
सिवान (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 3.50 एकड़ प्लॉट नं० 663, खाता नं० 996, ग्राम
मथिया, परगना पचसख, जिला सिवान, बिहार ।

ज्योतीन्द्र नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना ।

तारीख : 6 नवम्बर 1973

माहुर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. प्रथम सुन्दर कनोडिया, 23 पुरानी बालीगंनो रोड, कलकत्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

(अन्तरक)

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बिहार, पटना,

पटना दिनांक 6 नवम्बर 1973

निर्देश सं० III-61/अर्जन/73-74/9006—यतः, मुझे
ज्योतीन्द्र नाथ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम
प्रदाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 662 खाता-996 है (और जिसकी
संख्या... है, जो मथिया, सिवान में स्थित है और इससे उपलब्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 24-5-73
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. विश्वनाथ पाण्डेय (2) देव नाथ पाण्डेय (3) बांके
बिहारी पाण्डेय ग्राम मथिया, थाना मेरवा, सिवान (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, 5 एकड़, प्लॉट नं० 662, खाता सं०-996, ग्राम
मथिया परगना, पचलख, जिला सिवान, बिहार।

ज्योतीन्द्र नाथ,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख 6 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बिहार पटना,

पटना. तारीख 6 नवम्बर 1973

निर्देश सं० III-60/अर्जन/73-74/9005—यतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 665 और 662, खाता नं० 928/996 है, और जिसकी संख्या है, जो मथिया, सिवान म स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित—

1. श्री पवन कुमार कनोडिया, 5-गरिया हाट रोड, कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्री जय प्रकाश पाण्डेय, ग्राम मथिया, पोस्ट, प्रतापपुर, जिला सिवान। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, 4 एकड़, प्लॉट नं० 665 और 662, खाता नं० 928 और 996, ग्राम मथिया, परगना, पंचलख, जिला, सिवान बिहार।

ज्योतीन्द्र नाथ,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 6 नवम्बर 1973

मुहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,
बिहार, पटना

दिनांक 6 नवम्बर 1973

निर्देश सं० III-59/अर्जन/73-74/9008—यतः ज्योतीन्द्र नाथ, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम पदाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 662 और 666 खाता नं० 117 है, और जिसकी संख्या..... है जो मथियासिवान में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9/5/73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पवन कुमार कनोडिया 5 गरिया हाट रोड, कलकत्ता (अन्तरक)

(2) श्री गौरी शंकर पाण्डेय ग्राम मथिया पो० प्रतापपुर, सिवान (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन 4 एकड़, प्लॉट नं० 662 और 666, खाता नं० 117, 5 ग्राम मथिया, परगना पचलख, जिला सिवान, बिहार

ज्योतीन्द्र नाथ

सक्षम पदाधिकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 6-11-73

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक 6 नवम्बर 1973

निर्देश संख्या-III-58/अर्जन/73-74/1003—यतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट न० 662 खाता न० 117 है (और जिसकी संख्या... है, जो मथिया, सिवान में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्ल आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पवन कुमार कनोडिया, 5, गरियाहाट रोड कलकत्ता (अन्तरक)

(2) श्री राम नरेश पाण्डेय, ग्राम मथिया, जे० प्रतापपुर जिला—सिवान (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन, 4 एकड़ प्लॉट न० 662, खाता न० 996, ग्राम-मथिया परगना पचलख, जिला—सिवान, राज्य बिहार ।

ज्योतीन्द्र नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बिहार, पटना

तारीख : 6-11-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक 16 अक्टूबर, 1973

निर्देश संख्या-111-57/अर्जन/73-74/9002-—यतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट न० 666 खाता न० 5 है (और जिसकी संख्या है, जो मथिया, सिवान में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कैलाश कुमार कनोडिया 23, पुरानी वालीगंगे रोड, कलकत्ता (अन्तरक)
22—316GI/73

(2) श्री रमाकान्त यादव देवेन्द्र यादव और धर्मोन्द्र यादव ग्राम मथिया, पो० प्रतापपुर जिला सिवान (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, रकबा 8.25 एकड़, प्लॉट न० 666, खाता न० 5 ग्राम-मथिया, परगना-पचलख, जिवा-सिवान, राज्य बिहार

ज्योतीन्द्र नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बिहार, पटना

तारीख : 6-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,
60/61, एंरडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

दिनांक 7 नवम्बर 1973

निर्देश सं० सी० ऐ०/5/मे/73/हवेली-II /80/73-74—
यतः, मुझे, जी० कृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० सं० श०
372-अ/1 है, जो मुंजेरी देहात में स्थित है (और इससे
उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, हवेली पूना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-1973 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
गए हैं :-

अतः, अब, धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ की उपधारा (1)
अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. (1) श्रीमती शामलता कुमारी बी० सिन्हा (2)
श्रीमती शांतिदेवी एस० सिन्हा (3) श्रीमती मृदुला बी०
सिन्हा उसके डी० सी० ऐ० श्री एस० एन० सिन्हा सिन्हा, हाउस
कोरेगांव मुख्य उत्तर मार्ग, पूना-1। (अन्तरक)
2. (1) कुमारी-सोनीवाई एस० अकलेसरीआ 94
महात्मागांधी मार्ग पूना-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

देहात मुंजेरीमें सं० क 372 अ/1 में, जमीन क्षेत्र 39718.50
वर्ग फीट/फ्री होल्ड

जी० कृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना।

तारीख : 7-11-1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर

दिनांक 22 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० जे० 3/73 (9)/32/40—यतः, मुझे, बी० पी० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 18 बी है, जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, मई 8 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अधिकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री पुरषोत्तम दास पुत्र लाला किशन चन्द (अन्तरक)
- (2) मैसर्स अग्रवाल टैक्सटाइल इन्डस्ट्रीज शोटबाड़ा द्वारा श्रीमति स्वराना रानी (अन्तरिती)
- (3) मैसर्स अग्रवाल टैक्सटाइल इन्डस्ट्रीज शोटबाड़ा (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 18-बी का भाग जो शिवमार्ग, टीडरमल सर्किल, चौकड़ी हवाली शहर, जयपुर में स्थित है। बेची हुई सम्पत्ति का क्षेत्रफल 545 वर्गगज। निर्मित क्षेत्र 123 वर्गगज खुला क्षेत्र 422 वर्गगज।

बी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 22-10-1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर

दिनांक 22 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० जे०-3/73 (9)/14/34—यतः, मुझे, बी० पी० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संप्लाट नं० 18 बी० है, जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, मई 2 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पुरषोत्तमदास पुत्र सेठ किशनचन्द जी अग्रवाल (अन्तरक)

(2) मैसर्स अग्रवाल टेक्सटाइल इन्स्ट्रीज, सोटवाड़ा द्वारा (अन्तरिती)

(3) श्रीमति स्वराजराणी पत्नी पुरषोत्तम दास मैसर्स अग्रवाल इन्डस्ट्रीज (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 18-बी, चौकड़ी हवाली शहर, शिवमार्ग, बनीपार्क, जयपुर का भाग बेजी हुई सम्पत्ति का कुल क्षेत्रफल 225 वर्गगज। कवर्ड ऐरिया 72 वर्गगज तथा खुला ऐरिया 153 वर्गगज।

बी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जयपुर

तारीख: 22-10-1973

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 22 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० जे०-3/73(9) 9/33/-यतः, मुझे बी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 18-बी० है, जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन 1973, मई 2 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं :—

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पुरषोत्तम दास पुत्र लाला किशन चन्द जी अग्रवाल (अन्तरक)

(2) मैसर्स अग्रवाल टैक्सटाइल इन्डस्ट्रीज प्रॉटवाड़ा बजरिए प्रमोद कुमार (अन्तरिती)

(3) मैसर्स अग्रवाल टैक्सटाइल इन्डस्ट्रीज, प्रॉटवाड़ा (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 18 बी० का भाग जो शिवमार्ग, टोडरमल सकिल, चौकड़ी हवाली शहर, जयपुर में स्थित है बेची हुई सम्पत्ति का कुल क्षेत्र 285 वर्गगज। निर्मित ऐरिया 136.60 वर्गगज, खुला क्षेत्र 148.40 वर्गगज और दूसरी मंजिल का निर्मित क्षेत्र 36 वर्गगज।

बी पी० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 22-10-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/पानीपत/ए० पी०-319/73-74/2012-यतः, मुझे आर० एस० साहनी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संभूमि 2 बीघा 10 बिस्वा जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 347 मई 1973 में लिखा है, जो तरफ इन्सार, पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण में रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे ये विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री सतीश चन्द्रा सुपुत्र लाला लशकारी मल मार्फत मेसर्स लशकारी मल सतीश चन्द्र, पानीपत।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री हरिन्द्र नाथ सुपुत्र पं० राम किशन

(2) श्री त्रिलोक चन्द सुपुत्र श्री महिन्द्र नाथ

(3) श्रीमती सरस्वती देवी पत्नी श्री महिन्द्र नाथ

(4) श्रीमती पद्मा देवी पत्नी श्री राम किशन मार्फत अगरी कडिंग वर्क्स, जी० टी० रोड नजदीक पानीपत फिलिंग स्टेशन, पानीपत।

(अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) है अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 2 बीघा 10 बिस्वा पानीपत में जैसा की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 347, मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पानीपत में लिखा है।

आर० एस० साहनी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर,
दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जगा० जए० एपी०-318/73-74/
2011—यतः, मुझे आर० एस० साहनी आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा-269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का
प्लॉट 20157 3/4 वर्ग गज जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
406 मई 1973 में लिखा है, जो जगाधरी में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई
1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती शीला रानी जैन पत्नी नेम चन्द जैन
वासी जगाधरी।

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक जैन सुपुत्र दर्शन लाल जैन वासी जगाधरी
(अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा की नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
उम्पति है)

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में
रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हतबद्ध)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्यव्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी
जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट 20157 3/4 वर्ग गज, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 406 मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जगाधरी में लिखा है।

आर० एस० साहनी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 9-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, का कार्यालय
अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जुलाई/73-74/ए० पी०-317/2010—यतः, मुझे आर० एस० साहनी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० दुकान नं० 3, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1036 मई 1973 में लिखा है जो माडल टाऊन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स नीलम फाईनैन्स एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी लिमिटेड मजदीक इनलप कम्पनी, एन० जी० रोड, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलदीप सिंह सपुत श्री हरभजन सिंह सपुत माली राम गांव काला सिंह तहसील कपूरथला।

(अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा की नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 3 जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1036 मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० एस० साहनी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख 9-11-73

मोहर :

प्ररूप, आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज अमृतसर।

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर, 1973

निदेश सं० ए० एस०आर०/पानीपत/ए०पी०-316/73-74/2009—यतः, मुझे, आर० एम० साहनी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 4 कनाल 2 मरले जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 424 मई, 1973 में लिखा है है, जो पती अफगान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में भारतीय रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।
23-316 GI/73

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हकूमत राय वासी पानीपत (अन्तरक)
2. मैसर्स रायल टैक्सटाइल मिल्स, जी०टी० रोड, पानीपत द्वारा (1) श्री रणबीर सुपुत्र श्री हकूमत राय (2) श्रीमती शान्ति देवी पत्नी श्री हकूमत राय (3) तेजा सिंह सुपुत्र श्री राम सहाय (4) श्री जे० डी० प्रार्थी सुपुत्र श्री राम लाल प्रार्थी, पार्टनर्स। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नम्बर 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 4 कनाल 2 मरले जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 424 मई, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पानीपत में लिखा है।

आर० एस० साहनी,

सक्षम प्राधिकारी,

[सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर)।

तारीख : 9-11-1973

मोहर :

प्ररूप, आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए०एस०आर०/पानीपत/ए०पी०-315/73-74/
2008—यतः, मुझे, आर० एस० साहनी आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधि-
कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि 81 कनाल 10 मरले जैसा कि रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 352 मई 1973 में लिखा है। जो गांव पथरी,
पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्री चन्दर सिंह सुपुत्र झण्डा सुपुत्र मुघला वासीगांव
पथरी। (अन्तरक)

2. श्री हरी चन्द गंगा बिशन, सीता राम, काली राम
सुपुत्रान सीसू सूरत सिंह, सूरज भान सुपुत्र रतिराम तथा परस
राम, पानीपत। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में
सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 81 कनाल 10 मरले गांव पथरी पानीपत, जैसा
कि रजिस्ट्रीकृत विलेख में नं० 352 मई, 1973 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी पानीपत में लिखा है।

आर० एस० साहनी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 9-11-73
मोहर :

अर्जन रेंज, अमृतसर।

प्ररूप, आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 7 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जुल०/ए० पी०-314/73-74/2007-यतः, मुझे, आर० एस० साहनी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या भूमि 5 कनाल जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1533 मई 1973 में लिखा है जो गांव लिङ्गरा तहसील जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मिलिकयत सिंह सुपुत्र श्री साधु सिंह गांव लिङ्गरा तहसील जालन्धर। (अन्तरक)

(2) एन० एम० जय आयरन एण्ड स्टील मिलज सुरानसी तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधीहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5 कनाल का प्लॉट गांव लिङ्गरा तहसील जालन्धर में जैसा कि विलेख नं० 1533 मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० एस० साहनी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 9 नवम्बर, 1973

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर
का कार्यालय

अमृतसर दिनांक 9 नवम्बर, 1973

सं० ए० एस० आर०/जुलाई/ए०पी०-317/73-74/2006-
यतः, मुझे आर० एस० साहनी आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० दुकानें नं० 21, 22, 23 तथा 24 लक्ष्मी
मार्केट जालन्धर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख 1037 मई 1973
को सं० र० जालन्धर में लिखा है, जो लक्ष्मी मार्केट जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन मई, 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की द्रावत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) ओन यूअर हाऊस
(प्रा०) लिमिटेड द्वारा श्री सुशील

कुमार पार्टनर

मैसर्स अन्सील एण्ड सहगल प्रापर्टीज एण्ड
एसोसियेटेस, जालन्धर। (अन्तरक)

- (2) श्री सोहन लाल भगत राम,
नेहरू गार्डन रोड,
जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

दुकानें नं० 21, 22, 23 तथा 24 लक्ष्मी मार्केट जालन्धर
में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1037 मई 1973 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के कार्यालय में लिखा है।

आर० एस० साहनी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख 9-11-1973
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1973

सं० ए० एस० आर०/जुलाई/ए०पी०-312/73-74/2005, — यतः मुझे आर० एस० साहनी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० कोठी न० 649 का 1/3 भाग, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1973 को सं० र० जालंधर में लिखा है, जो कि माडल टाउन, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन बई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति जिसका कि उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये हैं।

अतः अब, धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) डा० जसवंत सिंह सुपुत्र श्री लहना सिंह जालंधर।
(अन्तरक)

(2) श्री अमरजीत सिंह सुपुत्र श्री हकीम सिंह, जालंधर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जनता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी न० 649 का 1/3 भाग माडल टाउन जालंधर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 914 मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

आर० एस० साहनी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर
का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जुलाई/ए०पी०-311/73-74/
2004—यतः, मुझे, आर० एस० साहनी, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति नं० 649 का 1/3 भाग माडल
टाऊन, जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 877 मई
1973 को सं० २० जालन्धर में लिखा है। जो माडल टाऊन,
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का का 16 के अधीन मई 1973 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया। ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये
हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) डा० जसवंत सिंह सुपुत्र श्री लहना सिंह, जालन्धर।
(अन्तरक)

(2) श्री हकीम सिंह सपुत्र श्री जय सिंह, जालन्धर।
(अन्तरिति)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अभिधोग म
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिति को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 649 का 1/3 भाग माडल टाऊन, जालन्धर
में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 877, मई 1973 की
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० एस० साहनी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर,

तारीख : 9-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज.
अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर० जुलाई/बी० पी०-310/73-74/
2003—यतः, मुझे, आर० एस० साहनी आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० कोटी नं० 649 का 1/3 भाग माडल टाऊन
जालन्धर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1015, मई 1973
सं० जालन्धर में लिखा है। जो माडल टाऊन, जालन्धर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये
था, छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये
हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) डा० जसवन्त सिंह सुपुत्र लहना सिंह, जालन्धर।
(अन्तरक)

(2) श्री गुरमिन्द्र सिंह सपुत्र श्री हकीम सिंह, जालन्धर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोटी नं० 649 का 1/3 भाग माडल टाऊन जालन्धर,
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1015, मई 1973 को सब
रजिस्ट्रार जालन्धर में लिखा है।

आर० एस० साहनी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर)

तारीख : 9-11-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जुलाई/ए० पी०-309/
73-74/2002—यतः, मुझे, आर० एस० साहनी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
1136 मई 1973 को लिखा है, जो सिविल लाइन,
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध, अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) अधीन 1973, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

(1) श्रीमती दलीप कौर पत्नी श्री 'शाम सिंह सामने
भक्त हाल, जालन्धर। (अन्तरक)

(2) श्री जगतार सिंह, जगदेव सिंह सुपुत्र श्री शाम
सिंह चीमा सामने देश भक्त हाल, जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1136 मई
1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० एस० साहनी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-11-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर
दिनांक 9-11-73

निर्देश सं० ए० एस० आर०/वी० टी० एल०
ए० पी०-308/73-74/2001—यतः मुझे आर०
एस० साहनी आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269—घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० धरती 133 कनाल जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 743 मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता बटाला में लिखा है, जो गांव
खुजराला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये
हैं।

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के आधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री बुद्ध सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह गांव खुजराला
तहसील बटाला (अन्तरक)

24--316GI/73

2. श्री लक्खा सिंह, अर्जैव सिंह, बचन सिंह और हरदीप सिंह
पुत्र श्री महा सिंह, खुजराला तहसील बटाला (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापारिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती 133 कनाल, गांव खुजराला में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 743 मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला
में लिखा है।

आर० एस० साहनी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख 9-11-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज

अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एम० आर०/बी०टी०एल०/ए०पी०-307/73-74/2000—यतः मुझे आर० एस० साहनी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती 41 कनाल जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 489, मई 1973 रजिस्ट्रीकर्ता बटाला में लिखा है, जो गांव कोठी मलवे, बटाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1973 को पूर्वाञ्चित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वाञ्चित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाञ्चित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री मूल सिंह, उमरपुर, बटाला। (अन्तरक)

2. श्री रणवीर सिंह पुत्र डाक्टर बिरसा सिंह, बटाला (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाञ्चित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाञ्चित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, 41 कनाल जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 489, मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बटाला में लिखा है।

आर० एस० साहनी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 9 नवम्बर 1973
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० अमु०/बटा०/ए०पी०-306/73-74/1999—
यतः, मुझे, आर० एस० साहनी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती, 52 कनाल 9 मरला दालो चक में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 409, मई 1973 रजिस्ट्रीकर्ता बटाला में लिखा है, जो दालो चक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारंवारिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. श्री वीर सिंह पुत्र श्री नाथू, गांव दालो चक (अन्तरक)

2. सर्वश्री दलवीर सिंह, तरवीर सिंह, हरदेव सिंह पुत्र बाल सिंह, दालो चक। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, 52 कनाल 9 मरला, गांव चक में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 409, मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में लिखा है।

आर० एस० साहनी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 9 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज,

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए०एस०आर०/अम्बाला/ए० पी०-305/73-74/
1998—यतः, मुझे आर० एस० साहनी, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक
है और जिसकी सं० धरती 9 बीघा 6 बिसवा, जैसा कि रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 617, मई 1973 रजिस्ट्रीकर्ता अम्बाला
में लिखा है, जो गांव सुल्तानपुर तहसील और जिला अम्बाला
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक, मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भगवान सिंह पुत्र श्री सुजान सिंह,
नानक जन्म पुत्र भगवान सिंह,

नंद लाल पुत्र देवी दयाल,
माहला राम पुत्र श्री गंडा राम,
रामजी दास पुत्र मोहल्ला राम।
वासी ककूर, तहसील अम्बाला। (अन्तरक)

2. अशोक कुमार पुत्र श्री मोहन लाल, वासी अम्बाला
शहर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-
द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए, तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, 9 बीघा 6 बिसवा, गांव सुल्तानपुर में तहसील
और जिला अम्बाला जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 617
मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अम्बाला में लिखा
है।

आर० एस० साहनी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 9 नवम्बर 1973।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/ए०पी०-304/73-74/1997—
यतः मुझे, आर० एस० साहनी, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० धरती, 25 कनाल 11 मरला, जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1178, मई 1973 को लिखा है,
जो गांव खान कोट में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उभमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री भगवान सिंह पुत्र श्री अजीत सिंह, वासी कटडा
शेर सिंह, अमृतसर (अन्तरक)

2 श्री अमरीक सिंह और श्री गुरनाम सिंह पुत्र श्री
दर्शन सिंह वासी सुल्तानाबड, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भाग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिम्मे ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क
में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

धरती, 25 कनाल 11 मरले खान काट में, जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1178, मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

आर० एस० साहनी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 9 नवम्बर 1973।
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० अमृ० बटा०/ए० पी०-303/73-74/1996—

यतः मुझे, आर० एस० साहनी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 2 बुकानां $15 \times 50 - 1/3 \times 15 \times 55 - 1/3$ पश्चिम बटाला, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 561, मई 1973 को लिखा है, जो पश्चिम बटाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ब्यास देव पुत्र मुख राज, बटाला (अन्तरक)

2. श्री जवाहर लाल पुत्र श्री रिखी राम, बटाला।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 बुकानां पश्चिम बटाला में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 561, मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में लिखा है।

आर० एस० साहनी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 9 नवम्बर 1973।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० अम०/बटा०/ए० पी० 302/73-74/1995—
यतः मुझे, आर० एस० साहनी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दो दुकानों पश्चिम बटाला, जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 562, मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता बटाला में लिखा है, जो पश्चिम बटाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री व्यास देव पुत्र श्री मुख राज, बटाला (अन्तरक)

2. श्री मनोहर लाल पुत्र रिखी राम, बटाला
(अन्तरिती)3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो दुकानों पश्चिम बटाला, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 562, मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बटाला में लिखा है।

आर० एस० साहनी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 9 नवम्बर 1973

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1974

निर्देश सं० अमृ०/अम्बाला/ए० पी०-301/73-74/1994—
यतः मुझे आर० एस० साहनी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या भूमि 49 कनाल, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 682, मई 1973 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अम्बाला में लिखा है, जो गांव मोहरा तहसील अम्बाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में भारतीय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जित के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री दयाल सिंह सुपुल श्री चन्दन सिंह,
वासी गांव मोहरा तहसील अम्बाला। (अन्तरक)

2. श्रीमती कांसी कमल सोढ़ी सुपुत्री गुरवकश सिंह,
बंगला नं० 147, अम्बाला छावनी। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 49 कनाल, गांव मोहरा तहसील अम्बाला, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 682 मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अम्बाला में लिखा है।

आर० एस० साहनी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-11-73

मोहर :

(जो लागू न हों उसे काट दीजिए)

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/अम्बाला/ए०पी०-300/73-74/1993-यतः मुझे, आर० एस० साहनी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 17650 वर्ग फुट तथा इस पर 2 गोदाम जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 405, मई 1973 को सं० र० अम्बाला में लिखा है, जो गाँव बबियाल तहसील अम्बाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

25-316GI/73

1. श्री ओम प्रकाश सपुत्र श्री ठाकर दास, अम्बाला छावनी। (अन्तरक)

2. मैसर्स लैबोरेटरी इक्विपमेंट ट्रेडर्स, अम्बाला छावनी। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अभिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेप यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 17650 वर्ग फुट, गाँव बबियाल तहसील अम्बाला में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 405, मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अम्बाला में लिखा है।

आर० एस० साहनी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक 9 नवम्बर 1973।

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० अम०/अम्बाला/ए० पी०-299/73-74/1992--

यतः मुझे, आर० एस० साहनी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 8 कनाल, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 536, मई 1973 को सं० र० अम्बाला में लिखा है, जो नंगल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री देवी चन्द सुपुत्र श्री दया राम, वासी नंगल तहसील तथा जिला अम्बाला । (अन्तरक)
2. श्री सतीश चन्द सुपुत्र बलराज जगदीश चन्द सुपुत्र श्री राम लाल,

श्री साई दास सुपुत्र निहाल चन्द,
श्री शाम गुन्दर सुपुत्र राम चन्द,
श्री विनय भाटिया सुपुत्र राम रंग,
श्री रविन्द्र कुमार सुपुत्र राम सरूप,
वासी अम्बाला छावनी ।
श्रीमती देवकी राणी पत्नी श्री खुशी राम अम्बाला छावनी ।

श्रीमती पुष्पा रानी पत्नी श्री बाल कृष्ण, चण्डीगढ़ ।
श्री मुख्तार राज सुपुत्र गोपाल दास, वासी देहली ।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है । (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है) ।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

8 कनाल भूमि, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 536 मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अम्बाला के कार्यालय में लिखा है ।

आर० एस० साहनी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 9 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269
घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० अमु०/ए० पी०-298/73-74/1991—

यतः मुझे, आर०एस०साहनी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 52 कनाल 19 मरले गाँव कम्बो तहसील अमृतसर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 357 मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है, जो गाँव कम्बो तहसील व जिला अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम सिंह उप्पल सुपुत्र श्री नारायण सिंह उप्पल लारेंस रोड, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री जसजीत सिंह सुपुत्र राम सिंह, लारेंस रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में प्रत्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

52 कनाल 19 मरले भूमि गाँव कम्बो तहसील अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 357, मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में लिखा है।

आर० एस० साहनी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक 9 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० अम०/ए० पी०-297/73-73/1990—यतः मुझे, आर० एस० साहनी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बिल्डिंग, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 599, मई 1973 में लिखा है, जो ढाब खटीकाँ, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरिन्द्र नाथ सुपुत्र श्री नानक चन्द, श्रीमती वृज कुमारी, चंचल कुमारी सुपुत्री श्री नानक चन्द, ढाब खटीकाँ, अमृतसर । (अन्तरक)

2. श्री अमीर चन्द सुपुत्र श्री अरोड़ी मल, कटड़ा खजाना, अमृतसर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

बिल्डिंग, ढाब खटीकाँ अमृतसर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 599, मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है ।

आर० एस० साहनी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

दिनांक : 9 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एम०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० अमृ०/ए० पी०-295/73-74/1988-यतः मुझे आर० एस० साहनी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1962-1/2 वर्ग गज का 1/3 भाग तथा तीन शैड, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 689/1 मई 1973 को सं० 20 अमृतसर में लिखा है, जो बाहर चाटीविड गेट, तरनतारन रोड़, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सतवंत कौर पत्नी श्री करतार सिंह, गांव मजीठा, जिला अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री कंवलजीत सिंह सपुत्र श्री कल्याण सिंह, चौक बाबा भौड़ी वाला, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1962-1/2 वर्ग गज का 1/3 भाग तथा तीन शैड, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 689/1 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

आर० एस० साहनी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 9 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

तारीख 6 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II 73-74/5225—
यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस-183 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग, के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की

उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०, 40, एफ, कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. रवि सुद पुत्र श्री आशा नन्द, एस-37, ग्रेटर कैलाश I, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका नं० 300 क्षेत्रफल एस-183 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, के गांव बहारपुर, दिल्ली में स्थित है।

सी० बी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 6, नवम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० अम०/ए० पी०-294/73-74/1987—यतः मुझे आर० एस० साहनी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1962-1/2 वर्ग गज का 1/3 भाग तथा तीन शौड, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 688/1 मई 1973 को सं० र० अमृतसर में लिखा है, जो बाहर चाटीविड गेट, तरनतारन रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कुलवन्त कौर पत्नी श्री मोहन सिंह, गांव मजीठा, जिला अमृतसर । (अन्तरक)

2. श्री सरबजीत सिंह सपुत्र श्री कल्याण सिंह, चौक बाबा भौड़ी वाला, अमृतसर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है ।)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1962-1/2 वर्ग गज का 1/3 भाग तथा तीन शौड, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 688/1 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में लिखा है ।

आर० एस० साहनी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

दिनांक : 9 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा-
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० अम०/ए० पी०-293/73-73/1986—यतः मुझे, आर० एस० साहनी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 434, मई 1973 में लिखा है, जो चील मण्डी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री सुन्दर सिंह सपुत्र एस० बी० राम सिंह, चील मण्डी, अमृतसर । (अन्तरक)
2. मंसर्ज आकाश फाइनैन्सर्ज प्राइवेट लिमिटेड, चील मण्डी, अमृतसर । (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 434, मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में लिखा है ।

आर० एस० साहनी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

दिनांक : 9 नवम्बर 1973

मोहर :

मध्य रेल**महाप्रबंधक कार्यालय**

बम्बई वी० टी०, दिनांक 8 अक्टूबर 1973

शुद्धि पत्र

सं० एच०पी०बी०/220/जी०/दो/एल०—कृपया इस रेल की अधिसूचना क्रमांक एच०पी०बी०/220/जी०/दो/एल० दिनांक 3-7-72 में प्रकाशित श्री एस० सी० चटर्जी, सहायक विद्युत् इंजीनियर (श्रेणी-II) के स्थायीकरण के संबंध में दिनांक 11-9-1969 के स्थान पर दिनांक 19-8-1970 पढ़ा जाय।

के० एन० माथुर
कृते महाप्रबंधक (कार्मिक)

बम्बई वी०टी०, दिनांक 9 अक्टूबर 1973

सं० एच० पी० बी०/220/जी०/दो/एल०—निम्नलिखित स्थानापन्न सहायक विद्युत् इंजीनियरों (श्रेणी-II) को उसी पद पर उनके नाम के सामने लिखी तारीख से स्थायी किया गया है :—

क्रमांक	नाम	श्रेणी II में स्थायीकरण की तिथि
1.	श्री एस० डी० खैर	19-8-1970
2.	श्री पी० एस० कोडा	19-8-1970
3.	श्री पी० जे० अंधोनी	19-8-1970
4.	श्री एस० घोशाल	28-12-1971
5.	श्री एस० श्रीनिवास गोपालन	2-8-1972
		जी० पी० वारियर महाप्रबंधक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे**महाप्रबंधक का कार्यालय****(कार्मिक शाखा)**

पाण्डू, दिनांक 21 सितम्बर 1973

सं० ई०/55/III/91/पी० III (ओं)—श्री एस० के० सेन को जो प्रवर राजस्व सिब्बंदी के यादायात (परिवहन) और वाणिज्य विभाग में परिवीक्षाधीन सहायक अधिकारी के रूप में नियुक्त किये गये थे, दिनांक 1-4-72 से अवर वेतनमान में स्थायी किया जाता है।

एन० एन० टंडन
महाप्रबंधक

पाण्डू, दिनांक 29 सितम्बर 1973

सं० ई०/55/III/94/पीटी-II(O)—श्री ए० टी० मैत्र को दिनांक 31-1-72 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक इंजीनियर के पद पर स्थायी किया जाता है।

एम० आर० रेड्डी
महाप्रबंधक

दक्षिण मध्य रेलवे**महाप्रबंधक का कार्यालय****(कार्मिक शाखा)**

सिकन्दराबाद, दिनांक 1 अक्टूबर 1973

सं० पी० 185/गजेट/टी०सी०-भाग -II—श्री जे० एस० दत्त को, जो परिवहन (यातायात) और वाणिज्य विभाग के स्थानापन्न वरिष्ठ वेतनमान अधिकारी हैं, उसी विभाग में श्रेणी-II सेवा में 22-4-73 से अनन्तिम रूप से स्थायी किया जाता है।

पी० एन० कौल
महाप्रबंधक

रेल मिलयम

सिकन्दराबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1973

सं० पी०/गजेट/185/इंजीनियरी—सिविल इंजीनियरी विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को, उनके सामने दी गई तारीख से, उसी विभाग की श्रेणी-II में सहायक इंजीनियरी के रूप में, स्थायी किया जाता है।

क्रमांक	अधिकारी का नाम	स्थायी करने की तारीख
सर्वश्री		
1.	आर० एच० पोशान	2-10-66
2.	एम० शंकरय्या	2-10-66
3.	बी० भूपति	2-10-66
4.	एन० सूर्यनारायण	18-11-70

पी० एन० कौल
महाप्रबंधक

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और देवसोले फेटिलेजर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 9 अक्टूबर 1973

सं० 607/560/73—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि देवसोले फेटिलेजर प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नीला कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 9 अक्टूबर 1973

सं० डी० एन०/4211/73—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी

जाती है कि नीला कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

य० सत्यनारायण
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मद्रास एक्सपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 10 अक्तूबर 1973

सं० 1526/560/73—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मद्रास एक्सपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और असोसिएटेड इन्वेस्टर्स लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 11 अक्तूबर 1973

सं० 83/560/73—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एसोसिएटेड इन्वेस्टर्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और स्वतन्त्र सहायम (नीडामंगलम) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 17 अक्तूबर 1973

सं० 2612/560/73—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर स्वतन्त्र सहायम (नीडामंगलम) प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

य० सत्यनारायण
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री कला निधि लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 27 सितम्बर 1973

सं० डी० एन०/5204/73—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री कला निधि लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और होटल अलका प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 10 अक्तूबर 1973

सं० 5(831) 72-73/4526—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर होटल अलका प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बिहार इंजीनियर्स एण्ड कंसल्टन्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 11 अक्तूबर 1973

सं० (518) 73-74—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बिहार इंजीनियर्स एण्ड कंसल्टन्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

स० प्र० तायल
कम्पनी निबंधक,
बिहार (पटना)

कम्पनी अधिनियम, 1956 आफ मेसर्स गरहवाल रोसिन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 15 अक्तूबर 1973

सं० 2771-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मेसर्स गरहवाल रोसिन प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

एस० सी० बासू
रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और स्टेरलींग मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 16 अक्तूबर 1973

सं० 560/988—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स स्टेरलींग मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

जे० गो० गाथा
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, गुजरात

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं एयूराके बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 19 अक्तूबर 1973

सं० 14954/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एयूराके बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं नटराज कंस्ट्रक्शन कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

सं० 14966/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नटराज कंस्ट्रक्शन कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं स्टाईलिश स्ट्रक्चर प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

सं० 14967/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि स्टाईलिश स्ट्रक्चर प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं क्वालिटी कंस्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

सं० 14965/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि क्वालिटी कंस्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं कोमनवेल्थ कंस्ट्रक्शन कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

सं० 14953/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कोमनवेल्थ कंस्ट्रक्शन कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एवरग्रीन प्लास्टिक प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

दिनांक 18 अक्तूबर 1973

सं० 15238/एल० आई० ब्यू—सिविल सं० 77 में महाराष्ट्र में स्थित उच्च न्यायालय के अधीन 26-10-72 के आदेश द्वारा एवरग्रीन प्लास्टिक प्राईवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है ।

एस० नारायणन
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पौदार गैट्स रबड़ इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के विषय में ।

जयपुर दिनांक 20 अक्तूबर 1973

सं० सांख्यिक/1179—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पौदार गैट्स रबड़ इण्डस्ट्रीज लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

राम दयाल कुरील
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जानकीदास प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

दिनांक 16 अक्तूबर 1973

सं० जी०/स्टेट०/ 560/1611—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जानकीदास प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
प०, हि० व चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और "राष्ट्रविक ऐजेंट्स एण्ड फ़ैनान्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

पांडिचेरी, दिनांक 20 सितम्बर 1973

सं० 105/73—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि राष्ट्रविक ऐजेंट्स एण्ड फ़ैनान्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से हटा दिया गया है और उक्त कम्पनी भंग हो गयी है ।

कम्पनी अधिनियम, 1913 और अमरा पिकचरस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

पांडिचेरी दिनांक 20 सितम्बर 1973

सं० 39/247(3)—कम्पनी अधिनियम, 1913 की धारा 247 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर अमरा पिकचरस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी ।

सीताराम
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
पांडिचेरी

संघ लोक सेवा आयोग

शुद्धि-पत्र

अनुभाग अधिकारी ग्रेड (रेल बोर्ड) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1974

नई दिल्ली, दिनांक 10 नवम्बर, 1973

सं० एफ० 18/1/73-ई-1 (बी०)—भारत के राजपत्र दिनांक 21 जुलाई, 1973 में प्रकाशित अनुभाग अधिकारी ग्रेड (रेल बोर्ड) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1974 से संबद्ध संघ लोक सेवा आयोग के नोटिस सं० एफ० 18/1/73-ई०-1 (बी०) दिनांक 21 जुलाई, 1973 में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे:—

(i) पृष्ठ 1825 के कालम 1 के पैरा 3 की चौथी तथा पांचवीं लाइन में '24 मार्च, 1972' के स्थान पर '25 मार्च, 1971' पढ़ा जाए।

(ii) पृष्ठ 1828 के कालम 1 के पैरा (v) की पहली लाइन में —'(v)' के स्थान पर '(v)' (i) पढ़ा जाए।

ह० अपठनीय

अवर सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

संघ लोक सेवा आयोग

विज्ञापन सं० 45

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। उम्मीदवारों की आयु 1-1-1973 को निर्धारित आयु सीमाओं के अंतर्गत होनी चाहिए, किन्तु सरकारी कर्मचारियों को, उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसा छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है। ऊपरी आयु-सीमा में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आए विस्थापित लोगों तथा बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा कीनिया, उगांडा और संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ्रीका देशों से प्रव्रजन कर आए लोगों के कुछ वर्गों को 45 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़कर अन्य लोगों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छूट किसी भी स्थिति में 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अन्य दृष्टियों से सुयोग्य उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे तो, योग्यताओं में छूट प्रदान कर सकता है। केवल उन पदों को छोड़ कर जिनके संबंध में ऐसा वेतन न देने का उल्लेख किया गया हो, विशेषतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारंभिक वेतन दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्र और विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपत्र के लिए अनुरोध करते समय पद का नाम, विज्ञापन संख्या एवं मद-संख्या अवश्य लिखें और साथ ही प्रत्येक पद के लिए कम से कम 23×10 सें० मी० आकार का अपना पता लिखा हुआ टिकट रहित लिफाफा भेजना चाहिए। लिफाफे पर उस पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-प्रपत्र मांगा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उसके बाद किन्तु 25-3-1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रव्रजन कर आए वस्तुतः विस्थापित तथा 1 जून, 1963 और 1 नवम्बर, 1964

को या उसके बाद क्रमशः बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों का शुल्क माफ़ कर सकता है जो यथार्थतः निर्धन हों। प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन-पत्र भेजना चाहिए। विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों आवेदन-प्रपत्र न मिलने पर सादे कागज पर आवेदन कर सकते हैं और स्थानीय भारतीय दूतावास में शुल्क जमा कर सकते हैं। अपेक्षित होने पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। रु० 8.00 (अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिए रु० (2.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर सहित, आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अन्तिम तिथि 10 दिसम्बर, 1973 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार, द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले आवेदकों के लिए 24 दिसम्बर, 1973) है। खजाना रसीदों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रम संख्या 15 और 16 के पद स्थायी हैं। क्रम-संख्या 1, 5, 12, और 18 के पद स्थायी हैं किन्तु उन पर नियुक्ति अस्थायी आधार पर की जाएगी। क्रम-संख्या 9 का पद अस्थायी है किन्तु उसके अनिश्चित काल तक चलते रहने और अन्ततः स्थायी हो जाने की संभावना है। क्रम-संख्या 2, 3, 8, 13, 14, और 17 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके अनिश्चित काल तक चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 10 का पद अस्थायी है किन्तु उसके वर्ष प्रति वर्ष आधार पर अनिश्चित काल तक चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 4, 7, 11 और 19 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 6 के पद अस्थायी हैं।

क्रम-संख्या 5 और 17 में से प्रत्येक का एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। क्रम-संख्या 12 का पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है किन्तु यदि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों का उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलता तो उसे अनारक्षित समझा जाएगा। क्रम-संख्या 4 का पद और क्रम-संख्या 6 तथा 19 में से प्रत्येक का एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उनके लिए केवल वे ही आवेदन करें। क्रम-संख्या 11 का पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उसके लिए केवल वे ही आवेदन करें।

क्रम-संख्या 17 का एक पद उन आपातकालीन आयुक्त/अल्पकालीन आयुक्त अधिकारियों के लिए आरक्षित है जिन्हें 1-11-1962 को या उसके बाद किन्तु 10-1-1968 से पूर्व सशस्त्र सेनाओं में कमीशन प्राप्त था या जो प्रवर्ती तारीख से पहले किसी कमीशन पूर्व प्रशिक्षण से सम्मिलित हो गए थे किन्तु जिन्हें उस तारीख के बाद कमीशन प्राप्त हुआ था और जो निर्मुक्त हों/सैन्य सेवा के कारण हुई विकलांगता के फलस्वरूप अपांग हों/निर्मुक्त होने वाले हों।

1. एक न्यायाभिकर्ता (SOLICITOR), विधि कार्य विभाग विधि, ग्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय। वेतन :—रु० 2000/- प्रतिमास। आयु :—40 वर्ष से कम न हो। योग्यताएं : अनिवार्य :—बम्बई या कलकत्ता उच्च न्यायालय का न्यायवादी जिसने उक्त हैसियत से लगभग 12 वर्ष तक प्रैक्टिस की हो अथवा कलकत्ता उच्च न्यायालय (मूल पक्ष) नियमावली, 1914 के अध्याय 1 के नियम 1 के परन्तुक के अन्तर्गत परिगण्य अधिवक्ता जिसने उक्त हैसियत से लगभग 12 वर्ष तक प्रैक्टिस की हो।

2. दो प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, वैमानिकी निदेशालय, अनुसंधान तथा विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 1100-50-1200-100-1500। आयु :— वरीयत : 45 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :— वर्ग-I तथा II के लिए (i) यांत्रिक/वैमानिक इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। वर्ग-I, (एक पब) के लिए (ii) प्रणोदन से संबद्ध वैमानिक अनुसंधान तथा विकास का लगभग 6 वर्ष का अनुभव जिसमें से कम से कम 3 वर्ष का अनुभव किसी दायित्वपूर्ण निदेशक तथा प्रशासन की हैसियत से अवश्य हो। वर्ग-II (एक पब) के लिए (ii) विमान संरचना से संबंध अनुसंधान तथा विकास का लगभग 6 वर्ष का अनुभव जिसमें से कम से कम 3 वर्ष का अनुभव किसी दायित्वपूर्ण निदेशक तथा प्रशासक की हैसियत से अवश्य हो।

3. यांत्रिक इंजीनियरी का एक आचार्य, सैनिक इंजीनियरी कालेज, पूना, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 1100-50-1300-60-1600। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी में प्रथम श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता अथवा यांत्रिक इंजीनियरी में स्नातकोत्तर डिग्री योग्यता या समकक्ष योग्यता। (ii) यांत्रिक इंजीनियरी में लगभग 10 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव जिसमें कम से कम 2 वर्ष का अध्यापन का अनुभव सम्मिलित हो।

4. एक उप निवेशक (उत्पादन एवं विकास), वस्त्र आयुवत का कार्यालय, बम्बई, वाणिज्य मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वस्त्र उत्पादन/वस्त्र प्रौद्योगिकी/वस्त्र इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) बड़ी टैक्सटाइल मिलों में कार्य करने तथा उनके प्रबन्ध का लगभग 7 वर्ष का अनुभव जिसमें से 3 वर्ष का अनुभव कताई एवं बुनाई विभाग में हो। अथवा (क) टैक्सटाइल उद्योग के कताई एवं बुनाई विभाग में लगभग 3 वर्ष का अनुभव तथा (ख) केन्द्रीय/राज्य सरकार में या अर्द्ध सरकारी संगठन में टैक्सटाइल उद्योग के विकास से संबद्ध कार्य का लगभग 4 वर्ष का अनुभव, अथवा मान्यताप्राप्त प्राविधिक संस्थानों (वस्त्र प्रौद्योगिकी से संबद्ध किसी विश्वविद्यालय के अधीन) में लगभग 4 वर्ष का अनुभव।

5. दो सहायक निवेशक (कर्मचारी प्रशिक्षण), कारखाना परामर्श सेवा और श्रम संस्थान महानिदेशालय, बम्बई, श्रम और पुनर्वास मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक और/या वैद्युत इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता।

(ii) किसी विख्यात कर्मशाला या उद्योग में लगभग 5 वर्ष का अनुभव जिसमें से 2 वर्ष का अनुभव पर्यवेक्षकीय कर्मचारियों और अन्य स्तर के प्रबन्धक कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संगठन, आयोजन और संचालन का हो।

6. चार कार्यकारी इंजीनियर/निर्माण सर्वेक्षण (सिविल), दिल्ली प्रशासन, दिल्ली। वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरी में डिग्री

अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) केन्द्रीय/राज्य सरकार के किसी विभाग/उद्यम या किसी विख्यात इंजीनियरी फ़र्म में सहायक इंजीनियर या अन्य समतुल्य पदों पर लगभग 5 वर्ष का व्यावसायिक अनुभव।

7. एक वरिष्ठ प्राविधिक अधिकारी, दिल्ली नगर निगम। वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250। आयु-सीमा :—40 वर्ष। सरकारी कर्मचारियों और दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों को छूट दी जा सकती है। योग्यताएं : अनिवार्य :— किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता तथा साथ में किसी प्रतिष्ठित प्रयोगशाला में सीमेंट कंक्रीट/ब्रिटुमेनी प्रौद्योगिकी का लगभग 5 वर्ष का अनुभव अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी या रसायन विज्ञान के विषय के साथ डिग्री या समकक्ष योग्यता तथा साथ में किसी प्रतिष्ठित प्रयोगशाला में सीमेंट कंक्रीट/ब्रिटुमेनी प्रौद्योगिकी का लगभग 15 वर्ष का अनुभव।

8. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड I, रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-50-1250। आयु-सीमा :—वरीयत : 40 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वस्त्र प्रौद्योगिकी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) मानव निर्मित रेणों के प्रयोग से बनाई गई वस्त्र सामग्री के उत्पादन और/या प्रसाधन का लगभग 4 वर्ष का अनुभव।

9. एक सहायक पुलिस रेडियो अधिकारी (उप पुलिस अधीक्षक, संचार), दिल्ली प्रशासन। वेतन :—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से दूर-संचार इंजीनियरी में डिग्री या समकक्ष योग्यता अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से रेडियो संचार के विशेष विषय सहित वैद्युत इंजीनियर में डिग्री या समकक्ष योग्यता। अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वायरलेस के विशेष विषय सहित भौतिकी में “मास्टर” डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) किसी रेडियो दूर-संचार संगठन में किसी दायित्वपूर्ण पद पर लगभग 3 वर्ष का अनुभव।

10. एक सहायक इंजीनियर (इलैक्ट्रानिकी), समेकित मत्स्य परियोजना, एर्नाकुलम, कृषि मंत्रालय, कृषि विभाग। वेतन :—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :— (i) इलैक्ट्रानिकी/दूर संचार इंजीनियरी में डिग्री अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वायरलेस संचार तथा इलैक्ट्रानिकी में विशेषज्ञता के साथ वैद्युत इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) इलैक्ट्रानिक तथा रेडार उपकरणों के अनुरक्षण का दो वर्ष का अनुभव।

11. एक सहायक निवेशक ग्रेड-I (उत्पादन एवं विकास), वस्त्र आयुवत का कार्यालय, बम्बई वाणिज्य मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वस्त्र प्रौद्योगिकी, वस्त्र उत्पादन/ वस्त्र

इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) टेक्सटाइल मिलों के प्रबन्ध एवं संचालन से संबद्ध कार्य का लगभग 3 वर्ष का अनुभव जिसमें से 1 वर्ष का अनुभव कतार्ई एवं बुनार्ई विभाग का हो अथवा किसी सरकारी विभाग या अर्द्ध सरकारी संगठन में वस्त्र उद्योग के विकास से संबद्ध कार्यों का लगभग 3 वर्ष का अनुभव जिसमें किसी टेक्सटाइल मिल के कतार्ई एवं बुनार्ई विभाग का लगभग 1 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव सम्मिलित हो।

12. एक प्राविधिक अधिकारी (कंन्क्रीट)/एक प्राविधिक अधिकारी (बिटुमेन), दिल्ली नगर निगम। वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900। आयु-सीमा :—35 वर्ष। सरकारी कर्मचारियों और दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों को छूट दी जा सकती है। योग्यताएं अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता तथा साथ में किसी प्रतिष्ठित प्रयोगशाला में सीमेंट कंन्क्रीट/बिटुमेनी प्रौद्योगिकी का लगभग 3 वर्ष का अनुभव। अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से भौतिकी या रसायन विज्ञान के विषय सहित डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता तथा साथ में किसी प्रतिष्ठित प्रयोगशाला में सीमेंट कंन्क्रीट/बिटुमेनी प्रौद्योगिकी का लगभग 10 वर्ष का अनुभव।

13. दो कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, रक्षा इलैक्ट्रॉनिक्स, अनुसंधान प्रयोगशाला, हैबराबाद, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900। आयु:—वरीयतः 30 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता।

14. एक उप निदेशक, भारतीय प्राणिविज्ञान सर्वेक्षण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग। वेतन :—रु० 1100-50-1400। आयु:—वरीयतः 45 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से प्राणिविज्ञान में द्वितीय श्रेणी की एम० एस० सी० डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) जन्तुओं के शारीरिक आकृतिविज्ञान (Systematics Morphology) तथा परिवेशशास्त्र (Ecology) के विशेष सन्दर्भ सहित प्राणिविज्ञान में अनुसंधान का लगभग 10 वर्ष का अनुभव (अनुसंधान के प्रमाण स्वरूप प्रकाशित लेखों की प्रतियां प्रस्तुत की जाएं)।

15. एक उप निदेशक (खाद्यान्न), विपणन तथा निरीक्षण, निदेशालय, कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग)। वेतन:—रु० 700-40-1100-50/2-1250 आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्य:—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि रसायन विज्ञान, रसायन विज्ञान अथवा खाद्य प्रौद्योगिकी में एम० एस० सी० डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) आधुनिक विश्लेषक तथा यंत्र व्यवस्था प्रविधियों का प्रयोग करने वाली किसी प्रयोगशाला

में खाद्यान्नों के वर्गीकरण तथा विश्लेषण का लगभग 5 वर्ष का अनुभव।

16. एक औषधप्रभाव विज्ञानी (Pharmacologist), स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-50-1250। आयु-सीमा—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से औषध प्रभाव विज्ञान या शरीर क्रियाविज्ञान में एम० एस० सी० डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) औषध प्रभाव विज्ञान के क्षेत्र में प्रकाशनयुक्त अनुसंधान, निर्धारण तथा परीक्षण का लगभग 7 वर्ष का अनुभव जिसमें से कम से कम दो वर्ष का अनुभव अनुसंधान का तथा कम से कम दो वर्ष का अनुभव निर्धारण एवं परीक्षण का हो।

17. दो प्रबंधक, मानचित्र प्रतिरूपण (वरिष्ठ), भारतीय सर्वेक्षण संस्था, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग। वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1150। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य:—(i) किसी मान्यताप्राप्त संस्था से फोटोलिथोग्राफी के विशेष ज्ञान सहित मुद्रण तथा समवर्गी व्यवसायों में कम से कम डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता। अथवा भारतीय सर्वेक्षण संस्था में मानचित्र प्रतिरूपण का कम से कम 2 वर्ष का प्रशिक्षण। (ii) किसी दायित्वपूर्ण पद पर सभी प्रकार के फोटोलिथोग्राफी कार्य का लगभग 5 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव जिसमें विभिन्न विधियों से रेखा, बिन्दुचित्र (Half-ton) एवं बहुरंगी फोटोग्राफी का तथा 14 रंगों और 46"×35" के आकार तक की छपाई का अनुभव सम्मिलित हो। (iii) किसी बृहत् प्रतिष्ठान में श्रम संचालन का अनुभव।

18. एक उप जहाजरानी मास्टर/उप निवेशक, नौसैनिक रोजगार कार्यालय, जहाजरानी महानिदेशालय, बम्बई जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय। वेतन :—रु० 650-30-830-35-900 आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री। (ii) किसी सरकारी या विख्यात गैर-सरकारी संगठन में दायित्वपूर्ण पद पर लगभग 5 वर्ष का अनुभव।

19. दो प्राविधिक सहायक (मुद्रित प्रचार), विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय। वेतन :—रु० 325-15-475-द० रो० 20-575। आयु-सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य:—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मैट्रिकुलेशन अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी मान्यताप्राप्त प्राविधिक संस्था से मुद्रण प्रौद्योगिकी में प्रमाण-पत्र या डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता। (iii) किसी विख्यात मुद्रणालय, प्रकाशन गृह या विज्ञापन संस्था या किसी सरकारी विभाग में पोस्टरों-फोल्डरों तथा अन्य प्रकार की प्रदर्शन प्रचार सामग्री के मुद्रण तथा उत्पादन का लगभग 3 वर्ष का अनुभव।

अशोक चन्द्र बन्धोपाध्याय
सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 20th October 1973

No. A. 32013/1/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Lal, a permanent officer of Grade I of the Central Secretariat Service to officiate in the Selection Grade of the service for a period of 3 months with effect from 19th September, 1973 to 18th December, 1973 (both days inclusive), or till a regular officer joins, whichever is earlier.

M. R. BHAGWAT

Under Secretary

(Incharge of Administration)

Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 19th October 1973

No. PF/S-242/73-AD.4.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Santosh Kumar Lahiri, an Officer of West Bengal Police, on deputation, as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation, F.O.W. Calcutta, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 27th August, 1973 until further orders.

G. L. AGARWAL

Administrative Officer

for Deputy Inspector General of Police

Special Police Establishment

New Delhi-110001, the 22nd October 1973

No. PF/K-3/73-AD.V.—The Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby accepts resignation of Shri Kanti Kumar Sharma, Public Prosecutor, G.O.W., Bombay. Shri Sharma has been relieved of his duty as Public Prosecutor in the Central Bureau of Investigation with effect from the afternoon of the 22nd September, 1973.

G. L. AGARWAL

Administrative Officer (E)

C.B.I.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi-1, the 12th October 1973

No. 2/33/73-Admn.—Shri Rabinder Nath, a permanent Assistant of the Central Vigilance Commission, who was appointed to officiate as Section Officer *vide* the Commission's Notification No. 2/33/73-Admn. dated the 4th September, 1973, reverted as Assistant with effect from the afternoon of 29th September, 1973.

B. V. DIGHE

Under Secretary (Admn.)

for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 28th September 1973

No. O.II-110/69-Ests.—Consequent on the expiry of the period of 3 months notice for premature retirement issued by the Government of India, MHA, Shri T. K. Menon relinquished charge of the post of Commandant, 45th Battalion, CRP Force on the afternoon of 18th September, 1973.

2. Shri Menon will be deemed to have retired from Government service w.e.f. 18th September, 1973 (A.N.).

The 11th October 1973

CORRIGENDUM

No. C. VI.3/73-Ests.—In the Director General notification of even number dated 8th May 1973, in line third after Central Reserve Police Force, *add.*

"with effect from 8th May 1973."

The 15th October 1973

No. F 3/1/73-Ests.(CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion on *ad-hoc* basis Shri S. S. Gill, Assistant Commandant as Commandant in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. He handed over charge of the post of Assistant Commandant 46th Bn. CRP Force on the afternoon of 30th August 1973 and took over charge of the post of Commandant, 10th Bn. CRP Force on *ad-hoc* basis on the forenoon of 3rd September, 1973.

The 20th October 1973

No. F.4/28/73-Ests.(CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion to Shri M. S. Boparai, Dy. S.P. (Coy. Comdr./Quarter Master) as Assistant Commandant in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. He handed over charge of the post of Dy. SP (Coy Comdr./Quarter Master) 33rd Bn. CRP Force on the forenoon of 19th September, 1973 and took over charge of the post of Assistant Commandant, Group Centre, CRP Force, Neemuch on the forenoon of 19th September, 1973.

S. N. MATHUR

Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 4th October 1973

No. 25/24/73-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri Bishan Behari, Investigator in the Office of the Registrar General, India as Research Officer in the same Office on *ad-hoc* basis for a period of one year with effect from the forenoon of the 8th October, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

2. His headquarters will be at New Delhi.

No. 25/107/72-RG(Ad.I).—Consequent on her appointment for the United Nations Development Programme assignment in Mauritius, Kumari G. Suguna Kumari, an officer of the rank of Grade IV of Indian Statistical Service will relinquish the charge of the post of Senior Research Officer in the Office of the Registrar General, India with effect from the afternoon of the 6th October, 1973.

2. The President is pleased to appoint Shri R. K. Gupta, an officer of the rank of Grade IV of Indian Statistical Service and working as Research Officer in the Office of the Registrar General, India as Senior Research Officer in the same office on the post vacated by Kumari G. Suguna Kumari, in a temporary capacity for a period of one year with effect from the forenoon of the 8th October, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

3. The Headquarters of Shri Gupta will be at New Delhi.

R. B. CHARI

Deputy Registrar General, India &

ex-officio Deputy Secretary

to the Govt. of India

in the Ministry of Home Affairs

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 10th October 1973

No. F-38013(3)/29/73-Ad.I.—On transfer from Bhilai, Shri N. N. D. Kaul, assumed the charge of the post of Assistant Commandant No. 13 Battalion, Central Industrial Security Force, with Headquarters at Durgapur with effect from the Forenoon of 12th September, 1973.

No. E-38013(2)/16/73-Ad.I.—On transfer from Neyveli, Shri C. P. Ramakrishnan assumed the charge of the post of Commandant No. 10 Battalion, Central Industrial Security Force, with Headquarters at Visakhapatnam, with effect from the Forenoon of 23rd September, 1973.

L. S. BISHT

Inspector General

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 12th October 1973

No. 936-CAI/50-73.—Addl. Deputy Comptroller and Auditor General (Coml.) has been pleased to appoint Shri G. V. Borikar, a permanent Section Officer (Commercial) of the office of the Accountant General, Haryana to officiate as Audit Officer (Commercial) and post him as such in the office of the Accountant General, Jammu & Kashmir, Srinagar with effect from 21-7-1973 (F.N.) until further orders.

S. D. BHATTACHARYA

Deputy Director (Commercial)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 1st October, 1973

No. 40011(2)/73/AN-A.—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the forenoon of the date shown against each on their attaining the age of 58 years :

Sl. No.	Name with Roster number	Grade	Date of attaining the age of 58 years	Organisation
	Sarvashri			
1.	A. C. Roy (P/193)	Permanent Accounts Officer	1-12-1973	Controller of Defence Accounts, Patna.
2.	Nand Lal Sehgal (P/254)	Permanent Accounts Officer	13-12-1973	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.
3.	D. B. Kulkarni (P/468)	Permanent Accounts Officer	24-12-1973	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
4.	M. D. Naralkar (P/640)	Permanent Accounts Officer	4-12-1973	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
5.	V. S. Raghavan (O/131)	Officiating Accounts Officer	8-12-1973	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
6.	S. G. Joshi (O/310)	Officiating Accounts Officer	22-12-1973	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.

The 8th October 1973

No. 40011(1)/73/AN-A.—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned permanent Accountants as Accounts Officers in an officiating capacity with effect from the forenoon of the dates noted against each until further orders.

Sl. No.	Name	Organisation in which serving	Date
	Sarvashri		
1.	R. K. Ramanathan	Controller of Defence Accounts, Patna.	16-8-1973 F.N.
2.	S. V. Date	Controller of Defence Accounts (ORs) North, Meerut.	16-8-1973 F.N.
3.	S. N. Dandona	Controller of Defence Accounts, Patna.	22-8-1973 F.N.
4.	Bawa Birsingh	Joint Controller of Defence Accounts, (Funds), Meerut.	16-8-1973 F.N.
5.	G. P. Choudhry	Controller of Defence Accounts (ORs) North, Meerut.	16-8-1973 F.N.
6.	V. Srinivasan	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehradun.	10-9-1973 F.N.
7.	P. V. V. S. Ratna Rao	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	10-9-1973 F.N.
8.	R. Rajagopalan	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	10-9-1973 F.N.
9.	Hari Krishan Lal	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.	10-9-1973 F.N.
10.	K. Venkataraman	Controller of Defence Accounts (ORs) North, Meerut.	10-9-1973 F.N.
11.	V. Subramanian	Controller of Defence Accounts (ORs) South, Madras.	10-9-1973 F.N.
12.	Y. W. Sudan	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.	10-9-1973 F.N.
13.	N. Dutta Mazumdar	Controller of Defence Accounts (ORs) South, Madras.	10-9-1973 F.N.
14.	M. L. Deb	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.	10-9-1973 F.N.

The 11th October 1973

No. 23012(1)/73/AN-A.—The Controller General of Defence Accounts, New Delhi hereby appoints Shri OM

PRAKASH NARANG, Permanent Accountant as Accounts Officer in a substantive capacity with effect from the forenoon of 8th May 1973,

The 19th October 1973

No. 40011(2)/73-AN-A.—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the forenoon of the date shown against each on their attaining the age of 58 years.

Sl. No.	Name with roster No.	Grade	Date attaining the age of 58 years	Organisation
Sarvashri				
1.	Purnananda Ganguly (P/154)	Permanent Accounts Officer.	1-1-1974	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.
2.	Sudhir Ch. Chakravarty (P/191)	Permanent Accounts Officer.	1-1-1974	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.
3.	Om Prakash Khari (P/460)	Permanent Accounts Officer.	2-1-1974	On deputation with Delhi Administration and borne on the proforma strength of Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
4.	Akshoy Chandra Tarafdar (O/107)	Officiating Accounts Officer.	1-1-1974	Controller of Defence Accounts, Patna.
5.	Murli Dhar Baurai (O/141)	Officiating Accounts Officer.	5-1-1974	On deputation with Nehru Institute of Mountaineering Uttarakashi (U.P.) and borne on the proforma strength of Controller of Defence Accounts, Patna.
6.	T. K. Krishnamurthy (O/398)	Officiating Accounts Officer.	1-1-1974	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.

No. 40011(2)/73-AN-A.—In this Department Notification No. 40011(2)/73-AN-A dated 20-7-1973 published in the Gazette of India, Part III, Section I, dated 11-8-1973 (page 2570), the following amendments are made:—

- (i) For "2-7-1973" appearing in line 5 Read "3-7-1973";
- (ii) For "3-7-1973" appearing in the last line Read "4-7-1973".

S. K. SUNDARAM
Additional Controller General of Defence Accounts

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
MADHYA PRADESH**

Gwalior, the 29th September 1973

No. O.E.I/3179.—Shri R. M. Pathak, Permanent Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Madhya Pradesh, Gwalior is permitted to retire from Government service on attaining the age of superannuation w.e.f. 26-12-1973 F.N.

The 9th October 1973

No. Admn.I/3598.—The Accountant General, Madhya Pradesh has been pleased to appoint the following permanent Section Officers of this office as Accounts Officers in an officiating capacity from the dates mentioned against each, until further orders.

1. Shri D. J. Duphare —4-10-73 F.N.
(against reserved vacancy for SC)
2. Shri Ram Chandra Gupta—1-10-73 F.N.
3. Shri V. S. Gandagule—28-9-73 A.N.
4. Shri P. D. Ahuja—1-10-73 F.N.

K. C. DUBE
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)
Madhya Pradesh

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 15th October 1973

No. Estt. A/IV/9-86.—The Accountant General Kerala, is pleased to appoint the following permanent Section Officers (Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officers with effect from the dates shown against each.

1. Shri R. Sreedhara Warriar—24th September 1973 (A.N.).

27—316GI/73

2. Shri E. J. Mathew—24th September 1973 (A.N.).

3. Shri P. Doraiswamy—24th September 1973 (A.N.)

* 4. Shri C. M. Ramachandran—25th September 1973 (F.N.).

5. Shri K. G. Sankar—24th September 1973 (A.N.).

T. SETHUMADHAVAN, Dy. Accountant General
(Admn.).

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
MAHARASHTRA**

Bombay, the 19th October, 1973

No. Admn.I/IAD/31, Vol. II/15.—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint Shri E. S. Ramachandran, a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in his office with effect from 15th October 1973 F.N, until further orders.

No. Admn.I/IAD/31 Vol.II/16.—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint Shri P. D. Sarkhot, a member of the S. A. S. to officiate as Accounts Officer in his office with effect from 15th October 1973 F.N. until further orders.

R. S. SHARMA, Sr. Dy. Accountant
General/Admn.

**MINISTRY OF FOOD AND AGRICULTURE AND
REHABILITATION**

DEPARTMENT OF SUPPLY

OFFICE OF THE CHIEF PAY & ACCOUNTS OFFICER

New Delhi, the 21st September 1973

No. A-32014/73-74/Admn.(CDN)/3818-23.—The Chief Pay & Accounts Officer, Department of Supply, Ministry of Food & Agriculture and Rehabilitation, New Delhi has appointed Shri N. K. Sharma, Section Officer (Pay & Accounts) of his organisation to officiate as Pay & Accounts Officer in the office of the Dy. Chief Pay & Accounts Officer, Ministry of Food & Agriculture, Madras with effect from the Forenoon of 10th September 1973 till further orders.

His promotion shall, however, be without prejudice to the rights and claims of his seniors in the Penal.

ARUNA, MAKHAN, Dy. Chief Pay &
Accounts Officer.

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-16, the 27th September 1973

No. 48/73/G.—On attaining the age of 58 years the under-mentioned officers retired from service with effect from the date shown against each:—

1. Shri M. Raj Handa, permnt. Manager—3rd September, 1973.
2. Shri K. N. Venkatachari, offg. Asstt. Manager (permnt. Foreman)—21st June 1973.

M. P. R. PILLAI, Assistant Director General,
Ordnance Factories.

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 29th September 1973

F. No. BNP/E/8/H-4.—Shri K. C. Hindaul, Inspector Control is appointed to officiate as Control Officer in the Office of the Officer on Special Duty, Bank Note Press, Dewas (M.P.) w.e.f. 1st October 1973 (forenoon) on *ad hoc* basis for a period of one year or till regular appointment is made to the post whichever is earlier

The 12th October 1973

F. No. BNP/1/SPI/27.—The appointment of Shri R. A. Misra, Section Officer, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs as Junior Administrative Officer, Bank Note Press, Dewas is continued on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 1st October 1973 to 31st December, 1973 (AN).

F. No. BNP/E/8/V-1.—The Officiating appointment of Shri K. Vijayakumaran, Assistant Engineer (Maintenance) Bank Note Press, Dewas is continued on *ad hoc* basis with effect from 1st October 1973 to 31st December 1973 (AN).

R. RAMASWAMY, Officer on Special Duty.

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461005, the 15th October 1973

No. 3(10)/5408.—Shri A. K. Ghosal, Accountant is appointed to officiate as Accounts Officer temporarily with effect from 27th September 1973 (F.N.) in the Security Paper Mill, Hoshangabad in the scale of Rs. 590—30—830—35—900. Shri A. K. Ghosal's appointment will be on probation for a period of 2 years.

P. S. SHIVARAM, General Manager.

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 19th October 1973

No. C(10)/AII/AII.—Shri Haladhar Chakravarty, Assistant Manager (Tech.) G. I. P. Santragachi, Howrah, on attaining the age of superannuation, retired from Government service on the forenoon of 1st July 1973.

R. K. CHIB, Dy. Director (Adm. I.).

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

(DEPARTMENT OF LABOUR AND EMPLOYMENT)

LABOUR BUREAU

Simla-171004, the November 1973

No. 23/3/73-CPI.—The All-India Consumer Price Index for Industrial Workers on base 1960=100 advanced by one point to reach 248 (Two hundred and forty eight) during the month of September, 1973. Converted to base 1949=100 the index for the month of September, 1973 works out to 301 (Three hundred and one).

S. SOMASUNDARAM IYER, Dy. Dir.
for Director.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL
PUBLICITY

New Delhi, the 29th September 1973

No. A-12025/1/72-Est.I.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri B. S. Bhaduria to officiate as Hindi Officer (Advertising) in this Directorate on a purely *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 21st September, 1973, until further orders.

The 1st October 1973

No. 46-A/Est.I.—The Director of Advertising & Visual Publicity is pleased to re-employ Shri J. M. De who retired from the post of Art Executive (Visualiser) on the afternoon of the 7th July, 1973 as Senior Artist in this Directorate, with effect from the forenoon of 12th September, 1973 until further orders.

R. L. JAIN,
Dy. Director (Admn.)
for Director of Advertising and Visual Publicity

(FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 8th October 1973

No. 6/38/56-Est.I.—On relinquishment of charge of the post of Maintenance Engineer in the Films Division, Bombay in the afternoon of 15th September, 1973, Shri B. V. Krishnan reverted to the post of Asstt. Maintenance Engineer with effect from that date.

K. S. KUDVA,
Administrative Officer
for Controller-cum-Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 1st October 1973

No. A-30014/1/73-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Baldeo Mishra, Audience Research Officer, All India Radio, Cuttack in a quasi-permanent capacity in that post with effect from the 5th September, 1972.

The 15th October 1973

No. 12/17(1)/72-Vig.—The Director General, All India Radio appoints Shri M. S. Dalal, Agricultural Supervisor in the Office of the Superintending Agricultural Officer, Government of Maharashtra, Nagpur Division, Nagpur, as Farm Radio Officer at All India Radio, Nagpur, with effect from 15th September, 1973 in a temporary capacity until further orders.

The 9/10th October 1973

No. 6(110)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri P. T. Mathew, Transmission Executive, All India Radio, Tiruvandrum as Programme Executive, All India Radio, Panaji on an *ad hoc* basis with effect from the 21st September, 1973 until further orders.

The 15th October 1973

No. 6(108)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri K. R. Dalvi, Transmission Executive, All India Radio, Ahmedabad as Programme Executive at the same Station on an *ad hoc* basis with effect from the 30th August, 1973 until further orders.

The 16th October 1973

No. 5(88)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri B. G. S. Rao, Transmission Executive, All India Radio, Ahmedabad as Programme Executive at the same Station on an *ad hoc* basis with effect from the 5th September, 1973 until further orders.

No. 5(74)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri A. K. Sen, Transmission Executive, All India Radio, Port Blair as Programme Executive at the same Station on an *ad hoc* basis with effect from the 1st September, 1973 until further orders.

The 17th October 1973

No. 7(144)/58-SI.—Shri B. N. Sahai, Programme Executive, All India Radio, External Services Division, New Delhi expired on the 20th August, 1973.

No. 6(113)/63-SI.—In continuation of this Directorate's Notification No. 6(113)/63-SI, dated the 27th June, 1973, the Director General, All India Radio hereby appoints Shri J. K. Jhingron, Transmission Executive, All India Radio, Rajkot, to officiate as a Programme Executive at the same Station for the further period ending 13th August, 1973 *vice* Shri P. M. Vaishnav, Programme Executive, All India Radio, Rajkot granted extension of leave.

No. 5/46/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kum. Manjula Bhatnagar, Transmission Executive, External Services Division, All India Radio, New Delhi to officiate as Programme Executive at the same Station on an *ad hoc* basis with effect from the 6th September, 1973 and until further orders.

No. 5(39)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Urbashi Joshi, Transmission Executive, All India Radio, Lucknow as Programme Executive, All India Radio, Cuttack on an *ad hoc* basis with effect from the 26th September, 1973 until further orders.

The 20th October 1973

No. 5(65)/67-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri J. K. Joshi, Transmission Executive, All India Radio, New Delhi as Programme Executive at the same Station on an *ad hoc* basis with effect from the 14th September 1973.

SHANTI LAL,
Deputy Director of Administration,
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th October 1973

No. 1-15/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri A. Rao, Assistant Professor of Sanitary Engineering to the post of Associate Professor of Environmental Sanitation at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta with effect from the forenoon of the 2nd August, 1973 on an *ad hoc* basis and until further orders.

Consequent on his appointment to the post of Associate Professor of Environmental Sanitation Shri Rao relinquished charge of the post of Assistant Professor of Sanitary Engineering on the forenoon of the 2nd August, 1973.

No. 1-15/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. Subba Rao, Associate Professor of Environmental Sanitation to the post of Professor of Sanitary Engineering at the All India Institute of Hygiene and Public Health,

Calcutta with effect from the forenoon of the 1st August, 1973, on an *ad hoc* basis and until further orders.

Consequent on his appointment to the post of Professor of Sanitary Engineering Shri S. Subba Rao relinquished charge of the post of Associate Professor of Environmental Sanitation on the forenoon of the 1st August, 1973.

The 9th October 1973

No. 12-3/Admn.—Consequent on his nomination to the Ministry of Health and Family Planning, the President is pleased to appoint Shri R. S. Mathur, as Section Officer in the Directorate General of Health Services, in officiating capacity with effect from the forenoon of 14th September 1973, and until further orders.

No. 12-3/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. C. Dchury, as Section Officer in the Directorate General of Health Services, with effect from the forenoon of the 17th September, 1973 until further orders.

The President is pleased to appoint Shri P. S. Bhatoya, as Section Officer in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of the 17th September, 1973 until further orders.

The President is pleased to appoint Shri P. N. Chawla, a permanent Grade IV Officer of the Central Secretariat Service, as Section Officer in the Directorate General of Health Services in the officiating capacity with effect from the forenoon of the 20th August, 1973 until further orders.

On reversion to the post of Assistant, Shri Hari Krishan Anand relinquished the charge of the post of Section Officer in the Directorate General of Health Services on the forenoon of the 17th September, 1973.

No. 11-2/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri J. D. Bahl, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service to officiate in Grade I of the C.S.S. with effect from the 1st August, 1973 to the 3rd September, 1973.

The President is also pleased to appoint Shri J. D. Bahl, as Deputy Director (Administration) in the Directorate General of Health Services for the above period.

No. 11-2/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri G. Panchapakesan, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service to officiate in Grade I of the Central Secretariat Service for the following periods or till a regular officer joins whichever is earlier:

- (i) From the forenoon of the 1st August, 1973 to the afternoon of the 18th September, 1973
- (ii) From the forenoon of the 20th September, 1973 to the afternoon of the 31st October, 1973.

The President is also pleased to appoint Shri Panchapakesan as Deputy Director (Administration) in the Directorate General of Health Services for the above periods.

The 10th October 1973

No. 11-2/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri P. I. Padmanabhan, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service to officiate in Grade of the C. S. S. for the following periods or till a regular officer joins, whichever is earlier.

- (i) From the forenoon of the 1st August, 1973 to the afternoon of the 9th September, 1973.
- (ii) From the forenoon of the 11th September, 1973 to the afternoon of the 31st October, 1973.

The President is also pleased to appoint Shri P. I. padmanabhan as Deputy Director (Administration) in the Directorate General of Health Services for the above periods.

No. 11-15/73-Admn.I.—Consequent on his appointment as Deputy Secretary in the Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) Shri S. C. Kumar relinquished charge of the post of Deputy Director Administration in the Directorate General of Health Services, New Delhi on the forenoon of the 1st September, 1973.

No. 11-2/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri H. C. Sharma, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service to officiate in Grade I of the Central Secretariat Service for the following periods or till a regular officer join whichever is earlier.

(i) From the forenoon of the 1st August, 1973 to the afternoon of the 4th August 1973.

(ii) From the forenoon of the 13th September, 1973 to the afternoon of the 31st October, 1973.

The President is also pleased to appoint Shri H. C. Sharma as Deputy Director (Administration) in the Directorate General of Health Services for the above periods.

No. 12-3/73-Admn.I.—On reversion Shri Balkishan Dass, a permanent Grade IV Officer of the Central Secretariat Service relinquished charge of the post of Section Officer in the Directorate General of Health Services on the forenoon of the 10th September, 1973.

No. 11-15/73-Admn.I.—Consequent on his appointment as Deputy Secretary in the Ministry of Health Family Planning (Department of Health) Shri R. N. Saxena relinquished charge of the post of Deputy Director Administration in the Directorate General of Health Services, New Delhi on the forenoon of the 1st September, 1973.

The 16th October 1973

No. 22-4/73-Admn.I.—The Director of Administration and Vigilance in the Directorate General of Health Services, New Delhi, is pleased to appoint Miss C. D. Sharma, Sister Tutor to the post of Assistant Superintendent, in the Lady Reading Health School, Delhi, with effect from the forenoon of 18th September, 1973 and until further orders.

The 17th October 1973

No. 1-11/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Dalip Kumar Basu, Demonstrator, All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta to the post of Assistant Professor of Statistics (Grade IV of the Indian Statistical Service) in the same Institute on an *ad hoc* basis with effect from the afternoon of the 17th September, 1973 and until further orders.

Consequent on his appointment in the office of the Coal Controller, Calcutta, Shri S. C. Acharya relinquished charge of the post of Assistant Professor of Statistics in the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta on the afternoon of the 17th September, 1973.

No. 13-8/73-Admn.I.—On reversion from the post of Dental Surgeon (Reader), Maulana Azad Medical College, New Delhi Dr. (Mrs.) Avinash Talwar assumed charge of the post of Dental Surgeon in the Willingdon Hospital, New Delhi on the forenoon of the 1st October, 1973.

K. C. MISRA, Dy. Director Administration.

New Delhi, the 9th October 1973

No. 12-40/73-Admn.I.—Consequent upon his nomination to the Ministry of Health and Family Planning the President is pleased to appoint Shri Ramesh Chandra as Section Officer, in the Directorate General of Health Services in officiating capacity with effect from the forenoon of the 10th September, 1973.

S. P. JINDAL, Dy. Director Administration.

New Delhi, the 10th September 1973

No. 29-4/73-CHSI.—The Director General of Health Services appointed Dr. B. D. Pattekar as Junior Medical Officer in the Central Government Health Scheme, Delhi for the period from the 8th May, 1973 (FN) to the 12th June, 1973 (AN) on an *ad hoc* basis.

S. C. KUMAR, Dy. Director Administration (CHS).

New Delhi, the 16th October 1973

No. F. 31-2/72-SI.—The President is pleased to appoint Shri B. R. Dewan, Deputy Naval Store Officer, Purchase Department Naval Dockyard, Bombay to the post of Deputy Asstt. Director General (Medical Stores), in the M. S. Depot Organisation, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 7th August, 1973 and until further orders.

V. S. TALWAR, Director of Administration & Vigilance.

New Delhi, the 11th October 1973

No. 29-83/73-CHSI.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. Dev Raj Chhabra as Junior Medical Officer in the Central Government Health Scheme, Bombay with effect from the forenoon of the 1st September, 1973, on an *ad hoc* basis until further orders.

No. 29-46/73-CHSI.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. (Smt.) Kiron Kochar as Junior Medical Officer in the Central Govt. Health Scheme, Bombay with effect from the forenoon of the 21st August, 1973, on an *ad hoc* basis until further orders.

The 17th October 1973

No. 29-89/73-CHSI.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. (Smt.) Vijay Arora (Nee Vohra) as Junior Medical Officer in the Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the forenoon of the 15th Sept., 1973, on an *ad hoc* basis until further orders.

The 18th October 1973

No. 29-90/73-CHSI.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. R. K. Kakkar, as Junior Medical Officer in the Central Govt. Health Scheme, Kanpur, with effect from the forenoon of the 15th Sept., 1973, on an *ad hoc* basis until further orders.

The 30th October 1973

No. 29-76/73-CHSI.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. (Smt.) A. A. Khandekar as Junior Medical Officer in the Central Govt. Health Scheme, Nagpur, with effect from the forenoon of 1st September 1973 on an *ad hoc* basis until further orders.

G. PANCHAPAKESAN
Deputy Director Administration (CHS)

(Drugs Section)

New Delhi-11, the 10th October 1973

No. 41-41/73-D.—On being relieved by Dr. J. I. Kaul, Shri K. S. George relinquished charge of the post of Asstt. Drugs Controller (India), Central Drugs Standard Control Orgn., North Zone, Ghaziabad on the forenoon of the 17th August, 1973 and with effect from the same date reverted to the post of Drugs Inspector, Central Drugs Standard Control Orgn., North Zone, Ghaziabad.

P. S. RAMACHANDRAN
Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services

MINISTRY OF HOUSING & REHABILITATION TOWN AND COUNTRY PLANNING ORGANISATION

New Delhi-1, the 29th September 1973

No. A.12025(ii)/1/73-TCPO/Estt.—Shri Sukdev Singh, Planning Assistant is promoted to officiate as Assistant Engineer in the scale Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of the 7th September, 1973 for a period of one year or till the regular incumbent reverts to the post whichever is earlier.

P. PRABHAKAR RAO
Chairman

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 8th October 1973

No. EST.I-2(605).—The Textile Commissioner is pleased to appoint Smt. A. S. Killekar, Superintendent in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, as Assistant Director Grade-II (N.T.) in the same office w.e.f. the 7th September, 1973 until further orders.

No. EST.I-2(611).—The Textile Commissioner is pleased to appoint Shri U.A. Cherodian, Superintendent, in the Regional Office of the Textile Commissioner, Bombay as Assistant Director Grade-II (N.T.) in the same office w.e.f. the 20th September, 1973 until further orders.

No. EST.I-2(542).—On attaining the age of Superannuation (58 years) Shri R. Vijayaraghavan, Assistant Director, Grade-II (NT) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, retired from service on 15-9-1973.

No. EST.I-2(572).—On attaining the age of Superannuation (58 years) Shri R. R. Bawkar, Assistant Director, Grade-II (NT) in the Regional Office of the Textile Commissioner, Bombay, retired from service on 5-9-1973.

No. EST.I-2(604).—The Textile Commissioner is pleased to appoint Smt. R. Mehenti, Superintendent, in the Office of the Textile Commissioner, Bombay as Assistant Director, Grade-II (N.F.) in the same Office with effect from the 20th September, 1973 until further orders.

B. N. BASU
Dy. Director (Admn.)

Bombay-20, the 8th October 1973

No. CER/6/73.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. T.C.(4)/58, dated the 7th March, 1958, namely:—

In the table appended to the said notification against S. No. 17 in column 2 after item (ii) the following entry shall be added, namely:—

"(iii) The Director of Cottage and Small Scale Industries."

The 19th October 1973

No. CLBI/1/6G/73.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CLBI/1/6G/71 dated the 13th January, 1972 namely:—

In the Table appended to the said Notification, in Column 4, the words "Shifting only" wherever they occur may be deleted.

No. 15(2)/67-CLB.II/B.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 11 of the Textiles (Production by Powerlooms) Control Order, 1956, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 15(2)/67-CLB.II/B dated the 13th January, 1972, namely:—

In the Table appended to the said Notification in column 4, the words "Shifting only" wherever they occur may be deleted.

G. S. BHARGAVA
Joint Textile Commissioner

Bombay-20, the 28th September 1973

No. CER/1/73.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/1/73, dated the 30th August, 1973, namely:—

In the said Notification for the words, figures and marks "This Notification shall take effect from 1-10-1973" the words, figures and marks "This Notification shall take effect from 1-11-1973" shall be substituted.

I. B. DUTT
Additional Textile Commissioner

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS
IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

New Delhi, the 15th October 1973

No. 6/75/55-Admn.(G)/4311.—On attaining the age of superannuation, Shri H. D. Gupta, a permanent Officer in Grade I of C.S.S., relinquished charge of the post of Dy.

Chief Controller of Imports and Exports (CSS) in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, with effect from the afternoon of 14th September 1973.

No. 6/385/56-Admn(G)/4305.—On attaining the age of superannuation, Smt. M.D'Costa, a permanent Dy. Chief Controller of Imports & Exports (Non-CSS), relinquished charge of the post of Dy. Iron & Steel Controller in the office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports, Bombay, with effect from the afternoon of 18th August, 1973.

No. 6/143/54-Admn(G)/4326.—The President is pleased to appoint Shri N. Banerji, Dy. Chief Controller of Imports and Exports, Class-I (Non-CSS) in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports, Bombay, as Dy. Iron & Steel Controller in that office for the period from 18-8-1973 afternoon to 19-10-1973 F.N.

No. 6/505/58-Admn.(G)/4319.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Ghosh, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the C.S.S., to officiate in Grade I of that service for the period from 16-7-1973 forenoon to 19-8-1973 afternoon.

2. The President is also pleased to appoint Shri R. K. Ghosh as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in this office for the aforesaid period.

No. 6/558/59-Admn.(G)/4332.—On attaining the age of superannuation, Shri A. K. Sarkar, permanent in the Section Officers' Grade of C.S.S. relinquished charge of the post of Controller (CSS) in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, with effect from the afternoon of 11th September, 1973.

The 17th October 1973

No. 6/487/58-Admn(G)/4352.—On attaining the age of superannuation, Shri J. N. Biswas, permanent Controller in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports Calcutta, who is under suspension with effect from 28th July 1973, is permitted to retire from the Government service on 1st October 1973 forenoon.

S. G. BOSE MULLICK, Chief Controller of Imports
and Exports.

MINISTRY OF AGRICULTURE
DIRECTORATE OF EXTENSION
(Department of Agriculture)

New Delhi, the 10th September 1973

No. F. 3(9)/73-Estt.(I).—Shri K. L. Issar, Superintendent (Grade I) at present officiating as Business Manager on *ad hoc* basis is promoted to officiate as Assistant Administrative Officer, Class II (Gazetted) (Ministerial) in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture) on *ad hoc* basis with effect from 10th September, 1973 upto 9th November, 1973 *vice* Shri R. K. Malhotra Assistant Administrative Officer proceeded on leave.

The 29th September 1973

No. F. 3(9)/73-Estt.(I).—Shri P. B. Dutta, Artist (Senior Grade) is promoted to officiate as Chief Artist, Class II (Gazetted) (non-Ministerial) in the scale of Rs. 400—25—500—30—590—EB—30—800 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture) on *ad hoc* basis with effect from 1st October, 1973 to 30th November, 1973 *vice* Shri Ishwar Chander, Chief Artist proceeded on leave.

The 3rd October 1973

No. F. 2(11)/71-Estt.I.—Shri K. B. Nayar will continue to officiate as Assistant Exhibition Officer (Grade I), Class II

(Gazetted) (non-Ministerial) in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800 in the Directorate of Extension Ministry of Agriculture (Department of Agriculture) on *ad hoc* basis beyond 25th August, 1973 up to 22nd December, 1973, *vide* Shri S. K. S. Dhariwal, Asstt. Exhibition Officer (Grade I) proceeded on leave from 25th August, 1973 to 22nd December 1973.

N. K. DUTTA, Director of Administration.

N. H. IV, FARIDABAD, the 29th September 1973

No. F. 3/314/72-AF.I.—On his selection by the Union Public Service Commission, Shri B. K. Sudame is appointed as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Patlad on a regular basis with effect from 7th August 1972, until further orders.

The 4th October 1973

No. F. 3/217/66-AF.I.—Consequent on the acceptance of his resignation from Government service, Shri L. M. Taneja, Marketing Officer of this Directorate at Faridabad, has been relieved of his duties in the afternoon of 12th September, 1973.

N. K. MURALIDHARA RAO, Agricultural Marketing Adviser.

DELHI MILK SCHEME

New Delhi-8, the 3rd October 1973

No. 2-563/61-Estt.-II.—Shri Dilawar Singh has been appointed to officiate as Manager, Milk Collection and Chilling Centre (Class II Gazetted) purely on *ad hoc* basis under the Delhi Milk Scheme with effect from 1st September 1973 (FN).

A. MOHAN LAL, Chairman.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (Administration Section A-1)

New Delhi, the 22nd August 1973

No. A-1/1(950).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri S. K. Bandopadhyay, Junior Field Officer (Technical) in the office of the Deputy Director General (Supplies & Disposals), Calcutta to officiate as Asstt. Director of Supplies (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 1st August, 1973 and until further orders.

The appointment of Shri Bandopadhyay as Assistant Director of Supplies (Grade II) is purely temporary and on *ad hoc* basis and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppaswamy in the High Court of Delhi.

The 8th October 1973

No. A-1/1(501).—Shri D. H. Churmure, Permanent Junior Field Officer (Progress) and officiating as Assistant Director of Supplies (Grade II) retired from Government Service with effect from the afternoon of 15th September, 1973 on attaining the age of superannuation (58 years.)

No. A-1/1(953).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri N. N. Chowdhury, Junior Field Officer in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from the forenoon of 1st August, 1973 and until further orders.

The appointment of Shri N. N. Chowdhury as Assistant Director (Grade II) is subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppaswamy in the High Court of Delhi.

The 11th October 1973

No. A-1/1(657).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri H. R. Divanjee, Permanent Superintendent of the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay on return from deputation with the Department of Atomic Energy, to officiate as Assistant Director of

Supplies (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles) Bombay with effect from the forenoon of 23rd January, 1973 and until further orders.

The appointment of Shri H. R. Divanjee is purely temporary and on *ad hoc* basis and subject to the results of the writ petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppaswamy in the High Court of Delhi.

T. V. ANANTANARAYANAN, Dy. Director
(Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

(ADMINISTRATION BRANCH 26)

New Delhi, the 17th October 1973

No. A/17011(59)/73-A.6.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri A. R. Hussainy, Examiner of Stores (Tex) in the Madras Inspection Circle to officiate as Assistant Inspecting Officer (Tex) in the same circle, with effect from the forenoon of 28-8-73, until further orders.

No. A/17011/60/73-A.6.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri R. N. Kaul Examiner of Stores (Tex) at Kanpur under the NI Circle to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Tex) in the same circle, with effect from the forenoon of 10-9-1973, until further orders.

T. V. ANANTANARAYANAN
Deputy Director (Administration)

New Delhi, the 12th October 1973

No. A-6/247(121)/58.—The President has been pleased to appoint Shri M. B. Prabhu, Inspecting Officer in Engineering Branch of grade III of the Indian Inspection Service, Class I to officiate as Deputy Director of Inspection in Engineering Branch of grade II of the Service with effect from the afternoon of the 7th September, 1973 and until further orders.

Shri Prabhu relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) and assumed charge of the post of Dy Director of Inspection (Engg.) in the Bombay Inspection Circle, Bombay on the afternoon of the 7th September, 1973.

K. RAMAN
Deputy Director (Admin.)

MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 8th October 1973

No. 40/59(DP)/19A/3622B.—Shri D. Palang is appointed as an Assistant Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 21-3-1973, until further orders.

M. K. ROY CHOWDHURY
Director General

MINISTRY OF FOREIGN TRADE OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS (I&S DIVN)

Bombay-20, the 14th August 1973

ORDER

SUBJECT :—Cancellation of Custom copies of Import licence No. P/S/8232178/C/XX/45/B/33-34 and P/S/8232179/R/ML/45/B/33-34, dated 19-9-72 issued for High Speed Steel Flats & S.S. Rods on G.C.A. & U.K. for Rs. 17,550/- each issued in favour of M/s Banagar Bros. Engineering Works, Bombay-11.

No. 1078/10642/SSI/AM.72/P-27 & 11/L-1.—M/s. Banagar Bros. Engg. Works, Bombay were granted import licences Nos. P/S/8232178/C/XX/45/B/33-34 & P/S/8232179/R/ML/45/B/33-34, dated 19-9-72 on G.C.A. & U.K. respectively for Rs. 17,550/- each, for import of High Speed Steel Flats & S. S. Rods for the licensing period

April 71/March 72. They have applied for duplicate copies of licences (Custom copy only) for full value of the licences on the grounds that the original Custom copies have been lost. It is further stated by them that the original licences were not registered with Customs House and not utilized at all.

2. In support of this contention the applicant has filed an affidavit on stamped paper duly attested by presidency Magistrate of Greater Bombay.

3. I am satisfied that the original licences Nos. 8232178 & 8232179 dt. 19-9-72 have been lost and direct that duplicate copy (Custom copy) of import licences for full unutilized value should be issued to the applicant. The above import licences (Custom copies) have been cancelled for full licensed value.

N. BANERJI
Dy. Chief Controller of Imports & Exports.

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 19th October 1973

No. A19011(171)/73-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Raghavachary, Administrative Officer Indian Bureau of Mines to officiate as Senior Administrative Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 1st October, 1973, until further orders.

This supersedes the earlier notification of even number dated 24-7-73.

L. C. RANDHIR, Administrative Officer,
for Controller

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

Bombay-1, the 20th September 1973

No. 3/4(i)/72-TE.—The President is pleased to appoint the following Scientific Officers/Engineers in the Bhabha Atomic Research Centre of this Department as Scientific Officers/Engineers Grade SD1 in the same Centre in a substantive capacity with effect from the dates indicated against each of them in Column No. 4 :—

Sl. No.	Name	Post held at present in a permanent/Officiating capacity.	Date of confirmation
1	2	3	4
1.	Dr. Mangaldas Pragji Patel	—/SD2	18-2-1967
2.	Dr. Narasinha Chintaman Khare	—/SD2	19-1-1968
3.	Shri Hariharan Ranganathan	SC2/SE	1-2-1968
4.	Shri Puthen Purakkal Sam Jacob	SC1/SE	1-3-1969
5.	Shri Mohan Murari Lal Gulati	—/SD2	1-3-1969
6.	Shri Ravoory Laxminarasayya	SC2/SD2	1-3-1969
7.	Shri Manilal Gandadal Vaghela	SC1/SD2	1-3-1969
8.	Dr. Krishna Ramniklal Munim	—/SD2	1-3-1969
9.	Shri Khan Jehan Khan	SC2/SE	1-3-1969
10.	Shri Yeshwant Shripad Gokhale	SC2/SD2	1-3-1969
11.	Shri Minasamudram Garudachar Shrinivasan	SC1/SD1	1-3-1969
12.	Shri Kesarinath Shrikrishna Patil	—/SE	19-5-1969
13.	Shri Subbarao Ramaswamy	SD2/SD1	1-8-1969
14.	Shri Wasudeo Wishnu Kale	SC2/SD2	1-8-1969
15.	Shri Vaman Lahu Mahajan	SC2/SD2	1-8-1969
16.	Shri Pandurang Balkrishna Deshpande	SC2/SD1	1-3-1970
17.	Shri Padmakar Vinayak Nanal	—/SD1	1-3-1970
18.	Shri Vishnubhotla Somasundara Sastry	SC1/SE	1-3-1970

The 17th October 1973

No. 5/3(58)/73-TE.—The President is pleased to appoint Shri Boman Framji Chhupgar as Scientific Officer/Engineer-Grade SC2 in the Bhabha Atomic Research Centre of this Department in a temporary capacity with effect from the forenoon of September 5, 1973 until further orders.

No. 5/4(76)73-TE.—The President is pleased to accept the resignation from service tendered by Shri Roshan Lal Nayar a permanent Scientific Officer/Engineer-Grade SC1 and officiating Scientific Officer/Engineer-Grade SE in the Bhabha Atomic Research Centre of this Department with effect from the afternoon of June 14, 1973. Shri Nayar was granted earned leave for 74 days from April 2 to June 14, 1973.

No. 5/5(49)/73-TE.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Bhabha Atomic Research Centre of this Department to the posts indicated under column 5 with effect from the forenoon of February 1, 1973 in an officiating capacity until further orders :—

Sr. No.	Name	Permanent post held if any	Officiating as	New appointed as
1	2	3	4	5
1.	Shri Ram Saran Dass	Scientific Assistant (C)	Scientific Officer/Engineer—Grade SC1	Scientific Officer/Engineer—Grade SC2
2.	Shri Abobila Vajjula Murali		Do.	Do.
3.	Shri Arvind Pralhad Walvekar		Scientific Officer/Engineer—Grade A	Scientific Officer/Engineer—Grade SC1

S. G. NAIR
Under Secy.

Bombay-1, the 29th September 1973

No. 4/8(6)/73-(P).—On transfer from the Space Research Project Thumba Shri R. Santhanam a temporary Scientific Officer/Engineer-Grade SC2 of the Bhabha Atomic Research Centre relinquished charge of the post of Scientific Officer/Engineer-Grade SC2 in the Space Research Project on the afternoon of April 24, 1973 and assumed charge of the post of Scientific Officer/Engineer-Grade SC2 in the Heavy Water Project, Tuticorin on the forenoon of May 3, 1973.

The 4th October 1973

No. 1/8(5)/73-P.—The President is pleased to appoint Shri E.M. George, a permanent Scientific Officer/Engineer-Grade SC2 and officiating Scientific Officer/Engineer-Grade SE of the Bhabha Atomic Research Centre (BARC) Trombay who is on deputation in the Nuclear Fuel Complex in the latter grade as Scientific Officer/Engineer-Grade SF in the same project, in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1973 until further orders.

Shri E. M. George relinquished charge of the post of Scientific Officer/Engineer-Grade SE in Nuclear Fuel Complex on the afternoon of July 31, 1973.

No. 5/6(7)/73-P.—Consequent on his transfer on deputation from Bhabha Atomic Research Centre (BARC), Trombay, Bombay Shri D. Pradhan, a temporary Scientific Officer/Engineer-Grade SC2 assumed charge of the post in the same grade in the Heavy Water Project, Talcher, in a temporary capacity on the forenoon of August 17, 1973 until further orders.

Shri Pradhan relinquished charge of the post of Scientific Officer/Engineer-Grade SC2 in the Bhabha Atomic Research Centre on the afternoon of August 16, 1973.

No. 2/8(3)/73-P.—Consequent on his transfer on deputation from Bhabha Atomic Research Centre (BARC), Trombay, Bombay Shri A. K. Kulkarni, a temporary Scientific Officer/Engineer-Grade SC1 assumed charge of the post in the same grade in the Heavy Water Project, Kota in a temporary capacity, on the forenoon of July 13, 1973 until further orders.

2. Shri Kulkarni relinquished charge of the post of Scientific Officer/Engineer-Grade SC1 in Bhabha Atomic Research Centre on the afternoon of July 12, 1973.

S. K. CHOUDHARY, Under Secy.

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 13th September 1973

No. PPED/3(53)/73-Adm.11689.—Director, Power Projects Engineering Division, hereby appoints Shri J. G. Singh, Assistant Purchase Officer in the Regional Purchase & Stores Unit of the Directorate of Purchase & Stores at Hyderabad attached to the rolls of Nuclear Fuel Complex as Assistant Purchase Officer in the Directorate of Purchase & Stores at Bombay on the rolls of Power Projects Engineering Division, in a temporary capacity with effect from the forenoon of July 16, 1973, until further orders.

The 19th September 1973

No. PPED/3(53)/73-Adm.11932.—Shri S. S. Pradhan who was appointed to officiate as Assistant Purchase Officer on an *ad hoc* basis in this Division upto July 15, 1973 (AN) has been allowed to continue as Assistant Purchase Officer with effect from the forenoon of July 16, 1973 to October 25, 1973 *vice* S/Shri E. Y. Kolimuddin and B. L. Thakur, Assistant Purchase Officers granted leave for the above period.

M. S. RAO, Administrative Officer
for Director

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Chingleput, the 26th September 1973

No. 4(12)/73-Rectt. P-11198.—Shri J. W. R. Livinstone, a permanent Store-keeper of the Atomic Minerals Division of the DAE, is appointed as Assistant Stores Officer in the

Madras Atomic Power Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of September 15, 1973 with headquarters at Chingleput, until further orders.

K. BALAKRISHNAN, Administrative Officer,
for Deputy Director

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 10th August 1973

No. PA/81(46)/73-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Mukund Ganesh Ghatpande, an officiating Scientific Assistant-C in the Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Mukund Ganesh Ghatpande, the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1973, until further orders.

The 28th September 1973

No. PA/61(1)/72-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Shashikant Waman Lele, a permanent Fire Foreman in the office of the Aerodrome Officer, Civil Aviation Department, Bombay, as Station Officer in the Bhabha Atomic Research Centre, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of December 1, 1972, for a period of two years, in the first instance.

P. UNNIKRISHNAN, Dy. Establishment Officer (R)

Bombay-400085, the 12th October 1973

Ref. No. N/282/DPS/Est.III/233.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre is pleased to accept the resignation from service tendered by Shri P. A. Narayanan, officiating Assistant Stores Officer, Directorate of Purchase and Stores with effect from the afternoon of 30-6-1973.

P. R. BONDRE, Dy. Establishment Officer

ATOMIC POWER AUTHORITY

(Central Office)

Bombay, the 16th October 1973

No. APA/ADM/16/52/73.—Chairman-cum-Chief Executive, Atomic Power Authority hereby appoints Shri K. M. John, an officiating Assistant in Bhabha Atomic Research Centre as Assistant Personnel Officer in the Atomic Power Authority in a temporary capacity with effect from the forenoon of September 3, 1973 until further orders *vice* Shri S. Krishnan Assistant Personnel Officer on duty elsewhere.

R. VEERA RAGHAVAN, Administrative Officer

BOTANICAL SURVEY OF INDIA

(DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY)

OFFICE OF THE DIRECTOR

Calcutta-13, the 29th September 1973

No. BSI-66/26/65/Estt.—Shri Netra Pal Singh, Garden Curator, Western Circle, Botanical Survey of India, Poona relinquished the charge of his post in the scale of Rs. 350—800 w.e.f. the forenoon of 22-8-1973, consequent upon his appointment as Systematic Botanist in the pay scale of Rs. 400—950, in the same department.

R. P. PATIL, Dy. Director-in-Charge

New Delhi, the 9th October 1973

No. A.12025(10)/71-Sur-3.—The President is pleased to appoint Shri Netra Pal Singh, Garden Curator, Botanical Survey of India, Western Circle Poona, to officiate as Systematic Botanist in the same office with effect from the forenoon of the 22nd August 1973, until further orders.

P. SARKAR, Dy. Secy.

NATIONAL ATLAS ORGANISATION

Department of Science & Technology

Calcutta-19, the 22nd September 1973

No. 29-8/72/Estt.—Shri T. K. Roy, a permanent Assistant in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing), New Delhi is appointed to the ex-cadre post of Administrative Officer (Class II) on deputation in the National Atlas Organisation, Department of Science & Technology, Calcutta with effect from the 12th September 1973 (Forenoon), until further orders.

S. P. DAS GUPTA, Director

REACTOR RESEARCH CENTRE

Madras, the 11th October 1973

No. RRC/PF/262/72-13838.—Consequent on his reversion, Shri Suchindrum Ramasubbaiyer Sambasivan, substantive Senior Stenographer, Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Administrative Officer of Reactor Research Centre, relinquished his charge of the officiating post on the forenoon of October 8, 1973.

No. RRC/PF/399/73-13840.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri Sundarasubramani Ranganathan, permanent Assistant Personnel Officer of the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Administrative Officer, Grade II, in the Reactor Research Centre with effect from the forenoon of 8-10-1973 in a temporary capacity until further orders.

N. SWAMINATHAN, Sr. Administrative Officer

SURVEY OF INDIA

Surveyor General's Office

Dehra Dun, the 17th October 1973

No. E1-4741/724-SOS.—Shri Mahendra Singh is appointed to officiate as Assistant Stores Officer, Survey of India, in the General Central Service Class II, against a temporary post on a pay of Rs. 350.00 per month in the scale of pay of Rs. 350—25—575 with effect from the forenoon of 21st September 1973, until further orders.

HARI NARAIN, Surveyor General of India

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-12, the 20th September 1973

(CHEMICAL ESTABLISHMENT)

No. 20/1973.—On transfer Shri N. Ramamohanarao, Assistant Chemical Examiner, Custom House Laboratory, Madras assumed charge in the same capacity in the Government Opium and Alkaloid Works, Ghazipur with effect from the forenoon of 14th August 1973.

V. S. RAMANATHAN, Chief Chemist,
Central Revenues

INDIA GOVERNMENT MINT

Calcutta 700053, the 3rd September 1973

No. 76/73.—In partial modification of this office Notification No. 68/73, dated the 19th August 1973, the Master of the Mint, India Government Mint, Alipore, Calcutta 700053, is pleased to appoint Shri R. N. Neogy, Permanent Deputy Accountant, as Bullion Registrar of this Mint in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 590—30—830—35—900/- with effect from the 19th August 1973 (Sunday, treated as Mint working day in lieu of 1st October, 1973) to 20th October 1973 (both days inclusive), *vice* Shri K. S. Subramaniam, Permanent Bullion Registrar, granted leave.

P. K. TIKKU, Master of the Mint

28—316 GI/73

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

Bureau of Industrial Costs & Prices

New Delhi-3, the 29th September 1973

No. A-19016(9)/73-BICP.—On deputation from the Department of Company Affairs, Shri R. K. Arora, Senior Technical Assistant in the Ministry of Law, Justice and Company Affairs is appointed as Junior Specialist in Company Law in the Bureau of Industrial Costs & Prices in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 20th September 1973, until further orders.

S. S. MARATHE, Chairman

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

Office of the Development Commissioner

(Small Scale Industries)

New Delhi, the 10th October 1973

No. A.19018/82/73-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri K. K. Sharma, Small Industry Promotion Officer, in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi, to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the S.I.S.I. Jaipur on an *ad hoc* basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the forenoon of 5-9-73.

The 11th October 1973

No. A. 19018/56/73-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri N. D. Marwaha substantive Small Industry Promotion Officer in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the same Office, on an *ad hoc* basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the forenoon of 13th November 1973.

The 18th September 1973

No. A.19018/74/73-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri S. Ramakrishnan, Small Industry Promotion Officer, S.I.S.I., Cuttack, to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the same Institute on *ad hoc* basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the forenoon of 23-8-1973.

The 20th September 1973

No. A.19018/68/73-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri S. Mohanachandran, Small Industry Promotion Officer, Small Industries Service Institute, Ahmedabad to officiate as Assistant Director (Gr. II) in Small Industries Service Institute, Ahmedabad, on an *ad hoc* basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the forenoon of 24-8-1973.

No. A.19018/68/73-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri S. Guruswamy, Small Industry Promotion Officer, Small Industries Service Institute, Madras to officiate as Assistant Director (Gr. II) in Small Industries Service Institute, Madras on *ad hoc* basis until further orders. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the forenoon of 23rd August 1973.

The 22nd September 1973

No. A-19018(77)/73-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri Paresh Chandra Dutta, Small Industries Promotion Officer, Small Industries Service Institute, Calcutta to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the same Institute on *ad hoc* basis. He assumed charge as Asstt. Director (Gr. II) in the forenoon of 24th August 1973.

The 24th September 1973

No. A. 19018/69/73-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri P. K. Perumal, Small Industry Promotion Officer, S.I.S.I., Madras, to officiate as Assistant Director (Gr. II), S.I.S.I.,

Madras, on *ad hoc* basis until further orders. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the forenoon of 23-8-1973.

No. A. 19018(76)/73-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri R. N. Bhatnagar, Small Industries Promotion Officer, SISI, New Delhi, to officiate as Assistant Director (Gr. II) SISI Kanpur, on *ad hoc* basis. He assumed charge as Asstt. Director (Gr. II) in the forenoon of 5-9-1973.

No. A.19018/79/73-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri R. Ramanathan, Small Industry Promotion Officer, Small Industries Service Institute, Hyderabad to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the Small Industries Service Institute, Bangalore on *ad hoc* basis until further orders. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the forenoon of 3rd September 1973.

K. V. NARAYANAN, Dy. Dir. (Admn.).

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

Office of the General Manager : Madras Telephones

Madras-600001, the 19th October 1973

No. AST/AO/IV.—The General Manager Telephones, Madras is pleased to appoint Shri S. R. SANTHAKUMAR, Senior Accountant to officiate as Accounts Officer in local arrangement in M.T.D. for the periods mentioned below :—

Sl. No., From & To

1. 19th March 1973 F/N—30th June 1973 A/N.
2. 1st August 1973 F/N—19th September 1973 F/N.

The 19th October 1973

No. AST/AO/IV.—The General Manager Telephones, Madras, is pleased to appoint the undermentioned Engineering Supervisors to officiate as Assistant Engineers, in local arrangement in MTD for the periods indicated against each :—

Sl., No., Name, Present Cadre, From & To

S/Shri

1. K. Jayaraman, ESP, 16th May 1973 F/N—30th June 1973 A/N.
2. P. K. S. Manian, SG ESP, 17th July 1973 A/N—26th September 1973 F/N.
3. G. Perumal, SG ESP, 31st July 1973 F/N—26th September 1973 F/N.
4. T. N. Ganapathy, ESP, 8th August 1973 F/N—27th August 1973 F/N.
5. T. V. Raghava Warriar, ESP, 16th August 1973 F/N.
6. V. S. Vaidyanathan, ESP, 27th August 1973 F/N.
7. J. S. Simon, ESP, 14th September 1973 FIN.
8. A. Ramachandran, ESP, 26th September 1973 F/N.

No. AST/AE-5/II/2.—The undermentioned Assistant Engineers, who are officiating in local arrangement stand reverted to their parent cadre with effect from the dates indicated against each :—

Sl. No., Name of the Officer—Date of Reversion to the Parent Cadre

1. Sri P. K. S. Manian—29th June 1973 A/N.
2. Sri A. Subramanian (S. No. 3267)—3rd September 1973 A/N.
3. Sri S. Sivaprakasam—3rd September 1973 F/N.
4. Sri T. N. Ganapathy—31st July 1973 F/N.
5. Sri S. S. Venkataraman—7th July 1973 F/N.
6. Sri R. Srinivasan—7th July 1973 A/N.
7. Sri S. Rajagopal—7th July 1973 A/N.
8. Sri V. Ganapathiraman—27th July 1973 F/N.

V. S. NARASIMHACHARI, Div. Engineer (Admn.).

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 18th September 1973

No. A. 12025/5/72-EH.—The President is pleased to appoint Shri B. S Rao as Deputy Director (F.C.S.) in Civil Aviation Department with effect from 27th August, 1973 (FN) and until further orders.

The 21st September 1973

No. A. 32013/2/72-EH.—The President is pleased to grant proforma promotion to Shri G. A. Shroor, who was on deputation with the Government of Mauritius, in the grade of Director of Air Routes & Aerodromes, Civil Aviation Department, with effect from 18th May, 1972 and until further orders.

The 15th October 1973

No. A32013/4/72-EA.—The President is pleased to grant proforma promotion to Shri R. D. Pradhan, at present on deputation to the International Airports Authority of India, to the grade of Deputy Director/Controller of Aerodromes, in the Civil Aviation Deptt., in an officiating capacity, with effect from the 14th August 1973 and until further orders.

The 17th October 1973

No. A. 32013/9/73-EH.—The President is pleased to appoint on deputation Air Vice Marshal L. S. Grewal and Air Commodore A. F. Gama as Examiner of flying in the Civil Aviation Department with effect from 17-9-1973 (FN) and until further orders.

No. A. 32013/9/73-EH.—The President is pleased to appoint on deputation Air Vice Marshal L. S. Grewal and Air Commodore A. F. Gama as Examiner of flying in the Civil Aviation Department with effect from 17th September 1973 (FN), and until further orders.

S. L. KHANDPUR, Asstt. Dir. of Admn.

New Delhi-22, the 24th September 1973

No. A. 32014/1/73-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the undermentioned Technical Assistants in the Aeronautical Communication Organisation

of the Civil Aviation Department as Assistant Technical Officer in an officiating capacity and until further orders with effect from the date shown against their name :—

S., No., Name, Date from which appointed & Station to which Posted

1. Shri R. V. Israni, 20th June 1973 A/N—A.C.S. Gauhati.
2. Shri K. S. Ratnam, 10th August 1973 A/N—A.C.S. Bombay.
3. Shri M. S. Adaikalam, 25th May 1973 F/N—A.C.S. Trivandrum.
4. Shri M. G. Sudarshan, 2nd August 1973 A/N—A.C.S. Bhatinda.

The 28th September 1973

No. A.38013/7/73-EC.—Shri I. P. K. Menon, officiating Senior Communication Officer in the office of Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Madras relinquished charge of his office on 10th September 1973 A.N. on retirement from Government service on his attaining the age of superannuation.

The 10th October 1973

No. A. 12025/3/73-EC.—The President is pleased to appoint the undermentioned persons in the Aeronautical Commn. Organisation of the Civil Aviation Department as Technical Officers on a temporary basis with effect from the date shown against each and until further orders.

Sl., No., Name Date from which appointed & Office/Station to which posted

1. Shri Sushil Kumar, 28th August 1973 F/N—A.C.S., Palam.
2. Shri Subhash Kumar Kakar, 28th August 1973 F/N—RC&DU, New Delhi.

S. EKAMBARAM

Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 16th October 1973

No. E(1)06513.—The Director General of Observatories hereby appoints Dr. V. S. Tiwari, Professional Assistant Office of the Director, Instruments, Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 7th September, 1973 and until further orders.

Dr. V. S. Tiwari, offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of Director, Instruments, Poona.

Nootan Das, Meteorologist
for Director General of Observatories

MINISTRY OF IRRIGATION & POWER

OFFICE OF THE GENERAL MANAGER,

Farakka Barrage Project

Farakka, the 25th September 1973

No. PF-II/197/11560(8).—Sri Ajoy Kumar Saha; Overseer in the F. B. Project has been appointed in promotion to officiate in the post of Asstt. Engineer (Mech) in the same project, on *ad-hoc* basis for a period upto 7-12-1973 or until further order whichever is earlier with effect from the forenoon of 7th June, 1973.

The 26th September 1973

No. PF-II/195/11625(7).—Dr. (Mrs.) Manjula Sarkar (Baru) of the Dept. of Health, Govt. of West Bengal, on her appointment on deputation, has taken over charge of the post of Medical Officer in the Farakka Barrage Project, Govt. of India, Ministry of Irrigation and Power, on the afternoon of 23-7-1973.

N. N. MUKHERJEE, General Manager

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 15th October 1973

No. 28/9/71-ECI.—The President is pleased to further allow Shri G. G. Ghosh, Assistant Engineer (Civil) in CES continue to officiate as Executive Engineer (Civil) in C.E.S. Class I on a purely *ad-hoc* and provisional basis upto 30-9-1973 or till the stay order is vacated by the Calcutta High Court whichever is earlier.

No. 28/9/71-ECI.—The President is pleased to further allow the following Assistant Engineers (Electrical) to continue to officiate as Executive Engineer (Electrical) in C.E.E.S. Class I, on a purely *ad-hoc* and provisional basis upto the dates noted against each or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier.

S/Shri

1. T. K. Ramaswamy—30-9-1973.
2. N. C. Dutta Gupta—30-9-1973.
3. P. C. Ghosh—30-9-1973.
4. R. N. Ganguly—30-9-1973.
5. J. N. Banerjee—30-9-1973.
6. R. N. Bhattacharjee—30-9-1973.
7. D. R. Khanna—30-9-1973.
8. Vishwa Nath Singh—30-9-1973.
9. A. K. Dutta—30-9-1973.
10. D. N. Joshi—14-9-1973 (Retired)

V. P. SARVARIA, Dy Dir. of Admn.

CENTRAL GROUND WATER BOARD NH. IV FARIDABAD (HARYANA)

Faridabad, the 27th September 1973

No. 3-293/73-Estt.II.—In supersession to this office notification No. 3-293/73-Estt.II dated 4-6-1973, Dr. Tadimari Gooty Firozuddin is hereby appointed to officiate as Assistant Hydrogeologist, G. C. S. Class II (Gazetted) on the pay of Rs. 425/- (Rupees four Hundred Twenty Five) only per month plus allowances in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 in the Central Ground Water Board with his headquarters at Chandigarh with effect from 17-4-1973 (Forenoon) till further orders.

No. 3-288/73-Estt.II.—Shri Virendra Nath Duba is hereby appointed to officiate as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Class II (Gazetted) on the pay of Rs. 450/- per month plus allowances in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 in the Central Ground Water Board with his headquarters at Nagpur with effect from 17th July, 1973 (F.N.) till further orders.

No. 3-307/73-Estt.II.—Shri Lukka Venkataratnam is hereby appointed to officiate as Assistant Soil Chemist, G.C.S. Class II (Gazetted) on the pay of Rs. 350/- per month plus allowances in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 in the Central Ground Water Board, U.N.D.P. (SF) Project with his headquarters at Jodhpur with effect from 16-7-1973 (Forenoon) till further orders.

No. 3-299/73-Estt.II.—Dr. Yellajosyula Jagadisha Pardhasaradhi, is hereby appointed to officiate as Assistant Hydrogeologist GCS Class II (Gazetted) on a pay of Rs. 425/- per month plus allowances in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 in the Central Ground Water Board with his Headquarter at Calcutta with effect from 9-8-1973 (forenoon) till further orders.

The 8th October 1973

No. 3-290/73-Estt.II.—In supersession to this office notification No. 3-290/73-Estt.II dated 10-7-1973 Dr. Nalluri Gopalakrishnaiah is hereby appointed to officiate as Assistant Hydrogeologist, GCS Class II (Gazetted) on the pay Rs. 450/- (Rupees four hundred fifty) only per month plus allowances in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 in the Central Ground Water with his headquarters at Tejpur with effect from 21-5-1973 (FN) till further orders.

D. PANDEY, Superintending Engineer

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT TUTICORIN HARBOUR PROJECT TUTICORIN-4

Tuticorin-4, the 21st September 1973

No. A-22013/1-73/Admn./4261.—Chief Engineer and Administrator, Tuticorin Harbour Project is pleased to appoint Sarva Shri V. Chellappan Junior Engineer (Civil) K. S. Chinnakalia Pillai Junior Engineer (Civil) and V. R. Lakshminarayanan, D'Man Grade I (Civil) in Tuticorin Harbour Project, on promotion, as Assistant Engineers (Civil) in the Project, in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 10-9-1973, 7-9-1973 and 7-9-1973 respectively.

No. A22013/1-73/Admn/D4262.—Shri T. M. Raja Assistant Engineer (Civil) on deputation from Government of Tamil Nadu, Public Works Department to this project has assumed charge of the post of Assistant Engineer (Civil) with effect from the afternoon of the 12th September, 1973.

D. L. PAUL, Chief Engineer & Admn.

CENTRAL BUREAU OF NARCOTICS

OFFICE OF THE NARCOTICS COMMISSIONER OF INDIA

NARCOTICS DEPARTMENT

CORRIGENDUM

Gwalior-6, the 9th October 1973

F. No. 2(3)Estt/73/20445.—In this office notn, S. No. 8 F. No. 2(3)-Estt/73-17007-18, dated the 20th August, 1973, the figures and words "27th July" may be read as "23rd July".

S. No. 10.—On transfer from Aklera Division Shri Onkar Singh District Opium Officer, took over charge as District Opium Officer, Faizabad in the forenoon of the 10th August, 1973 vice Shri M. S. Bansal transferred.

S. No. 11.—On transfer from Faizabad Division and after availing of Earned Leave, Shri M. S. Bansal, District Opium Officer, took over charge as District Opium Officer, Chittorgarh II Division in the afternoon of the 29th August, 1973 vice Shri A. E. Timothy transferred.

S. No. 12.—On transfer from Shamgarh Division, Shri S. H. Gawande, District Opium Officer, took over charge as Superintendent (Ex.) in the office of the Narcotics Commissioner, Gwalior in the forenoon of the 17th September, 1973.

S. No. 13. On his appointment, Shri A. K. Dass officiating Deputy Superintendent (Ex.) assumed charge as District Opium Officer, Shamgarh in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 in the afternoon of the 6th September, 1973 vice Shri S. H. Gawande transferred.

V. R. SONALKAR
Narcotics Commissioner of India

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-20 the 12th October 1973

No. VI Ad. (AT)/73.—In exercise of the powers conferred by the Supplementary Rule 60, the President, Income-tax Appellate Tribunal, in his capacity as the Head of the Department, defines the limits of spheres of duty for the Vice-Presidents, Income-tax Appellate Tribunal as specified in column 2 and delegates the powers to them as specified in column 3 of the schedule below :—

Schedule

Vice-Presidents	Limits of Spheres of duty	Powers delegated
(1)	(2)	(3)
Vice-President Income-tax Appellate Tribunal, Northern Zone, New Delhi.	(1) Uttar Pradesh (2) Delhi (3) Madhya Pradesh (excluding Raipur Division) (4) Punjab (5) Haryana (6) Himachal Pradesh (7) Union Territory of Chandigarh (8) Rajasthan (9) Jammu and Kashmir	1. To authorise Members, officers and Benches to go on tour within their respective jurisdiction. 2. To proceed on tour within their Zones.
Vice-President, Western and Southern Zone, Bombay.	(1) Maharashtra (2) Tamil Nadu (3) Union Territory of Pondicherry (4) Andhra Pradesh (5) Kerala (6) Union Territory of Lakshadweep (7) Gujarat (8) Union territory of Dadra & Nagar Haveli (9) Union territory of Goa, Daman & Diu (10) Mysore (11) Raipur Division of Madhya Pradesh	

(1)	(2)	(3)
Vice-President, Eastern Zone, Calcutta.	(1) West Bengal (2) Union territories of Andaman and Nicobar Islands. (3) Bihar (4) Orissa (5) Assam (6) Nagaland (7) Meghalaya (8) Tripura (9) Manipur (10) Union territories of Arunachal Pradesh and Mizoram.	

HARNAM SHANKAR

President,

Income Tax Appellate Tribunal, Bombay.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ORISSA

Bhubaneswar, the 16th October 1973

No. Ad.I-1/73-74/25400-03.—In Partial modification of this office order dated 16-5-1973, Shri A. N. Mishra, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Sambalpur Range, Sambalpur was granted 17 days Earned Leave from 21-5-1973 to 6-6-1973 with permission to affix 20-5-1973 which was a public holiday.

2. Shri K. C. Chand, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Cuttack Range, Cuttack was appointed to hold the charge of Inspecting Assistant Commissioner, Sambalpur Range, Sambalpur during the absence of Shri Mishra on leave in addition to his own duties.

3. On expiry of leave, Shri A. N. Mishra took over charge as Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Sambalpur Range, Sambalpur as such on the forenoon of 7th June 1973 relieving Shri K. C. Chand of the additional charge.

M. W. A. KHAN,
Commissioner of Income-tax, Orissa

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
DELHI-I

New Delhi, the 28th December 1973

No. JUR-DLI/IAC/73-74/81/67.—In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of Section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi hereby makes the following amendments in the Schedule appended to this office notification No. JUR-DLI/IAC/71-7/12306 dated 30-12-1971 as amended from time to time.

In the said schedule the entries in column 2 against Range-II & XI, New Delhi shall be substituted by the following:—

Range	Income tax District /Circle
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax, Delhi Range-II New Delhi.	1. District VIII (1), (2), (2) (Addl), (3) (4), (6), (7), (8), (9), (10) (11), (12), (13), (14), (16) and (17), New Delhi. 2. Special Circle-X & XIII, New Delhi.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax, Delhi Range-XI, New Delhi.	1. District X, New Delhi. 2. District VIII (5), (15) and (18), New Delhi. 3. Special Circles-XI & XII, New Delhi.

This notification shall take effect from 15-10-1973.

AVTAR SINGH,
Commissioner of Income tax
Delhi-I, New Delhi

New Delhi, the 28th September 1973

ORDER

No. JUR-DLI/Range-XI/73-74/8168—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income tax, Delhi-I, New Delhi hereby directs that the Income tax Officers whose present designation is specified in Column 2

of the table below shall be redesignated as specified in Column (3) of the said table :—

Nagpur, the 22nd October 1973

TABLE

S.No.	Present designation of I.T.Os	New Designation of the I.T.Os.
1	2	3
1.	Income tax Officer, District X (3), New Delhi	Income tax Officer, Special Circle-XI, New Delhi.
2.	Income tax Officer, District X (11), New Delhi	Income tax Officer, Special Circle-XII, New Delhi.
3.	Income tax Officer, District FIII (3), New Delhi	Income tax Officer, Special Circle-XIII, New Delhi.

This order shall take effect from 15-10-73.

AVTAR SINGH,
Commissioner of Income Tax,
Delhi-I, New Delhi

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Calcutta, the 25th September 1973

No. 47.—On transfer from Chandernagor, Central Excise Division Shri M. L. Choudhury Supdt., C.E. Class II took over charge of Prev. and Int. Collectorate Hdqrs. Office on 13-8-1973 FN vice Shri B. R. Sen Gupta, Supdt. Class II transferred to Calcutta IV Divn.

No. 48.—On transfer from Pre. & Int. Collte. Hdqrs. office Shri B. R. Sen Gupta, Superintendent, Central Excise, Class II took over charge of Supdt. (T) Central Excise Calcutta IV Division on 13-8-1973 FN relieving Shri J. Bhattacharjee, Supdt., Cl. II of the additional charge.

N. N. ROY CHOUDHURY,
Collector of Central Excise & Customs

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Kanpur, the 15th September

No. 83/73.—Sri B. K. Misra, Assistant Collector, Customs, Motihari on this transfer to Kanpur relinquished charge of Assistant Collector, Customs, Motihari in the afternoon of 9-8-1973 and proceeded on 7 days Earned leave from 10-8-1973 to 16-8-1973 with permission to suffix joining time from 17-8-1973 to 26-8-1973 (Sunday on 26th Aug. 1973).

2. Sri B. K. Misra, Assistant Collector, after availing the leave and joining time assumed charge as Assistant Collector Central Excise, in the office of the Collector, Central Excise, Kanpur in the forenoon of 27-8-1973 and assumed the charge of Assistant Collector (Audit-I) in the forenoon of 4-9-1973 (F.N.)

J. DATTA
Collector

No. 14/73.—Shri B. G. Dantre, lately posted as permanent Superintendent of Central Excise (Class II), Inspection Group, Indore, proceeded on 96 days Earned Leave preparatory to retirement from 17-9-1973 to 21-12-73, on expiry of which, he will retire from service.

No. 13/73.—On appointment as Assistant Collector. Shri D. P. Mathur, lately posted as Superintendent, Central Excise Class I in Kanpur Collectorate assumed charge as Assistant Collector of Central Excise, I.D.O., Raipur in the forenoon of 14th September, 1973.

R. N. SHUKLA
Collector

CUSTOMS

Bombay-400001, the 24th September 1973

No. 11.—Kum. N. P. Pednekar, Office Superintendent of Bombay Custom House is promoted to Officiate as Administrative Officer, Class II, with effect from 30-8-1973 (FN).

No. 12.—Kum. I. K. Panjwani, Office Supdt. of Bombay Custom House is promoted to officiate as Administrative Officer, Class II with effect from 29-8-1973 (FN).

No. 13.—Shri M. P. Gurnani, Office Superintendent of Bombay Custom House is promoted to officiate as Administrative Officer Class II with effect from 29-8-1973 (FN).

M. R. RAMACHANDRAN
Collector of Customs

CORRIGENDUM

Ahmedabad, the 8th October 1973

Read the date as the 17th January, 1973 instead of 23rd January, 1973 as mentioned in the 7th line of the notification under section 269D(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), published in Part-III of Section-I of the Gazette of India (Extraordinary) dated 27th July, 1973 at page 67.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
Ahmedabad

FORM ITNS

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Devinder Khanna son of Shri Dwarka Dass
r/o Lawrence Road, Kothi No. 18, Amritsar
(Transferor)

(2) Shri Sushil Kumar son of Dr. Khushi Ram Jai
Road, Amritsar. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above (Person(s) in occupation of
of the Property)

(4) Any other person interested in the property. (Person(s)
whom the undersigned knows to be interested in
the property)

Objection, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the
objections if any made in response to this notice against the
acquisition of the immovable property will be fixed and notice
thereof shall be given to every person who has made such
objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraphs shall have a
right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the Income-
tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the
same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15 K 2 M. at V. Nangli Teh, Amritsar as
mentioned in the registered deed No. 137 of May, 1973 of
Registering Authority Amritsar.

R. S. SAWHNEY,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 3-11-1973.

(Seal)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1973

Ref. No. ASR/AP-283/73-74/1958.—Where I, R. S. Sawhney, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 15 K 2 M V. Nangli Teh, Amritsar, as mentioned in the registered deed No. 137 of May, 1973 of S.R. Amritsar, situated at Nangli, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1973

Ref. No. ASR/AP-284/73-74/1959.—Whereas I, R. S. Sawhney, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 413 of May, 1973 situated at Br. Malkan, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar in May 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Chanan Wati Mehra w/o Shri Durga Dass Mehra now at Agra through Smt. Bimla Wati House No. 1294/10 Gali Mochian, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Prem Wati w/o Shri Madan Lal, Katra Safaid, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above (Person(s) in occupation of of the Property)
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in Bazar, Malkan, near Chowk fountain, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 413 of May, 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

R. S. SAWHNEY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 3-11-1973.
(Seal)

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1973

Ref. No. ASR/AP-292/73-74/1967.—Whereas, I, R. S. Sawhney, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half share of 5 shops and two godown No. 1452/12-2 R. B. Gaggar Mal Road, Amritsar as mentioned in registered deed No. 473 of S. R. Amritsar situated at Gaggar Mal Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in May, 1973, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shiv Kumar s/o L. Goverdhan Dass, Shmt. Raj Wati w/o L. Goverdhan Dass, 5 Maqbool Road, Amritsar. (Transferor)

29—316GI/73

(2) Shmt. Parkash Wanti w/o Shri Trilok Chand Jain Lohgarh Chowk, Amritsar. (Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share of 5 shops and two godown No. 1452/12-2 R. B. Gaggar Mal Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 473 of May, 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

R. S. SAWHNEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range
Amritsar.

Date : 3-11-1973

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
RANGE, 3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1973

Ref. No. ASR/AP-285/73-74/1960.—Whereas I, R. S. Sawhney, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33 K 5M at V. Kala Ghanupur, as mentioned in the registered deed No. 1254 of May, 1973 of Registering Authority, Amritsar situated at V. Kala Ghanupur, Distt. Amritsar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in May 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) S/Shri Balkar Singh, Mukhtar Singh s/o Banta Singh r/o Kala Ghanupur. Tech. Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Maya Lal s/o Charan Dass, Piara Lal son of Damodar Dass r/o Kanak Mandi, Shri Damodar Dass s/o Relu Mal, Sita Ram r/o Bz. Tokerian, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 33 K5M at V. Kala Ghanupur as mentioned in the registered deed No. 1254 of May, 1973 of Registering Authority Amritsar.

R. S. SAWHNEY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range
Amritsar.

Date : 3-11-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1973

Ref. No. ASR/AP-286/73-74/1961.—Whereas, I, R. S. Sawhney, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 915 Sq. Yds. at Lawrence Road, Amritsar is mentioned in the registered deed No. 523/1 of May, 1973 situated at Lawrence Road, Amritsar (and

more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer, at Amritsar in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Smt. Bibi Lajwant Kaur W/o Shri Bhupinder Singh c/o Wazir Hind Press, Hall Bazar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shmt. Kusum Arora w/o Shri Inder Kumar, Gali Devi Wali Kucha Pehlwan, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 915 Sq. Yds. at Lawrence Road, Amritsar as mentioned in registered deed No. 523/1 of May, 1973, of Registering Authority, Amritsar.

R. S. SAWHNEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range
Amritsar.

Date : 3-11-1973
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
RANGE, 3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1973

Ref. No. ASR/AP-287/73-74/1962.—Whereas, I, R. S. Sawhney, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. a piece of land of 10 K 1 M, as mentioned in the registered deed No. 538/1 of May, 1973 situated at Islamabad, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Kishan Gopal & Nand Gopal s/o Late Ram Dayal 156/XIII-2, Cooper Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) S/Shri Durga Dass & Shri Dwarka Dass s/o Sh. Mansa Ram of Katra Sufaid, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 Kanals 1 Marla, Islamabad, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 538/1 of May, 1973 of Registering Authority, Amritsar.

R. S. SAWHNEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
Amritsar.

Date : 3-11-1973

Seal :

FORM IINS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION

RANGE, 3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1973

Ref. No. ASR/BTL/AP-288/73-74/1963.—Whereas, I, R. S. Sawhney, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3/5 share of 5 K 12 M i.e. 2800 Sq. Yds. 1680 Sq. Yds. as mentioned in the registered deed No. 811 of May, 1973 of S. R. Batala situated at G. T. Road, Batala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Amritsar in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Atlas Engg. Industries, Batala through Shri Wazir Chand Kawatra. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Kamlesh Rani w/o Shri Darshan Lal Partner of M/s. Parkash Foundry G. T. Road, Batala. 2. Shri Varinder Kumar s/o Sh. Om Parkash c/o M/s Ganesh Foundry, Batala. 3. Shri Surinder Kumar s/o Shri Tilak Raj c/o M/s. Ganesh Foundry, Batala. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1680 Sq. Yds. of land situated at G. T. Road, Batala as mentioned in the registered deed No. 811 of the Registering Authority, Batala.

R. S. SAWHNEY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar.

Date : 3-11-1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1973

Ref. No. ASR/BTL/73-74/AP-289/1964.—Whereas, I, R. S. Sawhney, being the competent authority under Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/5th share of 5 K 12 M i.e. 2800 Sq. Yds. 1120 Sq. Yds. as mentioned in the registered deed No. 812 of Registering Authority, Batala situated at G. T. Road, Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar in May, 1973, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s Atlas Engg. Industries Batala through Sh. Wazir Chand Kawatra. (Transferor)
- (2) 1. Shmt. Pushpa Rani w/o Shri Om Parkash c/o M/s. Parkash Foundry G. T. Road, Batala. 2. Shmt. Asha Rani w/o Shri Tilak Raj c/o M/s D. U. Industries, G. T. Road, Batala. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1120 Sq. Yds. of land situated at G. T. Road, Batala as mentioned in the registered deed No. 812 of Registering Authority, Batala.

R. S. SAWHNEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range
Amritsar.

Date : 3-11-1973
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION
RANGE, 3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1973

Ref. No. ASR/AP-290/73-74/1965.—Whereas, I, R. S. Sawhney, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 422 of May, 1973 situated at Abadi Kishan Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Amritsar in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

- (1) S/Shri Mela Singh s/o Bur Singh of Delhi Jhansi Road, 8-E Jhandiwala, Surjit Singh, Parkash Singh SS/o Smt. Gian Kaur D/o S. Jaimal Singh of Amritsar Majitha Road, Smt. Gurcharan Kaur w/o Lt. Col. Kartar Singh of Chandigarh. (Transferor)

(2) S/Shri Jagdish Chand Bhatia s/o Daulat Ram, Gopal Dass s/o Isher Dass of Gali Kharasian Kt. Baghian, Amritsar & O. P. Mani, Agent Indian Overseas Bank, Amritsar. (Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 422 of May, 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

R. S. SAWHNEY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range
Amritsar.

Date : 3-11-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-3,
CHANDERPURI TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1973

Ref. No. ASR/AP-291/73-74/1966.—Whereas, I. R. S. Sawhney, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Half share of five shops and two godowns Nos. 1452/12-2 Gaggar Mal Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 472 of S. R. Amritsar situated at Gaggar Mal Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Amritsar in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Chaman Lal son of Shri Goverdhan Dass, Shmt. Rajwati w/o Shri Goverdhan Dass, Joshi Colony, Amritsar. (Transferor)

- (2) Shmt. Parkash Wanti w/o Shri Trilok Chand, Jain Chowk Lohgarh, Amritsar. (Transferee)

- (3) As at Sl. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any other person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share of five shops and two godowns Nos. 1452/12-2 Gaggar Mal Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 472 of May, 1973 of the S. R. Amritsar.

R. S. SAWHNEY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date : 3-11-1973

Seal :

FORM ITNS—

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 2nd November 1973

Ref. No. F. XII/23/2/73-74.—Whereas, I. K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at Survey No. 28 situated at Palayamkottai Chathiram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R. I. Palayamkottai on 14-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

(1) S. C. A. Chok, 174, High Road, Tirunelveli Junction (Transferor).

(2) M. A. M. Mohideen, Kalankudiyiruppu. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 acres of vacant land in Survey No. 28 situated at Palayamkottai Chathiram.

K. V. RAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
Madras-6

Date : 2-11-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE
NAGPUR

Nagpur, the 2nd November 1973

Ref No. IAC/ACQ/23/73-74. Whereas, I. S. S. Roy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 527/1, Congress Nagar, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Nagpur on 14-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the Transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 369C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) All India Reporter Ltd. Nagpur. (Transferor)

(2) Dinkar Vaman Chitaley, Nagpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is thereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property situated on Plot No. 27, Circle No. 19/27, Ward No. 1, Congress Nagar, Nagpur, House No. 527/1 with a built-up area of 2242 Sq. Ft. and the plot area admeasuring 9405 Sq. Ft. single-storeyed, bounded as under :—

On East : Public Road.

On West : Conservancy Lane.

On North : Godown belonging to All India Reporter Ltd.

On South : House belonging to Shri Joshi.

S. S. ROY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Nagpur.

Date : 2nd November 1973.

Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 2nd November 1973

Ref. No. AC/ACQ/24/73-74.—Whereas, I, S. S. Roy, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 512, Congress Nagar, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 14-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) All India Reporter Ltd. Nagpur. (Transferor)
- (2) Ashoka Madhav Chitaley, Nagpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property situated on Plot No. 17, Circle No. 19/27, Ward No. 1, Congress Nagar, Nagpur-12, House No. 512 with built-up area of 45' x 55' admeasuring 2246 Sq. Ft. and plot area 9540 Sq. Ft. two storeyed and bounded as under:—

On East : Public Road.
On West : Conservancy Lane.
On North : House of Mr. Dhar.
On South : House of Mr. Datar.

S. S. ROY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Nagpur.

Dated : 2nd November 1973.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 1st November 1973

Ref. No. Acq. 23-1-12/16-6/73-74.—Whereas, I, J. Kathuria
being the Competent Authority underSection 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961)
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
No. Survey No. 896 situated at Dhebar Road, Rajkot(and
more fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
registering officer at Rajkot on 10th May 1973 for an apparent
consideration which is less than the fair market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the transferor(s) and the
transferee(s) has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of
1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter
XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been
recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid
property by the issue of this notice under sub-section (1) of
section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons, namely :—

- (1) M/s. P. Pandya & Co.
Partners :
(1) S/Shri Kanubhai Chhaganlal Pandya,
(2) Parsottam Bhavanbhai
(3) Lavjibhai Bhavanbhai
(4) Prabatbhai Bhavanbhai
Prahad Road, Rajkot (Transferor).
- (2) Smt. Indiraben Jaysukhlal Desai 56, Jankalyan
Society, Rajkot (Transferee).
- (3) (1) Brasannvir Corporation,
(2) Voiles Emporium.

- (3) Modella Mills Retail-shop.
- (4) Anupchand Lavjibhai.
- (5) Subhadrasan Investment.
- (6) Shantilal Kalidas (Studio-Ketu).
- (7) R. P. Sanghvi & Co., Chartered Accountant.
- (8) Saurashtra Fertilizer.
- (4) A. D. Amin & Co.,
- (10) Manubhai A. Sheth. (Person in occupation of
the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later :
- (b) by any of the person interested in the said im-
movable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the
objections if any made in response to this notice against the
acquisition of the immovable property will be fixed, and notice
thereof shall be given to every person who has made such
objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have a
right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 896, Land admeasuring 90-6-95 sq. yds. with
building situated at Dhebar Road, Rajkot.

J. KATHURIA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 1-11-1973
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, 123 MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras, the 31st October 1973

Ref. No. F. IX/1/5/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 523 situated at Poonamallee High Road, Madras-84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at District Registration on 5-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (2) Hotel Staylonger Private Limited, Bangalore (Represented by its Managing Director, Kakaday Krishna No. 15, Marshalls Road, Egmore, Madras. (Person No. 15, Marshalls Road, Egmore, Madras. (Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land (Plot No. E) in Re-survey No. 1/4, Poonamallee Division admeasuring 1 ground and 186 sq. ft. and bearing Door No. 523, Poonamallee High Road, Purasawalkum, Madras-84.

K. V. RAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 31-10-1973.

Seal:

- (1) Sri S. Prakasa & Mrs. P. S. Kamala Bai, 523, Poonamallee High Road, Madras-84. (Transferor).

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION

RANGE-1, 123 MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 31st October 1973

Ref. No F. NO. IX/1/4/73-74.—Whereas, I. K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 523 situated at Poonamallee High Road-Madras-84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to

the following persons namely:—

- (1) Sri S. Prakasa S/o Late Dr. P. P. Somasundaram, and Mrs. P. S. Kamala Bai, W/o Late Dr. P. Somasundaram, 523, Poonamallee High Road, Madras-84 (Transferor).
- (2) HOTEL STYLONGER PRIVATE LIMITED, Bangalore (Represented by its Managing Director, Kakaday Krishna No. 15, Marshalls Road, Egmore, Madras, (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land (Plot No. 'H') in Re-survey No. 1/4, Poonamallee Division admeasuring 1 ground 1504 sq. ft. and bearing Door No. 523, Poonamallee High Road, Purusawalkam, Madras-84.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 31-10-1973

Seal:

FORM JINS—

(2) Hotel Staylonger Private Limited by Kakaday
Krishna, 15, Marshalls Road, Madras-8. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6**

Madras-6, the 2nd November 1973

Ref. No. F. IX/1/6/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269(1) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 1/4 situated Door No. 523 Poonamallee High Road, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at District Registrar I on 15-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) S. Prakasa and Mrs. P. S. Kamala Bai, 523, Poonamallee High Road, Madras-84. (Transferor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land bearing Survey No. 1/4 and situated at 523, Poonamallee High Road, Madras admeasuring 1 ground 1504 sq. ft.

K. V. RAJAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Dated : 2-11-1973
Seal :

FORM ITNS.—

(2) S. Haja Kamaldeen, North Street, Kilakeral, Ramana-
nathapuram District. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 2nd November 1973

Ref. No. F. IX/3/9/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door Nos. 240, 241, 242 and 243 situated at Rasappa Chetty Street, Park Town, Royapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J. S. R. II on 6-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) C. Y. Anjaneyalu Chetty, 17A, Micnichols Road, Chetpet, Madras-600031. (Transferor),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Door Nos. 240, 241, 242 and 243, Rasappa Chetty Street, Park Town, Madras-600003, admeasuring 1 gd. 664 Sq. ft.

K. V. RAJAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-1, Madras-6

Date : 2-11-1973

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Mahinder Kapoor, 12, Waterloo Street,
Calcutta

(Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGS-II

Calcutta, the 1st November 1973

No. AC64/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14-4A, situated at Burdwan Road P.S. Alipur, Calcutta, Dist. 24-Parganas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 14-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Varuna Rathore, 32B, Darshana Apartment, Mount Pleasant Road, Malabar Hills Bombay.
(Transferor)

31—316GI/73

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Free hold land 5 K. 1 Chattack 8 sq. ft. portion of 14/44, Burdwan Road, Alipur, Calcutta, Dist. 24-Parganas.

M. N. TIWARY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II/

P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Date : 1-11-1973

Seal :

FORM ITNS

1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE-I, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-26, the 2nd November 1973

1961) have reason to believe that the immovable property being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. land situated at No. 611/5, Vadakarai, Kizpidaram and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Thenkasi on 26-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of

- (1) S. Ranganathan, Madras-1, Deivanayaki, Nagercoil
S. Rajalakshmi, Trivandrum Loganayki, Tuticorin.
(Transferor).

- (2) Paramasiva Thevar, Katunkuzni. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 acres and 13 cents of vacant land bearing S. No 611/5 situated at Vadakarai, Kizpidagai

K. V. RAJAN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 2-11-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II/CALCUTTA

Calcutta, the 31st October 1973

Ref. No AC-58/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 5 situated at 8/1/A, Diamond Harbour Road, Alipore, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Registrar of Assurances, Calcutta on 14-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Maharajadhiraja Uday Chand Mahatab Bahadur, 10A Diamond Harbour Road, Alipore.
- (2) Maharaj Kumar Saday Chand Mahatab, 14/3 Burdwan Road, Calcutta-27.
- (3) Maharaj Kumar Malay Chand Mahatab, 225 Lower Circular Road, Calcutta.
- (4) Maharaj Kumar Pranay Chand Mahatab, 2 Judges Court Road, Alipur, Calcutta.

(5) Maharaj Kumari Varuna Rathore, Narayan Dabholkar Road Bombay.

(6) Maharaj Kumari Jyotsna Dutt 2/20 Turf. View, 225 Lower Circular Road, Calcutta.

(7) Maharaj Kumari Karuna Mahatab, 2 Judges Court Road, Calcutta. (Transferors).

Sri Ramesh Kumar Manpuria, 11, Pollock Street, Calcutta. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5 formed out of 8/1/A, Diamond Harbour Road, Alipore, Calcutta Dist. 24-Parganas, having an area of 4 kathas 4 chittacks and 34 sq. ft.

M. N. TIWARY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range-II/ P-13, Chowringhee Sqr.

Calcutta.

Date : 31-10-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

Calcutta-1, the 31st October 1973

Ref. No. Ac-59/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the competent authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 6 situated at 8/1/A, Diamond Harbour Road, Alipur, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances, Calcutta on 14-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (i) Maharaja Dhiraja Uday Chand Mahatab, 10A Diamond Harbour Road, Alipur,
- (ii) Maharaj Kumar Saday Chand Mahatab, 14/3 Burdwan Road, Calcutta-27.

(iii) Maharaj Kumar Malay Chand Mahatab, Tivoli Garden 225 Lower Circular Road, Calcutta.

(iv) Maharaj Kumar Pranay Chand Mahatab, 2 Judges Court Road, Alipur, Calcutta.

(v) Maharaj Kumari Varuna Rathore, 1st Floor, Nymph Narayan Dabholkar Road, Bombay-6.

(vi) Maharaj Kumari Karuna Mahtab, 2 Judges Court 225 Lower Circular Road, Calcutta.

(vii) Maharajkumari Karuna Mahatab, 2 Judge, Court Road, Calcutta. (Transferors)

Shri Ghasiram Agarwala 105B, Diamond Harbour Road, Calcutta-23. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6 formed out of 8/1/A, Diamond Harbour Road, Alipur, Calcutta, Dist. 24-Parganas having an area of 5 cottahs 11 chatacks and 21 sq. ft.

M. N. TIWARY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date - 31-10-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II/CALCUTTA

Calcutta, the 31st October 1973

Ref. No. AC-60/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 10 situated at 8-1/A, Diamond Harbour Road, Alipore, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Silchar in the Registrar of Assurances, Calcutta on 14-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Maharaja Dhiraja Uday Chand Mahatab, 10A, Diamond Harbour Road, Alipore.

- (2) Maharaj Kumar Saday Chand Mahatab, 14/3 Burdwan Road, Calcutta-27.
- (3) Maharaj Kumar Malay Chand Mahatab, Tivoli Garden 225, Lower Circular Road, Calcutta.
- (4) Maharaj Kumar Pranay Chand Mahatab, 2 Judges Court Road, Alipore, Calcutta.
- (5) Maharaj Kumari Varuna Rathore, 1st Floor, Nymph, Narayan Dabholkar Road, Bombay.
- (6) Maharaj Kumari Jyotsna Dutta 2/30 Turf View 225 Lower Circular Road, Calcutta.
- (7) Maharaj Kumari Karuna Mahatab, 2 Judges Court Road, Calcutta. (Transferors)
- (1) Vijoy Kumar Agarwal.
- (2) Bimal Kumar Agarwal, minor by his father Hazarimull Agarwal.
- (3) Parma Nand Gupta.
- (4) Monoj Kumar Gupta both minors by their father Radheyskyam Gupta, 105A, Diamond Harbour Road, Calcutta (Transferees).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10 of 8/1/A, Diamond Harbour Road, Alipore, Calcutta, Dist. 24-Parganas having an area of 5 kathas and 27 sq. ft.

M. N. TIWARY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
P/13, Chowringhee Sq., Calcutta.

Date : 31-10-1973

Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II/CALCUTTA

Calcutta, the 31st October 1973

Ref. No. Ac-61/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7 situated at 8/1/A, Diamond Harbour Road, Alipur, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrar of Assurances, Calcutta on 14-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (i) Maharaj Dhiraj Uday Chand Mahatab 10A Diamond Harbour Road, Alipur.
- (ii) Maharaj Kumar Saday Chand Mahatab, 14/3 Burdwan Road, Calcutta-27.

- (iii) Maharaj Kumar Malay Chand Mahatab, Tivoli Garden, 225 Lower Circular Road, Calcutta.
- (iv) Maharaj Kumar Pranay Chand Mahatab 2 Judges Court Road, Aplipur, Calcutta.
- (v) Maharaj Kumari Varuna Rathore, 1st Floor, Nymph, Narayan Dabholkar Road, Bombay-6.
- (vi) Maharaj Kumari Jyotsna Dutta 2/30 Turf View, 225 Lower Circular Road, Calcutta.
- (vii) Maharaj Kumari Karuna Mahatab 2 Judges Court Road, Calcutta, (Transferors).
- (1) Chameli Devi Khandelwal.
- (2) Mahesh Kumar Khandelwal of 26 Burtollah Street, Calcutta-7. (Transferees).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7 of 8/1/A, Diamond Harbour Road, Alipur, Calcutta, Dist. 24-Parganas having an area of 7 cottahs 13 sq. ft.

M. N. TIWARY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 31-10-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II/CALCUTTA

Calcutta, the 1st November 1973

Ref. No. Ac-62/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I. M. N. Tiwary, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 9 situated at 8/1/A, Diamond Harbour Road, Alipur, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registrar of Assurances, Calcutta on 14-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferors to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. (i) Maharaj Dhiraj Uday Chanch Mahtab 10A Diamond Harbour Road, Alipur.
- (ii) Maharaj Kumar Saday Chand Mahatab, 14/3 Burdwan Road, Calcutta-3.
- (iii) Maharaj Kumar Malay Chand Mahatab, Tivoli Garden, 225 Lower Circular Road, Calcutta.
- (iv) Maharaj Kumar Pranay Chand Mahtab 2 Judges Court Road, Alipur, Calcutta.

- (v) Maharaj Kumari Varuna Rathore, 1st Floor, Nymph, Narayan Dabholkar Road, Bombay-6.
 - (vi) Maharaj Kumari Jyotsna Dutta 2/30 Turf View, 225 Lower Circular Road, Calcutta.
 - (vii) Maharaj Kumari Karuna Mahatab 2 Judges Court Road, Calcutta. (Transferors).
2. (1) Babulal Diwan.
 - (2) Anand Kumar Diwan (Minor) represented by father Tarachand Diwan
 - (3) Suresh Kumar Agarwal
 - (4) Binode Kumar Agarwal
both minor sons of Late Gokul Ch. Agarwal represented by their mother Sm. Rukamani Devi Agarwal all of 105A, Diamond Harbour Road, Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land being plot No. 9 formed out of 8/1/A, Diamond Harbour Road, Alipur, Calcutta, Dist. 24-Parganas having an area of 5 Cottahs 1 chattack.

M. N. TIWARY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 11-11-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II/CALCUTTA

Calcutta, the 1st November, 1973

Ref No. AC-63/R-II/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 8 situated at Premises No. 8/1/A, Diamond Harbour Road, Alipore, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Registrar of Assurances, Calcutta on 14-5-1973 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (i) Maharaj Dhiraj Uday Chand Mahatab 10A Diamond Harbour Road, Alipur.
- (ii) Maharaj Kumar Sadav Chand Mahatab, 14/3 Burdwan Road, Calcutta-27.
- (iii) Maharaj Kumar Malay Chand Mahatab, Tivoli Garden, 225 Lower Circular Road, Calcutta.

- (iv) Maharaj Kumar Pranay Chand Mahatab 2 Judges Court Road, Alipur, Calcutta.
- (v) Maharaj Kumari Varuna Rathore, 1st Floor, Nymph, Narayan Dabholkar Road, Bombay-6.
- (vi) Maharaj Kumari Jyotsna Dutta 2/30 Turf View, 225 Lower Circular Road, Calcutta.
- (vii) Maharaj Kumari Karuna Mahatab 2 Judges Court Road, Calcutta. (Transferors).
- (1) Binola Devi Khandelwal
- (2) Suresh Kumar Khandelwar of 26, Burtollah Street, Calcutta-7.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8 of 8/1/A Diamond Harbour Road, Alipur, Calcutta, Dist. 24-Parganas having an area of 7 Kathas 40 sq. ft.

M. N. TIWARY

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-II/
P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Date : 1-11-1973

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shrimati Indrajitkaur, W/o Sri Sardar Fakhar Singh, Mohalla Hajiganj, P.S. Chowk, Dt. Patna.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, BIRCHAND
PATEL MARG, PATNA-1

Patna, the 31st October 1973

No. III-52/Acq./73-74/992.—Whereas I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, being the Competent

Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 230 C. No. 170 etc, situated at Hajiganj, Dt. Patna, (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patna on 24-5-1973 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Parma Debi, W/o Shri Lakshman Narain Arora, Mohalla Hajiganj, P.S. Chowk Patna City.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 134 Kathas At. Hajiganj, P.S. Chowk, Dt. Patna, H. No. 230, Circle No. 170 Shit No. 243, 244, 259. Ward No. 26, Survey No 1566, 1567 etc.

J. NATH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna.

Date : 31-10-73
Seal :

FORM ITNS

(2) Giridharilal Malhotra, 1/1, Meredith Street, Calcutta.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II/CALCUTTA

Calcutta, the 1st November 1973

Ref. No. Ac-65/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I. M. N. Tiwary, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14/4A, situated at Burdwan Road, P. S. Alipur, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrar of Assurances Calcutta on 14-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Smt. Varuna Rathore, 32B, Darshana Apartment Mount Pleasant Road, Malabar Hills, Bombay.
(Transferor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold land—4 cottahs, 4 chatacks 3 sq. ft.—portion of 14/4A Burdwan Road, P.S. Alipur, Calcutta, Dist. 24-Parganas.

M. N. TIWARY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II/
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date: 1-11-1973

Seal:

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CENTRAL REVENUES
BUILDING, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1973

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-I/May-I/179(190)/73-74/4910.—
Whereas, I, D. B. Lal,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 1758-1759 Ward No. II, situated at Bhagirath Palace, Chandni Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 14-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gaindo ail Wd/o Late Sh. Bishamber Nath R/o 1797, Bissomal Colony, near Bhagirath Palace, Chandni Chowk, Delhi (Transferor).
- (2) Smt. Kailash Wati W/o Sh. Babhu Ram R/o Yusuf Building, Hauz Qazi, Delhi-6. (Transferee).

- (3) (i) Shri Ranvir Singh Prop. Ranbir Electric Mart, (ii) Sh. Gurcharan Singh P/o M/s. United Electricals, (iii) M/s. Mittal Brothers, (iv) Sh. Ved Prakash S/o Sh. Dilli Ram, (v) M/s. Surjeet Madan (vi) Sh. Shyam Sunder S/o Sh. Dilli Ram (vii) Smt. Ram Ratti Devi (viii) M/s. Dhameeja Electric Co. all of 1758-59, Bhagirath Palace, Chandni Chowk, Delhi. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storey pucca building built on plot bearing Municipal No. 1785/59, Ward No. II having an area of land 134 sq. yds. underneath and situated in Bhagirath Palace, Chandni Chowk, Delhi and bounded as under :—

East : Lane Road 20 ft. wide
West : Lane 2 ft. wide
South : Lane 2½ ft. wide.
North : Lane 2½ ft. wide.

D. B. LAL

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 3rd November, 1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1973

Ref. No. IAC/ACQ./I/SR-I/June-I/229(114)/73-74/4790.—
Whereas I, D. B. Lal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3508 to 3511 & 3526 to 3530 situated at Chowk Lalu Misher, Sadar Bazar, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 5-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(1) of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) (i) Shri Jagjit Singh S/o Sh. Chet Singh Sachdeva R/o 1/8, Jaidev Park, New Delhi.
- (ii) Smt. Raj Rani W/o Sh. Raghunath Rai Budh-
raja R/o R-495, New Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferor).

- (2) Shri Chaman Lal Batra S/o Sh. Bhagwan Dass Batra C/o M/s. Bhagwan Dass Chaman Lal, Mandi Pan, Sadar Bazar, Delhi. (Transferee).
- (3) (i) Sh. Gurbaksh Singh S/o Sh. Govind Singh,
(ii) Sh. Sardari Lal Jain S/o Sh. Roshan Lal Jain,
(iii) Shri Hari Ram S/o Sh. Brij Lal, (iv) Sh. Madan Lal S/o Sh. Nihal Chand, (v) Shri Om Prakash, (vi) Pt. Jyoti Pd. Gupta Typewala, (vii) Sh. Raghunath Rai S/o Shri Hari Ram (viii) Shri Ishar Dass S/o Shri Hari Chand, (ix) Sh. Kesho Dutt, (x) Sh. Ved Parkash Chadha, (xi) Sh. Jamiat Rai, (xii) Sh. Satpal Ramesh Kumar, (xiii) Shri Ram Asra, (xiv) Shri Bhagat Ram all occupants of property No. 3508 to 3511 and 3526 to 3530 Chowk Lalu, Sadar Bazar, Delhi. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed property being Nos. 3508 to 3511 and 3526 to 3530 situated at Chowk Lalu Misher, Sadar Bazar Delhi constructed on a plot of land measuring 186 sq. yds. and bounded as under :—

East : Main Qutab Road
West : Road
North : Property No. 3531
South : Property No. 3525

D. B. LAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 5th November 1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, BIRCHAND
PATEL MARG, PATNA-1

Patna-1, the 31st October 1973

No. III-56/Acq./73-74/996.—Whereas I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. No. 438, P.S. 4, K. No. 120 etc. situated at Kadamkuan, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patna on May 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shrimati M. Rasalan, W/o Bulaki Miyan Marhum,
2. Bibi Asama, W/o M. Yakub Marhum, Mohl.
Langertol Amrudi Gali, Kadamkuan, Patna
(Transferor)
- (2) Shri Baijnath Pd. Singh S/o Late Kapildeo Singh,
Vil. Bichedi, P.S. Naubatpur, Dt. Patna.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area 16 annas right, building with tiled roof at Mohalla Langertoli, Amrudi, P. S. Kadamkuan, Patna, Tauzi No. 438, P.S. No. 4 Khata No. 120 Plot No. 552. H. No. 251, W. No. 11, Circle No. 28, Plot No. 267.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Patna.

Date : 31-10-73

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Jagdip Prasad, Jasdesb Pd., Swingdeo Pd.,
Ramji Prasad, S/o Jawaharlal, Mohl. Kabsher Thana
Bihls, Patna.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, BIRCHAND
PATEL MARG, PATNA-1

Patna-1, the 31st October 1973

No. III-55/Acq./73-74/995.—Whereas I, J. Nath, Inspec-
ting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Patna, being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have
reason to believe that the immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Holding No. 16, Ward No. 28 etc. situated at Lange-
cotoh, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Patna on 16-5-1973 for an apparent
consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in
respect of any income arising from the
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings
for the acquisition of the aforesaid property in terms
of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43
of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice
under sub-section (1) of section 269D of the Income-
tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons
namely :—

- (1) Shri Ghashi Ram & his wife Smt. Porbati Devi,
Bose Maszin Chaoti, Arran, Dt. Bhojpur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing
the objections, if any, made in response to this notice
against the acquisition of the immovable property
will be fixed, and notice thereof shall be given to
every person who has made such objection, and the
transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the
objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

16 Aawak Holding Makan at Mobala, Langertoli Dt. Patna
H. No. 716, Site No. 165, Plot No. 21 & Ward No. 17
etc.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna.

Date : 31-10-73

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, BIRCHAND
PATEL MARG, PATNA-1

Patna-1, the 31st October 1973

No. III-54/Acq/73-74/994.—Whereas I. J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 130, C. No. 170 etc. situated at Hajiganj, Dt. Patna more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 4-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Uma Devi, W/o Vishnu Narain Arora, Mohl. Hajigan P.S. Chowk, Dt. Patna.
2. Sri Lakshman Narain Arora, S/o Vishnu Narain Arora.

(Transferor)

- (2) Shrimati Surinderkaur, W/o Sardar Pritam Singh, Moh. Hajiganj, P.S. Chowk, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 134 Kathas At. Hajiganj, Dt. Patna. H. No. 130, Circle No. 170, Plot No. 566, 1567, 1571, 1572 etc.

J. NATH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna.

Date : 31-10-73

Seal :

FORM ITNS—

sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, BIRCHAND PATEL MARG, PATNA-1

Patna-1, the 31st October 1973

No. III-53/Acq./73-74/993.—Whereas I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W. No. 26 Sheet No. 243, 244, 259 etc. situated at Hajiganj, Patna City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 4-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under

(1) Shrimati Prem Devi, W/o Sri Narain Sah, At. Hajiganj, P.S. Chowk, Patna City

(Transferor)

(2) Shri Awatar Singh S/o Sri Narain Singh, At Navi-ganj, P.S. Chowk, Patna City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13 Kathas 5 Dhurs, W. No. 26, Sheet No. 243, 244, 259, Plot No. 1566, 1567, 1571, 1572, 1738 etc. At Mohalla Hajiganj, P.S. Chowk, Patna City.

J. NATH

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna.

Date : 31-10-73

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Savitri w/o Shri Ram Singh r/o 2/31, Daryaganj, Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BLDG. ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI.

New Delhi, the 31d November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5015.—Whereas I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-44 situated at Greater Kailash-II, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on 23-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land bearing plot No. 44 measuring 277.5 sq. yards in Block No. 'M' in a residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East : S-Lane
West : Road
North : Plot No. M/42
South : Plot No. M/46

C. V. GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 3rd November, 1973.

Seal :

FORM ITNS—

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION
RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, BIRCHAND
PATEL MARG, PATNA-1

Patna, the 31st October 1973

No. III-51/Acq/73-74/991.—Whereas I, J. Nath, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 20, Sector No. T. No. 9/12, P.S. No. 16, K. No. 168 etc. situated at Rasidachak, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patna on 3-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

(1) Shri Bhola Prasad S/o Ram Krishna Lall, (2) Sri Ram Nath Prasad (3) Rajiv Prasad (Minor) S/o Sri Bhola Pd., At Nabal Bahadur Road, P.S. Khachkalla Patna.

(Transferor)

(2) Shrimati Binakumari W/o Sri Shyam Sundar Pd., Mohl. Miranpur, P.O. Chanda,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Area Katta, Katta, At, Rasidachak, P.S. Alamganj, Patna, Tauzi No. 9/12, P.S. No. 16 Khata No. 68, 112, Plot No. 650, 651.

J. NATH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Patna.

Date : 31-10-73

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, BIRCHAND
PATEL MARG, PATNA-1

Patna, the 31st October 1973

No. III-50/Acq/73-74/990.—Whereas I. J. Nath, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P.S. No. 7 T. No. 472, K. No. 122 situated at Bahadurpur, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 2-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or ..
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Ambika Singh, S/o Raju Singh, Babualall Singh, Self Sri Ramnandan Singh, At Bahadurpur, P.S. Sultanganj, Dt. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Keshaw Pd. Gupta, Sri Babulal Gupta, S/o Dwarika Sah. Mohl. Lohanipur, P.S. Sultanganj, Dt. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Area 77.5 Decimal. At Bahadurpur, P.S. Sultanganj Dt. Patna P.S. No. 7, T. No. 472, K. No. 122, 130 & Plot No. 267, 266 etc.

J. NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna.

Date : 31-10-73

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Avinash Balwant Adke, Chairman, Arunadaya Sahakari Griha Nirman Sanstha, Kolhapur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD POONA

Poona-411004, the 5th November 1973

No. C.A./5/May 1973/Kolhapur/79/of 73-74.—Whereas, I, G. Krishnan, being the competent authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 570/1, 573/1 situated at Karvir Municipal Area (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Karvir on 16-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Govindrao Daulat Mandlik, 932, C-Ward, Kolhapur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Karvir Municipal Area.
R.S. No. 570/1, Area 1 Hector 25—R.
R.S. No. 573/1, Area 1 Hector 99—R.
Freehold.

G. KRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 5th November, 1973

(Seal) :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd November 1973

Ret. No. RAC. No. 88/73-74 —Whereas, I. S. Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 427 situated at Peddakondla village Pulivendla Tq. and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pulivendla on 22-5-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) 1. Sri Peddamallu Subbareddy, S/o Venkataramireddy, Velurru Village. 2. Rangareddy, 3. Narayanareddy, S/o Ramireddy, peddakuntala village, pulivendla, Tq. Cuddapha, Dist. (Transferor).

(2) 1. Sri Singamreddi Venkataramireddy, 2. Venkata-kondireddy, S/o Venkataramireddy, 3. Singamvenkata Harikishore reddy, S/o Venkataramireddy, Peddakuntala village, Pulivendla, Cuddapha, Dist. (Transferee).

*(3) Transferor only. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : S. No. 427 extent of 6.88 Acres of land at Peddakondla village of Pulivendla Tq. Cuddapha Dist.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 3-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74.—Whereas I. C. V. GUPTE, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khasra No. 194 & 195 situated at Chhatarpur Village, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 19-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Mukat Ram Budhwar s/o Shri Behari Lal r/o M. M. ROAD-1, Jhandewalan Estate, New Delhi.
(Transferor)

- (2) Shri Vimal Sapru & Vithal Sapru (minors) sons of Shri Daya Krishan & Shri Ajay Sapru (minor) s/o Shri Tribhuvan Krishan through their grand father Shri Radha Krishan Mirza r/o Durgang, Srinagar, Kashmir.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All rights title & interest into and upon all that agricultural land admeasuring 6 bighas & 18 biswas described as follows situated in village Chhatarpur in the Union Territory of Delhi.

Khasra No.	Area : Bigha-Biswas
194	5 — 1
195	1 — 17
	<hr/> 6 — 18

C. V. GUPTE

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax,

Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi.

Date : 3-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1973

Ref. No. IAC/Acq..II/73-74.—Whereas I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21-A situated at Kailash Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 23-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. P. Misra s/o late C. L. Misra 41, Hevelock Square, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Asha Seth wife of Shri K. N. Seth & Servashri V. N. Seth, & I. N. Seth all sons of Shri B. N. Seth, now resident of A-21, Kailash Colony, New Delhi. (Transferee).
- (3) 1. Shri P. L. Dhawan, 2. Shri Pritam Singh, 3. Shri Parveen Kumar r/o A-21, Kailash Colony, New Delhi. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built property including freehold plot bearing No. A-21 measuring 879.4/10 sq. yards (more or less) situated in Kailash Colony New Delhi-110048 within the limits of Municipal Corporation of Delhi & bounded as under:—

North: Plot No. A-18
South: 30' wide road
East: 50' wide road
West: Plot No. A-22

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 3-11-1973.
Seal:

FORM ITNS—

(2) Smt. Raj Chawla Sahni wife of Shri J. N. Sahni,
20, Ratendon Road, New Delhi. (Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II.4/14-A, SAHEB SINGH BLDG. ASAF ALI
ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5015.—Whereas I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. S-420 situated at Greater Kailash-II, New Delhi Delhi on 26-5-1973, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 26-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 555 sq. yards bearing No. S-420 in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 3rd November, 1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5015.—Whereas I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-535 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 23-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for an acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

34—316GI/73

(1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Girdhari Lal Khanna s/o Shri Ganda Mal r/o N/25, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece & parcel of land bearing plot No. E-535 measuring 400 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East : Road

West : S. Lane

North : Plot No. E/537

South : Plot No. E/533

C. V. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 5th November, 1973.

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. Suchi Seth wife of Shri Jeewan Lal Seth, resident of K-10, Kohlapur Road, Subzimandi, Delhi-110009. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BLDG. ASAF ALI
ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74.—Whereas I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-109 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 24-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land bearing plot No. M-109 measuring 300 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : Road

West : Road

North : Plot No. M/107

South : Plot No. M/111

C. V. GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 3rd November, 1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BLDG. ASAF ALI
ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5015.—Whereas I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-280 situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on 26-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

- (2) Shri Tirlok Chand Vohra s/o Shri Mohan Lal, 9 Foch Square, Gole Market, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land bearing plot No. S-280 measuring 308 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—
Date: 3rd November, 1973.

Foch Square, Gole Market, New Delhi.

(Transferee)

East : S. Lane
West : Road
North : S/278
South : S/282

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 3rd November 1973
(Seal)

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI
ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI.

New Delhi, the 5th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5015.—Whereas I, C. V. GUPTE, being the competent authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-214 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Delhi on 9-5-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269D, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) S/Shri (1) Iqbal Singh, (2) Ujjal Singh, (3) Kultaran Singh sons of late Shri Biji Singh r/o IV-53/C RDSO Colony, Manek Nagar, Lucknow-11. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property shall be fixed, and notice thereof shall be given to every such person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 300 sq. yards bearing No. S-214 in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 5th November 1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI
ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5015.—Whereas I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-419 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 9-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

- (2) Smt. Kaushalja Devi w/o Shri Sohanlal Vig r/o 3554, Dariba Pun, Paharganj, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 300 sq. yards bearing No. S-419, in the residential colony known as Greater Kailash-II New Delhi situated in village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 3rd November, 1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

4/14-A, ASAF ALI

ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI.

New Delhi, the 5th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5015.—Whereas I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. S-357 situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 9-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Savitri Khanna d/o Shri A. K. Khanna, B-36, Kirti Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 299.8 sq. yards bearing No. S-357 in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE,
(Competent Authority)

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 5th November, 1973.

Seal :

FORM ITNS ———

- (2) (1) Smt. Sharan Kaur w/o Shri Shri Pritpal Singh,
 (2) Smt. Harnam Kaur w/o Shri Kartar Singh, r/o
 D-3/14, Model Town, Delhi-110009.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX, ACQUISITION
 RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI
 ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5015.—Whereas I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-269 situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on 9-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the registering officer at Delhi on 27-4-1973, for an apparent

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 300 sq. yards bearing No. S-269 in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax,

Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi.

Date : 3rd November, 1973.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI
ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5015.—Whereas I, C. V. GUPTA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-205 situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 22-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Rajjinder Kumar Bhasin s/o Shri Chhohara Mal r/o 8883, Naya Mohalla, Pul Bangash, Delhi-6. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.—

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. E-205 measuring 250 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :

East : Plot No. E/203

West : Road

North : S. Lane

South : Road

C. V. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 3rd November, 1973.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION
RANGE II 4/14-A ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi the 6th November 1973

Ref No. IAC/Acq II/73 74—Whereas I C V GUPTE being the Competent Authority under Section 269D of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000 and bearing No 14th share of Mun No XVI 2874 situated at Hardhian Singh Road New Delhi more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 5.5.1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely, —
35—316G1/73

- (1) Shri Ram Saran Doss Tandon s/o Shri Roop Lal Tandon 1/o R 894, New Rajinder Nagar, New Delhi (Transferor)
- (2) Shri Rikhi Ram Tandon s/o Shri Roop Lal 1/o R-894 New Rajinder Nagar New Delhi (Transferee)
- (3) M/s Allahabad Bank, Kotol Bigh, New Delhi (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

14th share of Double Storey property bearing Municipal No 2874 in Ward No XVI measuring 167 sq yards & is bounded as under —

East House of Radha Prari
West House of Ju Singh
North Gali No 17 Beadanpura
South Hardhian Singh Road

C V GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date 6th November, 1973
Seal.

FORM ITNS

(1) M s. D.L.F. United Ltd 40-F, Connaught Place,
New Delhi. (Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Kukoo Devi w/o Shri N. K. Mehra r/o 166,
Samvel Street, 2nd floor, Bombay-9 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned---

II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi the 5th November 1973

Ref. No. JAC/Acq.II/73-74 ---Whereas I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. W-124 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 23-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION ---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:--

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. W-124 measuring 1435 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Bahapur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:--

East: S. Lane
West: Road
North: Plot No. W/122
South: Plot No. W/126

C. V. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 5th November 1973.

Seal:

FORM TINS-----

(2) Shri Ajit Pershad s.o. Shri Dewan Chand, village & post Office Chiragh Delhi, Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74.--Whereas J. C. V. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-35 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 23-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

(a) by any of the aforesaid persons within a period of this 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 195 sq. yards bearing plot No. M-35 in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 5th November 1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74.—Whereas I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-248 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 24-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Shiv Kumar Kohli s/o Shri Kundanlal Kohli c/o M/s. B. & K. Enterprises, Dak Banglow Road, Patna, Bihar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. S-248 measuring 300 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharapur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : S. Lane
South : Plot No. S/250
West : Road
North : Plot No. S/246

C. V. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 5th November 1973,

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. D.L.F. United, Ltd., 40-F, Connaught Place,
New Delhi. (Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Tajinder Khurana w/o Shri Gurubachan Singh
r/o 1192 Baradari (behind Novelty Cinema),
Delhi-6. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73/74.—Whereas I, C. V. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-34 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 24-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (13 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece & parcel of land bearing plot No. S-34 measuring 300 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : S. Lane
West : Road
North : Plot No. S./32
South : S/36 (Plot No.)

C. V. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 3-11-1973.
Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt Sudesh Kakar w/o Shri A. N. Kakar r/o F-161,
Greater Kailash-II New Delhi (Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITIONRANGE II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1973

Ref. No. IAC/ Acq II 73-74.—Whereas I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-9 (shop) situated at Greater Kailash-II, New Delhi No. 217 of April, 1973 situated at V. Khojkipur Teh, Ambala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 8-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) M s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place
New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 195 sq. yards bearing plot No M-9 (shop) in the residential colony known as Greater Kailash-II New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA
Acquisition Range, Amritsar.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Delhi, 6th November 1973.
(Seal)

FORM ITNS

(2) Shri Narinderjit Singh & Shri Surinder Pal Singh
both sons of late S. Durlabh Singh, of York Hotel,
Connaught Circus, New Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE
RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1973

Ref No IAC/Acq.II/73-74.—Whereas I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No W-24 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 29-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

- (1) Shri Antaryam Lamba s/o Late Shri Badri Nath Lamba r/o E-118, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 500 sq. yards and bearing No W-24, together with a single unit bungalow built thereupon in a residential colony known as Greater Kailash-II New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi with all rights, titles, interests, easements and privileges thereto.

C. V. GUPTE

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi New Delhi.

Delhi 6th November 1973.

Seal :

FORM ITNS

partly by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1973

Ref No IAC/Acq.II/73-74—Whereas I, C. V. GUPTA, the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000 - and bearing

No M-279 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 24-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-

(1) M/s. D.I. F. United Ltd 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri J. S. Ahluwalia s/o Shri Harbilas Rai r/o R-25 Greater Kailash-II, New Delhi (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

Explanation — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land bearing Plot No. M-279 measuring 400 sq yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Bahupur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East Road

West Road

North : Plot No M/277

South : Plot No M/281

C. V. GUPTA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Delhi - 6th November 1973

Seal:

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W 5 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 2-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor).

(2) M/s Hindustan Sanitaryware & Industries Ltd., Bahadurgarh (Rohtak), Haryana. (Transferee).

36—316GI/73

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 1140 sq. yards bearing No. W-5, in a residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 3rd November, 1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XVI/2877 situated at Hardhian Singh Road, K. Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 4-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) S/Shri Sardari Lal Tandon, Rikhi Ram Tandon & Ram Saran Das, Tandon sons of Shri Roop Lal r/o R-894, New Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Madan Lal Tandon s/o Shri Roop Lal Tandon r/o R/884 New Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

(3) M/s Chadha Jewellers, No. XVI/2877, Hardhian Singh Road, New Delhi. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/4 share of single storeyed property bearing No. Municipal 2877 in Ward No. XVI with the leasehold land underneath measuring 165 sq yards in P-Block, plot No. 120 Khasra No. 120 Jamnabardi for the year 1954-55 situated in Naiwala on Hardhian Singh Road, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :

East : House of Jai Sukh
West : House of Mr. Bhasin
North : Gali No. 17, Beadenpura.
South : Hardhian Singh Rd.

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 6th November, 1973

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s D. L. F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manhar Lal s/o Nanchand Shah r/o D-9/9, Model Town, Delhi-110009. (Transferee).

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

New Delhi, the 5th November 1973

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74.—Whereas I. C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-117 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 28-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land bearing plot No. W-117 measuring 1000sq. yds. in a residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : Road
West : S. Lane
North : Plot No. W/115
South : Plot No. W/119

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Date : 5th November, 1973

Seal :

FORM ITNS—

(2) S/Shri (1) Kuldip Singh, (2) Ujjal Singh & (3) Harjit Singh—all sons of Shri Kartar Singh r/o W-96, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,

New Delhi, the 5th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-97 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 3-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s D. L. F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land bearing plot No. W/97 measuring 1000 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II, situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : Road,
West : S. Lane
South : Plot No. W/99
North : Plot No. W/95

C. V. GUPTÉ
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 5th November, 1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION

RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,

New Delhi, the 3rd November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-197 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 8-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Sec. 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s D. L. F. United Ltd., 40-F, Cannught Place, New Delhi. (Transferor).
- (2) Shri J. C. Bhasin s/o Shri Mela Ram Bhasin, 26, London Square, Gole Market, New Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 400 sq. yards bearing No. M-197 in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at village Baharpur, in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTÉ

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi

Date : 3rd November, 1973

Seal :

FORM ITNS ———

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-529 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 8-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s D. L. F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi (Transferor).
- (2) Shri Surendra Narain Bisarya son of Shri M. Gokul Narain, r/o Sector 22-A, House No. 777C, Chandigarh, Punjab. (Transferee).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATIONS:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land bearing No. E-529 and measuring 400 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at Village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTÉ

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 3rd November, 1973

Seal:

FORM ITNS—

(2) Smt. Bhirawan Bai w/o Shri Sewa Ram Relan, r/o 6, Dhaula Kuan, Service Officers Enclave, New Delhi. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-172 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 9-5-1973 an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 300 sq. yards and bearing No. S-172 in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 5th November, 1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74.—Whereas I. C. V. Gupte, being the Competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-147 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 2-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor).

(2) Smt. Prem Gulati w/o Shri J. K. Gulati r/o 18, Kailash Enclave, New Delhi-110048. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 400 sq. yards bearing No. W-147 in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 3rd November 1973

(Seal):

FORM ITNS.....

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shanti Devi w/o Shri Ved Prakash Gupta, 30
Chattar Marg, Delhi-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5015.—Whereas I, C. V.
GUPTE,being the competent authority under section 269D of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to be-
lieve that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No.
5-569 situated at Greater Kailash-II, New Delhi(and more fully described in the
Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed
registered under the Indian Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on 26-5-1973 for an apparent consid-
eration which is less than fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the transferor(s)
and the transferee(s) has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in
respect of any income arising from the trans-
fer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the
Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings
for the acquisition of the aforesaid property in terms
of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) have been recorded by me.Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons,
namely :—
37—316 GI/73Objections, if any, to the acquisition of the said prop-
erty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires
later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hear-
ing the objections, if any, made in response to this
notice against the acquisition of the immovable prop-
erty will be fixed, and notice thereof shall be given
to every person who has made such objection, and
the transferee of the property.It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the
objections.EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 1000 sq. yards bearing
No. 5-569 in the residential colony known as Greater
Kailash-II, situated at village Baharpur in the Union Terri-
tory of Delhi.C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New DelhiDate: 3rd November, 1973
(Seal)

FORM ITNS—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Shri Chaudhry Ram Dhingra s/o Shri Bodh Raj, (2) Smt. Shanta Dhingra w/o Shri Chaudhry Ram r/o 18-46, East Patel Nagar, New Delhi. (Transferee).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-334 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 2-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 300 sq. yards bearing No. S-334 in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,

Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi

Date: 5th November, 1973

(Seal):

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BLDG. ASAF
ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269E of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-149 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 23-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor).

(2) Smt. Santosh Maini w/o late Shri Raj Kumar Maini, r/o 85, Vallabhai Nagar, Indore (M.P.) (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. E-149 measuring 251 sq. Yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : S. Lane
West : Road
North : Plot No. E/151.
South : Plot No. E/147.

C. V. GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 5th November, 1973

Seal :

FORM ITNS—

(1) Kamal Kishore Mehra s/o Shri Jugal Kishore Mehra, r/o 424, Kucha Brij Nath, Chandni Chowk, Delhi-6. (Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dharam Singh s/o S. Battan Singh r/o 2-A/140, Safdarjang Enclave, New Delhi-110016. (Transferee).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,

New Delhi, the 5th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-349 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 23-5-1973, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for bearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 250 sq. yards bearing No. F-349 in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 5th November, 1973
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,

New Delhi, the 5th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-151 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 19-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught place, New Delhi. (Transferor).
- (2) Shri Manu Bhai son of late Shri Sara Bhai Amin, r/o 1819, Murarilal Bldg., Bisso Mal Colony, Chandni Chowk, Delhi-6. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. M/151 measuring 400 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East : S. Lane
West : Road
North : Plot No. M/149
South : Plot No. M/153

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 5th November, 1973
(Seal) :

FORM ITNS----

(1) Smt. Ishai Devi Chopra, A-12, The Mall, Delhi Cantt, Delhi. (Transferee).

(2) (1) Smt. Raj Kanwar w o Lt. Col. Swarnjit Singh, (2) Shri Jasjit Singh (3) Shri Narjit Singh minor sons of Lt. Col. Swarnjit Singh 9, Ring Road, N.H.-IV, Lajpat Nagar, New Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION

RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,

New Delhi, the 5th November 1973

Ref. No IAC/Acq.II/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, N.H.-IV situated at Ring Road Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 7-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A leasehold plot of land bearing No. 9, N.H.-IV, Lajpat Nagar, New Delhi measuring 725 sq. yards together with 21 storied building constructed thereupon along with the basement, fittings & fixtures existing therein with all rights, titles, interests & privileges

C. V. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi

Date 5th November, 1973

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal Malhotra, 21, Bentinck Street,
Calcutta-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5015.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269D of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-281 situated at Greater Kailash-II, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 25-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration & that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 300 sq. yards bearing No. S-281 in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi.

Date: 5th November, 1973

Sd/-

FORM ITNS—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Shanti Devi w/o Shri Ved Parkash Gupta, 30-
Chattar Marg,, Delhi-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
3RD FLOOR, NEW DELHI(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

New Delhi, the 3rd November 1973

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5015.—Whereas I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. W-79 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 26-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269D, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 1000 sq. yards bearing No. S-569 in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 3rd November, 1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 9th November 1973

Ref. No. CHD/690/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 2122, Sector 15-C, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Brig. Swaran Singh Cheema, s/o S. Thakar Singh Cheema, 2122, Sector 15-C, Chandigarh, (Transferor).

- (2) Shri Labh Singh Gill, s/o S. Naurang Singh, H. No. 603, Sector 16-D, Chandigarh. (Transferee).
- (3) Shri H. S. Dhillon, House No. 2122, Sector 15-C, Chandigarh. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property, will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2122, Sector 15-C, Chandigarh.

G. P. SINGH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 9-11-1973.

Seal ;

FORM ITNS

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1973

Rf. No. IAC/Acq.II/73-74/5015.—Whereas I, C. V. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-143 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(2) Wing Cdr. A. K. Ganguly s/o late Shri M. K. Ganguly r/o No. 71/N-1, Area Air Force Station, Kanpur-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 143 in Block No. W, measuring 400 sq. yards in the residential colony, known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East : Road
West : S. Lane
North : Plot No. W/137
South : Plot No. W/145

C. V. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
New Delhi

Date : 5th November, 1973

Seal :

FORM ITNS ———

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
3RD FLOOR, NEW DELHI(2) Shri Suman Kumar son of Shri Hari Mohan r/o
11-A/48, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

New Delhi, the 3rd November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5015.—Whereas I, C. V. GUPTE, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-402 situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 25-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 298 sq. yards bearing No. S-402 in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date: 3rd November, 1973

Seal :

FORM No. ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5015.—Whereas I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-42 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on 28-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Srimati Narayan w/o Shri S. K. Narayan, r/o 12-A/17, W.E.A, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. E-42 in a residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : Road
West : S. Lane
North : Road
South : Plot No. E/40

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 3rd November, 1973
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5015.—Whereas I, C. V. GUPTE, being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. E-237 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 8-5-1973, for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Har Parkash Bahel s/o Sahib Ram Bahel c/o Indian Airlines Corporation, Palam Cantt. New Delhi.

(Transferee)

(3) Mrs. Pramila V. Tar, Duler, Goa, 2. Mrs Pramila-bai V. Pednekar, Corlim, Goa. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice therefore shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 250 sq. yards bearing No. E-237 in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax,

Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 3rd November, 1973

Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5015.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-88 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 3-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s Prasad & Co. through Shri D. R. Gupta, partner, r/o 9/5, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 550 sq. yards bearing No. W-88 in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi

Date: 3rd November, 1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5015.—Whereas I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S/426 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 4-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) (i) Smt. Kanta Ghulati w/o late Shri Krishen Ghulati (ii) Anupam Ghulati s/o late Shri Krishen Ghulati and (iii) Vandana Ghulati d/o late Shri Krishen Ghulati, r/o F-33, Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. S/426, measuring 556 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : S. Lane
West : Road
North : Plot No. S/422
South : Plot No. S/428

C. V. GUPTE

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date: 3rd November, 1973
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kuldeep Singh s/o Dr. Dalip Singh, r/o 32, Nehru Nagar, P.O. SAF Durg, M.P.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5015.—Whereas I, C. V. GUPTE, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S-459 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on 2-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 557 sq. yards bearing No. S-459 in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,

Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 3rd November, 1973

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 8th November 1973

Ref. No. CHD/684/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Site No. 28, Sector 7-C, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Chandigarh in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (i) Jai Parkash Mokul, s/o Shri Janki Dass, House No. 85, Sector 18-A, Chandigarh. (ii) Shri Raghubir Chand, (iii) Shri Sita Ram, sons of Shri Babu Ram, residents of 7-Timber Market, Chandigarh.
(Transferor)

- (2) (i) Dr. Gopal Singh, s/o S. Atma Singh, (ii) Smt. Inderjit Gopal Singh, w/o Dr. Gopal Singh, 643, Sector 16-D, Chandigarh.
(Transferee)

- (3) M/s. Faradays—SCO No. 28, Sector 7-C, Chandigarh. (Person(s) in occupation in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO, Site No. 28, Sector 7-C, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 8-11-1973.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 7th November 1973

Ref. No. ZRA/987/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Nasir Pur Janian, Distt. Ferozepur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Durga Dass, s/o Shri Bindra Van, Kot Ise Khan, Tehsil Zira, District Ferozepur. (Transferor)

(2) (i) Shri Manohar Lal, s/o Shri Durga Dass,
(ii) Shri Gian Chand,
(iii) Shri Vimal Kishore,
(iv) Shri Vijay Kumar,
(v) Shri Ravi Kumar,
Sons of Shri Charanje Lal

Kot Ise Khan, Teh. Zira, District Ferozepur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 61 kanal 3 marlas in Village Nasir Pur Janian, Tehsil Zira, District Ferozepur.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 579 of May, 1973 of the Registering Officer, Zira.)

G. P. SINGH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 7-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 8th November 1973

Ref. No. LDH/813/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, Village Barewal Awana, situated at Barewal Awana, Teh. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amarjit Singh, s/o S. Jagat Singh, Retired P.C.S., 327-R, Model Town, Ludhiana. (Transferor)
- (2) (i) M/s. Oswal Hosiery Factory, Ludhiana.
(ii) Shri Vipin Kumar, s/o Shri Raj Kumar.
(iii) Shri Danesh Kumar, s/o Shri Benarsi Dass,
(iv) Shri Yogesh Walia, s/o Shri Bhagat Ram, Chowk Mata Rani, Ludhiana. (Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, Khasra No. 627/1 in Village Barewal Awana, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1791 of May, 1973 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 8-11-1973.

Seal :

FORM ITNS ———

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 8th November 1973

Ref. No. LDH/810/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Land, Village Barewal Awana, situated at Barewal Awana, Teh. Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajeshwar Singh etc. sons of Shri Jagat Singh, residents of Ludhiana. (Transferor)
- (2) M/s. Oswal Hosiery Factory, Ludhiana through Shri Lachhman Dass, Ludhiana. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, Khasra No. 627/1 in Village Barewal Awana, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1730 of May, 1973 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 8-11-1973

Seal :

FORM ITNS

(2) M/s. Saeco Steel Rolling Mills Ltd., Ludhiana.
(Transferee).NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 8th November 1973

Ref. No LDH/766/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, Gias Pura, Teh. Ludhiana situated at Gias Pura, Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shiv Ram, s/o Shri Nihala, resident of Dhandari Khurd, Tehsil Ludhiana. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, Village Gias Pura, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 907 of May, 1973 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh.Date 8-11-1973.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 8th November 1973

Ref. No. LDH/972/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, Gias Pura, Teh. Ludhiana, situated at Gias Pura, Teh. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shiv Ram, s/o Shri Nihala, resident of Dhandari Khurd, Tehsil Ludhiana. (Transferor)
- (2) M/s. Saeeco Steel Rolling Mills Ltd, Ludhiana. (Transferee)

objections, if any, made in response to this notice against the may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, Village Gias Pura, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 838 of May, 1973 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 8-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 8th November 1973

Ref. No. CHD/691/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 141, Sector 8-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. D. Khanna, s/o Shri Dwarka Dass Khanna, resident of House No. 141, Sector 8-A, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Shri Tarsem Lal Talwar, House No. 141, Sector 8-A, Chandigarh.
(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 141, Sector 8-A, Chandigarh.

G. P. SINGH

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 8-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 8th November 1973

Ref. No. CHD/689/73-74—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd share of show room No. 39, Sector 7-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Darshana Devi, w/o Shri Joginder, 98, Sector 28-A, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Ramesh Kumar,
(ii) Shri Vinod Kumar,
(iii) Shri Umesh Chander,
(iv) Shri Ashok Kumar,
c/o Show Room No. 39, Madhya Marg, Sector 7-C, Chandigarh.

(Transferee)

- (3) M/s. Deys Medical Stores, Show Room No. 39, Madhya Marg, Sector 7-C, Chandigarh.
(Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of Show Room No. 39, Madhya Marg, Sector 7-C, Chandigarh.

G. P. SINGH

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 8-11-1973.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th November 1973

Ref. No. RAC No. 96/73-74.—Whereas, L. S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land 15.04 cents situated at Gonegundla village Kodumur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Kodumur on 26-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Sri Gondla Nagappa, s/o Siddappa, Kodumur, Kurnool Dist. (Transferor).

- (2) Sri Gandla Sankara Babu, minor by guardianship by mother Smt. Nagamallamma, W/o Gondla Parameswappa, Gonegundla, Kodumur Tq. Kurnool Dist. (Transferee).

- (3) Transferee only. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : 15-05 cents of land situated in Gonegundla village, in the Kodumur, Batina garden, Kurnool Dist.

S. BALASUBRAMANIAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 6-11-1973

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rajinder Kumar Jain, s/o Shri Nihal Chand,
620, Sector 20-A, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Pritam Kaur, w/o Shri Kirpal Singh, 1001,
1002, 1003, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B(3) M/s. Benarsi Dass Virinder Kumar SCF No. 86,
Grain Market, Sector 26, Chandigarh.
(Person(s) in occupation of the property)

Chandigarh, the 7th November 1973

Ref. No. CHD/688/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing SCF No. 86 Grain Market, Sec. 26, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF No. 86, Grain Market, Sector 26, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 7-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sohan Lal Kukar, Wool Merchants Rani Bazar, Bikaner, (Rajasthan).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Partap Singh, resident of Village & Post Office Urapur, District Jullundur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH. 156,
SECTOR 9-B**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Chandigarh, the 7th November 1973

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. CHD/266/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 30, Sector 21-D, Street 'D', situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot No. 30, Street No. 'D', Sector 21-D, Chandigarh.

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 7-11-1973

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Guran Dass, s/o Shri Mulkh Raj, V. & P.O. Sarangra, District Amritsar, (ii) Smt. Sudeshan Devi, w/o Shri Jagdish Chander Sethi, Hargolal Building, Ambala Cantt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 7th November 1973

Ref. No CHD/227/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SCO No. 1004, 1005, Sector 22-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Brijinder Singh, s/o Shri Harchand Singh, Village Mithri Budhgarh, P.O. Surghawala, District Faridkot.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO No. 1004, 1005, Sector 22-B, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 7-11-1973.

Seal :

FORM ITNS ———

Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 7th November 1973

Ref. No. CHD/225/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh being the Competent Authority under Section 269B

of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SCO-Plot No. 73, 74 & 75, Sec. 17-D, situated at Chandigarh, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of

- (1) Shri Kanwar Sham her Singh.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Niranjana Singh, (ii) Shri Nirmal Singh, & others. SCO No. 73, 74 & 75, Sector 17-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is, hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO-Plot No. 73, 74 & 75, Sector 17-D, Chandigarh.

G. P. SINGH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 7-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 7th November 1973

Ref. No. CHD/223/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 240, Sector 9-C, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (i) Mrs. Kamla Khosla, w/o Shri J. N. Khosla,
(ii) Dr. J. N. Khosla, s/o Shri Duni Chand 22-Palam Marg, Vasant Vihar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) (i) Shri Raghbir Singh, s/o Shri Jagat Singh,
(ii) Shri Gurinder Singh, s/o Shri Raghbir Singh,
(iii) Shri Arvinder Singh, s/o Shri Raghbir Singh,
(iv) Shri Kamaljit Singh, s/o Shri Raghbir Singh,
residents of 109/Sector 18-B Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 240, Sector 9-C, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 7-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Ganesh Narayan Shetty Proprietor Radha
Krishna Cafe New Cotton Market HubliNOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION
RANGE HUBLI METRANI BUILDING VIDYA NAGAR,

Hubli the 8th November 1973

No 39/(11/73)/73-74/H Acq—Whereas I R Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing C S No 122/80 situated at New Cotton Market, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli on 14.6.1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shri Vishwanath Ramachandrappa Kushtagi Medical Stores, Gagag (Transferor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Ward No 3, C S No 122/80 measuring 644.2 sq yards with a small temporary shed on it situated in new Cotton Market, Hubli City and bounded by

On the East Plot No 106 Sri A H Kamanagar
On the West Municipal Road
On the South Plot of Sri A L Byahatti
On the North Municipal Road

R PARTHASARATHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,

Acquisition Range,

Hubli

Date 8-11-1973

Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th November 1973

Ref. No. RAC.No.91/73-74.—Whereas I, S. Balasubramaniam being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-757 situated at Himayatnagar, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad, on 9-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dr. A. S. Puntambekar, s/o Late Professor, S. V. Puntambekar, R/o No. 26/A Sardar Patel Road, Secunderabad. (Transferor),
- (2) Shri Dr. Kishore P. Taggarse, s/o late P. M. Tagfarse, 3-66767, 13th Himyatnagar, Hyderabad. (Transferee),
- (3) at present vendee only. (Person in occupation of the property).

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 3-6-757, 13th Road, Himayatnagar, Hyderabad

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 6-11-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR.
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas I. C. V. Gupte, being the Competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29/30 situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 15-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

41—316GI/73

- (1) Shri Gyanchand Taneja s/o late Shri Beli Ram r/o 51/19, Old Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferor).
- (2) Shri Madan Lal Chawla s/o Shri Tarlok Chand, r/o 29/30, Old Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee).
- (3) (i) Shri A. K. Tandon, (F.F.), (ii) Shri T. K. Sarkar (Barsati). (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed building built upon a leasehold plot of land measuring 85 sq. yards bearing No. 29/30, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

C. V. GUPTE

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II.

Delhi/New Delhi

Date : 8th November, 1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th November 1973

Ref. No. RAC. No. 89/73-74.—Whereas I, S. Balasubramaniam, being the competent authority under Section 269D of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. 16-7-767 situated at near Chadarghat, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Azampura, Hyderabad on 30-4-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ashrafunnisa Begum, H. No. 3-6-69 Basheerbagh, Hyderabad. (Transferor).

(2) Sri Mohd. Mahboob Ali, Prop. Sagar Coal Dept. near Chadarghat Bridge, Hyderabad. 2. Smt. Ghousia Bi, W/o Mohd. Mahboob Ali, 3. Mohd. Mahmood Ali minor by guardian and father Sri Mohd. Mahboob Ali, all at the same address.

*(3) Transferee only. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Plot No. 16-7-767 Near Chadarghat Bridge, Hyderabad, Area 594 Sq. Yds.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 6-11-1973

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Minoo Khorshed s/o Framroze, F. Hirji, Khorshed G.P.A. agent Smt. Soona N. Chenoy of 143 Macintyre Road, Secunderabad. (Transferor).

(2) Smt. Ashadevi W/o Sri Bhagawandas, House No. 2-3-93 Rampgopalpet, Secunderabad. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th November 1973

Ref. No. RAC. No. 90/73-74.—Whereas I, S. Balasubramaniam, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 137/B/2 situated at Penderghast Road, Secunderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad, on 25-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : 137/B/2 Penderghast Road, Secunderabad.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 6-11-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th November 1973

Ref No. RAC. No. 95/73-74.—Whereas I, S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-2-936 situated at Khairatabad Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Khairatabad on 15-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Dr. A. Bhavani Shankar, H. No. 40, Venkataramana Colony, Hyderabad-4. (Transferor).
- (2) Capt. A. Madan Mohan, 66 Armoured Regiment C/o 56-A.P.O. (Transferee).
- (3) Transferee only. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: House No. 6-2-936, Khairatabad, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 6-11-1973

Seal:

Form No. 1TNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1973

Ref. No. IAC/Acq II/73-74/5223.—Whereas I, C. V. Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-24 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 29-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Antaryam Lamba s/o Late Shri Badri Nath Lamba r/o E/118 East of Kailash, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Narinderjit Singh & Shri Surinder Pal Singh Both sons of late S. Durlabh Singh, of York Hotel, Connaught Circus, New Delhi. (Transferee).

- * (3) Shri Surjeet Singh, C/o Lamba Type Works, Prakasam Road, Vijayawada. (Person in occupation of the property).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Afrechold plot of land measuring 500 sq. yards and bearing No. W-24 together with a single unit bungalow built thereupon in a residential colony known as Greater Kailash-I situated at village Yaqutpur in the Union Territory of Delhi with all rights, titles, interests, easements and privileges thereto.

C. V. GUPTE

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi

Date : 6th November, 1973

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION

RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5259.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khasra No. 1/1, 2, 3, 8/1 min. etc. situated at Village Musadabad, Delhi State, Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 4-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Roshanlal s/o Shri Bishan Singh r/o Najafgarh, Delhi as Regd. General Attorney of Shri Ram Chander s/o Shri Mangal Sain, r/o village Maur, Distt. Aligarh (U.P.). (Transferor).
- (2) Shri Harkishan Dass s/o Shri Sultan Singh r/o Najafgarh, Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Khasra Nos. 1/1 min (1 bigha). 2(2-7), Khasra No. 3(4-16), Khasra No. 8/1 min (2-8), Khasra No. 23(4-16), Khasra No. 24(4-16), Khasra No. 25(4-16), Khasra No. 40(3-1), Khasra No. 42(3-8), Khasra No. 43(4-16), Khasra No. 44(4-16), including 1/16 share of Khasra No. 217(5-0), Khasra No. 218/1(11-0), Khasra No. 218/2(5-1), Khasra No. 394(2-14), Khasra No. 395(4-16), Khasra No. 395(4-16), Khasra No. 404/1(2-0), Khasra No. 415(4-16), Khasra No. 420(4-16), Khasra No. 423(4-16), Khasra No. 429(4-16), Khasra No. 430/1(2-0), Khasra No. 438(2-9), Khasra No. 439(4-16), Khasra No. 440(4-16), Khasra No. 441(4-16), Khasra No. 446(7-4), Khasra No. 448(4-16), Khasra No. 449/1(5-13), Khasra No. 450/1(2-0), Khasra No. 453(7-14), Khasra No. 446/1(2-16), Khasra No. 470-1(1-12), Khasra No. 471(4-16), Khasra No. 472(4-16), Khasra No. 473(4-16), Khasra No. 476(4-16), Khasra No. 480(4-16), Khasra No. 481(4-16), Khasra No. 482/1(2-0), Khasra No. 497(4-16), Khasra No. 501/1(2-0), Khasra No. 486(16-4), Khasra No. 487(4-16), Khasra No. 488/1(3-0), Khasra No. 497(4-16), Khasra No. 501/1(2-0), Khasra No. 502(4-16), Khasra No. 503(4-16), Khasra No. 504(4-16), Khasra No. 505(4-16), Khasra No. 506(4-16), Khasra No. 607(4-16), Khasra No. 508(4-16), Khasra No. 509(4-16), Khasra No. 510(4-16), Khasra No. 511(74-1), Khasra No. 512(6-5), Khasra No. 513(3-17), Khasra No. 514(2-1), Khasra No. 516(4-16), Khasra No. 517(4-16), Khasra No. 518(4-16), Khasra No. 519(4-16), Khasra No. 520(4-16), Khasra No. 521(3-0), Khasra No. 522(4-16), Khasra No. 523(4-16), Khasra No. 524(4-16), Khasra No. 534(4-16), Khasra No. 588(4-16), Khasra No. 589(4-16), Khasra No. 590(4-16), Khasra No. 591(4-16), Khasra No. 592(4-16), and Khasra No. 593(4-16) measuring total 64 Bighas and 5 Biswas and situated in village Musadabad, Delhi Area, in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 9th November, 1973

Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITIONRANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5259.—Whereas I. C. V. Gupta,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 1792/1-05, 1792/2-4-11 & 1789 4-16 situated at village Chhattarpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 23-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prithpal Singh s/o G. Guru Datt Singh, r/o 20-B/66, Tilak Nagar, New Delhi. (Transferor).

- (2) M/s D.L.F. United Ltd., 40 F. Connaught Place, New Delhi.

(Transferee).

- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land bearing Khasra Nos. 1789 1792
4—16 2/4—11
and 1792 measuring 9 bighas and 12 biswas situated
1—05
at village Chhattarpur, Mehrauli, New Delhi.

C. V. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi

Date: 9th November, 1973

Seal:

FORM ITNS—

(2) Smt. Misri Devi w/o Shri Munshi Ram Mittal of Chandigarh & Smt. Satyawati w/o Shri Pehlad Kishan of 7477, Tel. Mill, Ram Nagar, Delhi-55. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR.
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 1811 & 1812 situated at village Chhatarpur Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 23-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri Prithpal Singh s/o Gurdit Singh 20-B/66, Tilak Nagar, New Delhi, (ii) Aflatoon s/o Shri Harnarain, (iii) Tule Ram s/o Shri Bhupan of Joonapur, Delhi, (iv) Capt. Chhotu Ram Shri Godhu Ram & (v) Shri Daya Ram s/o Shri Muni Ram of Aya Nagar, Delhi. (Transferor).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is, hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 bighas & 12 biswas bearing Khasra No. 1811 & 1812 in village Chhatarpur, Delhi.

C. V. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 8th November, 1973

Seal :

FORM ITNS—

Partap Singh, attorney of S. Gurdhial Singh Majithia,
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A,
ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas I. C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 175, 176, 177, 184/1, 184/2, 185, 186, 187/1, 187/2, 189, 229/1 & 229/2 situated at village Sahurpur, Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 11-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurnihal Singh Majithia son of late Sardar Krinal Singh Majithia r/o 112, Malcha Marg, New Delhi through Shri Hardayal Singh Bal s/o S.

(2) All India Prayer fellowship Q-3, Green Park Extension, through its President Shri P. N. Kurian. (Transferee)

(4) Shri Hardayal Singh Bal s/o S. Partap Singh, Attorney of Gurnihal Singh Majithia, (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in village Sahurpur, Mehrauli, New Delhi, measuring 43 Bighas & 4 biswas bearing Khasra No. 175 176, 177, 184/1, 184/2, 185, 186, 187/1, 187/2, 189, 229/1, 2292, including the superstructure, pucca well, garazola for cultivation of Grapewines boundry wall fixture & fittings including underground waterpipes, trees & other things of like nature.

C. V. GUPTA

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I,

Delhi/New Delhi

Date : 8th November, 1973.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-I, CENTRAL REVENUES BUILDING,
3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.I/SRI/Jul-1/318(74)/73-74.—Whereas I, D. B. Lal, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34 situated at D.L.F. Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Delhi on 13-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Rav Parkash Aggarwal s/o Shri Nand Lal for self and as Karta and Manager of Hindu undivided family, E-4 Palma Spring 5th floor, Cuffee Prade, Colaba, Bombay. (Transferor),

- (2) (i) Sh. Bhagwan Kedia s/o Sh. N. K. Kedia, (ii) Shri Jai Bhagwan Kedia s/o Sh. N. K. Kedia both R/o 97, Gadodia Market, Khari Baoli, Delhi. (iii) Shri Anil Kumar Jain s/o Shri Darbari Mal Jain & (iv) Shri Ashok Kumar Jain s/o Shri Darbari Mal Jain R/o 4225/A-1 Daryn Ganj, Delhi. (Transferee).

- (3) (i) Sh. Ram Parkash, (ii) Sh. Badal Ram, (iii) Shri Lokman Ram, (iv) Shri Naunand Ram, (v) Shri Bhawuni Ram (vi) Shri Dayal Dass & (vii) Shri Ram Avtar Tulsian all occupants of 34, D.L.F. Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 34, D.L.F. Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi constructed on a freehold plot of land measuring 1813 sq. yds. and bounded as under :—

North : Najafgarh Road
South : Plot No. 36
East : Plot No. 33
West : Plot No. 35.

D. B. LAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 8th November, 1973

Seal :

FORM ITNS—

tax Act, 1961 (43 of 1961)/to the following persons namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1973

Ref. No. IAC/Acq. II/73-74/5225.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- Plot No. 37 situated at South Extension Part-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-

(1) M/s. S. N. Sunderson & Company, Regd. Office at 1, Deshbandhu Gupta Road, New Delhi-55 through its Managing Partner Shri Anil Kumar Jauhar s/o Shri Surendra Nath Jauhar, resident of 28, Babar Lane New Delhi-110001. (Transferor).

(2) Km. Tara Jauhar daughter of Shri Surendra Nath Jauhar, SRI AUROBINDO ASHRAM, PONDICHERRY-2. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Semi-built property bearing plot No. 57, Housing Society New Delhi South Extension, Part-I, New Delhi measuring 1800.75 sq. ft. & is bounded as under :

North : Plot No. 38.
South : Plot No. 36.
East : Service Road,
West : Road.

C. V. GUPTE

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8th November, 1973

Seal :

FORM ITNS—

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 36 situated at South Extension Part-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 15-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

- (1) M/s. S. N. Sunderson & Co., I, Deshbandhu Gupta Road, New Delhi-55 through its Managing Partner Shri Anil Kumar Jauhar s/o. Shri Surendra Nath Jauhar, resident of 28, Babar Lane, New Delhi. (Transferor).

- (2) Km. Chitra Jauhar daughter of Shri Surendra Nath Jauhar, Sri Aurobindo Ashram, Pondicherry-2. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Semi-built property bearing plot No. 36, Housing Society, New Delhi South Extension, Part-I, New Delhi & measuring 18000.5 sq. ft. bounded as under :—

North : Plot No. 37.
South : Service Road.
East : Service Lane.
West : Road.

C. V. GUPTA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8th November, 1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD.
3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-16A situated at Malviya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 9-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Puranlal Khera s/o Shri D. R. Khera, r/o M/16A, Malviya Nagar, New Delhi general Attorney for Smt. Sushila Devi w/o Shri Hardwar Lal. (Transferor).
- (2) Smt. Dayawanti w/o Shri Puranlal Khera r/o M-16A, Malviya Nagar, New Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Government built property No. M-16A, Malviya Nagar, New Delhi area and measuring 100 sq. yards with all rights, of ownership, leasehold & others.

C. V. GUPTE

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition
Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8th November, 1973
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1973

Ref. No. IAC/Acq II/73-74/5225.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7A/48 situated at W.E.A., Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 8-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Chando Bai d/o Shri Mool Chand wife of Shri Bhana Ram r/o H. No. 11218, Ward No. XVI, Block No. 7A, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi. (Transferor).

- (2) Smt. Sheela Wati w/o Shri Bhaganlal r/o Plot No. 48, Block No. 7, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi. (Transferee).

- (3) Smt. Chando Bai w/o Shri Bhanna Ram H. No. 11218, Ward No. XVI, Block No. 7A, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi. [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to the notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storey pucca built house Municipal No. 11218 in Ward XVI built on a leasehold plot No. 48 in Block 7A having an area of 161.74 sq. yards situated at Western Extension Area, Karol Bagh New Delhi and bounded as under:—

East : Road.
West : Road (Service Lane).
North : House on Plot No. 49.
South : Road.

C. V. GUPTÉ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8th November, 1973

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITIONRANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November, 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas I. C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khasra No. 421, 222, 226, 12, 13, 18/1, 19, 21/1, 27/1 situated village Joonapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on 7-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mangat s/o Shri Amir, r/o Joonapur village, Delhi State, Delhi, (Transferor).

- (2) S/Shri Parkash Chand, (ii) Partap Singh, (iii) Sukh Bir, sons of Shri Harchand of village Joonapur, Delhi State, Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 bighas 12 biswas bearing the following Khasra Nos. of Mustatil No. 18 of village Joonapur, Delhi State Delhi :—

Khasra No.	Area		
	bighas	biswas	
421	0	18	Total 20 bighas & 12 biswas.
222	0	6	
226	0	8	
12	6	12	
13	4	16	
18/1	1	16	
19	4	12	
22/1	1	3	

C. V. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition
Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8th November, 1973
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas I. C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th of Municipal No. XVI/2874 situated at Hardhian Singh Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Delhi on 5-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madan Lal Tandon s/o Shri Roop Lal Tandon r/o R-894, New Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferor).
- (2) Shri Sardari Lal Tandon s/o Shri Roop Lal r/o R-669, New Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee).
- (3) M/s. Allahabad Bank, Karol Bagh, New Delhi Branch. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of Double storey property bearing Municipal No. 2874 in Ward No. XVI measuring 167 sq. yards & is bounded as under :—

East : House of Radha Piari.
West : House of Jai Singh.
North : Gali No. 17, Beadenpura.
South : Hardhian Singh Road.

C. V. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 8th November, 1973
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F Connaught Place, New Delhi (Transferor).

(2) Shri V. S. Bhagat s/o late Shri Khan Chand Bhagat, r/o S-323-A, Panch Shila Park, New Delhi-110017. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A,
ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-48 situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 2-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

43—316 GI/73

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 1006 sq. yards bearing No. W-48 in a residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 6th November, 1973

Sent :

FORM ITNS—

(2) Shri Joginder Singh s/o Shri Pardhan Singh, s/o D-320, Defence Colony, New Delhi. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1973

Ref. No. IAC/Acq II/73-74/5225.—Whereas I, C. V. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-112 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. DLF, United Ltd., 40-F Connaught Place, New Delhi. (Transferor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the Objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land bearing plot No. 112 measuring 300 sq yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : S. Lane,
West : Road.
North : Plot No. S/110.
South : Plot No. S/114

C. V. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 8th November, 1973.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas I, C. V. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. S-38 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 8-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi, (Transferor).
- (2) Shri Subhash Chander Ahuja s/o Shri D. D. Ahuja, C-13, Shivaji Park, Delhi-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 300 sq. yards bearing No. S-38, in the residential colony known as Greater Kailash-II New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 8th November, 1973.
Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1973

Ref. No. IAC/Acq II/73-74/5225.—Whereas I. C. V. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-327 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 3-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor).
- (2) Shri Charan Singh Kalsi s/o Shri Ishar Singh Kalsi r/o 3/4, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi-110005. (Transferee).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 327 measuring 296 sq. yards in Block 'S' of the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : Road.
West : S. Lane.
North : Road.
South : Plot No. S/329.

C. V. GUPTA

Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 8th November, 1973.

Seal :

FORM ITNS—

pertv by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas I. C. V. Gupta, being the competent authority under section 269D of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-79 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Delhi on 10-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (4 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 29C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-

(1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi, (Transferor).

(2) Smt. Nirmal Ohri w/o Major K. K. Ohri c/o. Shri S. D. Varma, Secretary & Treasurer, State Bank of India, Local Head Office, The Mall, KANPUR-1. (Transferee).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 250 sq. yards & bearing No. M-79, in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE

Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,

Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi

Date : 8th November, 1973.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Ravinder Mohan Bansal, P/o 519, Sector 18B, Chandigarh, Punjab. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas I, C. V. Gupta being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-162 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 8-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 415 sq. yards bearing No. M-162 in the residential colony known as Greater Kailash-II, situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 8th November, 1973.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-70 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 23-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-1st, Connaught Place, New Delhi. (Transferor).
- (2) Col K. L. Khosla s/o late Shri Raghunir Dass Khosla, Director, Survey Training Institute of India, P.O. UPPAL, Hyderabad. (Transferee).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 247 sq. yards bearing No. M-70 in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date : 7th November, 1973.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor).

(2) Smt. Parkash Varma w/o Shri S. L. Varma, Secretary & Treasurer, State Bank of India, The Mall, Kanpur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas I, C. V. Gupta, Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. M-81 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 10-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land bearing No. M-81 measuring 250 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi, situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date : 6th November, 1973.
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. DLF United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ravi Sood s/o Shri Asa Nand, S-37, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee).

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
of INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II
4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

New Delhi, the 6th November 1973

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas, I. C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-183 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on 23-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A freehold plot of land measuring 300 sq. yards bearing No. S/183 in the residential colony known as Greater Kailash II, New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

C. V. GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

Date: 6th November, 1973

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A,
ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas, I, C. V. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-469 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 10-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under

sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s. D. J. F. United Ltd., 40F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Madan Lal Mehra, D-41, N.D.S.E. Part-II, New Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 555 sq. yds. bearing No. S-469 in the residential colony known as Greater Kailash. It situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 6th November 1973
Seal ;

FORM ITNS—

(2) Raja Prem Singh of Chamba s/o Late Raja Lachhman Singh of Chamba, the Palace Chamba, (H.P.), presently C-51, Greater Kailash-I, New Delhi.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas, I. C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-51 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Delhi on 18-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dharam Singh, A-2/140, Safdarjang Enclave, New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 300 sq. yards together with 2½-storeyed building constructed thereupon bearing No. C-51, Greater Kailash-I, New Delhi situated in the village Yakutpur, in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 6th November 1973

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A,
ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas, I. C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. W-120 situated at Greater Kailash-II, New Delhi 1973 situated at Nawansher and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on 26-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D. L. F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor).

- (2) Harjit Kaur wife of Shri S. Charanjit Singh r/o 9, Friends Colony, New Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold Plot No. W-120 measuring 1172 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 6th November, 1973

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. Swaran Kanta w/o Shri Gurbachan Lal,
r/o E-14, NDSE Part-I, New Delhi (Transferee).NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A,
ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas, I. C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-408 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 19-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 247 sq. yards, bearing No. E-408 in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 6th November, 1973

Seal :

- (1) Smt. Surjit Kaur w/o Shri Rajinder Singh Bihla,
r/o E-51, NDSE, Part-I, New Delhi. (Transferor).

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A,
ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas, I. C. V. being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-3 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Delhi on May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be, disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. DLF United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi (Transferor).
- (2) Dr. Rakesh Kumar Chopra s/o Shri Narinder Nath Chopra, r/o Nawan Shahr Doaba, Distt. Jullundur. (Transferee).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 3 in Block No. W, measuring 1140 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : Plot No. W/1
West : Plot No. W/5
North : Road
South : Colony boundary

C. V. GUPTE.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Seal :

Date : 7th November, 1973

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR

New Delhi, the 7th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas, I. C. V. Gupte, being the competent authority under sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-245 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 23-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) M/s. DLF United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Malika Thakur w/o Shri Thakur Dhara Chand r/o 46, Court Road, Thakur House, Amritsar, (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 300 sq. yards bearing No. S-245 in a residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 7th November, 1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A,
ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas, I. C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and No. W-126 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 23-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. DLF United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi (Transferor).

- (2) Shri Gurbachan Singh s/o S. Jaswant Singh, 22/13, Industrial Area, Faridabad. (Transferee).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot land measuring 1553 sq. yards and bearing No. W/126 in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 7th November 1973

Seal ;

FORM INTS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 8th November 1973

No. F.X/I(1)/1/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 135 situated at Ramnad Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at J.S.R.I., Madurai on 7-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) K. Palaniappan, 19, Vaikkalkaran Street, Therku Vasal, Madurai.

(Transferor)

- (2) K. Sukumaran, 52, Malvadampokki St., Madurai, R. Menaka, 44/12, Sambanda Murthi St., Melamasi Veedi, Madurai, T. Amaran, T. Kapilan, T. Paganloan, 36-38, Manjanakkaran St., Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building admeasuring 34744 sq. ft. in T.S. No. 271, Door No. 135, Ramnad Road, Madurai.

K. V. RAJAN

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 8-11-73

Seal:

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-II, 4/14-A,
ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5225.—Whereas, I. C. V. GUPTE, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nb. Munpl. No. 7097, Ward-XVI situated at W.E.A., Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Delhi on 18-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) (i) Shri Amar Nath Mehra s/o Dina Nath r/o 4-33, WEA, Karol Bagh, New Delhi. (ii) Kanshi Ram Khanna s/o Devki Nandan Khanna, r/o 39, Bungalow Road, Kamla Nagar, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Amar Singh Kharbanda s/o late S. Gurbux Singh r/o 4-65 W.E.A., Karol Bagh, New Delhi-5, General Attorney of Shri Harbhajan Singh Chawla and Shri Manmohan Singh Chawla, presently at Bangkok (Thailand). (Transferee)

- (3) S/Shri (i) D. P. Gupta & Co., Plot No. 4, Block No. 16-B, W.E.A., Deshbandhu Gupta Road, New Delhi, (ii) S. K. Batia, prop. Souvenir Industries, Plot No. 4, Block No. 16-B, WEA, Deshbandhu Gupta Road, New Delhi, (iii) Panjab National Bank, Plot No. 4, Block No. 16-B, WEA, Deshbandhu Gupta Road, New Delhi, (iv) D. Dass Gupta, Plot No. 4, Block No. 16-B, WEA, Deshbandhu Gupta Road, New Delhi, (v) Gadrey, Plot No. 4, Block No. 16-B, WEA, Deshbandhu Gupta Road, New Delhi, (vi) IRC Steel Pvt Ltd., 1, Hanuman Road, New Delhi, (vii) Kailash Chander, Plot No. 4, Block No. 16-B, WEA, Deshbandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi (Person(s) in occupation of the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every persons who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Two and half storeyed pucca built building and the basement bearing Municipal No. 7097, Ward No. XVI, built on a plot No. 4, Block No. 16B WEA, Khastia No. 1531/152, together with land measuring 31111 sq. yds. situated at Deshbandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under:

East: House Plot No. 5
West: Plot No. 3
North: Road
South: Service Road.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date - 8th November 1973

Seal:

FORM IINS—

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 3rd November 1973

Ref. No. J. 3042/73-74.—Whereas I, A. RAGHAVENDRA RAO, being the competent authority under Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and situated at Survey Nos. 17, 19/1 & 18/1 in Maharajapuram village & Survey No. 108/7 Panampattu village, Villupuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Villupuram in July 1973 (27-7-73) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

(1) Shri M. Chinnasami Reddiar, S/o Muthuveera Reddiar, Gunduperumbedu, Sriperumbudur Taluk.
(Transferor)

(2) 1. Shri S. M. Venkatachala Chettiar, S/o Manicka Chettiar, 2. Shri Nandagopal Chettiar & 3. Shri Ranganathan Chettiar S/o Shri S. M. Venkatachala Chettiar, Pondy Road, Valavanur, Villupuram Taluk.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

HALF SHARE in the building, machinery belonging to Shanmuga Oil Mill and land admeasuring 3-17 acres in Punja Land Survey No. 17, No. 18/1, & No. 19/1 in Maharajapuram village (Villupuram) & Punja land Survey No. 108/7 in Panampattu village (Villupuram).

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6

Date : 3-11-1973.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 3rd November 1973

Ref. No. F. 2030/73-74.—Whereas, I, A. RAGHAVENDRA RAO, being the Competent Authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T. S. No. 95 situated at Karumathampatti village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sullur on 12-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri M. Sikkuthamma Chettiar, S/o Shri T. Masi Chettiar, K. K. Block, Coimbatore Town.
(Transferor)

- (2) 1. Shri S. V. Ramasami, 2. Shri S. V. Arumugham, 3. Shri S. V. Palanisami, S/o Veluchami Gounder, Samalapuram, Palladam Taluk & 4. Shri P. Balusami, S/o Shri P. Palani Gounder, Vettupalayam, Palladam Taluk.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Machinery, Building & Land admeasuring 1.48 Acres in T. S. No. 95, Karumathampatti village.

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6

Date : 3-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri S. Chandan, Door No. 4/8, Damunagar, Puliakulam, Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 3rd November 1973

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. F. 2014/73-74.—Whereas, A. RAGHAVENDRA RAO, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 4/8 situated at Damunagar, Puliakulam, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on 26-6-1973 for an apparent consideration sub-section (1) of section 269D of the Income-tax which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax sub-section (1) of section 269D of the Income-tax namely :—

- (1) S/Shri G. R. Damodaran & D. Padmanabhan, 8/5 Kamaraj Road, Red Fields, Coimbatore.

(Transferor)

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building in Door No. 4/8 in Damunagar, T. S. No. 10/1518/2, Old Ward No. 3, New Ward No. 4, Survey Ward No. 10 (Asst. No. 4898/1) Krishnarayapuram & Puliakulam villages, Coimbatore Taluk, Coimbatore District.

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-2,

Madras-6

Date : 3-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri B. B. Balaguruvaia, Father & natural guardian of minor Shri B. Suresh Babu, 1, Balasubramaniam Colony, Madras-4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1973

Ref. No. F. 675/73-74.—Whereas, I, A. RAGHAVENDRA RAO, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R. S. No. 1554 (Part) situated at Eldams Road, Madras-18, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mylapore on 11-7-1973 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri R. Sambandam, R. Dhanapal, R. Ramalingam & R. Guruswamy, No. 11, Sriramnagar, Alwarpet, Madras-18.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 4200 Sq. ft. and bearing R. S. No. 1554 of Mylapore situated at Eldams Road, Madras-18.

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-2.

Madras-6

Date : 5-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1973

Ref. No. F. 675/73-74.—Whereas, I, A. RAGHAVENDRA AO, being the competent authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 14/31 situated at Eldams Road, Madras-18 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras-6 on 11-7-1973

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) S/Shri R. Sambandam, R. Dhanapal, R. Ramalingam & R. Guruswamy, No. 11, Sriramnagar, Alwarpet, Madras-18.
(Transferee)

(2) M/s. K. Balaguruva Chettiar, Son, 130, V. R. Pillai Street, Madras-5.
(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & House bearing Door No. 14/31 Eldams Road, Madras-18 and admeasuring 4 Grounds & 1680 Sq. ft.

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6

Date : 5-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 8th November 1973

No. F. IX/5/9/73-74.—hereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 3, situated at Kandappa Chetty Street, Kothawal Chavadi Peddunaickenpet, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet on 9-5-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Smt. Kathija Bivi, W/o N. M. Mohideen Abdul Kader, By her Power Agent M. A. Ahmed, Kalamputtu Street, Kalankudiyiruppu Village, Thiruchanur Taluk.

(Transferor)

- (2) Sri B. Govindaraju Chetty, 12/2, Mosque St., Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 3, Kandappa Chetty Street, Kothawal Chavadi, Peddunaickenpet, Madras bearing old Survey No. 5274 and T.S. No. 5804 admeasuring about 1 ground and 90 sq. ft.

K. V. RAJAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 8-11-73

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS

(1) Shri Pawan Kumar Kanoria, 5, Gariahat Road,
Calcutta. (Transferor).(2) Shri Gaurishankar Pandey, Village Mathia, P. O.
Pratappur, Dt. Siwan. (Transferee).NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, BIRCHAND
PATEL MARG, PATNA-1

Patna, the 6th November 1973

Ref. No. III-59/Acq/73-74/1004.—Whereas I, J. Nath,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition
Range, Patnabeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe
that the immovable property having a fair market value ex-
ceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot Nos. 662 & 666, K. No. 117 situated at Mathia,
D. Siwan.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer
at Calcutta on 9-5-1973 for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen percent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the transferor(s)
and the transferee(s) has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in
respect of any income arising from the trans-
fer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the
Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).And whereas the reasons for initiating proceedings
for the acquisition of the aforesaid property in terms
of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) have been recorded by me.Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons,
namely :—

46—316GI/73

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires
later :(b) by any of the person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.It is hereby notified that a date and place for hear-
ing the objections, if any, made in response to this
notice against the acquisition of the immovable pro-
perty will be fixed, and notice thereof shall be given
to every person who has made such objection, and
the transferee of the property.It is hereby further notified that every person to
ing the objections, if any, made in response to this
shall have a right to be heard at the hearing of the
objections.EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 Acres of Kast land in Plot No. 662 (in part) and 666 (in
part) Khata Nos. 117 and 5 respectively situated in village
Mathia, Pargana Pachalakh, Dt. Siwan in the state of Bihar.

J. NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,

Patna

Date: 6-11-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 8th November 1973

No. FJX/7/12/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. situated at R.S. No. 72/12, Door No. 20/14, Mandapan Road, Kilpauk, Madras-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Periamet on 21-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Mrs. K. Choodamani, Mr. C. Narasimha Rao,
No. 1 Balaji Avenue, T. Nagar, Madras -17.
(Transferor)

- (2) Mr. A. M. Abdul Rasheed, S/o Haji A. M. M. Mohamed Yousuff, 84, Chinnapalli Street, Koothanallur, Tanjore District,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land and 2 storeyed Building with 4 shops in the Ground floor and 2 residential flats each in the first and second floor—R.S. No. 72/12 (Part)—Plot No. 8, Kilpauk, Madras-10.

K. V. RAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 8-11-73

Seal:

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

(2) Smt. Alice Pappammal, W/o, Nasuromani Nadar,
8, Arunachala Gramani St., Chetpet, Madras-30.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, 7th November 1973

No. F. XII/14/1/73-74.—Whereas, I. K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 and situated at Iruvappuram Village, Sivekudam Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Podakottai on 25.5.1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri S. D. Duraisamy Deva Arputhamani, S/o. Samuel Teacher, Sawyerapuram.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Iruvappuram, Kumarapuram Village ad-measuring 43 cents in T.S. No. 223, 51 cents in T.S. No. 224/1 and 86 cents in T.S. No. 224/2.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 7-11-73

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM NO. I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) K. Sankaranarayanayyar, 3/843-D, Bharathinagar,
Paramakudi Town.

(Transferor)

(2) P. S. Krishnan Chettiar, 3/843(11), Bharathinagar,
Paramakudi Town.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras 6, the 8th November 1973

No. F.XIV/12/2/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8/2 situated at Bagavathsingh Road, 8th Ward, Paramakudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Paramakudi on 17th May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building admeasuring 1120 sq. ft. bearing Door No. 8/2, Bagavath Singh Road, 8th Ward, Paramakudi Town.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras 6.

Date : 8-11-73

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS ———

(1) 1. P. Guruvappa Chetty, 2. P. Ichevalingam, 3. P. Sambayya, 4. P. Mahendrappa, 5. M. Kamma, No. 39, Sanjeevroyan Koil St., Washermanpet, Madras-21. (Transferor).

(2) Mrs. Soundarya Krishnamurthi, No. 19, Giri Road, Madras-17. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 7th November 1973

No. F. IX//3/14/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 65 situated at Gwalior Agraharam Road, Tondiarpet Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registers J. S. R-11 Madras on 15-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 65, Gollawar Agraharam Road, Tondiarpet, Madras admeasuring 11 ground 1177 sq. ft.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 7-11-73.
Seal :

FORM ITNS.—

(2) Shri Vidyadhar Pandey, Village Mathia, Thana Mairwa, Dt. Siwan. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, BIRCHAND PATEL MARG, PATNA-1

Patna, the 6th November 1973

Ref. No. III-62/Acq/73-74/1007.—Whereas I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna,

being the Competent Authority under section 26.D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 662 (in part) K. No. 117 situated at Mathia, Dt. Siwan. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 23-5-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3.50 Acres Kast Land in Plot No. 662 (in part) Khata No. 117, situated at Village Mathia, Pargana Pachalakh, Dt. Siwan in the state of Bihar.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Patna.

(1) Shri Binod Kr. Kanoria, 23, Old Ballymunge Road, Calcutta. (Transferor).

Date : 6-11-73.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION

RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, BIRCHAND

PATEL MARG, PATNA-1

Patna, the 6th November 1973

Ref. No. III-61/Acq/73-74/1006.—Whereas I, J. Nath Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 662, Khata No. 117 situated at Mathia, Dt. Siwan.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 24-5-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Shyam Sunder Kanoria, 23, Old Ballygunge Road Calcutta. (Transferor)

(2) (1) Shri Bishwanath Pandey (2) Deonath Pandey (3) Bankeybehari Pandey, Village Mathia, Thana Mairwa, Dt. Siwan. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 Acres Kast-land in Plot No. 662 (in part) Khata No. 117, situated at Village Mathia, Pargana Pachalakh Dt. Siwan in the state of Bihar.

J. NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Patna

Date: 6-11-1973

Seal:

FORM ITNS ———

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Pawan Kumar Kanoria, 5, Gariahat Road,
Calcutta. (Transferor)

(2) Shri Jaiprakash Pandey, Village Mathia, P. O.
Pratappur, Dt. Siwan. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, BIRCHAND
PATEL MARG, PATNA-1

Patna, the 6th November 1973

Ref. No. III-60/Acq/73-74/1005.—Whereas I. J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Nos. 665 & 662, K. No. 124 & 117 situated at Mathia, Dt. Siwan. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-5-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 Acres of Kast Land in Plot Nos. 665 and 662 (in part) Khata Nos. 124 and 117 respectively situated in village Mathia, Pargana Pachalakh, Dt. Siwan in the state of Bihar.

J. NATH

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Patna

Date; 6-11-1973

1. Smt. Sheela Rani Jain w/o Shri Nem Chand Jain
r/o Jagadhri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

(2) Shri Deepak Jain s/o Darshan Lal Jain r/o Jagadhri.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. ASR/Jag/AP-318/73-74/2011.—Whereas I, R. S. SAWHNEY, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land measuring 20157½ Sq. Yds. as mentioned in the registered deed No. 406 of May, 1973 situated at Jagadhri Jagadhri in May 1973, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhri on 5-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

47--316 GI/73

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 20157½ Sq. Yds. as mentioned in Registered deed No. 406 of May, 1973 of the Registering Authority, Jagadhri.

R. S. SAWHNEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range
Amritsar

Date : 9-11-1973.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ram Naresh Pandey, Village Mathia, P. O.
Pratapapur, Dist. Siwan. (Transferee).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, BIRCHAND
PATEL MARG, PATNA-1

Patna, the 6th November 1973

Ref. No. III-58/Acq/73-74/1003.—Whereas I, J. Nath,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Patna

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 662, Khata No. 117 situated at Mathia, Siwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 9-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pawan Kumar Kanoria, 5, Gariahat Road, Calcutta. (Transferor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 Acres of Kast land in Plot No. 662 (in part) Khata No. 117, situated in village Mathia, Pargana Pachalakh, Dist. Siwan in the state of Bihar.

J. NATH

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Patna

Date: 6-11-1973

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Kailash Kumar Kanoria, 23 Old Ballygunge Road, Calcutta. (Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Shri Ramakant Yadav, Devendra Yadav and Dharmendra Yadav, Village Mathia, P. O. Pratappur, Dt. Siwan. (Transferee).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION
RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, BIRCHAND
PATEL MARG, PATNA-1

Patna, the 6th November 1973

Ref. No. II-57/Acq/73-74/1002.—Whereas I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 666 K, No. 5 situated at Mathia, Dt. Siwan (and more fully described

in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 5-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4.25 Acres of Kust land in Plot No. 666 (in part) Khata No. 5 situated in village Mathia, Pargana Pachalakh, Dt. Siwan in the state of Bihar.

J. NATH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Patna

Date: 6-11-1973

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
60/61 ERANDAWANA, KARAVE ROAD,
POONA-411004

Poona, the 7th November 1973

Ref. No. C.A./5/May/73/Haveli-II/80/73-74.—Whereas I, G. Krishnan,

being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 372-A/1 situated at Village Munjeri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Haveli-II on 9th May, 1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) 1. Smt. Shyamalata Kumari B. Sinha.
2. Smt. Shantidevi S. Sinha 3. Smt. Mrudula B. Sinha by her D.C.A. Shri S. N. Sinha, 'Sinha House' Koregaon North Main Road, Poona-1. (Transferor).

(2) Miss. Soonibai S. Anklesaria, 94, Mahatma Gandhi Road, Poona 1. (Transferee).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 39718.50 Sq. ft. out of S. No. 372-A/1 of Village Munjeri now Poona city. (Freehold).

G. KRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poona

Date : 7-11-1973

Sent :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BLDG.,
RANGE, JAIPUR,

Jaipur, the 22nd October 1973

Ref. No. J-3/73(9)32/40.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the Competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 18-B situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 8-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Purshotam Das S/o Lala Kishan Chand. (Transferor)
- (2) M/s Agarwal Textile Industries Zhotwara, Through Smt. Swaraj Rani. (Transferee)
- (3) M/s Agarwal Industries. (person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Plot No. 18-B situated at Shiv Marg Todar Mal Circle Chowkari, Haveli Sahar Jaipur. Total area of the sold property 545 Sq. yards (Covered area 123 Sq. yards and open area 422 Sq. yards).

V. P. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Jaipur

Date : 22-10-1973

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BLDG.,
JAIPUR

Jaipur, the 22nd October 1973

Ref. No. J-3/73(9)/14/34.—Whereas, I. V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 18-B situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jaipur on 2-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Purshotam Das S/o Seth Kishan Chandi Ji Agarwal. (Transferor).
- (2) M/s Agarwal Textile Industries Zhotwara through Smt. Swaraj Rani w/o Purshotam Das (Transferee)
- (3) M/s Agarwal Textile Industries. (person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Bunglow No. 18-B Choukri Hawali Sahar Shiv Marg Bani Park Jaipur. The total area of sold property is 225 sq. yards (covered area 72 sq. yards and open area 153 sq. yards.)

V. P. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Jaipur

Date : 22-10-1973

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd October 1973

Ref. No. J-3/73/(9)/9/33.—Whereas, I, V. P. Mittal being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 18-B situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 2-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Purshotam Das S/o Lala Kishanchandji Agarwal. (Transferor)
- (2) M/s Agarwal Textile Industries Zhotwara through Shri Pramod Kumar. (Transferee)
- (3) M/s Agarwal Textiles Industries. (person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Bungalow No. 18-B situated at Shiv Marg, Todar Mal Circle Chowkri Haveli Sahar Jaipur, Total area of sold property :—

285 sq. yards.

Covered area 136.60 sq. yds.

Open area 148.40 sq. yds.

Covered area first floor 36 sq. yds.

V. P. MITTAL

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range,
Jaipur

Date : 22-10-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

Ref. No. ASR/Panipat/AP-319/73-74/2012.—Whereas, I R. S. SAWHNEY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 2 Bighas and 10 Biswas as mentioned in registered at Registered deed No. 347 of May, 1973 situated at Taraf Insar, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Panipat in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Satish Chandra s/o Shri L. Lashkari Mal c/o M/s. Laskari Mal Satish Chander of Panipat.
(Transferor)

2. 1. Shri Varinder Nath s/o Pt. Ram Kishan, 2. Shri Trilok Chand s/o Shri Mohinder Nath, 3. Smt. Saraswati Devi w/o Shri Mohinder Nath, 4. Smt. Padma Devi w/o Sh. Ram Kishan c/o Ashri Carding Works, G. T. Road, Near Panipat Filling Station, Panipat.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Bighas 10 Biswa at Panipat as mentioned in registered deed No. 347 of May, 1973 of Registering Authority, Panipat.

R. S. SAWHNEY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
Amritsar

Date : 9-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gurminder Singh son of Shri Hakim Singh of Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR
ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

No. ASR/Jul/AP-310/73-74/2003.—Whereas I, R. S. Sawhney, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share in Kothi No. 649, Model Town Jullundur as mentioned in the registered deed No. 1015 of May 1973 of S.R. Jullundur situated at Model Town, Jullundur and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in May 1973 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Dr. Jaswant Singh s/o Lehna Singh, of Jullundur.
(Transferor)

48—316G1/73

- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in Kothi No. 649, Model Town, Jullundur as mentioned in the registered deed No. 1015 of May, 1973 of S.R. Jullundur.

R. S. SAWHNEY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner

of Income-tax

Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-11-73

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

Ref. No. ASR/Jul/73-74/AP-317/2010.—Whereas I, R. S. SAWHNEY, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 3 as mentioned in the Registered Deed No. 1036 of May, 1973 situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in May 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. M/s Neelam Finance & Trading Co. Ltd., Near Dunlop Co. N. G. Road, Jullundur.
(Transferor)
2. Shri Kuldip Singh s/o S. Harbhajan Singh s/o Mali Ram V. Kala Singh, Teh. Kapurthala.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3 as mentioned in the Registered Deed No. 1036 of May, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

R. S. SAWHNEY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar

Date : 9-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

2. M/s. Royal Textile Mills, G. T. Road, Panipat through 1. Shri Ranbir s/o Hakumat Rai, 2. Shmt. Shanti Devi w/o Shri Hakumat Rai, 3. Shri Teja Singh s/o Shri Ram Sahai, 4. Shri J. D. Prathi s/o Shri Ram Lal Prathi, Partners.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

Ref. No. ASR/Panipat/AP-316/73-74/2009.—Whereas 1, R. S. SAWHNEY, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land measuring 4 Kanals 2 Marlas, as mentioned in registered deed No. 424 of May, 1973 situated at Pati Afganah and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in May, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

1. Shri Hakumat Rai r/o Panipat.

(Transferor)

(3) As at Sr. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any other person interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof, shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Kanals 2 Marla, as mentioned in registered deed No. 424 of May, 1973 of the Registering Authority, Panipat.

R. S. SAWHNEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner
of Income Tax
Acquisition Range
Amritsar

Date 9-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

Ref. No. ASR/Panipat/AP-315/73-74/2008.—Whereas I, R. S. SAWHNEY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 81 Kanals 10 Marlas as mentioned in registered deed No. 352 of May, 1973 situated at Village Pathri, Panipat and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Panipat in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Chander Singh s/o Shri Jhanda s/o Mughla r/o V. Pathri.

(Transferor)

2. S/Shri Hari Chand, Ganga Bishan, Sita Ram, Kali Ram sons of Sisu Surat Singh, Suraj Bhan s/o Rati-nam and Shri Pars Ram of Panipat.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire, later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 81 Kanals 10 Marlas at V. Pathri, Panipat as mentioned in the registered deed No. 352 of May, 1973 of the Registering Authority Panipat.

R. S. SAWHNEY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar

Date : 9-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Enn-Em-Jay Iron and Steel Mills, Suran Nussi Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

No. ASR/Jul/73-74/AP-314/2007.—Whereas I, R. S. Sawhney being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Land measuring 5 kanals as mentioned in the Registered Deed No. 1533 of May, 1973 situated at V. Lidhra Teh. Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in May 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 5 Kanals situated in Village Lidra Teh. Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 1533 of May, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Milkhat Singh s/o S. Sadhu Singh V Lidra Teh. Jullundur.
- (Transferor)

Date : 9-11-73
Seal :

R. S. SAWHNEY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Amritsar

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

Ref. No. ASR/Jul/AP-317/73-74/2006.—Whereas, I, R. S. Sawhney being the competent authority under Section 269D of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shops Nos. 21, 22, 23 and 24 in Lakshmi Market, Jullundur as mentioned in registered deed No. 1037 of May, 1973 of S. R. Jullundur situated at Lakshmi Market, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Own Your House (P) Ltd., through Shri Sushil Kumar Partner of M/s. Ansil & Sehgal Properties and Associates, Jullundur
(Transferor)
- (2) Shri Sohan Lal Bhagat Ram, Nehru Garden Road, Jullundur,
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Nos. 21, 22, 23 and 24 at Lakshmi Market, Jullundur as mentioned in the registered deed No. 1037 of May, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

R. S. SAWHNEY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-11-73

Seal :

FORM INS.....
**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR**

Amritsar, the 9th November 1973

Ref. No. ASR/Jul/AP-312 73-74/2005.—Whereas I, R. S. Sawhney being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share in Kothi No. 649, as mentioned in the registered deed No. 914 of May, 1973 of S.R. Jullundur situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Dr. Jasant Singh s/o S. Lehna Singh, Jullundur.
(Transferee)
- (2) Shri Amarjit Singh s/o Shri Hakim Singh of Jullundur.
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in Kothi No. 649, Model Town, Jullundur as mentioned in the registered deed No. 914 of May, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

R. S. SAWHNEY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-11-73
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

No. ASR/Jul/AP-311/73-74/2004.—Whereas I, R. S. Sawhney

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/3rd share in property No. 649, Model Town Jullundur as mentioned in registered deed No. 877 of May, 1973 of S.R. Jullundur situated at Model Town, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Jullundur in May 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Jaswant Singh s/o S. Lehna Singh, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Hakim Singh son of Shri Jai Singh, of Jullundur.
(Transferee)

the Property]

- (4) Any other person interested in the property. [person-
(s) whom the undersigned knows to be interested
in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in Property No. 649, Model Town, Jullundur as mentioned in the registered deed No. 877 of May, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

R. S. SAWHNEY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-11-73
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

Ref. No. ASR/BTL/AP-302/73-74/1995.—Whereas, I, R. S. Sawhney, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2 Shops $15 \times 50\text{-}1/3$ & $15 \times 55\text{-}1/3$ West Batala as mentioned in the registered deed No. 562 of May, 1973 of Sub Registrar, Batala situated at West Batala (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala in May, 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

49—316 GI/73

- (1) Shri Vyas Dev s/o Mulekh Raj, Batala. (Transferor)
- (2) Shri Manohar Lal son of Shri Rikhi Ram, Batala. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Shops $15 \times 50\text{-}1/3$ & $15 \times 55\text{-}1/3$ at West Batala as mentioned in the registered No. 562 of May, 1973 of Registering Authority, Batala.

R. S. SAWHNEY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 9-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMI-
SSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAILOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

No. ASR/Jul/AP--309/73-74/2002.—Whereas I, R. S. Sawhney being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Land (1K—4M) as mentioned in the Registered Deed No. 1136 of May, 1973 situated at Civil Line, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in May 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Km. Dalip Kaur D/o Sham Singh, Opp : Desh Bhagat Hall, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Jagtar Singh, Jagdev Singh s/o Shri Ujagar Singh Chema Opp : Desh Bhagat Hall, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 1-Kx4M as mentioned in the Registered Deed No. 1136 of May, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

R. S. SAWHNEY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-11-73

Seal :

FORM ITNS—

(2) S/Shri Lakha Singh Ajaib Singh, Bachhan Singh & Hardip Singh SS/o Shri Mahan Singh of Khujrala, Teh. Batala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAILOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

No. ASR/BTL/AP-308/73-74/2001.—Whereas I, R. S. Sawhney being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land 133K as mentioned in the Registered Deed No. 743 of May, 1973 of S.R. Batala, situated at Vill : Khujrala and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the regis-Batala in May 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Budh Singh s/o Shri Ujagar Singh Village Khujrala, Teh. Batala.
- (Transferor)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that every person to whom the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 133K situated at Village Khujrala Teh. Batala as mentioned in the Registered Deed No. 743 of May, 1973 of the Registering Authority, Batala.

R. S. SAWHNEY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Seal :

Date : 9-11-73

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR
ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

No. ASR/BTL/AP-307/73-74/200.—Whereas, I, R. S. Sawhney being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land 41 Kanals as mentioned in the registered deed No. 489 of May, 1973 of S. R. Batala situated at village Kothi Malwe, Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Batala in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Joginder Singh son of Shri Mool Singh, Umarpura, Batala. (Transferor)
- (2) Shri Ranbir Singh son of Dr. Virsa Singh, Batala. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 41 Kanals as mentioned in the Registered deed No. 489 of May, 1973 of the Registering Authority, Batala.

R. S. SAWHNEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-11-1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

No. ASR/BTL/AP-306/73-74/1999.—Whereas, I, R. S. Sawhney, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land 52 Kanal 9 Marla at Dalo Chak as mentioned in the registered deed No. 409 of May, 1973 of S. R. Batala situated at Dalo Chak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vir Singh son of Shri Nathu V. Dalo Chak, Teh. Batala. (Transferor)

- (2) S/Shri Dalbir Singh, Tarvir Singh, Hardev Singh sons of Bal Singh, Dalo Chak, Teh. Batala. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 52 Kanal 9 Marlas in Village Dalo Chak as mentioned in the registered deed No. 409 of May, 1973 of Registering Authority, Batala.

R. S. SAWHNEY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-11-1973
Seal:

FORM ITNS—

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

No. ASR/Ambala/AP-305/73-74/1998.—Whereas, I, R. S. Sawhney, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land 9 Bighas 6 Biswa as mentioned in the registered deed No. 617 of May, 1973 of Sub Registrar, Ambala situated at Village Sultanpur, Teh. & Distt. Ambala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ambala in May, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

(1) S/Shri Bhagwan Singh s/o Shri Sujan Singh, Nanak Chand s/o Bhagwan Singh, Nand Lal s/o Devi Dayal, Mahla Ram s/o Sh. Ganda Ram, Ramji Dass s/o Mohalla Ram, residents of Kakru Tehsil Ambala. (Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar s/o Shri Mohan Lal r/o Ambala city. (Transferee)

(3) As at Sl No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 9 Bighas 6 Biswa situated at Village Sultanpur, Tehsil and District Ambala as mentioned in the registered deed No. 617 of May, 1973 of Registering Authority, Ambala.

R. S. SAWHNEY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-11-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR
ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

No. ASR/AP-304/73-74/1997.—Whereas, I, R. S. Sawhney, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land 25 Kanal 11 Marlas as mentioned in registered deed No. 1178 of May, 1973 of Sub Registrar, Amritsar, situated at Village Khan Kot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Bhagwan Singh s/o Shri Ajit Singh r/o Katra Sher Singh, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Amrik Singh and Shri Gurnam Singh sons of Shri Darshan Singh r/o Sultanwind, Amritsar. (Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 25 Kanals 11 Madras in Khankot as mentioned in the registered deed No. 1178 of May, 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

R. S. SAWHNEY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-11-1973

Seal :

FORM ITNS.—

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
RANGE. 3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

Ref. No. ASR/BTL/AP-303/73-74/1996.—Whereas, I, R. S. Sawhney, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2 Shops $15 \times 50\frac{1}{3}$ & $15 \times 55\frac{1}{3}$ West Batala as mentioned in the registered deed No. 561 of May, 1973 of S. R. Batala situated at West Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Batala in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

- (1) Shri Vyas Dev s/o Mulakh Raj, Batala. (Transferor)
- (2) Shri Jawahar Lal s/o Shri Rikhi Ram, Batala. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Shops $15 \times 50\frac{1}{3}$ & $15 \times 55\frac{1}{3}$ West Batala as mentioned in the registered No. 561 of May, 1973 of Registering Authority, Batala.

R. S. SAWHNEY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 9-11-1973.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, FLOOR
AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

Ref. No. ASR/AP-295/73-74/1988.—Whereas, I, R. S. Sawhney, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share of 1962½ Sq. Yds. and three sheds on it as mentioned in the registered deed No. 689/1 of May, 1973 of S. R. Amritsar situated at O/S Chatiwind Gate, Tarn Taran Road, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar in May 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—
50—316GI/73

- (1) Shmt. Satwant Kaur w/o Shri Kartar Singh V. Majitha, Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) S. Kanwaljit Singh s/o S. Kalyan Singh, Chowk Baba Bhauri Wala, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of 1962½ Sq. Yds. and three sheds on it as mentioned in the registered deed No. 689/1 of Registering Authority, Amritsar.

R. S. SAWHNEY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Amritsar.

Date : 9-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION

RANGE, 3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,

AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

Ref. No. ASR/Ambala AP-301/73-74/1994.—Whereas, I, R. S. Sawhney, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land 49 K as mentioned in the registered deed No. 682 of May, 1973 of the Registering Authority, Ambala situated at Village Mohra ehsil Ambala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ambala in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

- (1) Shri Dyal Singh s/o Shri Chandan Singh r/o Village Mohra, Tehsil Ambala. (Transferor)
- (2) Shrimati Kanshi Kamal, Sodhi d/o S. Gurbaksh Singh Bunglow No. 147, Ambala Cantt. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to the notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

THE SCHEDULE

Land measuring 49 Kanals situated at Village Mohra Teh. Ambala as mentioned in the registered deed No. 682 of May 1973 of the Registering Authority, Ambala.

R. S. SAWHNEY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 9-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION
RANGE, 3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

Ref. No. ASR/Ambala/AP.300/73-74/1993.—Whereas, I, R. S. Sawhney, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land 17650 Sq. Feet and two godowns over it as mentioned in the registered deed No. 405 of May, 1973 of S. R. Ambala situated at Village Babyal Tehsil Ambala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ambala in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Om Parkash son of Shri Thakar Dass, Ambala Cantt. (Transferor)
- (2) M/s. Laboratory Equipment Traders, Ambala Cantt. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 17650 Sq. Feet in Village Babyal Teh. Ambala as mentioned in the registered deed No. 405 of May, 1973 of the Registering Authority, Ambala.

R. S. SAWHNEY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 9-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

Ref. No. ASR/Ambala/AP-299/73-74/1992.—Whereas, I, R. S. Sawhney, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 8 Kanals as mentioned in registered deed No. 536 of May, 1973 of S. R. Ambala situated at Nangal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ambala in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Devi Chand s/o Shri Daya Ram r/o Nangal Tehsil and District Ambala. (Transferor)

- (2) S/Shri Satish Chander s/o Sh. Balraj, Jagdish Chander s/o Ram Lal, Sajn Dass s/o Shri Nihal Chand, Sham Sunder s/o Ram Chander, Vinay Bhatia s/o Ram Rang, Ravinder Kumar s/o Shri Ram Sarup r/o Ambala Cantt. Shrimati Devki Rani W/o Shri Khushi Ram, Ambala Cantt., Shmt. Pushpa Rani w/o Shri Bal Krishan of Chandigarh, Shri Mulakh Raj s/o Shri Gopal Dass r/o Delhi. (Transferee)

- (3) As at Sl. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any other person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned known to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 Kanals as mentioned in the registered deed No. 536 of May, 1973 of the Registering Authority, Ambala.

R. S. SAWHNEY
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.

Amritsar.

Date : 9-11-1973
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

Ref. No. ASR/AP-298/73-74/1991.—Whereas, I, R. S. Sawhney, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land 52 K 19 M in V. Kambo, Tehsil & Distt. Amritsar as mentioned in the registered deed No. 357 of May, 1973 of Registering Authority, Amritsar situated at Village Kambo, Teh. & Distt. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar in May 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. Ram Singh Uppal s/o S. Narain Singh Uppal
Lawrence Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Jasjit Singh s/o Shri Ram Singh Lawrence Road,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above. [Person(s) in occupation of
the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s)
whom the undersigned knows to be interested in the
property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

52 K 19 M of land in Village Kambo, Tehsil & Distt. Amritsar as mentioned in the registered deed No. 357 of May, 1973 of Tehsildar, Amritsar.

R. S. SAWHNEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 9-11-1973.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

Ref. No. ASR/AP-297/73-74/1990.—Whereas, I, R. S. Sawhney, being the competent authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building Double Storey as mentioned in the Registered Deed No. 599/1 of May, 1973 situated at Dhab Khatika, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar in May 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas, the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Sec. 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1)

- (1) Sh. Narjinder Nath s/o Shri Nanak Chand, Smt. Brij Kumari, Chanchal Kumari D/o Shri Nanak Chand, Dhab Khatika, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Amir Chand s/o Shri Arori Mal, Katra Khazana, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building situated at Dhab Khatika, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 599/1 of May, 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

R. S. SAWHNEY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 9-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

Ref. No. ASR/AP-296/73-74/1989.—Whereas, I, R. S. Sawhney, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd of Plot measuring 1962½ Sq. Yds. as mentioned in the registered deed No. 690/1 of May, 1973 of S. R. Amritsar situated at outside Chatiwand Gate, Tarn Taran Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar in May 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Smt. Jaswant Kaur w/o S. Sawaran Singh of Majitha, Distt. Amritsar. (Transferor)

- (2) Shri Manjit Singh s/o Shri Kalyan Singh Razar Baba Bhauri Wala, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of land 1962½ Sq. Yds. and three sheds on it as mentioned in the registered deed No. 690/1 of Registering Authority, Amritsar.

R. S. SAWHNEY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 9-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

Ref. No. ASR/AP-294/73-74/1987.—Whereas, I, R. S. Sawhney, being the Competent Authority under section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share of 1962½ Sq. Yds. and three sheds on it as mentioned in the registered deed No. 688/1 of May, 1973 of S. R. Amritsar situated at Outside Chatiwind Gate, Tarn Taran Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in May 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kulwant Kaur w/o Shri Mohan Singh V. Majitha, Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) S. Sarabjit Singh s/o S. Kalyan Singh, Chowk Baba Bhauri Wala, Amritsar. (Transferee).
- (3) As at Sl. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of 1962½ Sq. Yds. and three sheds on it as mentioned in the registered deed No. 688/1 of Registering Authority, Amritsar.

R. S. SAWHNEY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 9-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1973

Ref. No. ASR/AP-293/73-74/1986.—Whereas, I, R. S. Sawhney, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 434 of May, 1973 situated at Cheel Mandi, Amritsar (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the registering officer at Amritsar in May 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

1—316 GI/73

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S. Sunder Singh s/o S. B. Ram Singh, Cheel Mandi, Amritsar. (Transferor)
- (2) M/s. Akash Financiers (P) Ltd., Cheel Mandi, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period is later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 434 of May 1973 of the Registering Officer, Amritsar.

R. S. SAWHNEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 9-11-1973.

Seal :

[Strike off where not applicable]

CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 8th October 1973

(Office of the General Manager)

-CORRIGENDUM

No. HPB/220/G/II/L.—Please read 19-8-1970 in place of 11-9-1969 appearing in this Railway's notification No. HPB/220/G/II/L dated 3-7-1972 in connection with the confirmation of Shri S. C. Chatterjee, Assistant Electrical Engineer in Class II Service.

K. N. MATHUR
General Manager(P)

Bombay, the 9th October, 1973

No. HPB/220/G/II/—The following Officiating Assistant Electrical Engineers (Class II) are confirmed in that appointment with effect from the dates shown against each :—

S. No.	Name	Date of confirmation in Class II Service
1.	Shri S. D. Khair	19-8-1970
2.	Shri P. S. Konda	19-8-1970
3.	Shri P. T. Anthony	19-8-1970
4.	Shri S. Ghoshal	28-12-1971
5.	Shri S. Srinivasa Gopalan	2-8-1972

G. P. WARRIER,
General Manager

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY
OFFICE OF THE GENERAL MANAGER
(Personnel Branch)

Pandu, the 21st September, 1973

No. E/55/III/91 Pt. III (0)—Shri S. K. Sen who was appointed as Assistant Officer on Probation in T(T) & C Department, of Superior Revenue Establishment is confirmed in the Junior Scale with effect from 1-4-72.

N. N. TANDON,
General Manager

Pandu, the 29th September, 1973

No. E/55/III/94 Pt. II (0)—Shri A. T. Moitra is confirmed in Class II service as Assistant Engineer with effect from 31-1-72.

M. R. REDDY,
General Manager

SOUTH CENTRAL RAILWAY

General Manager's Office

Secunderabad, the 15th September 1973

No. P/GAZ/185/ENG.—The following Officers of the Civil Engineering Department are confirmed in Class-II as Assistant Engineer in that Department from the dates shown against each :—

Sr. No., Name of the Officer & Date from which confirmed.

1. S/Sri R. H. Pochant—2-10-1966.

2. M. Shankariah—2-10-1966.

3. V. Bhoopathy—2-10-1966.

4. N. Suryanarayana—18-11-1970.

The 1st October 1973.

No. P. 185/GAZ/TC/Pt.II.—Shri J. S. Datta, an officiating Senior Scale Officer of Transportation (Traffic) & Commercial Department is confirmed in Class II Service in that Department provisionally with effect from 22nd April 1973.

P. N. KAUL
General Manager

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Deversholai Fertilizer Private Limited

Madras-6, the 9th October 1973

No. 607/560/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of Deversholai Fertilizer Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

Sd. Illegible
Assistant Registrar of Companies.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Neela Corporation Private Limited

Madras-6, the 9th October 1973

No. DN/421/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of Neela Corporation Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

Sd. Illegible
Assistant Registrar of Companies.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Madras Exporters Private Limited

Madras-6, the 10th October 1973

No. 1526/560/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of Madras Exporters Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

Sd. Illegible
Assistant Registrar of Companies.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Associated Investors Limited

Madras-6, the 11th October 1973

No. 83/560(5)/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of Associated Investors Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

Sd. Illegible
Assistant Registrar of Companies.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Swathanthra Sahayam (Nee damangalam) Private Limited

Madras-6, the 17th October 1973

No. 2612/560/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Swathanthra Sahaya (Nee damangalam) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

Y. SATYANARAYANA
Assistant Registrar of Companies.

100-12643